THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 24 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.8 2082 सोमवार, 21 अप्रैल-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

एनडीए गठबंधन बिहार के विकास नहीं कुर्सी के लिए' : खड़गे

बक्सर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। बक्सर में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- मोदी-नीतीश की जोड़ी सिर्फ कुर्सी के लिए हैं। बिहार के विकास के लिए नहीं है। एक बार हमारी गोद में आते हैं, फिर लगा कि बीजेपी आनेवाली है तो नीतीश इधर से उधर चले जाते हैं। ये देश के लिए सही नहीं है।

खड़गे आज यानी रविवार को एक दिन के दौरे पर बिहार के बक्सर पहुंचे थे। अपने 50 मिनट के भाषण में कांग्रेस अध्यक्ष ने नेशनल हेराल्ड केस, वक्फ कानून, मोदी सरकार के वादे और नीतीश कुमार के दल बदलने पर निशाना साधा। उन्होंने गांधी परिवार की कुर्बानी याद दिलाई, साथ ही केंद्र सरकार के 11 झूठ भी गिनवाएं। >14

एससीबीए के पूर्व अध्यक्ष ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

निशिकांत दुबे के बयान पर जताई चिंता

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के पूर्व अध्यक्ष अदिश सी. अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे की सुप्रीम कोर्ट पर टिप्पणी को लेकर गहरी चिंता जताई है। निशिकांत दुबे ने कथित तौर पर कहा था कि अगर सुप्रीम कोर्ट को ही कानून बनाना है तो फिर संसद को बंद कर देना चाहिए। उनके इस बयान पर कानूनी समुदाय ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

वरिष्ठ वकील अग्रवाल ने इस टिप्पणी को 'चौकाने वाला' करार दिया और कहा कि सत्तापक्ष के नेताओं की ओर से ऐसे बयान लोगों के मन में न्यापालिका पर भरोसा खत्म कर सकते हैं। 'पंजाब राज्य बनाम पंजाब के राज्यपाल के प्रधान सचिव' और 'तमिलनाडु राज्य बनाम तमिलनाडु के राज्यपाल' मामले में सुप्रीम कोर्ट के 2023 के ऐतिहासिक फैसलों का जिक्र करते हुए अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुच्छेद 200 और 201 में कोई तय समयसीमा नहीं है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति और राज्यपाल को विधेयकों पर फैसला लेने के लिए तीन महीने की एक तार्किक समयसीमा तय की और ये फैसला संविधान की सीमा में रहकर ही लिया गया।

उन्होंने कहा, यह फैसला न्यायपालिका की सीमा लांघने का उदाहरण नहीं हैं। कोर्ट ने न तो राष्ट्रपति और न ही राज्यपाल को कोई आदेश दिया, बल्कि सिर्फ इतना कहा कि अगर तीन महीने से ज्यादा देर होती है तो उसमें उनकी स्वीकृति मानी जाएगी। अग्रवाल ने कहा कि अगर सरकार को कोर्ट की ओर से तय समयसीमा पर असहमति है, तो उसके पास कानून बनाने और मौजूदा प्रावधानों में संशोधन करने का अधिकार है। उन्होंने लिखा, समयसीमा को लेकर मतभेद हो सकता है, लेकिन इसका सही तरीका सार्वजनिक आलोचना नहीं, बल्कि कानून में संशोधन है।

अग्रवाल ने न्यायपालिका के प्रति अब तक दिखाए गए सम्मान के लिए सरकार की सराहना की और प्रधानमंत्री मोदी से आग्रह किया कि वे अपनी पार्टी के नेताओं को ऐसी सार्वजनिक टिप्पणियां करने से रोकें, जो संविधान द्वारा स्थापित शक्तियों के संतुलन को कमजोर करती हैं और न्यायपालिक व कार्यपालिका के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों को नुकसान पहुचाती हैं।

निशिकांत दुबे के बयान के लिए माफी मांगे पीएम मोदी

उधर, कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद ने भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा की ओर से सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा पर किए गए ट्वीट पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, यह भाजपा का नया फैशन है। उनके कट्टरपंथी तत्व संविधान, तिरंगा और धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ बोलेंगे और वे चुपचाप कहेंगे कि हम इस बयान से खुद को अलग रखते हैं। पीएम मोदी को निशिकांत दुबे के बयान के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट पर टिप्पणी कर बुरे फंसे निशिकांत दुबे!

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ बयानबाजी के मामले में भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे घिरते नजर आ रहे हैं। इस मामले में देश के अटॉर्नी जनरल को चिट्ठी लिखकर बीजेपी सांसद के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की इजाजत मांगी गई है। आपराधिक अवमानना का मामला चलाए जाने की मांग दुबे की सुप्रीम कोर्ट और चीफ जस्टिस संजीव खन्ना के खिलाफ टिप्पणियों को लेकर की गई है।

याचिकाकर्ता ने मामले में अटॉर्नी जनरल को पत्र लिखकर कंटेप्ट मामले में कार्रवाई के लिए इजाजत मांगी है।

बता दें कि नियम के तहत कंटेप्ट मामले के लिए अटॉर्नी जनरल से इजाजत लेनी होती है। याचिकाकर्ता की ओर से वक्फ अधिनियम मामले में पैरवी कर रहे एक सुप्रीम कोर्ट के वकील ने अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि को पत्र लिखकर निशिकांत दुबे के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की अनुमति मांगी है।

नेशनल हेराल्ड केस

हम डरेंगे नहीं : खड़गे

चार्जशीट में साजिश के तहत सोनिया-राहुल का नाम, भाजपा बोली- कानूनी जवाब दें, राजनीति न करें

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- नेशनल हेराल्ड केस की चार्जशीट में साजिश और बदले की भावना के तहत सोनिया गांधी और राहुल गांधी का नाम जोड़ा गया है। वे चाहे जिसका भी नाम डालें, हम डरने वाले नहीं हैं। खड़गे ने दिल्ली में पार्टी महासचिवों और प्रदेश प्रभारी की बैठक में यह बात कही।

खड़गे ने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस के अहमदाबाद अधिवेशन के समय जानबूझकर दिल्ली, लखनऊ और मुंबई में नेशनल हेराल्ड की संपत्तियां अटैच कीं। इससे पहले भी मोदी सरकार ने ईडी और सीबीआई के जरिए कांग्रेस नेताओं पर छापे मारकर रायपुर अधिवेशन को बाधित करने की कोशिश की थी।

इधर, भाजपा ने कांग्रेस पर मामले को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया। भाजपा प्रवक्ता नलिन कोहली ने कहा- अगर गांधी परिवार को अपने जवाब सही लगते हैं, तो वे उन्हें कोर्ट में रखें। राजनीतिकरण ना करें। जांच में गंभीर सवाल उठ रहे हैं। नेहरू-गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी को इन सवालों के जवाब देने होंगे।

पहली चार्जशीट दाखिल, देशभर में प्रदर्शन :

ईडी ने 15 अप्रैल को नेशनल हेराल्ड अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में पहली चार्जशीट दाखिल कर दी। इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे के नाम शामिल हैं। मामले की सुनवाई 25 अप्रैल को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में होगी। कोर्ट ने ईडी से मामले की केस डायरी भी मांगी है। इसके विरोध में पार्टी देशभर में ईडी दफ्तरों के बाहर आज (बुधवार को) विरोध प्रदर्शन कर रही है। दिल्ली में पार्टी मुख्यालय के सामने प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है। केरल में प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को वाटर कैनन चलाकर खदेड़ा गया।

खड़गे के संबोधन की 2 बड़ी बातें :

> 'यंग इंडिया' एक नॉट-फॉर-प्रॉफिट कंपनी है। इससे जुड़ी 'एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड' की संपत्तियों पर किसी का व्यक्तिगत दावा नहीं बनता और ना ही उन्हें ट्रांसफर किया जा सकता है। भाजपा इस मामले में झूठ फैला रही है। कांग्रेस के सभी नेता जनता को सही जानकारी देकर भाजपा के झूठे प्रचार का पर्दाफाश करें।

> सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन कानून को लेकर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की आपत्तियों पर संज्ञान लिया है। >14

ईसीआई का वोटर्स लिस्ट से डुप्लीकेसी हटाने के लिए अभियान

शुरूआत बिहार चुनाव से होगी, 22 करोड़ वोटर्स आधार से लिंक नहीं, बीएलओ घर-घर वेरिफिकेशन करेंगे

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। चुनाव आयोग (ईसीआई) वोटर्स लिस्ट को साफ सुथरा बनाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी कवायद करने जा रहा है। इसके लिए मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ने पर सहमति बन चुकी है, लेकिन इसकी शर्त को पूरा करने के लिए उन वोटर्स से कारण जानना जरूरी है, जिन्होंने अभी तक अपना आधार नंबर वोटर रजिस्ट्रेशन के लिए नहीं दिया है।

आयोग के पास अभी तक 66 करोड़ मतदाताओं के आधार एपिक नंबर (इलेक्टर्स फोटो आइडेंटिटी कार्ड नंबर) से लिंक्ड हुए हैं, लेकिन अब भी करीब 22 करोड़ मतदाताओं के आधार उपलब्ध नहीं हैं। इसका नतीजा ये है कि आधार के बेस पर मतदाता सूची से डुप्लीकेशन खत्म करने की प्रक्रिया शुरू भी नहीं हो पाई है।

सूत्रों के अनुसार, मतदाता सूचियों से डुप्लीकेसी खत्म करने के लिए वोटर्स तक पहुंचने की योजना बनाई गई है। इसमें बूथ स्तर के अधिकारियों को सक्रिय किया जाएगा, जो मतदाताओं के घर जाकर संपर्क करेंगे। इस दौरान पता लगाया जाएगा कि अगर एपिक नंबर को आधार से लिंक किया गया है तो उसकी पुष्टि क्यों नहीं की? अगर लिंक नहीं किया है तो उसकी वजह जानी जाएगी।

बूथ लेवल अफसर (बीएलओ) अपना संपर्क नंबर वोटर्स के साथ शेयर करेगा। वोटर्स तक पहुंचने का यह व्यापक अभियान विधानसभा चुनावों के समानांतर चलाया जाएगा। जिस राज्य में चुनाव आने वाले हैं, वहां यह प्रक्रिया प्राथमिकता से पूरी की जाएगी। इस साल के आखिर में बिहार में होने वाले चुनाव में बीएलओ वोटर्स से संपर्क करेंगे। अगले साल पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल के मतदाताओं से संपर्क की योजना है।

जम्मू-कश्मीर में बादल फटने से तबाही

रामबन में बाढ़ और भूस्खलन से 3 की मौत, 100 लोगों का रेस्क्यू

श्रीनगर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में पिछले कई दिनों से बारिश हो रही है। रामबन जिले के सेरी बागना इलाके में रविवार सुबह बारिश के बाद बादल फटने से 3 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने करीब 100 लोगों को रेस्क्यू किया। सूत्रों ने बताया कि बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। पहाड़ का मलबा गांव की तरफ आ गया, जिसके चपेट में कई लोग और घर आ गए। फिलहाल रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

उधर, रामबन जिले के बनिहाल इलाके में कई जगह लैंडस्लाइड हुई हैं। इसकी वजह से जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे बंद कर दिया गया है। सैकड़ों वाहन फंसे हुए हैं। किश्तवाड़-पद्दर मार्ग भी बंद है। यहां वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। अधिकारियों ने मौसम साफ होने के बाद ही हाईवे पर सफर करने की अपील की है।

लैंडस्लाइड के कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिसमें पहाड़ से मलबा गिरते देखा जा सकता है।

कुछ इलाकों में पहाड़ का मलबा सड़कों और रिहायशी इलाकों तक पहुंच गया है। एक वीडियो में तीन-चार टैंकर और कुछ अन्य गाड़ियां मलबे में पूरी तरह दबी हुई दिख रही हैं। इसके अलावा होटल और घर भी मलबे से प्रभावित दिख रहे हैं।

एक चश्मदीद ने बताया- जम्मू से श्रीनगर जाने के दौरान बारिश तेज हो गई तो मैंने रामबन में रुक गया। रात करीब 10 बजे मैंने होटल में चेकइन किया। रात करीब 3 बजे शोर-शराबे के बीच मेरी नींद खुली। मैं होटल से नीचे आया तो देखा पानी तेजी से ऊपर की ओर भर रहा था।

नीचे का स्टाफ होटल छोड़कर भाग चुका था और हम सारे लोग फंस गए थे। चश्मदीद ने होटल की ओर इशारा करते हुए बताया कि यह होटल तीन मंजिला है। इसकी दो मंजिलें नीचे मलबे में दबी हुई हैं। यह तीसरी मंजिल दिख रही है। करीब 8-10 गाड़ियां नीचे दब गई हैं। मैंने 15 दिन पहले ही नई गाड़ी ली थी, वह भी मलबे में दबी है। उस समय हम 15 लोग ऊपर फंसे थे। होटल का कुछ स्टाफ जो ऊपरी फ्लोर पर था, वह भी फंस गया था। सामने का रास्ता बंद हो गया था। किसी तरह हम सभी ने होटल के पीछे से निकलकर अपनी जान बचाई।

धर्मकुंड से 100 लोगों को निकाला गया :

रामबन जिले में चेनाब नदी के पास धर्मकुंड गांव लैंडस्लाइड की चपेट में आ गया है। 10 घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए, 25-30 अन्य घरों को भी नुकसान हुआ है। धर्मकुंड पुलिस ने 90-100 लोगों को सुरक्षित बचाया।

उधमपुर जिले की सतैनी पंचायत में भी तेज आंधी और बारिश ने भारी तबाही मचाई है। पंचायत के पूर्व सरपंच पर्शोत्तम गुप्ता ने बताया कि इलाके में कई पेड़ उखड़ गए, जिससे यातायात और बिजली व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा- मैंने अपनी पंचायत का निरीक्षण किया है। कई पेड़ गिर चुके हैं और बिजली की आपूर्ति ठप है। पिछले 4-5 सालों में इतनी तेज हवाएं पहली बार देखी हैं।

भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक अगले 2-3 दिनों तक जम्मू-कश्मीर में बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है।

रिटायर्ड डीजीपी ओम प्रकाश की हत्या

पत्नी पर आरोप, बिहार के थे रहने वाले

बेंगलुरू, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ओम प्रकाश की रविवार को हत्या हो गई है। यह घटना बेंगलुरू के एचएसआर लेआउट में रविवार शाम को हुई। कहा जा रहा है कि उनकी पत्नी पल्लवी ने ही उनकी हत्या की है। पारिवारिक कलह के चलते पत्नी ने इस घटना को अंजाम दिया। घटना के बाद पत्नी ने खुद ही पुलिस को इसकी सूचना दी। एक अधिकारी ने कहा कि राज्य के पुलिस विभाग के मुखिया रहे अधिकारी की हत्या से सभी हैरान हैं।

68 साल के ओम प्रकाश अपनी रिटायरमेंट के बाद बेंगलुरू में अपने घर में रह रहे थे। उनकी पत्नी के साथ अनबन चल रही थी। कहा जा रहा है कि मानसिक संतुलन खो चुकी पत्नी ने रविवार शाम को ओम प्रकाश की हत्या कर दी और फिर पुलिस को इसकी जानकारी दी। एचएसआर लेआउट पुलिस स्टेशन में इस घटना का मामला दर्ज किया गया है।

साल 1981 बैच के 68 वर्षीय आईपीएस अधिकारी बिहार के चंपारण के मूल निवासी थे और उन्होंने भूविज्ञान में एमएससी की डिग्री हासिल की थी। उन्होंने अग्निशमन दल और होम गार्ड के डीजीपी के रूप में सेवाएं दी थीं। उन्हें एक मार्च, 2015 को पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया था। मौके पर पहुंची पुलिस खून से लथपथ रिटायर्ड अधिकारी को देखकर हैरान रह गई। इसके बाद पुलिस ने पत्नी और बेटी को पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया है।

शुरूआती जांच में पता चला है कि हत्या की वजह पारिवारिक झगड़ा हो सकता है।

एक मंदिर, एक श्मशान...

आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने दिया सामाजिक एकता का मंत्र, भड़क गई कांग्रेस

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने सामाजिक एकता पर जोर दिया है। उन्होंने सभी के लिए 'एक मंदिर, एक कुआं और एक श्मशान घाट' अपनाने का आह्वान किया है। वहीं, कांग्रेस ने आरएसएस पर समुदायों को बांटने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने वक्फ संशोधन अधिनियम को बीजेपी और आरएसएस की साजिश बताया है।

मोहन भागवत ने अलीगढ़ की पांच दिवसीय यात्रा के दौरान स्वयंसेवकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत को शांति को बढ़ावा देने में अपनी वैश्विक भूमिका को साकार करने के लिए सच्ची सामाजिक एकता जरूरी है। उन्होंने एच.बी. इंटर कॉलेज और पंचन नगरी पार्क में दो शाखाओं में स्वयंसेवकों को संबोधित किया।

भागवत ने हिंदू समाज की नींव के रूप में संस्कार और मूल्यों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने स्वयंसेवकों से परंपरा, सांस्कृतिक विरासत और नैतिक अखंडता पर आधारित समुदाय बनाने का आह्वान किया। उन्होंने राष्ट्रीय गौरव को मजबूत करने और सामाजिक एकता को बढ़ावा देने के लिए त्योहारों को एक साथ मनाने की बात कही। भागवत ने स्वयंसेवकों को समाज के सभी वर्गों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

वहीं मल्लिकार्जुन खड़गे ने बिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए बीजेपी-आरएसएस पर गरीबों, महिलाओं और कमजोर वर्गों के खिलाफ होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, वे गरीब, महिलाओं और समाज के कमजोर वर्गों के खिलाफ हैं। वे समाज की बेहतरी के लिए नहीं सोच सकते, वे जाति और धर्म के आधार पर समाज को बांटने में विश्वास करते हैं।

खड़गे ने वक्फ संशोधन विधेयक को बीजेपी और आरएसएस की साजिश बताया। उन्होंने कहा कि यह समुदायों के बीच विभाजन पैदा करने का प्रयास है। उन्होंने कहा, संसद द्वारा पारित वक्फ संशोधन विधेयक बीजेपी और संघ की समुदायों के बीच विभाजन पैदा करने की साजिश है।

खट्टर बोले- अंबेडकर ने कांग्रेस की बात नहीं मानी, इस्तीफा दिया

करनाल, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। करनाल के हैबतपुर गांव पहुंचे केंद्रीय मंत्री ने संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर को याद करते हुए कहा कि जब कांग्रेस ने उनकी बात नहीं मानी तो उन्होंने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने महिलाओं को संपत्ति का अधिकार देने की बात कही और समानता के अधिकार को संविधान में शामिल किया। धारा 14, 15 और 16 को बाबा साहब की सोच के अनुरूप रखा गया, ताकि हर समाज बिना भेदभाव के आगे बढ़ सके। उन्होंने कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण की वकालत की, जो समाज को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए एक बड़ा कदम था।

मुर्शिदाबाद में हो रही हिंसा पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह घटना बेहद दुखद है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस हिंसा के पीछे हैं और उनकी पहचान की जा रही है।

अमेरिका में हजारों लोगों ने राष्ट्रपति आवास घेरा

सभी 50 राज्यों में प्रदर्शन, पोस्टर में लिखा- ट्रम्प को अल सल्वाडोर जेल भेजें

वॉशिंगटन, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों के खिलाफ हजारों प्रदर्शनकारी एक बार फिर सड़कों पर उतर आए। ये प्रदर्शन सभी 50 राज्यों में हुए। प्रदर्शनकारी ट्रम्प की टैरिफ वॉर की नीतियों, सरकारी नौकरियों में छंटनी का विरोध कर रहे हैं।

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति आवास व्हाइट हाउस का घेराव किया। लोगों ने ट्रम्प पर नागरिक और कानून के शासन को कुचलने का आरोप लगाया। इस आंदोलन को 50501 नाम दिया गया है, जिसका मतलब '50 विरोध प्रदर्शन, 50 राज्य, 1 आंदोलन' है। प्रदर्शनकारियों ने व्हाइट हाउस के अलावा टेस्ला के शोरूम का भी घेराव किया। ट्रम्प के खिलाफ प्रदर्शनों का यह दूसरा दौर है। इससे पहले 5 अप्रैल को ट्रम्प के खिलाफ पूरे देश में प्रदर्शन हुए थे।

ट्रम्प और मस्क की नीतियों के खिलाफ हो रहे प्रदर्शन :

राजधानी वॉशिंगटन डीसी समेत सभी राज्यों में प्रदर्शन की बड़ी वजह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और कारोबारी इलॉन मस्क की आक्रामक नीतियां हैं। इलॉन मस्क का दक्षता विभाग लगातार सरकारी विभागों में छंटनी कर रहा है। अब तक हजारों सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा चुका है। दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रम्प की अप्रवासियों पर कार्रवाई और दूसरे देशों पर टैरिफ लगाने की सख्त पॉलिसी भी इन प्रदर्शनों की एक बड़ी वजह है। ट्रम्प के टैरिफ वॉर से अमेरिका में दूसरे देशों से आने वाली चीजों के दाम बढ़े हैं। इसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ रहा है।

ट्रम्प के काम से खुश हैं 45 प्रतिशत वोटर्स :

अमेरिकी सर्वे एजेंसी गैलप के मुताबिक 45 प्रतिशत अमेरिकी वोटर्स ट्रम्प के पहले 3 महीने के कामकाज से खुश हैं, जबकि ट्रम्प के पहले कार्यकाल के शुरूआती 3 महीनों में 41 प्रतिशत वोटर्स ही उनके कामकाज से संतुष्ट थे। हालांकि यह बाकी राष्ट्रपतियों की तुलना में बेहद कम है। 1952 से 2020 के बीच सभी राष्ट्रपति की पहली तिमाही की औसत रेटिंग 60 प्रतिशत है। इसकी तुलना में ट्रम्प की रेटिंग कम दिख रही है। एजेंसी के मुताबिक ट्रम्प के पदभार संभालने के वक्त उनकी रेटिंग 47 प्रतिशत थी।

आंसरशीट पर प्यार की खातिर चिपका दिया 500 का नोट, टीचर के उड़े होश

बेलगावी, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। बोर्ड परीक्षाएं बहुत कठिन होती हैं, जिसके लिए छात्र दिन-रात मेहनत करते हैं। वहीं कुछ छात्र ऐसे भी होते हैं, जिन्हें अपने पास होने पर कुछ शंकाएं रहती हैं। ऐसे ही छात्रों में से कुछ पास होने के लिए अनोखे जुगाड़ लगाते हैं। कुछ दिन पहले एक छात्र ने परीक्षा में पास होने के लिए भगवान को पत्र लिखा था, जिसे उसने मंदिर की हुंडी (दान पात्र) में डाल दिया था। इससे मिलता-जुलता एक मामला कर्नाटक से सामने आया है, जहां पर छात्रों ने शिक्षक को नोट लिखते हुए कॉपी में 500 रुपये भी रख दिए। जानकारी के मुताबिक, यह कक्षा 10 का छात्र हैं। कर्नाटक के बेलगावी जिले के चिक्कोडी में 10वीं क्लास की परीक्षा का आयोजन किया गया। इसके लिए छात्रों की कॉपी चेक की जा रही थी, तभी एक शिक्षक को एक अनोखी कॉपी मिली, जिसमें एक रिक्वेस्ट नोट लिखा गया था। इसके साथ ही कॉपी में 500 रुपये का नोट भी चिपका था। इस नोट में छात्र ने बताया कि उसका प्यार उनकी परीक्षा पास करने पर ही निर्भर करता है। नोट में लिखा गया कि 'कृपया मुझे पास कर दीजिए, मेरा प्यार आपके हाथों में है।' छात्रों ने कॉपी के बीच में 500 रुपये भी रखे। कई कॉपियां ऐसी भी थीं, जिनमें कहा गया कि अगर वह पास करने में मदद कर दें, तो वे ज्यादा पैसे देंगे। एक दूसरे छात्र ने लिखा कि 'मैं अपना प्यार तभी जारी रखूंगा, जब मैं पास हो जाऊंगा।' एक ने 500 रुपये रखते हुए लिखा कि 'चाय पी लीजिए, सर, और कृपया मुझे पास कर दीजिए।

निशिकांत दुबे-दिनेश शर्मा के बयान पर सियासत

कांग्रेस बोली- नड्डा की सफाई सिर्फ डैमेज कंट्रोल

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। रविवार को कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा की विवादित टिप्पणियों को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। साथ ही कांग्रेस ने भाजपा पर कई गंभीर आरोप भी लगाते हुए कहा कि भाजपा अध्यक्ष जेपी। नड्डा का इन बयानों से खुद को अलग करना सिर्फ़ क्षति नियंत्रण है, जबकि असल सवाल यह है कि दोनों सांसदों पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई। बता दें कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट पर सवाल उठाते हुए कहा था कि अगर कानून सुप्रीम कोर्ट को ही बनाना है तो संसद और विधानसभाएं बंद कर दी जाएं। उन्होंने सीजेआई संजीव खन्ना पर भी सीधा निशाना साधते हुए कहा कि वे देश में गृह युद्ध जैसे हालात पैदा कर रहे हैं। वहीं, पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा ने कहा था कि कोई भी संसद और राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकता।

भाजपा पर जयराम रमेश ने लगाए आरोप

कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा कि सुप्रीम कोर्ट और भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) पर भाजपा सांसदों की अमानवीय टिप्पणियों के बाद नड्डा का स्पष्टीकरण कोई मायने नहीं रखता। साथ ही रमेश ने आरोप लगाया कि ये सांसद नफरत फैलाने वाले भाषणों में बार-बार पकड़े जाते हैं और भाजपा नेतृत्व (जी2) जानबूझकर इन्हें संस्थानों और व्यक्तियों को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल करता है। साथ ही उन्होंने सवाल उठाया कि क्या भाजपा ने इन सांसदों को कारण बताओ नोटिस भेजा है और क्या प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी इन बयानों पर मौन समर्थन नहीं मानी जाए?

कांग्रेस ने पूछे तीखे सवाल

जयराम रमेश ने दो टूक कहा कि भाजपा सांसदों की बार-बार की गई ऐसी टिप्पणियां लोकतंत्र और संविधान पर हमला हैं। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या भाजपा इन टिप्पणियों से पूरी तरह असहमत है, तो दोनों सांसदों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं कर रही?

बयान से भाजपा ने झाड़ा पल्ला

वहीं मामले में बढ़ते गर्माहट को देखते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को बयान जारी कर कहा था कि सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा की टिप्पणियां व्यक्तिगत हैं और पार्टी का उनसे कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा न्यायपालिका का सम्मान करती है और कभी भी ऐसी टिप्पणियों का समर्थन नहीं करती। नड्डा ने पार्टी नेताओं को भविष्य में इस तरह की टिप्पणियों से बचने का निर्देश भी दिया।

अब रहने-चलने का ढंग बदल लो, 15 मई से सरकार लागू करने जा रही नए नियम

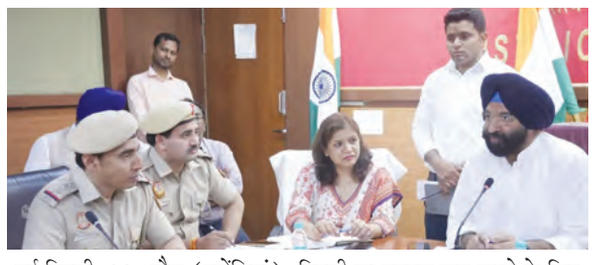

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली का प्रदूषण कम करने के लिए सरकार ने कई नए नियम बनाने का फैसला किया है। ये नए नियम 15 मई से लागू होंगे। इसके बाद दिल्ली में रहने वाले लोगों को अपनी दिनचर्या में थोड़ा बदलाव करना पड़ सकता है। कुछ लोगों को पुराने वाहन हटाने पड़ सकते हैं। सरकार ने इस विषय पर अहम बैठक की थी, जिसमें बड़े अधिकारी भी शामिल थे। बैठक में कई अहम फैसले लिए गए हैं, जिनकी विस्तृत रूप रेखा तैयार की जा रही है।

इसके बाद सरकार नए नियम लागू कर देश की राजधानी को साफ और सुदंर बनाने की कोशिश करेगी। बैठक के बारे में जानकारी देते हुए दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने एक्स पर लिखा राजौरी गार्डन में अवैध निर्माण, प्रदूषण फैलाने वाले प्रतिष्ठानों और अतिक्रमण से निपटने के लिए रणनीति और कार्रवाई पर चर्चा करने के लिए जिला मजिस्ट्रेट पश्चिम कार्यालय में एमसीडी, पीडब्ल्यूडी, डीजेबी, बीएसईएस, डीयूएसआईबी और आईएफसी के अधिकारियों के साथ एक उपयोगी बैठक आयोजित की। मुख्यमंत्री के रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में हम निवासियों के लिए बेहतर सड़क, जल निकासी, पानी, बिजली और स्वच्छता सेवाओं के लिए समन्वित प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

'जरूरत पड़ी तो आएंगे साथ'

राज ठाकरे और उद्धव के एक साथ आने के सवाल पर और क्या बोले संजय राउत?

मुंबई, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के प्रमुख राज ठाकरे के ताजा बयान ने महाराष्ट्र की सियासत में हलचल मचा दी है। राज ठाकरे ने उद्धव ठाकरे के साथ राजनीतिक रूप से एक साथ आने की इच्छा जाहिर की है। इस पर अब शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत का बयान सामने आया है।

दोनों भाई करेंगे फैसला- राउत

संजय राउत ने कहा, 'अभी तक (मनसे और शिवसेना-यूबीटी के बीच) कोई गठबंधन नहीं है, केवल भावनात्मक बातचीत चल रही है।' गठबंधन के सवाल पर संजय राउत ने कहा, 'राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे भाई हैं। हम सालों से साथ हैं। हमारा रिश्ता नहीं टूटा है। (गठबंधन के बारे में) दोनों भाई फैसला करेंगे।'

जरूरत पड़ी तो आएंगे साथ-

राउत ने कहा, 'हमने उद्धव जी की बात मान ली है महाराष्ट्र के लिए अगर हमें (मनसे और शिवसेना-यूबीटी) साथ आने की जरूरत पड़ी, तो हम साथ आएंगे। उद्धव जी ने कभी किसी नियम और शर्तों के बारे में बात नहीं की है।

उद्धव जी ने कहा कि कुछ दल हैं जो महाराष्ट्र के हितैषी होने का दावा करते हैं, लेकिन वे महाराष्ट्र के दुश्मन हैं।'

महाराष्ट्र के गौरव पर हुआ हमला

शिवसेना यूबीटी के नेता ने कहा, 'उन्होंने (एकनाथ शिंदे) महाराष्ट्र के गौरव पर हमला करने के लिए बालासाहेब की शिवसेना को तोड़ा और ऐसी पार्टियों से हमें कोई संबंध नहीं रखना चाहिए, तभी हम सच्चे महाराष्ट्रियन हो सकते हैं और यह कोई शर्त नहीं बल्कि महाराष्ट्र के लोगों की भावनाएं हैं और यही उद्धव जी ने कहा है।'

एक साथ आना मुश्किल नहीं- राज ठाकरे

बता दें कि राज ठाकरे ने हाल ही में एक पॉडकास्ट में कहा था कि महाराष्ट्र और मराठी अस्मिता के लिए उनके और उद्धव के बीच के झगड़े छोटे हैं। दोनों को एक साथ आना मुश्किल नहीं है, बस इच्छा का सवाल है।

केरल में दिल दहला देने वाली घटना

कुत्ता घर के आंगन में घुसा तो पड़ोसी ने शख्स को चाकू घोंपकर मार डाला

त्रिशूर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल में दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक कुत्ता घर के आंगन में घुस गया तो मकान के मालिक का गुस्सा इतना बढ़ गया कि उसने कुत्ते के मालिक और अपने पड़ोसी की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। वारदात के बाद से ही इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने रविवार को बताया कि त्रिशूर में वेल्लीकुलंगरा के पास एक 42 वर्षीय व्यक्ति की उसके पड़ोसी ने कथित तौर पर चाकू घोंपकर हत्या कर दी। घटना पीड़ित के कुत्ते के आरोपी के घर के आंगन में घुसने को लेकर हुई थी। पीड़ित शिजो और आरोपी जोसेफ (69) पड़ोसी थे और उनके बीच अक्सर इस बात को लेकर बहस होती थी कि पीड़ित का कुत्ता अक्सर पीड़ित के घर के आंगन में घुस जाता था। पुलिस ने बताया कि रात को जब यह घटना फिर हुई, तो दोनों के बीच बहस हुई, जो लड़ाई में बदल गई।

इंडिगो के खड़े प्लेन से टकराया टेंपो ट्रैवलर

बेंगलुरु एयरपोर्ट पर स्टाफ में मची अफरातफरी

बेंगलुरु, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। एयरपोर्ट पर हुए एक हादसे की जानकारी सामने आई है। हालांकि हादसा 18 अप्रैल के दिन हुआ था, लेकिन इंडिगो एयरलाइन की ओर से बयान जारी करके हादसे की जानकारी दी गई है।

इंडिगो एयरलाइन का एक विमान ल्फा पार्किंग बे 71 में केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बेंगलुरु में पार्क था कि अचानक एक टेंपो ट्रैवलर विमान के अगले हिस्से टकरा गया। हादसे में टेंपो ट्रैवलर की छत बुरी तरह डैमेज हो गई। विंडस्क्रीन टूट गई और ड्राइवर को चोटें लगीं। विमान और टेंपो की टक्कर देखते ही एयरपोर्ट स्टाफ में हड़कंप मच गया। सुरक्षाकर्मी, स्टाफ, इंजीनियर और अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान चलाया। इंडिगो एयरलाइन के अधिकारियों को भी हादसे की सूचना दी गई तो अधिकारी मौके पर पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। रिपोर्ट के अनुसार, बेंगलुरु एयरपोर्ट के प्रवक्ता ने बताया कि हादसा दोपहर करीब साढ़े 12 बजे हुआ था। टेंपो जिस विमान से टकराया, वह एयलाइन का ए320 एयरबस था। विमान का इंजन खराब था, इसलिए एयरक्राफ्ट ऑन ग्राउंड (एओजी) की कैटेगरी में वह पार्क था। ग्लोब ग्राउंड इंडिया नामक ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी का टेंपो ट्रैवलर अकासा एयरलाइंस के कर्मचारियों को उनके ऑफिस से आइसोलेशन बे में लेकर जा रहा था, जिन्हें विमान का इंजन ठीक करना था। कर्मचारियों को लेकर आया टेंपो विमान और जमीन के बीच का गैप जाने बिना विमान के अगले हिस्से के नीचे से गुजरने लगा तो विमान से टकरा गया। टक्कर लगते ही टेंपो की छत डैमेज हो गई। बताया जा रहा है कि टेंपो ड्राइवर को नींद की झपकी लग रही थी। गनीमत ही कि टेंपो में सिर्फ ड्राइवर था, वरना बड़ा हादसा होता। बेंगलुरु एयरपोर्ट के प्रवक्ता ने बताया कि हादसा होने की खबर मिलते ही सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का तुरंत पालन किया गया। यात्रियों और हवाई अड्डे के कर्मियों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। दुर्घटना टेंपो ट्रैवलर के चालक की लापरवाही के कारण हुई, जब वह कर्मचारियों को उतार रहा था। वाहन का ऊपरी हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है, चालक को मामूली चोटें आई हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हुई हादसे की तस्वीरों में दिख रहा है कि टेंपो ट्रैवलर की छत क्षतिग्रस्त हो गई है।

दुबई और पाकिस्तान से नशा और हथियारों की तस्करी, पुलिस का कांस्टेबल भी शामिल

अमृतसर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। अमृतसर जिला शहरी पुलिस ने दो हवाला तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से 46 लाख 91 हजार की हवाला राशि भी बरामद हुई है। आरोपियों का नाम हरमीत सिंह निवासी सदर क्वार्टर और नवजोत सिंह है। नवजोत पंजाब पुलिस में कांस्टेबल है। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह ने बताया कि थाना छेहरटा पुलिस ने 9 अप्रैल को सतनाम सिंह निवासी लोपोके को एक किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया था। इसी से पूछताछ के दौरान उसके अन्य साथी राजनजोत सिंह, गुरप्रीत सिंह, अनिल सैनी निवासी हरियाणा को गिरफ्तार किया था। इन चारों आरोपियों से जांच के दौरान पता चला कि नशे व हथियारों के बदले होने वाले पैसों का लेन-देन हवाला के जरिये हो रहा है, जोकि आरोपी हरमीत सिंह और पुलिस कांस्टेबल नवजोत सिंह करते हैं।

नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे गिरफ्तार

टैंकर को लेकर भाजपा नेता से विवाद

इंदौर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे सहित आठ लोगों के खिलाफ हीरानगर पुलिस ने केस दर्ज किया है। पार्षद के भतीजे का विवाद पानी के टैंकर को लेकर उनकी गली में रहने वाले कपिल पाठक से हुआ था। कपिल भाजपा नेता है और विधायक रमेश मेंदोला के समर्थक है। केस दर्ज होने के बाद चिंटू चौकसे के समर्थक बड़ी संख्या में हीरानगर थाने पहुंचे। पुलिस ने इस मामले में नेता प्रतिपक्ष को गिरफ्तार कर लिया है और मेडिकल के लिए रविवार सुबह एमवाय अस्पताल भेजा। नेता प्रतिपक्ष चौकसे की गली में ही भाजपा नेता कपिल पाठक रहते है। वे विधायक कोटे से पानी के टैंकर से वार्ड में जल वितरण कराते है। वे गली में टैंकर से पानी बंटवा रहे थे, तो टैंकर हटाने की बात पर कपिल का विवाद चिंटू चौकसे के भतीजे से हुआ। इस बीच चिंटू चौकसे व उनके समर्थक भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद विवाद ज्यादा बढ़ गया और लोहे की राड से कपिल पर हमला हो गया। मामला थाने तक पहुंचा। पुलिस ने कपिल की शिकायत पर चौकसे सहित आठ लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

इस मामले में चौकसे समर्थकों का कहना है कि नेता प्रतिपक्ष घटना के समय शादी में गए थे। उनका नाम की रिपोर्ट राजनीतिक रंजिश के चलते लिखवाई गई है। गिरफ्तारी की खबर लगते ही चौकसे के समर्थक बड़ी संख्या में थाने के बाहर एकत्र हो गए और देर तक नारेबाजी की। पुलिस ने जानलेवा हमले की धारा के तहत केस दर्ज किया है।

मणिपुर में पुलिस की बड़ी कामयाबी, 48 घंटे में प्रतिबंधित संगठनों के नौ सदस्य गिरफ्तार

इंफाल, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। मणिपुर के इंफाल घाटी जिलों में कई प्रतिबंधित संगठनों के नौ सदस्यों को पिछले 48 घंटों में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रतिबंधित यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (पंबेई) के दो कार्यकर्ताओं को शनिवार को इंफाल पूर्वी जिले के नोंग्दम गांव के पास नेपेटपल्ली एंड्रो रोड से गिरफ्तार किया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वे कथित तौर पर जबरन वसूली में शामिल थे। उन्होंने बताया कि इससे पहले सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को बिष्णुपुर जिले के निंगथौखोंग वार्ड नंबर 13 से प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (ताइबांगनबा) के एक सदस्य को गिरफ्तार किया। उसी दिन प्रतिबंधित केसीपी (एमएफएल) के दो कार्यकर्ताओं को इंफाल पश्चिम जिले के सलाम ममांग लेइकाई केतुकी लम्पक से गिरफ्तार किया गया। वे भी कथित तौर पर जबरन वसूली में भी शामिल थे।

उन्होंने बताया कि राज्य पुलिस ने शुक्रवार को इंफाल पूर्वी जिले के क्यामगेई हेइबोंग माखोंग इलाके से प्रतिबंधित प्रेपक (पीआरओ) के एक कैडर को गिरफ्तार किया। प्रतिबंधित कांगलेई यावोल कन्ना लूप (केवाईकेएल) के एक कैडर को इंफाल पूर्वी जिले से हिरासत में लिया गया। यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी ऑफ कांगलेईपाक (यूपीपीके) के एक सदस्य को भी शुक्रवार को इंफाल पूर्वी जिले से गिरफ्तार किया गया। उसी दिन इंफाल पूर्वी जिले के संजेनबाम शांगशाबी गांव से प्रतिबंधित प्रेपक के एक अन्य सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया गया।

मणिपुर में 2023 से हालात तनावपूर्ण

मई 2023 में जातीय हिंसा भड़कने के बाद से मणिपुर पुलिस और कई अन्य सुरक्षा बल पूरे राज्य में तलाशी अभियान चला रहे हैं। मई 2023 से मैतेई और कुकी-जो समूहों के बीच जातीय संघर्ष में 250 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद केंद्र ने 13 फरवरी को राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था। राज्य विधानसभा का कार्यकाल 2027 तक है। हालांकि, इसे फिलहाल निलंबित कर दिया गया है।

कभी-कभी सत्य सही हो तो भी बोलना नहीं चाहिए

सुप्रीम कोर्ट और सीजेआई पर बोलने वाले निशिकांत दुबे को कैलाश विजयवर्गीय का साथ और सलाह मिली

भोपाल, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे के सुप्रीम कोर्ट और सीजेआई संजीव खन्ना पर दिए बयान के बाद बवाल मचा हुआ है। विपक्षी दल इसको लेकर सरकार और बीजेपी नेताओं को घेर रहे हैं। इसके साथ ही बीजेपी ने अपने सांसद के बयान से पल्ला झाड़ लिया है। इस बारे में पार्टी प्रमुख ने सोशल मीडिया पर जानकारी भी दी है। निशिकांत दुबे के बयान पर अब मध्य प्रदेश के मंत्री और बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय का चौंकाने वाला बयान सामने आया है। कैलाश विजयवर्गीय ने निशिकांत दुबे के बयान पर कहा कि पार्टी की गाइडलाइन आ चुकी है। हम सब उसके साथ हैं। उन्होंने दुबे को सलाह देते हुए कहा कि कभी-कभी सत्य सही हो तो भी बोलना नहीं चाहिए। हर एक चीज की मर्यादा होती है। विजयवर्गीय ने कहा कि निशिकांत दुबे मेरे छोटे भाई हैं। मैं उनको सलाह दूंगा कि इस प्रकार की बात सार्वजनिक रूप से नहीं करें तो ज्यादा अच्छा है। उन्होंने कहा कि आज कल की जनता सब कुछ जानती है। विजयवर्गीय ने भले ही पार्टी गाइडलाइन का हवाला देकर खुले तौर पर समर्थन न किया हो, पर उन्होंने साफ कर दिया कि जो भी निशिकांत दुबे ने कहा वो सही है। ऐसे में अब लाजमी है कि विपक्ष कैलाश विजयवर्गीय को भी निशाने पर लेगा।

क्या बोले ये निशिकांत दुबे?

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे कहा सुप्रीम कोर्ट और सीजेआई संजीव खन्ना को लेकर कहा था कि देश में सारे धार्मिक युद्ध भड़काने के लिए यही लोग जिम्मेदार हैं। । कोर्ट अब अपनी सीमा को लांघ रहा है। हर बात पर सुप्रीम कोर्ट जाना है, तो संसद और विधानसभा को बंद कर देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि आज देश में जितने भी गृह युद्ध जैसे हालात बन रहे हैं, उसके लिए सिर्फ सीजेआई संजीव खन्ना जिम्मेदार हैं। इस बयान पर मचा बवाल शांत भी नहीं हुआ कि निशिकांत ने पूर्व चुनाव आयुक्त को भी आड़े हाथों ले लिया। उन्होंने आरोप लाया कि आप चुनाव आयोग नहीं मुसलमान आयुक्त थे।

चाचा से डांट खाकर भड़का 16 साल का शख्स, तलवार लेकर मचाया उत्पात; सरकारी बस में की तोड़फोड़

मुंबई, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। मुंबई से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां शहर के भांडुप इलाके में दोपहर एक 16 वर्षीय किशोर ने बीच सड़क पर जमकर हंगामा किया। तलवार लेकर उसने एक चलती सरकारी बीईएसटी बस पर हमला कर दिया और बस के ड्राइवर को धमकाया। घटना में बस की विंडशील्ड और खिड़कियां टूट गईं, जिससे लगभग 70,000 रुपये का नुकसान हुआ। यह घटना दोपहर करीब 3:10 बजे टैंक रोड, भांडुप पश्चिम में हुई। पुलिस के मुताबिक, किशोर अपने चाचा द्वारा डांटे जाने से नाराज़ था। पूछताछ में उसने बताया कि उस पर चोरी का आरोप लगाया गया था, जिससे गुस्से में आकर उसने यह कदम उठाया। किशोर के इस उत्पात की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रहा है। हमले के दौरान बस ड्राइवर ज्ञानेश्वर राठौड़ ने समय रहते खुद को बचाया और बाद में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

तिरुपति के लड्डुओं में ग्वालियर की मिलावट, सीबीआई ने दाल बाजार के तेल और घी कारोबारियों को किया तलब

ग्वालियर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के सबसे चर्चित तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में जानवरों की चर्बीयुक्त तेल और घी मिलाने के तार ग्वालियर से जुड़ते नजर आ रहे हैं। इसी को लेकर दक्षिण भारत से सीबीआई और एसआईटी की जांच टीम ग्वालियर पहुंची है। बताया जा रहा है कि इस जांच में चार सदस्य हैं और वह सबसे पहले ग्वालियर के दाल बाजार में स्थित कारोबारियों के पास पहुंचे, जब इस बात की सूचना का पता लगा तो हड़कंप मच गया। सीबीआई की ये चार सदस्यीय टीम ने दाल बाजार के कुछ तेल और घी कारोबारी को नोटिस देकर तलब किया है। बता दें कि सीबीआई और एसआईटी टीम दो दिन से ग्वालियर में है। कुछ व्यापारी सीबीआई की एसआईटी के बुलाने पर भी नहीं आए तो इंदरगंज थाना पुलिस की मदद से उनको थाने लाकर पूछताछ की गई है। सीबीआई के ग्वालियर आने के बाद से दाल बाजार में कई फर्म के दफ्तर तक नहीं खुले हैं। कुछ खुले हैं तो वहां के मालिक लापता हैं।

दक्षिण से लेकर उत्तर तक जांच की आंच

तिरुपति बालाजी प्रसाद कांड में सीबीआई दक्षिण से लेकर उत्तर भारत तक कार्रवाई कर रही है। दो दिन से सेन्ट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन की एसआईटी ग्वालियर के दाल बाजार के आसपास डेरा जमाए हुए है। पता लगा है कि सीबीआई सीपी ट्रेडिंग कंपनी मैना वाली गली के नितिन अग्रवाल उर्फ मोनू, व्यापारी मोहित अग्रवाल, अजीत कुमार राकेश कुमार के वारंट लेकर आई है। इन सभी कारोबारियों का घी और तेल का व्यवसाय है।

अभी जारी रहेग छानबीन

दक्षिण भारत से आई सीबीआई टीम ने पहले दिन कुछ व्यापारियों को नोटिस देकर तलब किया था, लेकिन व्यापारी डर के चलते नहीं पहुंचे। अपने प्रतिष्ठान से गायब भी हो गए। इस पर सीबीआई ने ग्वालियर के इंदरगंज सर्कल के सीएसपी रोबिन जैन और कोतवाली थाना प्रभारी मोहिनी मिश्रा से संपर्क कर मदद के लिए कहा। जिस पर इंदरगंज थाना और कोतवाली थाना पुलिस की मदद से इन व्यापारियों को सीबीआई के सामने पेश किया गया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

जीवन में शक्ति के साथ ज्ञान भी ज़रूरी हैं बिना ज्ञान के हर चीज में नहीं जीता जाता ।

भारत पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के करीब : किशन रेड्डी

केन्द्रीय मंत्री ने आईसीएसआई चैप्टर की 5वीं मंजिल की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज आनंदनगर कॉलोनी में आईसीएसआई हैदराबाद चैप्टर की नई इमारत की 5वीं मंजिल की आधारशिला रखी। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने कॉरपोरेट गवर्नेंस को आकार देने और निवेशकों के विश्वास को मजबूत करने में कंपनी सचिवों (सीएस) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा, भारत तेजी से 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के मील के पत्थर के करीब पहुंच रहा है। इस यात्रा में,

सीएस धनंजय शुक्ला ने ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) में क्षमता निर्माण पर संस्थान के फोकस पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, कंपनी सचिव ईएसजी अनुपालन पर बोर्ड को सलाह देने, सीएसआर ऑडिट का समन्वय करने और नियामक पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए तेजी से जिम्मेदार हैं। 1974 में स्थापित हैदराबाद चैप्टर आईसीएसआई के 74 चैप्टरों में सबसे जीवंत है, जिसमें 2,000 से अधिक सदस्य और 6,000 छात्र हैं। आईसीएसआई के परिषद सदस्य और हैदराबाद चैप्टर बिल्डिंग प्रोजेक्ट के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर कमेटी के अध्यक्ष आर वेंकट रमना ने कहा कि अपनी 51 साल की यात्रा में चैप्टर ने 5,000 से अधिक कंपनी सचिवों का निर्माण किया है और 15,000 से अधिक छात्रों को प्रशिक्षित किया है। आईसीएसआई ने अपने 74 चैप्टरों में एक डिबेटिंग सोसाइटी भी शुरू की है, जो छात्रों को सार्वजनिक भाषण, नेतृत्व और आलोचनात्मक सोच गतिविधियों के माध्यम से सशक्त बनाती है। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में पवन जी चांडक, उपाध्यक्ष, आईसीएसआई, आर. वेंकट रमना, परिषद सदस्य और अध्यक्ष, इंफ्रास्ट्रक्चर कमेटी, हैदराबाद चैप्टर मधुसूदनन, अध्यक्ष, आईसीएसआई-एसआईआरसी और 100 से अधिक कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कॉरपोरेट गवर्नेंस पेशेवर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने आईसीएसआई से भारत की वैश्विक बौद्धिक संपदा और कॉरपोरेट गवर्नेंस नेतृत्व को प्रदर्शित करने का आग्रह किया, जिसमें भारतीय प्रतिभाओं की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मांग को ध्यान में रखा गया।

उन्होंने राष्ट्र निर्माण में आईसीएसआई के योगदान की भी सराहना की और संस्थान से 2035 तक 1.5 लाख कंपनी सचिवों को तैयार करने के अपने प्रयासों को बढ़ाने का आह्वान किया, जो वर्तमान में 75,000 है। आगामी सुविधा एक पांच मंजिला, 11,086 वर्ग फुट का अत्याधुनिक केंद्र होगा, जो 10 करोड़ रुपये के अनुमानित परिव्यय के साथ 500 वर्ग गज के भूखंड पर बनाया जाएगा, और इसके 15 महीनों में पूरा होने की उम्मीद है। इस अवसर पर बोलते हुए, आईसीएसआई राष्ट्रीय अध्यक्ष

सीडब्ल्यूसी ने गोदावरी जल उपलब्धता पर स्थगित की बैठक

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के सिंचाई अधिकारियों के साथ अपनी निर्धारित बैठक स्थगित कर दी है, जो पहले 21 अप्रैल को होनी थी। इस बैठक में दोनों राज्यों में चल रही और प्रस्तावित विभिन्न परियोजनाओं के लिए गोदावरी नदी में पानी की उपलब्धता पर चर्चा की जानी थी।

तेलंगाना ने 24 अप्रैल को केंद्रीय जल शक्ति सचिव देबाश्री मुखर्जी की अध्यक्षता में तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) की एक महत्वपूर्ण बैठक का हवाला देते हुए औपचारिक रूप से स्थगन का अनुरोध किया था, जो सीताराम लिफ्ट सिंचाई योजना और सीताम्मा सागर बहुउद्देशीय परियोजना की समीक्षा करने वाली है।

तेलंगाना के इंजीनियर-इन-चीफ (जनरल) जी अनिल कुमार ने सीडब्ल्यूसी के अध्यक्ष मुकेश कुमार सिन्हा को लिखे पत्र में 24 अप्रैल के बाद किसी भी समय बैठक में भाग लेने की राज्य की इच्छा व्यक्त की।

आंध्र प्रदेश सीडब्ल्यूसी और गोदावरी नदी प्रबंधन बोर्ड (जीआरएमबी) दोनों पर दबाव डाल रहा है कि वे तेलंगाना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को तब तक मंजूरी न दें, जब तक कि नदी के पानी की उपलब्धता का वैज्ञानिक मूल्यांकन नहीं हो जाता। एपी ने तर्क दिया है कि प्राणहिता, इंद्रावती और लोअर गोदावरी के लिए मौजूदा गणना वैज्ञानिक रूप से मान्य नहीं है और इस पर आगे अध्ययन की आवश्यकता है। बैठक की नई तारीख अभी तय नहीं हुई है।

शहर में मनाया गया चंद्रबाबू का 75वां जन्मदिन

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु देशम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायुडू का 75वां जन्मदिन आज यहां एनटीआर भवन में पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों द्वारा मनाया गया। इस अवसर पर 75 किलो का केक काटा गया और चंद्रबाबू को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गईं। इससे पहले सुबह 7 बजे टीडीपी नेताओं ने जुबली हिल्स स्थित टीटीडी के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में चंद्रबाबू और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर विशेष पूजा-अर्चना की। उन्होंने इस अवसर पर 'चंद्रदर्शनम' नामक पुस्तक का विमोचन भी किया। उन्होंने पटाखे भी फोड़े। इस अवसर पर पार्टी के पोलित ब्यूरो सदस्य, राष्ट्रीय पार्टी महासचिव और पूर्व विधायक बक्कानी नरसिम्हुलु ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्होंने नायुडू द्वारा अपने 40 साल के राजनीतिक जीवन में की गई सेवाओं को याद किया। पार्टी के पोलित ब्यूरो सदस्य अरविंद कुमार गौड़ ने कहा कि राज्य के लोग हमेशा चंद्रबाबू के बारे में बात करेंगे और उन्होंने जो विकास किया है वह खुद ही सब कुछ कहेगा। उन्होंने कहा कि चंद्रबाबू ने हाई-टेक सिटी जैसी अंतरराष्ट्रीय स्तर की बुनियादी संरचना प्रदान की और अविभाजित राज्य में युवाओं को रोजगार दिया।

उन्होंने कहा, अगर एनटीआर ने दुनिया में तेलुगु लोगों की प्रतिष्ठा को बरकरार रखा था, तो चंद्रबाबू इसे बरकरार रख रहे हैं। पूर्व मंत्री सोमिरेड्डी चंद्रमोहन रेड्डी ने कहा कि वे चंद्रबाबू को अपनी शुभकामनाएं दे रहे हैं।

नाडा ने एथलीटों और दो कोचों को किया निलंबित

डोपिंग में मिलीभगत का मामला

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय एथलेटिक्स में डोपिंग के कई मामले सामने आए हैं, जिसमें जूनियर राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच रमेश नागपुरी को नाडा ने डोपिंग में मिलीभगत के लिए निलंबित कर दिया है, जबकि सात एथलीटों पर भी परीक्षण से बचने का आरोप है। रिपोर्ट में बताया गया है कि दो अन्य कोचों- करमवीर सिंह और राकेश को भी क्रमशः 'सहभागिता' और 'प्रतिबंधित पदार्थों के सेवन' के लिए निलंबित कर दिया गया।

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (एनएडीए) द्वारा प्रकाशित डोप अपराधियों की नवीनतम सूची में सात एथलीटों को 'चोरी' के लिए निलंबित कर दिया गया था, जिनमें पारस सिंघल, पूजा रानी, नालुबोथु शनमुगा श्रीनिवास, चेलिमी प्रतुशा, शुभम महरा, किरण और ज्योति शामिल थे। रिकार्ड के लिए, रमेश हैदराबाद में रहते हैं और शहर में भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में

रमेश नागपुरी

एथलेटिक्स कोच हैं और उन्हें 2023 में राष्ट्रीय महासंघ द्वारा जूनियर मुख्य कोच नियुक्त किया गया था और वह द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता भी हैं।

रमेश को हाल के दिनों में ज्योति येरारी सहित कुछ उत्कृष्ट एथलीटों को तैयार करने के लिए भी जाना जाता है, तथा उन्होंने लंबे समय पहले धावक दुती चंद को उनके पहले ओलंपिक में भाग लेने के लिए प्रशिक्षित किया था, जब उन्हें आईएएएफ के हाइपरएंड्रोजेनिज्म विनियमों के कारण अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता से प्रतिबंधित कर दिया गया था, जिसमें महिला एथलीटों के लिए स्वाभाविक रूप से होने वाले टेस्टोस्टेरोन के स्तर की सीमा निर्धारित की गई थी। दिलचस्प बात यह है कि एएफआई ने हाल ही में देश में कोचों के अनिवार्य पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू की है, जिसमें कोचों द्वारा अपने खिलाड़ियों के डोपिंग में शामिल होने की बात स्वीकार की गई है।

जनवरी में चंडीगढ़ में अपनी वार्षिक आम बैठक के दौरान, एएफआई ने यह निर्णय लिया था कि देश के सभी प्रशिक्षकों (योग्य और अयोग्य) के लिए इस सत्र से अपने पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य कर दिया है, यदि वे राष्ट्रीय संस्था के तहत प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए एथलीटों को प्रशिक्षित करना जारी रखना चाहते हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि एएफआई इस खुफिया जानकारी को नाडा और विश्व एथलेटिक्स द्वारा स्थापित एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) के साथ साझा करेगा। रमेश ने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

निजामाबाद में आज से तीन दिवसीय रैतु महोत्सव शुरू होगा

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य कृषि विभाग के सहयोग से निजामाबाद में 21 अप्रैल से तीन दिवसीय रैतु महोत्सव (किसान महोत्सव) शुरू होने वाला है। यह महोत्सव जिला मुख्यालय के गिरिराज सरकारी डिग्री कॉलेज के मैदान में आयोजित किया जाएगा और इसका उद्घाटन कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी और पर्यटन और संस्कृति मंत्री और निजामाबाद जिले के प्रभारी मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव करेंगे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों और उनके उत्पादों के साथ-साथ कृषि और संबंधित क्षेत्रों की पेशकशों को उजागर करना है, जिसमें लगभग 136 स्टॉल शामिल हैं। तीन दिनों के दौरान, कृषि, बागवानी, पशुपालन और मत्स्य पालन विभागों के वैज्ञानिक, संबंधित क्षेत्रों के अधिकारियों के साथ, नवीन कृषि पद्धतियों पर कार्यशालाएं आयोजित करेंगे। यह महोत्सव प्रतिष्ठित प्रगतिशील किसानों और किसान उत्पादन संगठनों के लिए अपनी अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा करने के लिए एक मंच के रूप में भी काम करेगा।

बीआरएस नेताओं ने एसपी से मुलाकात की

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस सोशल मीडिया कार्यकर्ता नरसिंह राव ने सोशल मीडिया पर मेदक कांग्रेस विधायक एम. रोहित द्वारा तेलंगाना के पहले मुख्यमंत्री और बीआरएस नेता केसीआर के खिलाफ की गई अनुचित टिप्पणियों पर सवाल उठाया। इसी मामले को लेकर पूछताछ करने आई पुलिस ने नरसिंह राव से बुरा बर्ताव किया। बीआरएस मेदक जिला अध्यक्ष, पूर्व विधायक पद्मा देवेंद्र रेड्डी, पूर्व एमएलसी शेरी सुभाष रेड्डी और अन्य बीआरएस नेताओं ने मेदक एसपी से शिकायत की। बीआरएस नेताओं ने एसपी से कहा कि केसीआर के खिलाफ अनुचित टिप्पणी करने वाले एमएलए रोहित के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए और रोहित के आदेश पर नरसिंह राव पर हमला करने वाले पुलिस वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। सोशल मीडिया कार्यकर्ता नरसिंह राव को आश्वासन दिया गया कि पार्टी उनका समर्थन करेगी।

चोरी के आरोपी कैशियर ने बिजली के तार को छूकर जान देने का प्रयास किया

संगारेड्डी, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कपास मिल से 59.50 लाख रुपये चोरी करने के आरोप में हिरासत में लिए गए एक कैशियर ने गुरुवार रात को कांगटी मंडल के तुर्कवाडगांव में कथित तौर पर अपनी जान देने के प्रयास में बिजली के तार को छू लिया। घटना शनिवार को प्रकाश में आई, क्योंकि पुलिस ने इसे गुप्त रखा, जबकि कैशियर अस्पताल में जीवन के लिए संघर्ष कर रहा था। सूत्रों के अनुसार, कैशियर महादेव अप्पन्ना (46) तुर्कवाडगांव स्थित समर्थ कॉटन मिल में काम करता था। पिछले गुरुवार को कंपनी को कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) से 1 करोड़ रुपये मिले थे, जिसे कंपनी को उन किसानों को वितरित करना है, जिनसे वह कपास खरीदती है।

कैशियर ने किसानों को 40.5 लाख रुपये बांटे। बाद में उसने मालिक विवेक से शिकायत की कि कंपनी के लॉकर से बाकी 59.5 लाख रुपये गायब हो गए हैं। जब विवेक कंपनी पहुंचा तो उसने खाली लॉकर खुला पाया। उसने तुरंत नारायणखेड़ के डीएसपी वेंकटेश्वर रेड्डी को फोन किया। डीएसपी और इंस्पेक्टर चंद्रशेखर रेड्डी ने अप्पन्ना को हिरासत में ले लिया। कुछ घंटों की पूछताछ के बाद, अप्पन्ना ने पुलिस को बताया कि अगर वे उसे कॉटन मिल ले जाएं तो वह रकम दिखा देगा। जब पुलिस अपनी गाड़ी में उस जगह पहुंची, तो अप्पन्ना पुलिस की गाड़ी से उतर गया और अपनी जान देने के इरादे से एक ट्रांसफॉर्मर के पास एक बिजली के तार को छू लिया। पुलिस ने 108 एम्बुलेंस बुलाकर उसे संगारेड्डी के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। बाद में उसकी हालत गंभीर होने पर डॉक्टर की सलाह पर उसे हैदराबाद ले जाया गया। उनके परिवार के सदस्यों और दोस्तों ने आरोप लगाया कि अप्पन्ना ने पुलिस की प्रताड़ना सहन न कर पाने के कारण बिजली के तार को छू लिया। पुलिस ने पूरे प्रकरण पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

धान की फसल बर्बाद होने से मेदक के किसान तबाह

मेदक, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नरसापुर मंडल के रुस्तमपेट निवासी धान किसान कुम्मारी बोवैया को बंपर फसल देखने के बाद उम्मीद थी कि इस यासंगी में उन्हें सात एकड़ से कम से कम 1.5 लाख रुपये का मुनाफा होगा, लेकिन किस्मत ने उनके लिए कुछ और ही सोच रखा था। एक महीने पहले पानी की कमी के कारण एक एकड़ की फसल सूख गई। बाकी? हुआ बिलकुल उल्टा। शुक्रवार को जब वे धान काटने की तैयारी कर रहे थे, तभी गांव में भारी बारिश और ओलावृष्टि हुई, जिससे बोवैया को भारी नुकसान हुआ। बोवैया को उम्मीद थी कि प्रति एकड़ 32 क्विंटल धान मिलेगा, लेकिन अब उन्हें दो क्विंटल भी नहीं मिलेगा, क्योंकि बारिश के कारण 90 प्रतिशत से अधिक धान जमीन पर गिर गया है। फसल को काटने के बजाय, जिसे वे पैसे की बर्बादी मानते हैं, किसान अब फसल को आग लगाने की तैयारी कर रहे हैं।

रुस्तमपेट, सीतारामपुर, मूसापेट, चिंताकुंटा और नरसापुर गांवों के किसानों को भारी बारिश और ओलावृष्टि के कारण धान की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। बोवैया (51) ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन के पांच दशकों में कभी भी इतनी भारी ओलावृष्टि नहीं देखी। यह सिर्फ बोवैया की कहानी नहीं है। रुस्तमपेट, सीतारामपुर, मूसापेट, चिंताकुंटा और नरसापुर गांवों के लगभग हर धान किसान की कहानी लगभग ऐसी ही है। केवल एक एकड़ के मालिक बोवैया ने जमींदारों से 20,000 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से सात एकड़ जमीन किराए पर ली थी। किराए के अलावा, उन्होंने बीज, कीटनाशक, उर्वरक, रोपाई शुल्क और अन्य चीजों पर प्रत्येक एकड़ पर 30,000 रुपये और खर्च किए। उन्हें आमतौर पर प्रत्येक एकड़ से 70,000 रुपये मिलते थे, जिससे छह महीने बाद उन्हें प्रत्येक एकड़ से लगभग 20,000 रुपये का मुनाफा होता था। हालांकि, ओलावृष्टि ने उन्हें लगभग 2.10 लाख रुपये का नुकसान पहुंचाया और उनकी छह महीने की मेहनत बेकार हो गई।

सीतारामपुर में 5 एकड़ जमीन पर धान की खेती करने वाले एक और किसान येरला मल्लेशा का भी यही हाल है। ये किसान पिछले दो दिनों से अपने खेतों में रोते हुए देखे गए। बोवैया और मल्लेशा अपनी बेटियों की शादी इसी गर्मी में करना चाहते थे। लेकिन बारिश ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। बेमौसम बारिश से हुए नुकसान के बाद उन्हें डर है कि कहीं वे कोई बड़ा फैसला न ले लें, इसलिए कई रिश्तेदार और दोस्त उनके घर जाकर उन्हें सांत्वना दे रहे हैं। इस बीच, बोवैया जैसे काश्तकारों ने कांग्रेस सरकार से फसल के नुकसान का सही-सही हिसाब लगाकर काश्तकारों को इनपुट सब्सिडी देने की मांग की। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने चुनाव प्रचार के दौरान काश्तकारों को सभी लाभ देने का वादा किया था। सिद्दीपेट और संगारेड्डी के किसानों को भी ओलावृष्टि के कारण इसी तरह का नुकसान हुआ है। कृषि अधिकारी शुक्रवार और शनिवार को गणना करते देखे गए।

तेलंगाना गिग वर्कर्स बिल में खामियों से जनता में चिंता

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार द्वारा तेलंगाना गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स बिल, 2025 को सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी करने के बाद, विभिन्न वर्गों के लोगों ने मसौदा विधेयक में कुछ खामियों को उजागर किया है और चाहते हैं कि सरकार इसे कानून बनाने से पहले उन्हें ठीक करे। तेलंगाना के उद्यमी और सार्वजनिक नीति पर्यवेक्षक नयिनी अनुराग रेड्डी ने विधेयक में प्रमुख कमियों को सूचीबद्ध किया, जिसका उद्देश्य गिग वर्कर्स के मुद्दों को संबोधित करने के अलावा उनके कल्याण को सुनिश्चित करना है। कमियों को उजागर करते हुए उन्होंने आय मानदंडों की कमी की ओर इशारा किया।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि विधेयक में प्रति यात्रा या प्रति किलोमीटर न्यूनतम आय निर्धारित किए बिना 'अनुबंधात्मक भुगतान' को टाल दिया गया है, जिससे श्रमिकों को और अधिक शोषण का सामना करना पड़ सकता है। इसी तरह, वास्तविक समय में वेतन पारदर्शिता नहीं थी। कामगारों को काम स्वीकार करने से पहले लाइव किराया विवरण नहीं दिखाया जाता था, जिससे यह जानना मुश्किल हो जाता था कि

वे वास्तव में कितना कमाएंगे। बिना किसी मानवीय अपील तंत्र के ऐप द्वारा कर्मचारियों को स्वचालित रूप से निष्क्रिय किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विधेयक में एल्गोरिदम ऑडिट या एआई जवाबदेही पैनल के लिए कोई प्रावधान नहीं है। इसके अलावा, रेड्डी ने कहा कि कोई राज्य बीज निधि आवंटन नहीं था।

राजस्थान के विपरीत, जिसने शुरूआती कल्याण निधि के रूप में 200 करोड़ रुपये की घोषणा की, तेलंगाना के विधेयक में ऐसी कोई वित्तीय प्रतिबद्धता नहीं है, यह पूरी तरह से एग्रीगेटर योगदान पर निर्भर है। विधेयक में वेतन में कोई देरी नहीं की बात कही गई है, लेकिन कोई निश्चित समय सीमा निर्धारित नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि विधेयक वैकल्पिक सामाजिक सुरक्षा की अनुमति देता है, लेकिन दुर्घटना, जीवन या स्वास्थ्य बीमा के लिए कोई अनिवार्यता नहीं है- जिससे श्रमिक और परिवार जोखिम में आ जाते हैं। सरकार द्वारा कर्मचारी प्रतिनिधियों को नामित किया जाना था। वास्तविक, मान्यता प्राप्त गिग वर्कर यूनियनें होनी चाहिए। रेटिंग और अनुभव सभी प्लेटफॉर्म पर पोर्टेबल नहीं थे। उन्होंने बताया कि एक ऐप पर 5-स्टार वाले कर्मचारी को दूसरे पर शून्य से शुरूआत करनी होगी।

विधेयक में इमारतों, सोसायटी के गेट या ग्राहक स्थानों पर काम करने वाले कर्मचारियों के साथ होने वाले भेदभाव को भी संबोधित नहीं किया गया है। इसी तरह, महिला कर्मचारियों को सुरक्षा ढांचे से बाहर रखा गया है। उन्होंने कहा कि विधेयक में पीओएसएच अनुपालन, आईसीसी और महिला गिग कर्मचारियों के लिए निवारण प्रणाली का अभाव है। तेलंगाना में वर्तमान में 5 लाख से ज़्यादा गिग वर्कर हैं, जिसका असर परिवारों की गिनती करने पर लगभग 20 लाख लोगों पर पड़ता है। 2029-30 तक यह संख्या बढ़कर 13 लाख वर्कर (50 लाख लोग) होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि यह कोई मामूली मुद्दा नहीं है, यह तेलंगाना की आबादी के एक बड़े हिस्से को प्रभावित करता है।

केंद्र का फर्जी मुठभेड़ का विचार सही नहीं : सीपीआई

करीमनगर, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी करीमनगर जिला इकाई ने आदिवासी अधिकार संघर्ष एकजुटता मंच के तत्वावधान में इंद्रावेली घटना के 44 साल पूरे होने के अवसर पर मध्य भारत में आदिवासियों पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ एक बैठक आयोजित की।

बैठक शहर के बड्डाम येल्ला रेड्डी भवन में आयोजित की गई। बैठक में सीपीआई के राज्य सचिव और पार्टी के कोत्तागुडेम विधायक कुनामनेनी संबाशिव राव ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह द्वारा समय सीमा तय करने और यह कहने का क्या मतलब है कि वे फिर से नक्सलियों का सफाया कर देंगे? उन्होंने कहा कि फर्जी मुठभेड़ों के नाम पर एक तरफ पुलिस और दूसरी तरफ नक्सलियों द्वारा निर्दोष आदिवासियों की हत्या की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि साईं बाबा और वरवर राव जैसे केंद्र से सवाल करने वाली आवाजों को देशद्रोह का मामला दर्ज करके चुप करा दिया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने उनकी सोच को दबाने के इरादे से नाकाबंदी की है, जबकि वे निर्दोष हैं। उन्होंने कहा, सवाल उठाने वाली आवाज को रोकना किसी के बस की बात नहीं है।

जहां भी अन्याय हुआ है, हम वहां सवाल उठाने के लिए हैं। हम मांग कर रहे हैं कि केंद्र सरकार फर्जी मुठभेड़ों के नाम पर अपना रवैया बदले और लोकतांत्रिक तरीके से काम करे। कार्यक्रम में सीपीआई जिला सचिव मारी वेंकटस्वामी, नेता सृजन, लक्ष्मण, सदानंद, हरीश और विभिन्न आदिवासी अधिकार संघर्ष संगठनों के नेता शामिल हुए।

सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने में जन भागीदारी महत्वपूर्ण : सुरेश कुमार

सौ सीसीटीवी कैमरों का उद्घाटन किया गया

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। डीसीपी, बालानगर जोन, साइबराबाद के. सुरेश कुमार ने एपीआर प्रणव एंटीलिया गेटेड कम्युनिटी, बचुपल्ली में 100 सीसीटीवी कैमरों का उद्घाटन किया। यह उद्घाटन नेनु सैतम पहल के तहत किया गया, जिसका उद्देश्य समुदाय-संचालित निगरानी ढांचे के माध्यम से सार्वजनिक सुरक्षा को बढ़ाना है। पी. सत्यनारायण, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, बालानगर जोन, साइबराबाद, के. श्रीनिवास राव, सहायक पुलिस आयुक्त, कुकटपल्ली डिवीजन, साइबराबाद और प्रणीत प्रणव एंटीलिया गेटेड कम्युनिटी के निवासी मौजूद थे। नए लगाए गए 100 सीसीटीवी कैमरे मियापुर से गंडीमैसम्मा तक के महत्वपूर्ण हिस्से और बचुपल्ली पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले समुदाय को कवर करने के लिए रणनीतिक रूप से तैनात किए गए हैं। इस निगरानी नेटवर्क से अपराध को रोकने और आपराधिक मामलों की त्वरित जांच और समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। इस अवसर पर बोलते हुए डीसीपी ने सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने में जन भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने निवासियों और समुदायों से आग्रह किया कि वे आगे आएं और नेनु सैतम पहल के तहत अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाने का समर्थन करें। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरे लगाने से अपराध की रोकथाम, जनता का विश्वास बढ़ाने और कुशल जांच में महत्वपूर्ण योगदान मिला है। आजकल, कई आपराधिक मामलों को महत्वपूर्ण सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सफलतापूर्वक सुलझाया जाता है और अदालतों में मुकदमा चलाया जाता है। निगरानी प्रणालियों की उपस्थिति एक गेम-चेंजर साबित हुई है, जिससे कानून प्रवर्तन उन मामलों को सुलझाने में सक्षम हो गया है, जिनके लिए पहले व्यापक जनशक्ति और समय की आवश्यकता होती थी।

अफीम की खेती पर बड़ा एक्शन

800 एकड़ की फसल नष्ट; 146 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

पटना, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्य में नक्सलियों के घटते प्रभाव का असर अवैध ढंग से की जा रही अफीम की खेती पर भी पड़ा है। बिहार पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों के सघन ऑपरेशन से उनका दायरा अब झारखंड के सीमावर्ती जंगली इलाकों तक ही रह गया है। इन इलाकों में भी सेटेलाइट तस्वीरों और ड्रोन की मदद से अफीम के अवैध खेतों को चिह्नित कर कार्रवाई की जा रही है। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू), नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और अन्य केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने पिछले छह माह में करीब आठ सौ एकड़ में लगी अफीम समेत अन्य मादक पदार्थों की अवैध खेती को नष्ट किया है। इसमें 790.5 एकड़ में अफीम, जबकि 21.54 एकड़ में भांग की अवैध खेत को नष्ट किया गया है। इस मामले में 146 प्राथमिकी भी दर्ज की गई हैं, जिसके आधार पर आरोपितों को चिह्नित कर कार्रवाई की जा रही है। बिहार में पिछले छह सालों में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या आधी हो गई है।

वर्ष 2018 में जहां 16 जिले नक्सल प्रभावित थे वहीं अब सात-आठ जिले ही नक्सली असर वाले रह गए हैं। उत्तर बिहार को नक्सल मुक्त घोषित किया जा चुका है। अब दक्षिण बिहार में झारखंड से सटे नक्सलियों के बचे-खुचे प्रभावित क्षेत्रों को चिह्नित कर सुरक्षा और संचार के माध्यम मजबूत किए जा रहे हैं। इसका असर भी हो रहा है। पहले जिन इलाकों में पुलिस और सुरक्षाबलों की पहुंच नहीं थी, अब वहां लगातार गश्ती हो रही। इसके कारण इन इलाकों में अफीम की खेती या अन्य अवैध काम कम हुए हैं।

सीएम योगी बोले- 'बाबा साहब ने अभाव और अपमान में भी बनाया रास्ता, पुराने बंधनों को तोड़ा'

लखनऊ, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंबेडकर सम्मान अभियान के अंतर्गत आयोजित विचार गोष्ठी में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान पर चर्चा की। सीएम योगी ने कहा कि बाबा साहब ने अभाव और अपमान में भी रास्ता बनाया, समाज की पुरानी बंधनों को तोड़कर देश को सम्मान और समानता दिलाई। उन्होंने कहा, "जो समाज महापुरुषों का सम्मान नहीं करता, वह दिग्भ्रमित हो जाता है।" मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय संविधान के निर्माण में बाबा साहब की भूमिका से एससी/एसटी, अतिपिछड़ी वर्गों और महिलाओं को समान मताधिकार मिल सके, जिससे लोकतंत्र में सबको बराबरी का दर्जा मिला। उन्होंने बताया कि बाबा साहब ने मेहनत से संविधान तैयार कराया, लेकिन पं। नेहरू समेत कई नेताओं ने चाहते थे कि उन्हें संविधान सभा में पद न मिले। मगर जनता की भागीदारी और प्रतिबद्धता के कारण बाबा साहब संविधान सभा के सदस्य बने और बाद में ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष का पद संभाला।

क्या बोले सीएम योगी

उनका कहना था कि बाबा साहब की विद्वता और काबिलियत ने देश को सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने यह भी कहा कि जब कांग्रेस ने बार-बार संशोधन में संशोधन शुरू किए, तो बाबा साहब को रोकने के लिए षडयंत्र भी किए गए। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि समाज में जातीय आधार पर विभाजन फैलाने की कोशिश कांग्रेस और सपा कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ये दल जातीय संघर्ष के माध्यम से समाज को बांटने का प्रयास करते हैं। सीएम योगी ने कहा, "बाबा साहब के नाम पर लोकलुभावन नारे-भाषण देने वाले अनेक आएंगे, लेकिन उनके आदर्शों को आत्मसात करने वाला एकमात्र दल भारतीय जनता पार्टी है।" गोष्ठी में उपस्थित सांसद रवि किशन, मेयर डॉ। मंगलेश श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ। धर्मेंद्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, महानगर अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव और पूर्व कुलपति प्रो। चंद्रशेखर समेत कई गणमान्य व्यक्तियों ने मुख्यमंत्री के साथ इस मुद्दे पर सहमति जताई।

विपक्ष पर जुबानी हमला

मुख्यमंत्री ने बताया कि बाबा साहब की देन है कि एससी/एसटी छात्रवृत्ति 100 प्रतिशत मिली, नौकरियों में आरक्षण का प्रावधान हुआ और वंचित वर्गों को समाज की मुख्यधारा में जोड़ा गया। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने 1952 में बाबा साहब को चुनाव जीतने से रोकने के प्रयास किए। उनके खिलाफ चुनाव लड़वाए और बाद में जब वे संसद में आए तो उनके उपस्थिति को लेकर भी विरोध किया। सीएम योगी ने अपने बयान में यह स्पष्ट किया कि कांग्रेस और सपा केवल जातीय आधार पर चुनावी फायदा उठाने के लिए काम करते हैं।

उन्होंने अपील की कि समाज को नस्लीय और जातीय आधार पर बांटने की बजाय "एक भारत-श्रेष्ठ भारत" के अभियान का हिस्सा बनना चाहिए। यह बयान मुख्यमंत्री के द्वारा पिछले वर्षों में एसएसएम, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का परिचायक है।

डीएम का बड़ा एक्शन

जमीन घोटाला के एक मामले में उच्च स्तरीय समिति करेगी जांच, मचा हड़कंप

गोंडा, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। जिलाधिकारी को अनिल कुमार पुत्र मोतीलाल, मुस्तफा व इब्राहीम पुत्रगण वाजिद अली ने एक शिकायती पत्र देकर कुछ लोगों पर गंभीर आरोप लगाये है। इन पीड़ितों का कहना है कि कुछ लोगों द्वारा कूटरचित इकरारनामा तैयार कर उपर्युक्त गाटों का विक्रय अवैध तरीके से किया गया है। साथ ही यह भी आरोप है कि इन लोगो का संगठित रूप से विद्यालय, कब्रिस्तान, पुरानी आबादी तथा अन्य व्यक्तियों की स्वामित्वाधीन भूमि पर भी अनधिकृत रूप से कब्जा कर फर्जी विक्रय किया जा रहा है। शिकायत में कुछ बाहरी जिले के व्यक्तियों की संलिप्तता का भी उल्लेख किया गया है। बीते दिनों दिनों नगर पंचायत परसपुर क्षेत्र में भूमि क्रय-विक्रय से संबंधित जालसाजी एवं धोखाधड़ी की घटनाएं सोशल मीडिया तथा अन्य माध्यमों से भी प्रशासन के संज्ञान में आई हैं। उक्त प्रकरण प्रथम दृष्टया अत्यंत गंभीर प्रकृति का प्रतीत होने के कारण जिलाधिकारी ने वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति गठित कर विस्तृत जांच कराए जाने का निर्णय लिया गया है। डीएम नेहा शर्मा ने शिकायत को गंभीरता से लेते हुए अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। इस समिति में अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी करनैलगंज, सहायक महानिरीक्षक निबंधन, जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की अनियमितता, कूटरचना अथवा अवैध क्रियाकलापों को प्रशासनिक स्तर पर किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जाएगा। दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कठोर विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

तेजस्वी को सीएम फेस घोषित करने में कांग्रेस क्यों कर रही आनाकानी, बड़ी वजह का हुआ खुलासा

पटना, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्य में अगर महागठबंधन की सरकार बनती है तो तेजस्वी यादव ही मुख्यमंत्री होंगे। कांग्रेस अभी उनका नाम प्रस्तावित करने से परहेज कर रही है। यह उसकी रणनीति है। डर यह है कि तेजस्वी का नाम प्रस्तावित करने पर उनके समर्थक अति उत्साह में न आ जाएं। अति उत्साह से बचने के लिए तेजस्वी के नाम का एलान नहीं राजद समर्थकों का अति उत्साह ही वह तत्व है, जिससे एनडीए को ताकत मिलती है। लोकसभा चुनाव के समय भी जमुई की एक सभा में एक राजद कार्यकर्ता की अप्रिय टिप्पणी से माहौल खराब हो गया था। उस कार्यकर्ता ने लोजपा (रामविलास) के लिए असंसदीय शब्दों का प्रयोग किया। उसका बुरा असर पड़ा। कांग्रेस कहे न कहे, राजद के समर्थक तेजस्वी को अगला मुख्यमंत्री मानकर चल रहे हैं। वे उसी भावना से उत्साह का भी प्रदर्शन कर रहे हैं।

महागठबंधन का नेतृत्व तेजस्वी को देने से कांग्रेस को परहेज नहीं

तीन दिन पहले महागठबंधन के छह दलों की बैठक में भी नेतृत्व का मुद्दा उठा। प्रश्न पूछा गया कि समन्वय समिति का अध्यक्ष कौन होगा? किसी के कुछ कहने से पहले कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लाबारू ने तेजस्वी यादव का नाम ले लिया। इससे पता चलता है कि समग्रता में तेजस्वी को महागठबंधन का नेतृत्व देने में कांग्रेस को परहेज नहीं है। कांग्रेस की ओर से यह संवाद तेजस्वी को भी दे दिया गया है कि महागठबंधन की सरकार बनेगी तो आप ही मुख्यमंत्री होंगे, लेकिन अभी इसे घोषित नहीं किया जाए। शुक्रवार को प्रेस कान्फ्रेंस में मुख्यमंत्री वाला प्रश्न राजद के मुख्य राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ। मनोज झा से पूछा गया।

मनोज झा ने इशारों में कर दिया सब कुछ क्लीयर

मनोज झा का उत्तर था कुछ सार्वभौमिक सत्य होते हैं, जैसे कि सूर्य का उदय पूरब दिशा में होना। इससे आगे आप समझ रहे होंगे। यानी राजद भी कांग्रेस की रणनीति को स्वीकार कर रहा है। हालांकि, जमीनी सच यह है कि राजद के कार्यकर्ता तेजस्वी यादव को अगला मुख्यमंत्री मानकर पूरी तरह उत्साहित हैं। वे इंटरनेट मीडिया के माध्यम से अपने अति उत्साह का प्रदर्शन भी कर रहे हैं।

'पति मार रहा है भाई सुबह आना फिर मिली मृत्यु की खबर'

मथुरा, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। भइया, सुबह घर आ जाना। पति अरविंद ने मारपीट की है। सुबह आ जाना। नवविवाहित महिला कांस्टेबल ने पति की पिटाई की बात शुक्रवार सुबह चार बजे अपने भाई को फोन से बताई थी। कुछ घंटों बाद पुलिस ने उनको बहन के मरने की सूचना दे दी। भाई से बात करने का आडियो इंटरनेट मीडिया पर भी प्रसारित हो गया। स्वजन का आरोप है कि ससुरालीजन ने 10 लाख रुपये अतिरिक्त दहेज के लिए बहन की हत्या की है। सुबह पोस्टमार्टम गृह में मायके व ससुरालीजन आपस में भिड़ गए। विवाद के बाद ससुरालीजन फरार हो गए। वहीं पुलिस इस प्रकरण में पति समेत छह लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करके जांच में जुटी हुई है। अलीगढ़ के थाना गोंडा के गांव डांटोली की रहने वाली वंदना उत्तर प्रदेश पुलिस की 2018 बैच की कांस्टेबल थीं। वह बिजनौर के एसएसपी कार्यालय में तैनात थीं। 23 फरवरी 2025 को उनकी शादी नौहझील थाना क्षेत्र के गांव अंतरागढ़ी निवासी अरविंद के साथ हुई थी।

सुबह वंदना का शव फंदे पर लटका मिला। भाई सुबोध कुमार ने बताया कि बहन वंदना ने शुक्रवार सुबह उनको फोन किया। बहन ने कहा था कि पति अरविंद ने पिटाई की है। सुबह घर आ जाना। बहन के फोन के कुछ घंटों बाद पुलिस ने उनके मरने की सूचना दे दी। पुलिस ने पति अरविंद समेत ससुर गजेंद्र सिंह, सास अनीता देवी, ननद, देवर अनुज और ममिया ससुर योगेंद्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

सोशल मीडिया पोस्ट लाइक करना अपराध नहीं

इलाहाबाद हाईकोर्ट बोला- आईटी एक्ट में अश्लील फोटो या वीडियो शेयर करना जुर्म माना जाएगा

प्रयागराज, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। सोशल मीडिया पोस्ट को शेयर करना और लाइक करना अलग-अलग मामला है। भड़काऊ पोस्ट को लाइक करना नहीं, शेयर करना अपराध है। इस पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2008 की धारा 67 लागू नहीं होती। आईटी एक्ट के तहत केवल अश्लील तस्वीर या वीडियो का प्रसारण ही अपराध के दायरे में आता है। यह टिप्पणी इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस सौरभ श्रीवास्तव ने एक मामले की सुनवाई के दौरान की। जज ने सीजेएम आगरा की अदालत में इमरान के खिलाफ लंबित आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया। आगरा के मंटोला थाना क्षेत्र के इमरान पर चौधरी फरहान उस्मान नाम की आईडी से फेसबुक पर प्रसारित एक पोस्ट को लाइक करने का आरोप है। उस पोस्ट में विरोध-प्रदर्शन और राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपने के लिए आगरा कलेक्ट्रेट पर लोगों को बुलाने की अपील की गई थी। इस पोस्ट के बाद एक समुदाय विशेष के करीब 600-700 लोगों ने बिना इजाजत जुलूस निकाला था। इससे शांति व्यवस्था भंग हुई थी। पुलिस ने उस पोस्ट को भड़काऊ माना। पुलिस ने खुद संज्ञान लेते हुए इमरान के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोप पत्र ट्रायल कोर्ट में दाखिल किया था। इमरान पर आरोप था कि उसने सोशल मीडिया पर भड़काऊ संदेश पोस्ट किए, जिससे लगभग 600-700 लोगों की भीड़ बिना अनुमति के जुट गई। कोर्ट ने इमरान को बतौर आरोपी तलब किया था। इमरान ने अर्जी दाखिल कर मामले के आरोप पत्र, संज्ञान आदेश और मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आगरा के समक्ष लंबित आपराधिक वाद को रद्द करने की मांग की थी। आरोपी के वकील ने दलील में बताया कि युवक ने फेसबुक अकाउंट पर ऐसा कोई आपत्तिजनक पोस्ट प्रसारित नहीं किया है, जो आईटी एक्ट के तहत अपराध हो। वहीं, पुलिस का कहना था कि इमरान ने अपने फेसबुक से भड़काऊ पोस्ट डिलीट कर दिया है। लेकिन, वॉट्सऐप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऐसी ही सामग्री पाई गई है। कोर्ट ने पुलिस की केस डायरी में पाया कि इमरान ने उस्मान के पोस्ट को केवल लाइक किया है।

मुकदमा वापस न लेने पर घर पर कर दी फायरिंग

महिला के गले से सोने की चेन लूटकर भागा बदमाश

मेरठ, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। लोहिया नगर में मुकदमा वापस न लेने पर युवक को घर में घुसकर जान से मारने की धमकी दी। के ब्लॉक शास्त्रीनगर निवासी सागर ने बताया कि 15 अप्रैल को जमनानगर स्थित होटल पर घोसीपुर निवासी ओसामा, सलेमपुर का फैजान और बुद्धा गार्डन के जीशान ने उसके साथ मारपीट की थी। सागर ने इस मामले में लोहियानगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। आरोपी मुकदमे में समझौते का दबाव बना रहे थे।

सागर के इनकार करने पर 16 अप्रैल की रात दो नकाबपोश बाइक सवार उसके घर पहुंचे और फायरिंग कर दी। पड़ोसियों के शोर मचाने पर हमलावर हवाई फायरिंग करते हुए फरार हो गए। पीड़ित ने यूपी 112 और थाने में शिकायत की। सागर ने एसएसपी को सीसीटीवी फुटेज सौंपकर कार्रवाई की मांग की। एसएसपी ने जांच के बाद कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

शादी के 15 दिन बाद बिजलीकर्मी महिला हेड कॉन्स्टेबल संग हुआ फरार, दोनों ने की मंदिर में शादी

हापुड़, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक बिजलीकर्मी ने 15 दिन पहले शादी की। मगर शादी के 15 दिन बाद ही युवक अपनी शादीशुदा प्रेमिका और महिला हेड कॉन्स्टेबल को लेकर फरार हो गया। शादीशुदा प्रेमी युवक बिजलीकर्मी है तो उसकी प्रेमिका महिला पुलिसकर्मी भी शादीशुदा है। इस घटना से दोनों परिवारों में हड़कंप मच गया है। बता दें कि युवक की पत्नी ने मामले की शिकायत एसपी हापुड़ ज्ञानंजय सिंह से की है। एसपी के निर्देश पर बाबूगढ़ थाने में केस दर्ज किया गया है। इसी के साथ एसपी ने महिला पुलिसकर्मी का भी ट्रांसफर कर दिया है। फिलहाल ये मामला जबरदस्त चर्चाओं में बना हुआ है। युवक की पत्नी नेहा की 15 दिन पहले ही नवीन से शादी हुई थी। मगर शादी के 15 दिन बाद ही नवीन ने अपनी पत्नी नेहा को धोखा दे दिया। पत्नी नेहा ने बताया, उसकी शादी नवीन से हुई थी। वह बाबूगढ़ के गजालपुर गांव का रहने वाला है। अब पता चला है कि उसका संबंध पहले से ही शादीशुदा महिला हेड कॉन्स्टेबल निर्मला से था। नेहा ने बताया, जब उसे नवीन के इस रिश्ते की जानकारी हुई तो उसने इसका विरोध किया। मगर फिर अचानक नवीन ने निर्मला के साथ मंदिर में शादी कर ली। जब उसने इसका खूब विरोध किया तो पति नवीन ने मारपीट की और फिर दोनों पत्नियों को साथ रखने की बात करने लगा। पीड़िता का कहना है कि अब उसका पति नवीन और निर्मला दोनों फरार हैं।

क्वीन मेरी अस्पताल में बच्चा बदलने का आरोप दंपती ने डीएनए जांच कराने की रखी मांग

लखनऊ, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग (क्वीन मेरी अस्पताल) में बच्चा बदलने के आरोप में हंगामा हो गया। लखनऊ निवासी दंपती का दावा था कि उनको बेटा हुआ, लेकिन उसे बदलकर बेटी दे दी गई। वहीं, केजीएमयू प्रशासन ने आरोप को सिरे से नकार दिया है। क्वीन मेरी में शनिवार को दंपती ने आरोप लगाया कि उनको बेटा हुआ था, लेकिन उसे बदल दिया गया। अस्पताल कर्मियों ने उनको समझाने का प्रयास किया, लेकिन बात नहीं बनी। इससे हंगामा और बढ़ गया, पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंचे। दंपती बच्चा बदलने की बात पर अड़े रहे। आखिर में उन्होंने डीएनए जांच कराने की बात कही। केजीमएयू प्रशासन ने इस पर हामी भर दी है। इसके बाद मामला शांत हुआ। केजीएमयू के प्रवक्ता प्रो। केके सिंह ने बताया कि महिला को सिजेरियन प्रसव से बेटी हुई थी। इसका पूरा रिकॉर्ड रखा गया है। शुरुआत में महिला ने बच्ची को दूध भी पिलाया। इसके बाद अचानक उसने बच्चा बदलने की बात कहते हुए हंगामा शुरू कर दिया। महिला के पति ने डीएनए जांच कराने की मांग की है। केजीएमयू प्रशासन इसकी सहमति दे देगा।

वक्फ संशोधन कानून: बीजेपी महासचिव राधा मोहन दास अग्रवाल बोले

'यह मुस्लिम समाज के लिए स्वर्णिम युग की शुरुआत'

लखनऊ, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद डॉ। राधा मोहन दास अग्रवाल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि इस कानून को लेकर विपक्ष जानबूझकर मुस्लिम समाज के बीच भ्रम फैला रहा है, जबकि सच्चाई यह है कि यह विधेयक मुस्लिम समाज के लिए एक ऐतिहासिक अवसर लेकर आया है। डॉ। अग्रवाल ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक पर संसद के दोनों सदनों में विस्तार से चर्चा हुई। हर पक्ष को बोलने का मौका मिला और घंटों बहस के बाद इस बिल को पारित किया गया। अब यह कानून बन चुका है और भारतीय जनता पार्टी इसकी सच्चाई को लेकर जनता के बीच जाएगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष लोगों को गुमराह कर रहा है कि यह मुसलमान विरोधी कानून है, जबकि वे खुद यह नहीं कह पा रहे हैं कि मोदी सरकार वक्फ की जमीनों से अवैध कब्जे हटवा रही है। उन्होंने कहा कि हम जनता को बताएंगे कि इस कानून की बारीकियां क्या हैं और कैसे यह बिल मुस्लिम समाज के हित में है। राधा मोहन दास अग्रवाल ने कहा कि देशभर में वक्फ की लाखों एकड़ जमीनें हैं, जिन पर वर्षों से अवैध कब्जे हैं। मोदी सरकार अब उन जमीनों को कब्जा मुक्त कराएगी और वहां मुस्लिम समाज के लिए अस्पताल, स्कूल और जरूरी जनकल्याणकारी संस्थाएं बनवाएगी। इससे आने वाले 5 वर्षों में मुस्लिम समाज के जीवन स्तर में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा।

क्या है वक्फ संशोधन विधेयक?

वक्फ बोर्ड एक मुस्लिम धर्मार्थ संस्था है, जो समुदाय के हितों में जमीनों और संपत्तियों का प्रबंधन करती है। बीते वर्षों में कई मामलों में वक्फ की संपत्तियों पर अवैध कब्जों और अनियमितताओं की शिकायतें आई थीं। नए संशोधन कानून में वक्फ संपत्तियों के रिकॉर्ड को डिजिटाइज करने, पारदर्शिता लाने, अवैध कब्जों पर कार्रवाई करने और बोर्ड की जवाबदेही तय करने के प्रावधान हैं।

बिहार में साइबर फ्रॉड गैंग का पर्दाफाश, पाक-नेपाल कनेक्शन भी आया सामने, 6 अरेस्ट

मोतिहारी, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। साइबर थाना ने पाकिस्तान और नेपाल कनेक्शन वाले एक बड़े साइबर फ्रॉड नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए 6 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने 10 महंगे स्मार्टफोन, 8 एटीएम कार्ड, 15 अलग-अलग बैंक के पासबुक, अलग-अलग कंपनियों के 19 सिम कार्ड और नगदी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अभिमन्यु कुमार उर्फ लालू, मोहम्मद इमामुद्दीन अंसारी, कयूम अंसारी, सज्जाद आलम, सरवर सुल्तान, और मनोहर आलम के रूप में हुई है। यह सभी पूर्वी चंपारण जिला के पहाड़पुर थाना क्षेत्र के सिसवा गांव के निवासी हैं। सभी आरोपी लंबे समय से इस फ्रॉड के कार्य में सक्रिय थे। पुलिस जांच में यह सामने आया कि मोहम्मद इब्राहिम नाम का एक युवक नेपाल में रहकर पाकिस्तानी और नेपाल की सिम के जरिए साइबर फ्रॉड के इस नेटवर्क को चला रहा था। मोहम्मद इब्राहिम पूर्वी चंपारण जिले के अलग-अलग क्षेत्र के युवकों को पैसे का लालच देकर अपने गिरोह में शामिल करता। फिर उनको धोखाधड़ी के अलग-अलग तरीके सिखाता था। मोतिहारी साइबर थाना पुलिस को लगातार लोगों से साइबर फ्रॉड की शिकायतें मिल रही थी। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद पुलिस ने वैज्ञानिक पद्धति से जांच शुरू की। जांच के दौरान तो पुलिस को पता चला कि इस पूरे गिरोह का संचालनकर्ता भारत नहीं बल्कि पाकिस्तान और नेपाल की सिम से इस साइबर फ्रॉड के नेटवर्क को ऑपरेट कर रहा था। इसके बाद पुलिस इस मामले में आगे की तफ्तीश में जुट गई। अब मामले में आरोपियों से पूछताछ के बाद करोड़ों रुपए के ट्रांजैक्शन के सबूत साइबर थाना पुलिस को मिले हैं। पुलिस को पता चला है कि साइबर फ्रॉड से अर्जित पैसों को आरोपी बिनेंस ऐप और क्रिप्टो करंसी एक्सचेंज ऐप के प्लेटफार्म पर खपाते थे। पुलिस को जांच में ये भी पता चला है कि गिरफ्तार किए गए युवकों पर विभिन्न राज्यों में शिकायत दर्ज है।

गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट की नई पहल

एफआईआर कॉपी घर जाकर दे रही पुलिस, लोगों ने मुहिम की तारीफ की

गाजियाबाद, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। गाजियाबाद में तैनात हुए दूसरे पुलिस कमिश्नर ने सभी थाना अध्यक्ष, प्रभारी और अन्य अधिकारियों के साथ मीटिंग की थी। जिसमें अन्य दिशा निर्देशों के साथ-साथ यह भी बताया था कि मुकदमा दर्ज होने के बाद उसकी कॉपी पाने के लिए किसी को चौकी या थाने के चक्कर न लगाने पड़े। बल्की उसको वह कॉपी उसके घर पर मिले। इस आदेश को अमल में लाया गया। अब पुलिसकर्मी घर-घर जाकर एफआईआर की कॉपी दे रहे हैं और साथ ही उससे जुड़ी जानकारी भी लोगों को मुहैया कराई जा रही है। आम आदमी भी इससे खुश है। गाजियाबाद में पहले पुलिस कमिश्नर रहे अजय मिश्रा का तबादला होने के बाद आगरा के पुलिस कमिश्नर जे रविंद्र गौड़ को गाजियाबाद का पुलिस कमिश्नर बनाया गया था।

क्या दिया गया है आदेश

गाजियाबाद के पुलिस कमिश्नरेट बनने के बाद जे रविंद्र गौड़ दूसरे पुलिस कमिश्नर है। नए कमीश्नर ने सभी थाना अध्यक्ष, थाना प्रभारी और एसीपी डीसीपी की मीटिंग ली थी। इस दौरान एक दूसरे से परिचय प्राप्त किया था। साथ ही उन्होंने पुलिसकर्मियों को थाने पर आने वाले या पुलिसकर्मी जब जनता के पास जाती है तो उनसे व्यवहार रखने की बात कही थी। इसके साथ ही उन्होंने आदेश दिया था कि मुकदमा दर्ज होने के बाद मुकदमा करवाने वाले वादी को थाने या चौकी के चक्कर न लगाने पड़े बल्कि खुद पुलिस मुकदमे की कॉपी वादी के घर या दफ्तर देकर आए। इसकी शुरुआत हो गई है। अब पुलिसकर्मी घर जाकर वादी को एफआईआर की कॉपी दे रहे हैं। साथ ही उनके मुकदमे में कौन जांच अधिकारी है इस बात से भी अवगत करवा रहे हैं। साथ ही अगर उनका कोई सवाल है तो उसका भी निराकरण कर रहे है। जिनको घर या फिर दफ्तर में एफआईआर की कॉपी मिली, हमने उनसे पूछा तो उन्होंने इस मुहिम की तारीफ की और कहा यह एक शानदार पहल है क्योंकि एप्लीकेशन देने के बाद मुकदमा हुआ या नहीं हुआ, हुआ तो कॉपी लेने में चौकी थाने के कई चक्कर लगाने पड़ते थे।

200 मीटर तक की गहराइयों का रहस्य सुलझाएगा नया हाईटेक रोबोट

अहमदाबाद नगर निगम को मिला ताकतवर साथी

अहमदाबाद, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) ने अब जल में होने वाले बचाव और खोज अभियानों को और भी आसान और हाईटेक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। निगम ने एक रोबोटिक डिवाइस पेश किया है जो 200 मीटर तक पानी के अंदर जाकर खोज कर सकता है। इस उपकरण का नाम डीप ट्रैकर रिमोट-ऑपरेटेड व्हीकल (आरओवी) है। बता दें कि इस रोबोट का उपयोग नदियों या नहरों में गिरी चीज़ों को ढूंढ़ने, डूबे हुए शवों को निकालने के साथ-साथ अपराध के मामलों में पानी में फेंके गए हथियार या सबूत खोजने में भी आ सकता है।

क्यों खास है ये रोबोट

बात अगर इस रोबोट के खासियत की करें तो यह रोबोट एक कैमरे और मैकेनिकल ग्रैबर से लैस है। इसे दूर से कंट्रोल किया जा सकता है। ये रोबोट कम रोशनी या दृश्यता में भी काम कर सकता है। इसके साथ ही यह रोबोट 100 किलो तक की वस्तुएं उठाकर बाहर निकाल सकता है।

थर्ड पार्टी एजेंसी ने दिया इस डिवाइस का डेमो

एएमसी के फायर और इमरजेंसी डिपार्टमेंट के डिविजनल फायर ऑफिसर ओम जडेजा ने जानकारी दी कि एक थर्ड पार्टी एजेंसी ने इस डिवाइस का डेमो दिया। उन्होंने बताया कि हमने कुछ आसपास की रेस्क्यू टीमों को बुलाया और पानी में एक वस्तु डाली। इस रोबोट की मदद से उसे 200 मीटर गहराई तक खोजा गया। यह उपकरण सोनार तकनीक से चलता है और बेहद प्रभावशाली है। इसके साथ ही इस रोबोट को लेकर बताया गया है कि अभी तक फायर ब्रिगेड के पास ऐसा कोई उपकरण नहीं था, इसलिए कई बार गोताखोरों या फायर फाइटर्स को खुद ही खतरनाक परिस्थितियों में पानी में उतरकर मैन्युअल सर्च करना पड़ता था। इस रोबोट की मदद से अब ऐसे ऑपरेशनों में तेजी और सुरक्षा दोनों सुनिश्चित हो सकेगी।

रेस्क्यू क्षमता में मजबूती के लिए एएमसी की योजना

एएमसी इस उपकरण को खरीदने की योजना बना रही है ताकि फायर डिपार्टमेंट की रेस्क्यू क्षमता को और बेहतर किया जा सके। भविष्य में इस तरह के और डिवाइस जोड़े जा सकते हैं। गौरतलब है कि एएमसी ने नेक्सस वन मॉल में एक मॉक ड्रिल भी आयोजित की, जिसमें कई आपातकालीन एजेंसियों ने हिस्सा लिया।

बेटे की शादी में डीजे पर नाच रहे पिता की हुई अचानक मौत; दुल्हन को नहीं लाया गया ससुराल

भराड़ी, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। उपतहसील भराड़ी की पंतेहड़ा पंचायत के पट्टा रणौतां गांव में एक शादी की खुशियों के बीच ऐसा हादसा हुआ, जिसने परिवार के साथ पूरे गांव को सदमे में डाल दिया। शाम को पट्टा रणौतां गांव के निवासी जगत राम (55) के बड़े बेटे की शादी समारोह धूमधाम से चल रहा था। घर में मेहमानों का आना-जाना लगा हुआ था। डीजे की धुन पर लोग नाच गा रहे थे और हर ओर खुशी का माहौल था, लेकिन तड़के बारात रवाना होने से पहले ही जश्न को मातम में बदल दिया। शाम को शादी की रस्मों के बाद घर में डीजे का कार्यक्रम चल रहा था। रिश्तेदार, गांव के लोग और परिजन सब खुशी मना रहे थे। इसी दौरान रात करीब 11:30 बजे दूल्हे के पिता जगत राम भी डीजे पर नाचते हुए जश्न में शामिल हुए।

मुर्शिदाबाद हिंसा में पुलिस की कार्रवाई, पिता-पुत्र की हत्या के मुख्य आरोपियों में से एक गिरफ्तार

कोलकाता, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले में एक व्यक्ति और उसके बेटे की हत्या के मुख्य आरोपियों में से एक को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि शमशेरगंज के जाफराबाद में दो लोगों की हत्या के मामले में यह चौथी गिरफ्तारी है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान जाफराबाद के पड़ोसी गांव सुलिताला पुरबापारा निवासी जियाउल शेख के रूप में हुई है। वह 12 अप्रैल को अपराध की घटना के बाद से फरार था।

पुलिस के पास पर्याप्त सबूत

उन्होंने बताया कि शेख को पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और विशेष जांच दल (एसआईटी) ने उत्तर दिनाजपुर जिले के चोपड़ा में उसके ठिकाने से गिरफ्तार किया। अधिकारी ने बताया, 'यह व्यक्ति मुख्य आरोपियों में से एक है, जिसने 12 अप्रैल को मृतक के घर पर तोड़फोड़ करने और हरगोबिंदो दास, उसके बेटे चंदन दास की हत्या करने के लिए भीड़ को उकसाया और साजिश रची।' उन्होंने बताया कि पुलिस के पास 12 अप्रैल को अपराध स्थल पर उसकी मौजूदगी साबित करने के लिए सभी सबूत, सीसीटीवी फुटेज और उसके मोबाइल फोन टावर की लोकेशन है।

100 से अधिक एफआईआर 276 लोग गिरफ्तार

इससे पहले पुलिस ने दो भाइयों कालू नादर और दिलदार और इंजमाम उल हक को दोनों की हत्या में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया था। कालू को बीरभूम जिले के मुराराई से गिरफ्तार किया गया, उसके भाई दिलदार को सुती पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के तहत बांग्लादेश सीमा क्षेत्र से पकड़ा गया। तीसरे आरोपी को जाफराबाद के पड़ोसी गांव सुरीपारा से पकड़ा गया। अधिकारी ने बताया कि हमने मुर्शिदाबाद हिंसा मामलों में 100 से अधिक एफआईआर दर्ज की हैं। हमने अब तक इन मामलों में 276 लोगों को गिरफ्तार किया है।

बैंक में चोरी के लिए किया गैस कटर का इस्तेमाल और हो गया ब्लास्ट

हड़बड़ाहट में अपनी कार भी छोड़कर भागे चोर

मुंबई, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्रपति संभाजीनगर के वैजापुर गांव से एक हैरतअंगेज मामला सामने आया है। यहां चोर एक बैंक में चोरी करने के इरादे से घुसे तो लेकिन कर नहीं पाए। यहां कुछ ऐसा हुआ कि उन्हें उल्टे पैर भागना पड़ा। दरअसल, चोरों ने बैंक में चोरी के लिए गैस कटर का इस्तेमाल किया और फिर सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया। इस ब्लास्ट से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। बैंक में धमाका होते ही चोर अपनी जान बचाने के लिए हड़बड़ाहट में सब कुछ छोड़कर भाग खड़े हुए। इस धमाके से पूरा बैंक जलकर खाक हो गया। छत्रपति संभाजीनगर के वैजापुर गांव में महाराष्ट्र ग्रामीण बैंक की शाखा में चोरों ने चोरी करने के लिए गैस कटर का इस्तेमाल किया, जिससे गैस सिलेंडर में विस्फोट हो गया और शाखा जलकर खाक हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, घटना आज सुबह करीब साढ़े तीन या चार बजे की है। जैसे ही बैंक में धमाका होता है तो आग का एक बड़ा गुबार बनता है और चारों ओर आग लग जाती है। इस भयावह दृश्य को देख चोर घबराकर भाग जाते हैं। धमाके के कारण चोर काफी घबरा जाते हैं और जल्दबाजी में अपनी गाड़ी तक साथ नहीं ले जाते। चोरी के दौरान लाई गई एक कार बैंक के बाहर खड़ी है। जानकारी के अनुसार, चोरों की तलाश जारी है। हाल में महाराष्ट्र के ठाणे जिले में सात मंजिला आवासीय इमारत के बिजली मीटर रूप में भीषण आग लग गई थी, जिससे 95 मीटर जलकर खाक हो गए थे। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया था

मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के नाम पर 77.6 लाख की ठगी

छत्तीसगढ़-कर्नाटक तक फैला गिरोह; छह पर केस

मुंबई, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ और बंगलूरू के दो लोगों से नवी मुंबई के एक मेडिकल कॉलेज में प्रबंधन कोटे के तहत पीजी कोर्स की सीटें दिलाने के नाम पर कथित तौर पर 77. 61 लाख रुपये ठगे गए। नवी मुंबई के नेरुल पुलिस ने इस संबंध में छह लोगों के खिलाफ दो मामले दर्ज किए हैं। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ के 59 वर्षीय एक व्यक्ति ने पुलिस में दर्ज शिकायत में आरोप लगाया कि छह आरोपियों ने उसकी बेटी को नेरुल स्थित एक प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेज में जनरल सर्जरी कोर्स में स्नातकोत्तर सीट दिलाने का वादा किया था। मई 2022 से दिसंबर 2023 के बीच आरोपियों ने कथित तौर पर उससे 1।27 करोड़ रुपये ठगे। नेरुल पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि बाद में व्यक्ति को पता चला कि प्रवेश की पुष्टि का संदेश, ज्वाइनिंग लेटर और कॉलेज के दस्तावेज समेत सबकुछ फर्जी थे। जब शिकायतकर्ता ने कॉलेज में दाखिले के बारे में पूछताछ की तो आरोपी ने 85 लाख रुपये लौटा दिए, लेकिन बाकी 42 लाख रुपये वापस नहीं किए। बची राशि वसूल करने में पीड़ित को समस्या हुई तो उसने पुलिस से संपर्क किया। उन्होंने कहा कि आरोपी ने प्रवेश पत्र जारी करने के लिए जाली कॉलेज लेटरहेड का भी इस्तेमाल किया। शिकायतकर्ता को फर्जी आधिकारिक संचार के साथ गुमराह भी किया गया। यह एक सुनियोजित साजिश का मामला लगता है।

अब जानिए बंगलूरू के मामले के बारे में

पुलिस ने छह आरोपियों में से तीन से जुड़े एक और ऐसे ही मामले का खुलासा किया है। इसमें बंगलूरू के पनाथुर के 54 वर्षीय व्यक्ति ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसके भतीजे को एमडी एनेस्थीसिया कोर्स के लिए उसी मेडिकल कॉलेज में दाखिला दिलाने का वादा करके उससे 35।61 लाख रुपये ठग लिए। अधिकारी ने बताया कि दूसरे मामले में भी धोखाधड़ी मई 2022 और दिसंबर 2023 के बीच की गई। आरोपी ने शुरू में 50 लाख रुपये लिए, लेकिन केवल 4।39 लाख रुपये वापस किए और फिर पीड़ित के बार-बार कॉल और संदेशों का जवाब देना बंद कर दिया। उन्होंने बताया कि बंगलूरू के शिकायतकर्ता को फर्जी दस्तावेज भी दिए गए, जिसमें कथित तौर पर मेडिकल काउंसलिंग कमेटी से प्राप्त प्रोविजनल अलॉटमेंट लेटर, जाली यूनिवर्सिटी लेटर, फीस स्ट्रक्चर, जॉइनिंग लेटर और रसीद शामिल थी। हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या और लोग भी इसी तरह के घोटाले के शिकार हुए हैं?

पुलिस ने अब तक क्या-क्या किया?

अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने शुक्रवार को दो एफआईआर दर्ज कीं। एक छत्तीसगढ़ के रहने वाले व्यक्ति की शिकायत पर छह लोगों के खिलाफ और दूसरी बंगलूरू के व्यक्ति की शिकायत पर उन्हीं छह आरोपियों में से तीन के खिलाफ। दोनों ही प्राथमिकी भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी), 406 (आपराधिक विश्वासघात), 465, 467, 468 (जालसाजी), 471 (जाली दस्तावेजों का उपयोग) और 34 (सामान्य इरादा) के तहत दर्ज की गई। अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है

धर्म संसद में हेट स्पीच मामले में वसीम रिजवी उर्फ नारायण त्यागी दोषमुक्त

हरिद्वार, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र नारायण सिंह त्यागी को हरिद्वार में हुई धर्म संसद में हेट स्पीच के मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अविनाश कुमार श्रीवास्तव की अदालत ने दोषमुक्त कर दिया है। बता दें कि 17 से लेकर 19 दिसंबर वर्ष 2021 में हरिद्वार में हुई धर्म संसद में वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र नारायण त्यागी की ओर से मुसलमानों और पवित्र कुरआन के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां करने के मामले में नदीम अली की तरफ से वसीम रिजवी उर्फ जितेंद्र नारायण सिंह त्यागी, यति नरसिंहानंद गिरी आदि के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें पैगंबर साहब और कुरान के बारे में अभद्र टिप्पणी की गई थी। मुसलमानों के विरुद्ध युद्ध छेड़ने का आह्वान भी किया गया था। इस धर्म संसद में अपने समुदाय के लोगों की ओर से मुसलमानों को झूठे मुकदमों में फंसाने की मांग की गई थी। पुलिस ने यति नरसिंहानंद गिरी, व अन्य के विरुद्ध संबंधित मामलों में मुकदमा दर्ज किया था। मामले की विवेचना के बाद पुलिस ने 2 जनवरी 2022 को जितेंद्र नारायण सिंह त्यागी उर्फ वसीम रिजवी व अन्य के खिलाफ धार्मिक भावनाएं भड़काने धन्य धाराओं सहित मुकदमा दर्ज करते हुए जितेंद्र नारायण सिंह त्यागी उर्फ वसीम रिजवी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। काफी समय बाद न्यायालय से जमानत मिल गई थी। इस मामले में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से साक्ष्य में 10 गवाह पेश किए गए थे। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय ने जितेंद्र नारायण सिंह उर्फ वसीम रिजवी के खिलाफ लगाए गए आरोपों को संदिग्ध पाते हुए उन्हें दोष मुक्त कर दिया।

मुंबई में जैन मंदिर तोड़े जाने पर बोले अबू आजमी

'मैं पहले भी कह चुका हूं इस मुल्क में धार्मिक मुसलमानों के साथ रोज ऐसा हो रहा है

मुंबई, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। औरंगजेब पर बयान देकर विवादों में घिरे सपा नेता अबू आजमी ने मुंबई के विले पार्ले में जैन समाज के मंदिर पर की गई कार्रवाई पर बयान दिया है। उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम पर कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि मुंबई महानगरपालिका ने बिना संवेदनशीलता के यह कार्रवाई की है, जो कि न केवल गलत है, बल्कि धार्मिक सहिष्णुता पर भी चोट है। आजमी ने कहा कि जैन समाज अल्पसंख्यकों में आता है और उनके धार्मिक स्थल को इस तरह तोड़ देना बिल्कुल नाइंसाफी है। उन्होंने कहा, मैं पहले भी कह चुका हूं कि इस मुल्क में खासकर मुसलमानों के साथ रोज ऐसा हो रहा है, अब जैन समाज भी इसकी चपेट में है। कोर्ट में मामला लंबित है, ऐसे में इस तरह की जल्दबाजी कानून व्यवस्था को बिगाड़ सकती है। नेता ने आरोप लगाया कि अधिकारियों की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। "पहले आते हैं, तोड़ने की धमकी देते हैं, फिर पैसे लेकर छोड़ देते हैं," उन्होंने कहा। आजमी ने मांग की कि धार्मिक स्थलों की वैधता की जांच के लिए एक अलग स्पेशल बॉडी बनाई जाए, ताकि किसी भी कार्रवाई से पहले उस समाज को विश्वास में लिया जा सके। उन्होंने 1995 की मनोहर जोशी सरकार की याद दिलाते हुए कहा कि उस समय ये तय हुआ था कि गैरकानूनी काम की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारी की होगी, लेकिन अब तक कितनों पर कार्रवाई हुई है? उन्होंने साफ कहा कि भ्रष्टाचार पर लगाम लगनी चाहिए और धार्मिक स्थलों पर की जाने वाली हर कार्रवाई कानूनन, पारदर्शिता और समुदाय की सहभागिता से होनी चाहिए। विले पार्ले मंदिर विवाद की बात करें तो मुंबई के विले पार्ले इलाके में जैन समाज के मंदिर को बीएमसी ने कथित अवैध निर्माण बताते हुए गिरा दिया। जैन समाज का कहना है कि मामला अभी कोर्ट में लंबित है और यह मंदिर कई सालों से पूजा स्थल के रूप में उपयोग हो रहा है। इस कार्रवाई के खिलाफ समाज में भारी असंतोष देखा गया है। इसके विरोध में जैन समुदाय के सैंकड़ो लोगों ने 19 अप्रैल को सड़क पर मार्च निकाला।

डॉगी बेला की मदद से पुलिस ने घर के अंदर बेड में रखी स्मैक पकड़ी, आरोपी महिला फरार, पति गिरफ्तार

रुड़की, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। रुड़की में घर में स्मैक बिक्री की सूचना पर पुलिस ने छापा मारा। इस दौरान पुलिस ने डॉगी बेला की मदद से बेड के अंदर से 11.76 ग्राम स्मैक भी बरामद की। वहीं, आरोपी महिला मौके से फरार हो गई। जबकि पुलिस ने महिला के पति को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, पुलिस ने दंपती पर केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। सिविल लाइंस कोतवाली के प्रभारी प्रशिक्षु आईपीएस कुश मिश्रा को सूचना मिली थी कि बंदा रोड माहिग्रान मोहल्ले में एक दंपती घर के अंदर से स्मैक बिक्री कर रहा है। सूचना पर एएसपी ने पुलिस टीम और डॉगी बेला को साथ लेकर घर में छापा मारा। इस दौरान पुलिस के आने की भनक लगने पर महिला घर की छत के सहारे मौके से फरार हो गई। पुलिस ने महिला के पति से पूछताछ की तो पता चला कि वह घर के अंदर से ही स्मैक की पुड़िया बनाकर बिक्री करते हैं।

जनेऊ और कलावा उतरवाने के मामले में शिक्षा विभाग का एक्शन, कॉलेज के प्रिंसिपल और स्टाफ तत्काल प्रभाव से सस्पेंड

बेंगलुरु, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक में सीईटी परीक्षा के दौरान छात्रों से जनेऊ और रक्षासूत्र (कलावा) उतरवाने के मामले में शिक्षा विभाग ने बड़ा एक्शन लिया है। शिक्षा विभाग के निर्देश पर साईं स्फूर्ति पीयू कॉलेज के प्रबंधन ने प्रिंसिपल चंद्रशेखर बिरादर और द्वितीय श्रेणी क्लर्क सतीश पवार को कर्नाटक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (केसीईटी) की अभ्यर्थी सुचिव्रता कुलकर्णी को जनेऊ पहनने के कारण गुरुवार को परीक्षा देने की अनुमति देने से कथित तौर पर इनकार करने के आरोप में बर्खास्त कर दिया। बीदर की उपायुक्त शिल्पा शर्मा की रिपोर्ट के बाद कर्नाटका परीक्षा प्राधिकरण (केईए) और कर्नाटका उच्च शिक्षा विभाग ने दोनों को बर्खास्त करने का निर्देश दिया। प्रिंसिपल और क्लर्क को केईए प्रोटोकॉल का पालन न करने के लिए लापरवाह पाया गया, जिसके तहत केसीईटी परीक्षा के दौरान गैर-धातु वाले जनेऊ और कलावा पहनने की अनुमति थी। रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ कि पीयू कॉलेज स्टाफ ने छात्र पर अपमानजनक टिप्पणी की थी। हालांकि, छात्र ने 16 अप्रैल को उसी परीक्षा केंद्र पर जनेऊ पहनकर फिजिक्स और केमिस्ट्री की परीक्षा दी, जिससे 'नियमों के पालन' में असंगतता उजागर हुई। डिप्टी कमिश्नर की रिपोर्ट में दोनों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई और छात्रों के लिए सुधारात्मक उपाय की सिफारिश की गई। हालांकि, सरकार ने अभी तक छात्र को दूसरा मौका देने के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया है। एक शिक्षा अधिकारी ने कहा, गणित की परीक्षा में अनुपस्थित रहने के बावजूद छात्र को इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों के लिए रैंकिंग मिलेगी, इस संबंध में उच्च शिक्षा मंत्री डॉ। एम।सी। सुधाकर से चर्चा की जाएगी। इसके अलावा, मंत्री दोबारा परीक्षा कराने का निर्णय लेने से पहले इस मामले को मुख्यमंत्री के समक्ष उठाएंगे, ताकि सभी के लिए निष्पक्षता और छात्र को न्याय मिल सके। इस बीच, शिवमोगा में हुई इस तरह की घटना के लिए जिम्मेदार होमगार्ड रघु डी और कलावती को जनेऊ विवाद के चलते सस्पेंड कर दिया गया है। डीसी गुरुदत्त हेगड़े ने केईए को सौंपी गई अंतरिम रिपोर्ट में कहा कि यह पाया गया कि होमगार्डों ने 16 अप्रैल को सुबह की परीक्षा में शामिल होने वाले एक छात्र को जनेऊ उतारने का निर्देश दिया था। छात्र ने स्वेच्छा से धागा हटा दिया और परीक्षा देने चला गया। हालांकि, रिपोर्ट में इस दावे का खंडन किया गया है कि होमगार्ड ने जबरन जनेऊ उतार दिया और छात्रा को प्रवेश से रोका गया। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि बाद में दो अन्य छात्र कलावा पहनकर परीक्षा हॉल में पहुंचे। उस समय, श्री आदिचुंचनगिरी कम्पोजिट इंग्लिश मीडियम हाई स्कूल के प्रिंसिपल ने प्री-यूनिवर्सिटी के उप निदेशक से फोन पर स्पष्टीकरण मांगा और स्पष्टीकरण मिलने पर छात्रों को धागा हटाए बिना परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी। रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि 16 अप्रैल को दोपहर का सत्र (रसायन विज्ञान) तथा 17 अप्रैल को आयोजित परीक्षा बिना किसी व्यवधान के उसी परीक्षा केंद्र पर सम्पन्न हुई।

पति को मारने के लिए प्रेमी को भेजा था

आरोपी पत्नी को पुलिस ने किया अरेस्ट, लंबे समय से दे रही थी गच्चा

ग्वालियर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति पर कार चढ़वाने वाली आरोपी पत्नी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 20 मार्च को आरोपी पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति पर कार चढ़वाई थी जिसमें पति गंभीर रूप से घायल हो गया था। झांसी रोड पुलिस ने मामले में हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया था। पत्नी को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस ने 2000 का इनाम भी घोषित किया था। घटना को 20 मार्च को ग्वालियर के नाका चंद्रबदनी इलाके में अंजाम दिया गया था। पत्नी ने अनिल पाल को एक कार ने कुचलवाकर जान से मरवाने की साजिश रची थी। दरअसल, इस कार को अनिल की पत्नी रजनी का प्रेमी मंगल सिंह चल रहा था। दिनदहाड़े इस घटना का अंजाम दिया गया था। वहीं यह घटना चौराहे पर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई थी।

हादसे में पति अनिल पाल गंभीर रूप से घायल हो गया था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर झांसी रोड थाना पुलिस ने इसमें अनिल की शिकायत पर उसकी पत्नी रजनी और प्रेमी मंगल सिंह के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया था। घटना के बाद पुलिस ने प्रेमी मंगल सिंह को तत्काल गिरफ्तार कर लिया था लेकिन पत्नी रजनी फरार चल रही थी। आरोपी पत्नी को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस ने 2000 का इनाम भी घोषित किया था। आज सूचना मिलने पर झांसी रोड पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। अब पुलिस रजनी को कोर्ट में पेश कर अगली कार्रवाई करने की बात कह रही है। पति ने पत्नी और उसके पति के खिलाफ मामला दर्ज कराया था।

देर रात जयपुर डायवर्ट हुई फ्लाइट तो बिफरे सीएम उमर अब्दुल्ला, दिल्ली एयरपोर्ट ने सीएम को दी सफाई

जम्मू, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को लेकर दिल्ली जाने वाली इंडिगो फ्लाइट को शनिवार रात जयपुर डायवर्ट कर दिया गया। अचानक हुए रूट चेंज पर सीएम ने फ्लाइट सर्विस और एयरपोर्ट ऑपरेशनल व्यवस्था को लेकर अपना गुस्सा जाहिर किया था। सीएम की गुस्सा के बाद अब दिल्ली एयरपोर्ट ऑपरेटर डायल की तरफ से बयान सामने आया है। इसमें एयरपोर्ट ने अपनी सफाई पेश की है। दिल्ली एयरपोर्ट ऑपरेटर डायल ने उन्हें हुई असुविधा के लिए खेद जताया और कहा कि रनवे अपग्रेडेशन और पूर्वी हवाओं के कारण अस्थायी क्षमता की कमी है। यही कारण है कि आपको असुविधा का सामना करना पड़ा। मुख्यमंत्री को जवाब देते हुए, डायल ने कहा कि दिल्ली में बेमौसम बदलते हवा के पैटर्न के कारण समस्या हो रही है। दिल्ली एयरपोर्ट ऑपरेटर ने कहा कि कभी-कभी इन स्थितियों के कारण यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उड़ान को डायवर्ट करना पड़ता है। आपको हुई असुविधा के लिए खेद है। इंडिगो के एक लाइन में कहा कि दिल्ली हवाई अड्डे पर भीड़ भाड़ के कारण फ्लाइट को जयपुर डायवर्ट किया गया था। हाल के दिनों में, मेंटेनेंस वर्क के कारण एक रनवे बंद होने और तेज हवाओं के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर उड़ानों में देरी हुई है। सीएम उमर ने दिल्ली एयरपोर्ट पर ऑपरेशनल अव्यवस्था को लेकर तीखी आलोचना की।

एक्स पर देर रात पोस्ट में सीएम ने इस घटना पर निराशा जताई। हालांकि उमर अब्दुल्ला को लेकर इंडिगो का विमान रात दो बजे जयपुर से उड़ा और दिल्ली में लैंड किया। उन्होंने लिखा कि दिल्ली एयरपोर्ट पर बहुत गंदगी थी। जम्मू से निकलने के 3 घंटे बाद हमें जयपुर डायवर्ट कर दिया गया और इसलिए मैं एक बजे विमान की सीढ़ियों पर खड़ा हूं और ताजी हवा ले रहा हूं। मुझे नहीं पता कि हम यहां से किस समय निकलेंगे।

फ्लाइट सर्विस को लेकर कई बार उठ चुके सवाल

फ्लाइट सर्विस की ये शिकायतें पहली बार सामने नहीं आई हैं। ये तो अब लगभग हर रोज का माजरा हो चुका है। ऐसा इसलिए क्योंकि कभी पेसेंजर को टूटी सीट तो कभी फ्लाइट स्टाफ की तरफ से गंदे व्यवहार की शिकायत सामने आती रहती हैं। पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान से लेकर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड वॉर्नर भी इसकी शिकायत दर्ज करा चुके हैं। इसके बाद भी कोई बदलाव देखने को नहीं मिलता है।

सांबा में भीषण सड़क हादसा, शादी से लौट रहे युवकों की गाड़ी गैस टैंकर से टकराई, 2 की मौत

सांबा, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग पर सांबा के महेश्वर सैन्य क्षेत्र के पास रविवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में दो युवको की मौत हो गई है जबकि अन्य युवक घायल हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह तीनों युवक कार नंबर जेके02बीके 2963 में सवार थे, जो एक शादी समारोह से भाग लेकर वापस लौट रहे थे कि अचानक सांबा के सैन्य क्षेत्र के पास पहुंचते ही कार एक खड़े गैस टैंकर नंबर एनएलएए01 0248 के साथ टकरा गई। इस हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। कार की टक्कर इतनी भीषण थी कि टैंकर के नीचे बुरी तरह से फंस गई।

शवों को निकालने में पुलिस को कड़ी मेहनत करनी पड़ी। पुलिस ने घायल युवक को सांबा के जिला अस्पताल पहुंचाया गया है। मृतकों के शवों को सांबा के जिला अस्पताल के शवगृह में पोस्टमार्टम के लिए रखा गया है। वहीं, पुलिस ने इसको लेकर मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान बंटू डोगरा निवासी हिमाचल प्रदेश व शुभम श्रीवास्तव निवासी उत्तर प्रदेश के रूप में की गई है।

शिक्षा सरकारी हो बाजारी नहीं

रघु ठाकुर

भारत सरकार की नई शिक्षा नीति के दस्तावेज को लगभग 4 वर्ष होने को आए है। इसे बावजूद भी इसे अभी भी नई शिक्षा नीति कहा जाता है। पिछले कुछ वर्षों, बल्कि कुछ दशकों में जो केंद्र सरकारें आई है उन्होंने शिक्षा नीति में अपनी राजनैतिक जरूरत के अनुसार कुछ न कुछ बदलाव किए है। चूंकि यह सरकारी दस्तावेज है, इनके बनाने वाले बुद्धिजीवी आमतौर पर सरकार के अनुकूल होते हैं। दस्तावेज बनाने वाली कमेटी को सरकार ही नामजद करती है और यही सरकारें इन कमेटियों की रपट आने के बाद उसे पूर्णतरू या आंशिक लागू करने की घोषणा करती है। परंतु यह एक सुविदित तथ्य है कि कमेटियां रपट देने के पहले सरकार से मसविरा करती हैं और उनकी सोच, दिशा-दशा को अपनी रपट में या सिफारिशों में समाहित करती हैं। केंद्र की भाजपा सरकार ने शिक्षा नीति के दस्तावेज तैयार करने के लिये इसरो के वैज्ञानिक कस्तूरी रंजन कमेटी का गठन किया था और नई शिक्षा नीति का दस्तावेज उनके द्वारा लागू किया है। हालांकि उन्होंने भाषा के सवाल को लेकर दो महत्वपूर्ण सिफारिशें की थीं। एक तो यह कि छात्रों को अपनी मातृभाषा में पढ़ाई का अवसर दिया जाये। दूसरा, हिंदी को मातृभाषा का स्थान मिले, परंतु इस समिति की रपट आने और केंद्र सरकार के कुछ कदम बढ़ाने के बाद जब राष्ट्रभाषा के सवाल पर तमिलनाडु की सरकार ने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने का विरोध किया तब पहले ही भारत सरकार पीछे हट गयी। मैं यह नहीं कहना चाहता हूँ कि हिंदी को बलात लागू करना चाहिये परंतु जब सरकारें उसकी मातृ संस्था से हिंदी-हिंदी का गीत गाती हैं तो इनका नैतिक दायित्व होता है कि अपनी ही कमेटी को लागू कराये या कम से कम इतना तो कर ही सकते हैं कि कस्तूरी रंजन को संवाद का दायित्व सौंपते। देश की सभी सूबे की सरकारों के मुख्यमंत्रियों की सामूहिक बैठक आयोजित करते, कोई सामूहिक हल निकाल सकते, इसकी पहल करते। वैसे भी सरकार को यह चाहिये था कि रपट को स्वीकार करने से पहले सभी राज्यों की सरकारों से बातचीत करते। और उसके बाद ही घोषणा करते। वैसे भी भारतीय संविधान के अनुसार भारत एक फेडरल रिपब्लिक है जिसमें राज्यों की अपनी स्वायत्तता की भी एक संवैधानिक सीमा तक अधिकार दिये गये हैं। अगर इतना भी सरकार करती कि तमिलनाडु सरकार को कम से कम हिंदी को केंद्र से संपर्क की भाषा के रूप में स्वीकार कराने की घोषणा करती तो कुछ मामला आगे बढ़ता। अगर भारत सरकार ने यूपीएससी में सी सेट को हटा दिया होता (जिसमें फिर से अंग्रेजी की अनिवार्यता लागू कर दी।) तो भी कुछ रास्ता निकलता परंतु जब केंद्र सरकार राष्ट्रभाषा के सवाल पर स्वतरू अपराधी है तो वह राज्यों से कहने का नैतिक अधिकार खो देती है। अगर अभी भी सरकार यह निर्णय करे कि जिस राज्य के कैडर के लिये किसी व्यक्ति का चयन होता है उसे उस राज्य की प्रादेशिक भाषा सीखना अनिवार्य होगा और अगर उत्तर भारत या हिंदी भाषी क्षेत्र के जो लोग दक्षिण भारत के राज्यों के लिये चयनित होते हैं तो वे संबंधित राज्य की भाषा को सीखेंगे तो फिर दक्षिण भारत के अधिकारियों को भी हिंदी या राष्ट्रभाषा सीखने के लिये कहना तार्किक होता। नई शिक्षा नीति के देश पर क्या प्रभाव पड़े हैं इसका आंकलन कुछ घटनाओं से हो सकता है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के यूडीआईएसई वर्ष 2023-24 की रपट सरकार के तमाम दावों की पोल खोल देती है जिसमें बताया गया है कि देश में बिना छात्र वाले स्कूलों की संख्या लगभग 13 हजार हो गयी है जबकि इन स्कूलों में नियुक्त शिक्षकों की संख्या 26 हजार से बढ़कर 31981 हो गई है। क्या यह आश्चर्यजनक नहीं है कि बगैर छात्रों वाले स्कूलों में लगभग 32 हजार शिक्षक नियुक्त किये हैं जिन पर औसतन सालाना 2 हजार करोड़ हो रहे हैं? वहीं दूसरी तरफ देश में 110271 स्कूल ऐसे भी हैं जहां मात्र एक ही शिक्षक है और वहां छात्रों की क्या पढ़ाई होती होगी यह अकल्पनीय है। अगर सरकार नई शिक्षा नीति के बाद स्कूलों में पर्याप्त शिक्षकों की व्यवस्था नहीं कर पाई तो शिक्षा व्यवस्था की हालत समझी जा सकती है। अभी भारत सरकार ने सनातन ज्ञान परंपरा के ऊपर काफी जोर दिया है और इसके माध्यम से स्कूलों से लेकर विवि तक सनातन ज्ञान परंपरा के पढ़ाने के नाम पर शिक्षक या व्याख्याता भेजे जा रहे हैं। यह सनातन ज्ञान परंपरा कहीं न कहीं धार्मिक परंपराओं से जुड़ी है और यह एक प्रकार से अघोषित धार्मिक शिक्षण भी है। बुद्ध धर्म भारतीय धर्म है और जिसकी ज्ञान परंपरा हिंदू ज्ञान परंपरा से कुछ पृथक है। इसी प्रकार जैन धर्म भी भारतीय है और उसकी ज्ञान परंपरा कुछ पृथक है। क्या इन धर्मों की ज्ञान परंपरा को सनातन ज्ञान परंपरा में शामिल किया गया है? मेरी जहां तक जानकारी है कि शिक्षण संस्थाओं में सनातन ज्ञान के नाम पर हिंदू धर्म की ज्ञान परंपराओं को पढ़ाया जा रहा है। वैसे भी धार्मिक संस्थान सरकार के द्वारा आयोजित करना धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों के अनुकूल नहीं है। अच्छा हो कि हिंदू धर्म के संस्थान अपनी ज्ञान परंपरा को धार्मिक संस्था के माध्यम से पढ़ायें वरना देर सवेर देश में यह भी विवाद का एक कारण बनेगा। फिर इतिहास जिसे अंग्रेजों ने विद्वत किया उसे सुधारने के नाम पर बदला जा रहा है और अतीत की त्रुटियों को स्वीकार कर सुधारने की बजाय उन्हें इतिहास के पन्नों से हटाया जा रहा है। अंग्रेजों ने इतिहास की गलत ढंग से व्याख्या कर उसे विद्रत किया था, अब आज की सरकार इतिहास के तथ्यों को हटाकर या छिपाकर इतिहास के पन्नों को फाड़ रही है। वि.वि. जो उच्च शिक्षा के केंद्र रहे हैं उन्हें सरकार आत्मनिर्भरता के नाम पर बाजार के संस्थान बना रही है। अब भारत सरकार वि.वि. अनुदान आयोग वि.वि. के निर्माण के लिये अनुदान की बजाय कर्ज दे रहा है जिसे उन्हें एक समय अवधि तक ब्याज सहित चुकाना होगा। स्वाभाविक है कि अभी विवि में जो कुलपति या शिक्षक हैं वे केवल शिक्षण या शोध का काम करते हैं। मैं मान लेता हूँ कि उनमें कुछ कमियाँ हैं (शोध के नाम या नौकरियों के नाम पर) शिक्षक व अन्य विवि के अधिकारी वांछित परिणाम नहीं दे पा रहे। इसमें उनकी पदलिप्सा और धनलिप्सा बड़ा कारण है। शायद इसलिये वे अपवाद छोड़कर रीढ़ विहीन जैसे हो गये हैं जो सरकारों के या तंत्र के सामने घुटने टेकना तो दूर दंडवत हो गये हैं। जब मैं यह देखता या सुनता हूँ कि केंद्रीय विवि के कुलपति (कुलगुरु) जब शिक्षा मंत्रालय के सचिव की कुर्सी के सामने घंटों बैठे रहते हैं, उससे आदेश लेते हैं, उनकी अनुनय विनय करते हैं तो शिक्षा जगत का कितना पतन हुआ है, इसका ये प्रमाण है। उस दौर की याद आती है जब शिक्षा मंत्री तो दूर प्रधानमंत्री भी विवि के कुलपति को बुलाने का साहस नहीं करता था। परंतु पैसे के नाम पर और भ्रष्टाचार से बने कुलगुरु अपना आत्मसम्मान खो चुके हैं।

एक तरफ सरकार सनातन ज्ञान परंपरा का प्रचार करती है, पर वह यह भूल जाती है कि भारत के अतीत में शिक्षक का दर्जा राजा से भी बड़ा होता था। कई बार ऐसा लगता है कि यह सरकार सनातन ज्ञान परंपरा के नाम पर जो अच्छी परंपरायें थीं उन्हें छोड़कर केवल अन्य प्रकार की परंपराओं को ज्ञान परंपराओं के रूप में प्रस्तुत करना चाहती है। यूजीसी की सिफारिश में अभी हाल ही में केंद्र और शिक्षामंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने मसौदा तैयार किया है। 10 वर्ष के शिक्षण अनुभव की योग्यता को हटाया जा रहा है तथा उद्योग जगत और कारपोरेट जगत के बगैर शिक्षा के अनुभव के कुलपति भी नियुक्ति किये जा सकते हैं। या कुलपति का पद अब शैक्षणिक पद नहीं बल्कि व्यापारिक पद हो जायेगा। और यह सरकार आत्मनिर्भरता के नाम पर शिक्षण संस्थानों को शिक्षा का बाजार बनाने के लिये कर रही है। क्योंकि सरकार भारतीय संविधान के कल्याणकारी राज्य की कल्पना के अनुसार शिक्षा देने के अपने दायित्वों से हट रही है।

चीन ने कैसे मारी बाजी?

1990 की बात है जब अमेरिका के सामने चीन कहीं नहीं ठहरता था। लेकिन पिछले 35 साल में चीन ने अपने बलबूते जो मुकाम हासिल किया है उसे सिर्फ चमत्कार ही कहा जा सकता है। आज हालत यह है कि चीन एक्सपोर्ट के मामले में अमेरिका से बहुत आगे निकल चुका है। यही वजह है कि आज चीन और अमेरिका के बीच ट्रेड वॉर गहराता जा रहा है। अमेरिका और चीन दुनिया की दो सबसे बड़ी आर्थिक ताकतें हैं। दोनों देशों के लिए, एक-दूसरे की अहमियत की इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि चीन का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर अमेरिका ही है जबकि अमेरिका का दूसरा बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर चीन है। हाल ही में जिस तरह से दोनों देशों के बीच रिश्ते खराब हुए हैं, उससे पूरी दुनिया के सामने मंदी का खतरा मंडराने लगा है। चीन 1990 के बाद जो रफ्तार पकड़ी है, उसने पूरी दुनिया को चौंका दिया है। आज चीन पूरी दुनिया की फैक्ट्री बन गया है। चीन यह भी जानता है कि जब उसके पास माल है तो दुनिया के बाजार में ग्राहकों की कमी नहीं है। इसलिए उसने दुनिया के बाजारों को अपने सामान से पाट दिया है। इस हकीकत से अमेरिका भी वाकिफ है इसलिए उसके लिए चीन को लंबे समय तक नजरअंदाज करना आसान नहीं होगा। बता दें कि चीन 1990 में केवल आठ देशों में लिए टॉप एक्सपोर्टर था और आज उसकी पहुंच दुनिया के 125 देशों तक हो चुकी है, यानी दुनिया का 125 देश अपना सबसे ज्यादा सामान चीन से मंगाते हैं। दूसरी तरफ 1990 में अमेरिका 175 देशों के लिए टॉप एक्सपोर्टर था जबकि आज यह संख्या महज 35 पर अटक कर रह गई है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि चीन ने अमेरिका को किस कदर का दर्द दिया है। 2024 में चीन का कुल एक्सपोर्ट 3.58 ट्रिलियन डॉलर रहा जबकि अमेरिका से निर्यात होने वाली चीजों की वैल्यू 2.06 ट्रिलियन डॉलर रही। चीन और अमेरिका दुनिया के उन 10 देशों में हैं जिनकी जीडीपी में एक्सपोर्ट का हिस्सा सबसे ज्यादा है। 1990 से चीन के एक्सपोर्ट में काफी तेजी आई है। आर्थिक सुधारों, ग्लोबल वैल्यू चेन और डब्ल्यूटीओ की मेंबरशिप से चीन का एक्सपोर्ट रॉकेट की रफ्तार से बढ़ा। नतीजतन, चीन 2009 में पहली बार दुनिया का सबसे बड़ा एक्सपोर्टर बना था और उसके बाद से लगातार इस कुर्सी पर काबिज है। साल 2000 से 2024 के बीच अमेरिका का ट्रेड 167% बढ़ा जबकि इस दौरान चीन के ट्रेड में 1,200फीसद की तेजी आई। 2024 में अमेरिका का कुल ट्रेड 5.3 ट्रिलियन पहुंच पाया जबकि चीन 6.2 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच कर अपनी बादशाहत कायम रखा है। बता दें कि ट्रेड में आयात और निर्यात दोनों शामिल हैं। यह मुकाम हासिल करने में चीन ने लो लेबर कॉस्ट, इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भारी निवेश और मैन्युफैक्चरिंग पर फोकस किया। खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी पर चीन ने सबसे ज्यादा जोर दिया है। इसका अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि जो आईफोन चीन में 1000 डॉलर का बनता है, उसे बनाने में अमेरिका को 1,00,000 डॉलर का खर्च आता है। आज दुनियाभर की कंपनियां चीन में सामान बनाकर तगड़ा मुनाफा कमा रही हैं। चीन ग्लोबल सप्लाई चेन के लिए काफी अहम बन गया है जो अमेरिका की आंखों में बुरी तरह खटक रहा है। इसीलिए वह चीन पर टेरिफ पर टेरिफ लगा कर उसकी मोनोपाली को खत्म करना चाहता है। इसके लिए वह साम-दाम व दंड भेद की नीति पर भी चलने से परहेज नहीं कर रहा है।

इंडिया गठबंधन में तेजस्वी के नाम पर अभी घमासान

प्रदीप कुमार वर्मा

देश और दुनिया में प्राचीन मगध के नाम से चर्चित बिहार में इस साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए रणभेरी बज चुकी है। चुनावी समर के लिए रणनीति के योद्धाओं ने भी अपनी तलवार निकाल ली हैं। बिहार चुनाव में जनता दल यूनाइटेड एक बार फिर से भाजपा के साथ एनडीए गठबंधन में रहकर चुनावी तैयारी में जुटी है। वहीं, बिहार के मुख्य विपक्षी दल के रूप में राष्ट्रीय जनता दल अपनी सहयोगी कांग्रेस तथा अन्य पार्टियों के साथ महा गठबंधन के तले चुनावी समर की तैयारी में है। बिहार विधानसभा चुनाव के प्रारंभिक चरण में सीएम फेस के नाम पर इन दिनों चर्चा चल रही है। एनडीए के प्रमुख घटक भाजपा ने जहां एक बार फिर से नीतीश कुमार के ही कमान में ही चुनाव लड़ने का निर्णय करते हुए उन्हें ही सीएम फेस बनाने का एलान किया है। जबकि इसके उलट महागठबंधन में अभी भी सीएम फेस के नाम पर सहमति नहीं बनाने से घमासान चल रहा है। एक जमाना था जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाजपा से लिए जरूरी हुआ करते थे। लेकिन वर्तमान हालात में अब ऐसा लगता है कि नीतीश कुमार भाजपा सहित समूचे एनडीए गठबंधन के लिए एक ?मजबूरी? बन गए हैं। इसी कथित मजबूरी के चलते नीतीश कुमार एक बार फिर से सीएम फेस बन गए हैं। हाल के दिनों में बिहार के दौरे पर आए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम पर ही चुनाव लड़ने का संकेत दिया था। इसके बाद बिहार के उप मुख्यमंत्री एवं बिहार की राजनीति के दिग्गज सम्राट चौधरी ने भी नीतीश कुमार के नाम पर ही भाजपा के चुनाव में उतारने का ऐलान किया है। एनडीए के एक अन्य घटक दल लोक जनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान ने भी मीडिया में बतौर सीएम फेस नीतीश के नाम पर ही मोहर लगा दी है। यही नहीं राष्ट्रीय लोक मोर्चा पार्टी के नेता उपेंद्र कुशवाहा तथा इसके बाद अब यह तय जा रहा है कि बिहार विधानसभा का चुनाव एनडीए वर्तमान एवं नौ बार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चेहरे पर ही लड़ेगा। बिहार की चुनावी राजनीति में जनता दल यूनाइटेड और बीजेपी वाले एनडीए का मुकाबला राष्ट्रीय जनता दल की अगुवाई वाले महागठबंधन से होगा। चारा घोटाले में लालू यादव के सजायाफ्ता होने के बाद उनके पुत्र तेजस्वी यादव ने पार्टी की बागडोर संभाली है। लालू यादव अब पार्टी में महज मार्गदर्शक की भूमिका में हैं। वर्ष 2015 में ही राजनीति में तेजस्वी यादव की एंट्री हो गई थी तथा साल 2020 में बिहार विधानसभा के चुनाव के समय से तेजस्वी लाइमलाइट में आए थे। उन्होंने लालू की मदद लिए बिना बिहार में महागठबंधन बना कर चुनाव लड़ा और खासा कामयाबी हासिल की। तेजस्वी की अगुआई में आरजेडी को 75 सीटें मिली थी। अब एक बार फिर बिहार विधानसभा चुनाव के लिए तेजस्वी की कमान में राष्ट्रीय जनता दल पूरी तरह तैयार है। यही नहीं राष्ट्रीय जनता दल सहित लालू परिवार भी तेजस्वी को बिहार का सीएम देखना चाहता है। लेकिन तेजस्वी यादव की बिहार का मुख्यमंत्री बनने की राह में सबसे बड़ा रोड़ा कांग्रेस ने ही डाल दिया है।

महागठबंधन की बैठक में कांग्रेस ने सीएम फेस के लिए महागठबंधन की तरफ से तेजस्वी के नाम पर सहमति जताने से इनकार कर दिया है। यही नहीं बिहार चुनाव में महा गठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर आयोजित इस बैठक में सीटों के बारे में भी कोई अंतिम चर्चा भी नहीं हो सकी। महागठबंधन की बैठक के बाद तेजस्वी यादव की अध्यक्षता में गठबंधन की समन्वय समिति जरूर बन गई है, जो महागठबंधन के घटक दलों के साथ सीटों के बंटवारे सहित अन्य सभी फैसला करेगी।

भीषण गर्मी में नहीं थम रहे आग लगने के मामले

अशोक भाटिया

प्रयागराज में आज भयंकर आग लग गई। देखते ही देखते ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। गोदाम में रखे लाखों की बल्लियां, टेंट और फर्नीचर जल गए। आग बुझाने में मुख्य अग्निशमन अधिकारी समेत छह लोग आंशिक रूप से झुलस गए। भीषण आग ने कुछ ही मिनटों में पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया और आग की ऊँची ऊँची लपटें और काले धुएं का गुबार दूर से दिखाई देने लगा, इसमें भरी नुकसान भी हुआ, टेंट, फर्नीचर, सब आग के चपेट में आने से तहस-नहस हो गया। वैसे आज की झुलसती गर्मी में यह आग लगना कोई नै बात नहीं थी। देश में प्रचंड गर्मी के बीच हर दूसरे दिन कहीं ना कहीं से आग लगने की घटनाएं सामने आ रही हैं। आग लगने की यह समस्या इतनी विकराल है, इसका अंदाज इन घटनाओं को अलग-अलग देखने से पता नहीं चलता है। इसलिए हमने सात राज्यों का ब्योरा एक जगह जमा किया है। ब्यौरा चौंकाने और डराने वाला है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, पंजाब और देश की राजधानी दिल्ली में पिछले छह महीने में 38 हजार आग लगने की घटनाएं हुई हैं, आग की इन घटनाओं से बड़े पैमाने पर जान और माल का नुकसान हुआ है। जाहिर है हमारे सिस्टम में कहीं न कहीं कमी है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित बिंदु उत्पन्न होते हैं।पहला इमारतों के चारों ओर खुली जगह और क्षेत्र की संरचनाः आवासीय भवन और वाणिज्यिक दुकानों का हिस्सा पूरी तरह से अलग होना चाहिए। झुग्गियों में एक मंजिला या दो मंजिला झोपड़ियों में भूतल पर वाणिज्यिक दुकानें स्थापित की गई हैं और अधिकांश परिवार इस पर उप-मंजिल पर रहते हैं। जो लोग सामने की तरफ दुकानों और विभाजन के साथ पीछे रहते हैं, उनके पास दुकान के मुख्य द्वार के बिना बाहर निकलने का कोई दूसरा रास्ता नहीं है। क्या नगर निगम प्रभारी का लाइसेंस विभाग सख्ती से जांच करने की भूमिका निभा रहा है? कई मामलों में, भूतल पर वाणिज्यिक दुकानें, पहली और दूसरी मंजिल पर वाहनों की पार्किंग और कार्यालयों/दुकानों को नगर निगम और फायर ब्रिगेड द्वारा लाइसेंस दिया जाता है। आवासीय भवन में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, दुकानों और प्रबंधन की अनुमति देते समय, प्रत्येक भवन में विपरीत दिशा में दो अलग-अलग सीढ़ियां होना बहुत महत्वपूर्ण है। सुरक्षित स्थान पर जाना संभव होगा। साथ ही सामाजिक जागरूकता रखते हुए अनावश्यक रूप से भवन के खुले स्थान पर वाहन पार्क न करें तथा आसपास के क्षेत्र (6 मीटर) को पूर्णतः खुला रखा जाए ताकि अग्नि गाड़ियां दुर्घटना स्थल पर आसानी से एवं बिना किसी बाधा के पहुंचकर तुरंत आग एवं बचाव कार्य प्रारंभ कर सकें, जिससे जनहानि से बचा जा सके एवं क्षति को कम करने में सहायता मिले। यह तभी संभव है जब भवन के निवासी इस सामाजिक प्रतिबद्धता का सख्ती से पालन करें। दूसरा भवन के इंटीरियर में बालकनी, गलियारे, लिफ्ट लॉबी और सीढ़ियांः ये खुले स्थान उत्तरदायी सभी आवासीय और वाणिज्यिक भवनों में देखे जाते हैं कि प्रत्येक मंजिल पर आम गलियारा, मार्ग और लिफ्ट लॉबी यह व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है कि उस मंजिल के निवासियों को अपने घर की अतिरिक्त या बेकार वस्तुओं को स्टोर करने का अधिकार है।अगर किसी घर में आग लगती है, अगर आग घर के बाहर फैल जाती है तो गलियारा, पैसेज में रखा लकड़ी का सामान, चप्पल स्टैंड, असुविधाजनक फर्नीचर आदि रास्ते से आग फैलाने में मदद करते हैं।धातु के तारों या रस्सियों को मार्ग से बांधा जाता है और क्षेत्र का उपयोग कपड़े सुखाने के लिए किया जाता है। इन कपड़ों में छत या दीवार से गुजरने वाले बिजली के तार या केबल होते हैं जो मुख्य रूप से आग के प्रसार में योगदान देते हैं। हालांकि, मैं सभी निवासियों से अपील करना चाहूंगा कि वे अतिरिक्त घरेलू सामानों को गलियारों, मार्गों, लिफ्ट लॉबी और सीढ़ियों में रखकर बाधा न डालें। तीसरा अग्निशमन प्रणाली और इमारतों में उनकी दक्षताः पिछले कुछ वर्षों में जमीन के समानांतर मुंबई का विकास पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया है। बहुमंजिला इमारतों में रहने वाले निवासियों को अपने, अपने परिवार और अन्य लोगों की सुरक्षा और सुरक्षा के बारे में सामाजिक जागरूकता की कमी की कोई चिंता नहीं है। तो, क्या बहुमंजिला इमारतों के अंदर अग्नि सुरक्षा उपकरण ठीक से काम कर रहे हैं? क्या भवन के विद्युत नलिकाओं/शाफ्ट प्रत्येक मंजिल पर सील हैं या नहीं? फायर पंप काम कर रहे हैं या नहीं? इस बात में पूरी तरह से उदासीनता है कि प्रत्येक मंजिल पर हाइड्रेंट पॉइंट, होजरील, फायर अलार्म चालू हैं या नहीं। इसके पीछे के जोखिमों को गंभीरता से क्यों नहीं लेते हैं जब हम सोचते हैं कि इमारत की प्रत्येक मंजिल पर बिजली की नलिका घरेलू सामानों को स्टोर करने के लिए हर किसी की सही जगह है? गलियारे से प्रत्येक मंजिल पर सीढ़ी तक स्थापित आग प्रतिरोधी लकड़ी के दरवाजे अक्सर हटाए जाते हैं या उनकी स्वचालित समापन प्रणाली अव्यवस्था की स्थिति में होती है। चौथा है छतों और शरण क्षेत्रोंः आजकल हाउसिंग सोसाइटियों के लिए खुली छतों और शरण क्षेत्रों का उपयोग सामुदायिक हॉल या हाउसिंग सोसाइटी के मनोरंजन केंद्रों के रूप में करने के लिए प्रथागत हो गया है। इमारत में आग जैसी दुर्घटनाओं के मामले में, यह बहुत महत्वपूर्ण है कि छत और शरण क्षेत्र बिना किसी बाधा के पहुंचने के लिए खुला और सुरक्षित हो; लेकिन भवन के पदाधिकारी और कार्यकारी बोर्ड ऐसा व्यवहार करते हैं जैसे कि उस स्थान पर कब्जा करना उनका जन्मसिद्ध अधिकार है और उनके दिलों को जरा भी इस भावना से नहीं छूते हैं कि उनका मूर्खतापूर्ण व्यवहार हर निवासी के जीवन को खतरे में डाल रहा है। अतः प्रत्येक नागरिक का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वह घर में पोर्टेबल अग्निशामक, स्मोक डिटेक्टर, स्प्रिंकलर स्थापित करने में सावधानी बरतें, जिस प्रकार अपनी प्रतिष्ठा प्रदर्शित करने के लिए आंतरिक सजावट और फर्नीचर पर लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं। आग लगने की 90% घटनाएं इस शॉर्ट सर्किट के कारण होती हैं। इमारत में हर घर में आधुनिक उपकरणों का उपयोग करते समय बिजली का भार कितना होता है? जो लोग खुद को शिक्षित और संभ्रांत मानते हैं, उन्हें दस साल में रिवायरिंग जैसी सरल चीजों के बारे में भी पता होना चाहिए। शहरी विकास विभाग और लोक निर्माण विभाग के समन्वय से हर 6 महीने में फ्यूचर ऑडिट और हर एक साल में इलेक्ट्रिकल ऑडिट कराने के नियमों का सख्ती से पालन किया जाए। पेड़ गिरने, बाढ़ की स्थिति, लैंड स्खलन, हाउस कॉलप्स, लिफ्ट, मैनहोल के अलावापदाखों से होने वाले हादसों के लिए सरकारी मशीनरी कम पड़ जाती है।

सरकारी तंत्रः बंदा परेशान

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

सरकारी दफ्तरों का हाल किसी शादी में बिन बुलाए बाराती जैसा होता है, मतलब, हर कोई मौजूद तो रहता है, पर काम करने को तैयार कोई नहीं। रामलाल, जो पिछले तीन महीनों से अपनी जमीन के पट्टे के लिए सरकारी दफ्तर के चक्कर काट रहा था, आज फिर उम्मीद का दीया जलाए वहाँ पहुँचा। पर यह दीया हर बार की तरह सरकारी कागजी आँधियों में बुझ गया। चपरासी ने उसे दूर से ही देखकर इशारा किया—"अभी साहब चाय पी रहे हैं, और फिर फाइलों में व्यस्त हो जाएँगे।" रामलाल समझ गया, यह 'फाइलों में व्यस्त' होने का मतलब ताश के पत्तों की गड्डी में उलझना है। सरकारी तंत्र में ताश और फाइल, दोनों में एक ही फर्क होता है—ताश में पत्ते बदलते हैं, फाइल में तारीखें। साहब के कमरे में घुसने की हिम्मत करना किसी योद्धा के महल में घुसने जितना कठिन होता है। बड़ी मुश्किल से अंदर जाने का परमिट मिला। साहब ने ऐसे देखा जैसे किसी अपराधी को पहचानने की कोशिश कर रहे हों। "हाँ भई, क्या चाहिए?" रामलाल ने पूरी विनम्रता के साथ कहा, "साहब, वो मेरी जमीन का पट्टा ..." इससे पहले कि वह अपनी पूरी बात कह पाता, साहब बोले, "फाइल नंबर?" अब भला गरीब रामलाल को फाइल नंबर कहाँ से याद रहता? वह फाइल नंबर खोजने लगा, जैसे कोई छात्र परीक्षा के एक दिन पहले किताब ढूँढता है। "साहब, नाम से देख लीजिए।" यह सुनते ही साहब की त्यौरियाँ चढ़ गईं, "क्या समझते हो, हमारा काम नाम से फाइल ढूँढना है? यह कोई पान की दुकान है जहाँ नाम लेकर चीजें मिल जाएँ?" रामलाल निराश होकर बाहर निकला तो चपरासी ने उसे एक ज्ञानवर्धक सलाह दी, "बिना तेल के मशीन नहीं चलती, बाबूजी।" रामलाल को समझ आ गया, सरकारी तंत्र भी पुराने स्कूटर की तरह है—बिना ठोकर मारे स्टार्ट नहीं होता और जब स्टार्ट हो जाए तो गियर फँस ही जाता है। उसने जेब टटोली, पर जेब में तेल यानी घूस डालने लायक पैसा नहीं था। सोचने लगा, 'कहीं से उधार लूँ या फिर कोई दूसरा उपाय करूँ?' लेकिन उपाय क्या था, जब पूरे सिस्टम में ही भ्रष्टाचार का इंजन लगा हो? अगले दिन उसने अपनी पत्नी की चूड़ियाँ बेचकर थोड़े पैसे जुटाए और फिर से साहब के दर्शन के लिए चला गया। इस बार काउंटर पर बैठे बाबू ने उसे देखकर मुस्कुराते हुए कहा, "अरे! अभी तक फाइल नहीं मिली?" रामलाल ने दबी जुबान में पूछा, "साहब से मिल सकता हूँ?" बाबू ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "अगर मिलना ही चाहते हो, तो ससुराल में दामाद की तरह नहीं, बिजनेसमैन की तरह आओ। यहाँ प्यार से ज्यादा जरूरी पैसा है।" रामलाल को समझ आ गया कि सरकार से ज्यादा मजबूत रिश्ता 'चढ़ावे' का होता है। आखिरकार, उसने चपरासी को इशारे से बुलाया और धीरे से पैसे थमाए।

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवसः निष्ठा निष्पक्षता और नवाचार का प्रतीक

प्रो. आरके जैन

राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस भारत के लिए एक गौरवपूर्ण अवसर है, जो उन असंख्य सिविल सेवकों को सम्मानित करता है, जो राष्ट्र की प्रशासनिक शक्ति के प्राण हैं। यह दिन, जो 21 अप्रैल को मनाया जाता है, केवल उत्सव नहीं, बल्कि एक प्रेरणास्रोत है—उनके अटूट समर्पण, निष्ठा और कर्तव्यपरायणता का उत्सव, जो भारत जैसे विशाल और विविध देश को एकजुट रखते हुए प्रगति के मार्ग पर ले जाते हैं। सिविल सेवक सरकार और जनता के बीच मजबूत सेतु हैं, जो नीतियों को कागज से निकालकर जमीनी हकीकत में बदलते हैं। चाहे विकास योजनाओं को गाँव-गाँव तक पहुँचाना हो या संकट के समय देश को संभालना, उनकी भूमिका अपरिहार्य है। यह दिन हमें उनके अमूल्य योगदान को सराहने और प्रशासन को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए नए संकल्प लेने का अवसर देता है।राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस का ऐतिहासिक महत्व उतना ही प्रेरणादायी है, जितना इसका समकालीन संदेश। 1947 में, भारत के प्रथम गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने दिल्ली के मेटकॉफ हाउस में अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्हें 'देश का स्टील फ्रेम' करार दिया। इस कथन में गहरा दर्शन निहित था—एक दृढ़, निष्पक्ष और ईमानदार प्रशासन ही राष्ट्र की प्रगति की अटल नींव हो सकता है। सरदार पटेल ने सिविल सेवकों को निर्भीकता और निष्पक्षता के साथ जनसेवा का पवित्र आह्वान किया, जो आज 21 अप्रैल को राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस के रूप में जीवंत हो उठता है। यह दिन सिविल सेवकों को उनके कर्तव्यों की पुनः स्मृति कराता है, उनके असाधारण योगदान को सम्मानित करता है और राष्ट्र निर्माण में उनकी अपरिहार्य भूमिका को गौरवान्वित करता है। राष्ट्रीय सिविल सेवा दिवस का उद्देश्य न केवल सिविल सेवकों के अनमोल योगदान को रोशनी में लाना है, बल्कि उन्हें जनहित में और अधिक उत्कृष्टता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित करना भी है। इस विशेष अवसर पर, केंद्र सरकार द्वारा उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सिविल सेवकों को प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री पुरस्कार से नवाजा जाता है। यह सम्मान उन असाधारण अधिकारियों को समर्पित है, जिन्होंने महत्वपूर्ण परियोजनाओं और योजनाओं को न केवल सफल बनाया, बल्कि राष्ट्र निर्माण में मील के पत्थर स्थापित किए। यह पुरस्कार उनकी कड़ी मेहनत को गौरवान्वित करता है और अन्य सिविल सेवकों में सकारात्मक प्रतिस्पर्धा की प्रेरक लौ जलाता है। साथ ही, यह दिन प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और जन-केंद्रित दृष्टिकोण को सशक्त करने का अनुपम अवसर प्रदान करता है। यह हमें नई सोच के साथ प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक समावेशी, प्रभावशाली और जनोन्मुख बनाने के लिए प्रेरित करता है, ताकि सरकार की योजनाएं देश के अंतिम व्यक्ति तक निर्बाध रूप से पहुँच सकें। भारत जैसे देश में, जहाँ सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक विविधता अपनी चरम सीमा पर है, सिविल सेवकों की भूमिका न केवल महत्वपूर्ण, बल्कि राष्ट्र के जीवन रक्त के समान है। वे नीतियों को लागू करने वाले मात्र कार्यकर्ता नहीं, बल्कि समानता, न्याय और सामाजिक सद्भाव के प्रहरी हैं। विकास योजनाओं को गाँव-गाँव तक पहुँचाना, गरीबों और वंचितों के हक को सुनिश्चित करना, और समाज को एकता के सूत्र में बाँधना—ये सभी दायित्व उनके कंधों पर हैं। संकट के क्षणों में उनकी भूमिका और भी चमकदार हो उठती है। चाहे कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी हो, बाढ़, भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाएँ हों, या कोई अन्य राष्ट्रीय विपदा, सिविल सेवक हमेशा अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर देश को संबल प्रदान करते हैं। उनकी यह अटूट निष्ठा और समर्पण ही भारत को हर चुनौती में अडिग स्थिरता और प्रगति का मार्ग दिखाता है। आज का युग डिजिटल क्रांति और तकनीकी नवाचारों का स्वर्णिम काल है, जिसने सिविल सेवकों की भूमिका को और भी विशाल और गहन बना दिया है। उन्हें न केवल अपने पारंपरिक कर्तव्यों को बखूबी निभाना है, बल्कि आधुनिक तकनीकों को आत्मसात कर प्रशासन को अभूतपूर्व रूप से पारदर्शी, सहज और प्रभावशाली बनाना है। डिजिटल इंडिया जैसे दूरदर्शी कार्यक्रमों ने ई-गवर्नेंस को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया है, जहाँ ऑनलाइन सेवाएँ, डिजिटल भुगतान और पारदर्शी प्रक्रियाएँ सरकारी योजनाओं को जन-जन तक सहजता से पहुँचा रही हैं। लेकिन इस डिजिटल युग ने साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता और डिजिटल साक्षरता जैसी नई चुनौतियों को भी जन्म दिया है। सिविल सेवकों को इनका सशक्त समाधान करते हुए प्रशासन को और अधिक कुशल, जनोन्मुख और भविष्योन्मुखी बनाना है, ताकि भारत वैश्विक मंच पर एक सशक्त डिजिटल राष्ट्र के रूप में चमके। इसके साथ ही, सामाजिक-आर्थिक असमानता, पर्यावरणीय संकट और जनसंख्या वृद्धि जैसी जटिल चुनौतियाँ सिविल सेवकों के समक्ष दीर्घकालिक समाधान की माँग करती हैं।

श्रीकृष्ण की उद्धव को सीख

समय रहते सही फैसले लें और अपने धन का सही इस्तेमाल करें, वर्ना बाद में पछताना पड़ता है

जीवन में सफलता केवल संसाधनों से नहीं, बल्कि उनके उचित उपयोग और समय पर सही निर्णय लेने की समझ से मिलती है।

श्रीकृष्ण ने अपने मित्र उद्धव को एक कथा सुनाकर सुख-शांति और सफलता का रहस्य समझाया था। कुछ कार्य ऐसे हैं, जिन्हें समय पर कर लेना ही बुद्धिमानी है। ये कहानी उज्जैन के एक ब्राह्मण की है, जो एक गलती की वजह से हमेशा दुखी रहा।

कथा के मुताबिक, उज्जैन का वह ब्राह्मण बेहद धनवान था। उसने मेहनत से खेती और व्यापार कर अपार संपत्ति अर्जित की, लेकिन जीवन जीने की कला उसे नहीं आई। वह धन के प्रति इतना आसक्त था कि न अपने लिए कुछ खर्च करता, न अपने परिवार और मित्रों के लिए। उसकी आदतें- जैसे कंजूसी, वासना में लिप्तता, गुस्सा और असंवेदनशीलता, उसे अपनों से दूर करती गईं। वह अकेलेपन की ओर बढ़ता गया, लेकिन उसे इसका आभास तक नहीं हुआ।

धन को संजोकर रखने की उसकी कोशिश अंततः विफल रही। धीरे-धीरे उसकी संपत्ति नष्ट होने लगी। कुछ संपत्ति परिवार वालों ने हड़प ली, कुछ चोरी चली गई, कुछ व्यापार में घाटे में डूब गई और बाकी शासकों ने छीन ली।

जब तक उसके पास धन था, सब उसके आसपास थे; लेकिन जब सब कुछ चला गया तो वह अकेला और असहाय रह गया।

एक दिन जब वह दर-दर की ठोकरें खा रहा था, तब किसी ने उससे पूछा कि अब कैसा लग रहा है? ब्राह्मण का उत्तर दिया कि जब मेरे पास धन था, तब मैंने उसका सही उपयोग नहीं किया। आज सब कुछ खोकर पछता रहा हूं।

श्रीकृष्ण ने उद्धव को ये कथा सुनाते हुए स्पष्ट किया कि जीवन में कुछ कार्य ऐसे होते हैं, जिन्हें तत्काल कर लेना चाहिए, जैसे शिक्षा अर्जन, स्वास्थ्य का ध्यान और धन का सदुपयोग। इन कार्यों में देरी करने से अवसर चूक जाते हैं और फिर केवल पछतावा ही शेष रह जाता है।

इस कथा से हम चार बातें सीख सकते हैं

1. धन का सदुपयोग करें: धन कमाने के साथ-साथ उसका विवेकपूर्ण उपयोग करना भी आवश्यक है। जरूरतमंदों की मदद, परिवार का सहयोग और आत्मविकास में निवेश ही धन को सार्थक बनाते हैं।

2. स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें: अपने शरीर और मन का ध्यान रखना सबसे बड़ी पूंजी है। इसे नजरअंदाज करने से बाद में बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है।

3. शिक्षा को कभी टालें नहीं: ज्ञान अर्जन एक सतत प्रक्रिया है, और जितना जल्दी इसे शुरू किया जाए, उतना बेहतर होता है।

4. रिश्तों को समय दें: रिश्ते भावनाओं से बनते हैं और इन्हें भी समय, संवाद और सहयोग की आवश्यकता होती है।

जीवन प्रबंधन का मूलमंत्र यह है कि सही समय पर सही निर्णय लें। जो लोग समय की कद्र करते हैं, वह जीवन में आगे बढ़ते हैं। श्रीकृष्ण की ये कथा आज के समय में भी प्रासंगिक है।

जीवन को संतुलित, सार्थक और सुखद बनाना है तो आज ही निर्णय लें। स्वस्थ रहें, सीखते रहें और जीने की कला सीखें।

सभी को डराने वाले, अपनी पत्नी के अलावा इन 5 से डरते हैं शनिदेव

शनिदेव के बारे में तो हम सभी जानते हैं कि उनकी दृष्टि राजा को रंक तो रंक को राजा बना देती है। शनिदेव हमेशा कर्मों के आधार पर ही फल देते हैं इसलिए भगवान शिव ने नवग्रहों में शनिदेव को न्याय का देवता बनाया है।

पिता की पूजा करने वालों से दूर रहते हैं शनिदेव

न्याय के देवता शनि के पिता ग्रहों के राजा सूर्य हैं इसलिए शनिदेव को सूर्यपुत्र भी कहा जाता है। शनिदेव सूर्यदेव की दूसरी पत्नी छाया के पुत्र हैं और भद्रा के भाई हैं। एक बार क्रोध में आकर सूर्यदेव ने शनिदेव का घर जला दिया था। सूर्यदेव को मनाने के लिए शनिदेव ने काले तिल से सूर्यदेव की पूजा की, जिससे वह काफी प्रसन्न हुए। सूर्यदेव की पूजा करने पर शनिदेव की महदाशा के अशुभ प्रभाव में कमी आती है।

कृष्ण भक्तों से दूर रहते हैं शनिदेव

शनिदेव भगवान कृष्ण से भी डरते हैं इसलिए कृष्ण भक्तों पर शनि की कृदृष्टि का प्रभाव नहीं पड़ता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान कृष्ण की एक झलक पाने के लिए शनिदेव ने मथुरा के पास कोकिला वन में तपस्या की थी, जिससे प्रसन्न होकर कृष्णजी ने कोयल के रूप में शनिदेव को दर्शन दिए। तभी से शनिदेव ने कहा कि जो भी मेरे अराध्य भगवान कृष्ण का नाम भर लेता होगा, उन कृष्ण भक्तों को कभी परेशानी नहीं करेंगे।

पीपल की पूजा से नहीं होता शनि का प्रभाव

पौराणिक कथाओं के अनुसार, शनिदेव पीपल से भी डरते हैं इसलिए शनिवार के दिन पीपल की पूजा करने की मान्यता है। शनिवार के दिन पीपल को जल देकर सरसों का तेल जलाने वालों पर शनिदेव की कुदृष्टि नहीं पड़ती है। शास्त्रों में बताया गया है कि पिप्लाद मुनी का नाम लेने और पीपल की पूजा करने वालों पर शनिदेव की महादशा का अधिक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

हनुमानजी की पूजा से दूर होता है शनिदेव

सूर्यपुत्र शनिदेव पवनपुत्र हनुमानजी से भी डरते हैं। जो लोग हनुमानजी की पूजा अर्चना करते हैं और हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ करते हैं, उन पर शनिदेव की महादशा का प्रभाव नहीं पड़ता है और सभी दोष भी दूर हो जाते हैं। शनिदेव ने स्वयं कहा है कि जो भी भक्त हनुमानजी की पूजा अर्चना करेगा, उन पर मेरी महादशा का प्रभाव नहीं पड़ेगा।

महादेव के भक्तों को देखते भी नही हैं शनिदेव

हनुमानजी के अलावा शनिदेव देवों के देव महादेव से भी डरते हैं। शनिदेव भगवान शिव को अपना गुरु मानते हैं इसलिए भगवान शिव के भक्तों पर शनिदेव की कृदृष्टि नहीं पड़ती है। साथ ही शिवजी ने ही सभी नवग्रहों में न्यायाधीश का दर्जा दिया था।

शनिदेव की पत्नी चित्ररथ

भगवान शिव के अलावा शनिदेव को अपनी पत्नी चित्ररथ से भी डर लगता है। ज्योतिष शास्त्र में बताया गया है कि शनिदेव की महादशा को खत्म करने के लिए शनि की पत्नी के नाम का मंत्र जपना बेहद फायदेमंद माना जाता है। ऐसा करने से शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या के अशुभ प्रभाव में कमी आती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, एक रात ऋतु स्नान करने के बाद पत्नी चित्ररथ संतान प्राप्ति की इच्छा से शनिदेव के पास पहुंची लेकिन शनिदेव भगवान कृष्ण के ध्यान में लीन थे। उनकी पत्नी इंतजार करते करते थक गई और ऋतकाल भी खत्म हो गया। इससे क्रोधित होकर शनिदेव को शाप दे दिया कि आज से आप जिसको देखेंगे, वह पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा। इसलिए शनिदेव अपनी नजरों को नीचे करके ही रखते हैं।

राक्षसों की उत्पत्ति कैसे हुई? कौन बना राक्षसों का पहला राजा?

राक्षसों का नाम आते ही दिमाग में एक नकारात्मक विचारों वाले व्यक्ति की छवि उभरती है। राक्षस बलशाली थे और स्वर्ग पर देवता की सत्ता को चुनौती देते थे। देवताओं से उनका छत्तीस का आंकड़ा था। हिरण्याक्ष, हिरण्यकश्यप, रावण, कुंभकर्ण, बलि, मधु, कैटभ आदि जैसे कई महाबली राक्षस हुए। सभी अपने अहंकार और बल के दुरुपयोग के कारण मारे गए। ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की तो उसमें राक्षसों को क्यों बनाया?

राक्षसों की उत्पत्ति

रावण संहिता के अनुसार, जब प्रभु श्रीराम जी अगस्त्य मुनि से मिले तो उनके मन में राक्षसों की उत्पत्ति के बारे में जानने की जिज्ञासा हुई। उन्होंने अगस्त्य मुनि से कहा कि वे तो यह जानते थे कि महामुनि पुलस्त्य जी के कुल से राक्षसों की उत्पत्ति हुई थी, लेकिन आपने राक्षसों की उत्पत्ति अन्य कुल से होने को बताया है। क्या वे सभी राक्षस रावण, कुंभकर्ण आदि से भी बलशाली थे? प्रभु राम ने अगस्त्य जी से राक्षसों की उत्पत्ति के बारे में बताने को कहा।

इस पर अगस्त्य मुनि ने प्रभु राम को बताया कि जब ब्रह्मा जी कमल से होकर प्रकट हुए थे, तब उन्होने सबसे पहले जल की रचना की थी। फिर उस जल की रक्षा के लिए उन्होंने कई प्रकार के जल वाले जीवों की उत्पत्ति की। इस पर सभी जल-जीव ब्रह्मा जी के पास पहुंचे और उन्होंने पूछा कि जल-जीव को भूख और प्यास लगे, वे इससे व्याकुल हो जाएं तो क्या करें?

इस पर ब्रह्मा जी ने खुश होकर उनसे कहा कि तुम सभी इस जल की रक्षा करो। तब उन जल जीवों में से कुछ ने कहा कि वे इस जल की रक्षा करेंगे, तो कुछ ने कहा कि वे इस जल की पूजा करेंगे। इसके बाद ब्रह्मा जी ने कहा कि जो भी जल जीव जल की रक्षा की बात कह रहे हैं, वे सभी राक्षस कहलाएंगे और जो जल जीव इस जल की पूजा की बात कह रहे हैं, वे सभी यक्ष के नाम से प्रसिद्ध होंगे। इस प्रकार से ये जीव दो जातियों में राक्षस और यक्ष में बंट गए।

कौन बना राक्षसों का पहला राजा?

ब्रह्मा जी ने जब राक्षस और यक्ष की दो जातियां बना दीं तो राक्षसों में हेति और प्रहेति नाम के दो भाई थे। ये दोनों राक्षसों के पहले राजा बने। वे दोनों ही शत्रुओं का संहार करने में मधु और कैटभ के समान शक्तिशाली थे। धर्मात्मा प्रहेति तपस्या करने तपोवन चला गया जबकि हेति ने काल की बहन भया से विवाह कर लिया। उन दोनों से विद्युतकेश नामक पुत्र हुआ। जब वह बड़ा हुआ तो हेति ने उसका विवाह संध्या की पुत्री से करने का निश्चय किया। संध्या ने अपनी बेटी का विवाह विद्युतकेश से कर दिया।

विद्युतकेश की पत्नी ने मंदराचल पर्वत पर एक पुत्र को जन्म दिया और उसे छोड़कर पति के साथ भोग विलास में लग गई। यह देखकर माता पार्वती को दया आई, तब शिव जी ने उस बालक को अपनी माता की आयु का बना दिया। उसका नाम सुकेश पड़ा। वह शिव कृपा से विमान से आकाश में भ्रमण करता था। ग्रामणी नामक गंधर्व ने अपनी पुत्री देववती से सुकेश का विवाह किया। देववती और सुकेश से 3 शक्तिशाली पुत्र माल्यवान, सुमाली और माली हुए। उन तीनों भाइयों ने मेरु पर्वत जाकर तपस्या की और ब्रह्मा जी से वरदान पाकर और भी बलशाली हो गए।

दैत्यों की माता दिति

पौराणिक कथा के अनुसार, कश्यप ऋषि का विवाह अदिति और दीति के साथ हुआ था। इनके अलावा उनकी 11 पत्नियां और थीं। अदिति से 12 आदित्यों की उत्पत्ति हुई, जो देवता कहे गए, वहीं दिति से 2 पुत्र हिरण्याक्ष और हिरण्यकश्यप हुए। दिति के पुत्रों को दैत्य कहा गया।

आज कालाष्टमी: भगवान भैरव की पूजा की विधि

हिंदू पंचांग के अनुसार, अप्रैल में आने वाली कालाष्टमी तिथि की शुरुआत 20 अप्रैल रात 7 बजकर 1 मिनट पर शुरु हो चुकी है और समापन 21 अप्रैल को शाम 6 बजकर 58 मिनट पर। उदयातिथि के अनुसार वैशाख माह की कालाष्टमी 21 अप्रैल को मनाई जाएगी।

कालाष्टमी को क्या करें -

इस दिन आप जानवरों का खाना खिला सकते हैं। इससे काल भैरव का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

इस दिन गरीबों को अनाज का दान करें। इससे मन में आ रहे नकारात्मक विचार दूर होते हैं।

इस दिन काल भैरव के मंत्रों का जाप करें। यह भूत-पिशाच के डर को दूर करता है।

कालाष्टमी के दिन मांसाहारी भोजन का सेवन न करें। इस दिन किसी से भी अनुचित व्यवहार न करें।

इस दिन शिव पुराण का पाठ करें।

इस दिन शिव भक्ति भाव से शांति मिलती है।

कालाष्टमी के दिन आपको काले कुत्ते को भोजन कराएं।

यह भैरव बाबा को प्रसन्न करने का खास तरीका है।

इस दिन आप काल भैरव को गुड़, दही और हलवा का भोग अर्पित करें।

कालाष्टमी पूजा मंत्र -

ॐ काल भैरवाय नमः।।

ॐ क्रीं क्रीं कालभैरवाय फट।।

ॐ हं षं नं गं कं सं खं महाकाल भैरवाय नमः।।

अप्रैल शिवरात्रि 2025 योग और नक्षत्र

अप्रैल मासिक शिवरात्रि पर वैधृति, विष्कंभ और प्रीति योग बनेंगे। सबसे पहले वैधृति योग सुबह में 08 बजकर 42 मिनट तक रहेगा। उसके बाद विष्कंभ योग बनेगा, जो 27 अप्रैल को प्रातः 04 बजकर 35 मिनट तक रहेगा। फिर प्रीति योग बनेगा। मासिक शिवरात्रि पर उत्तर भाद्रपद नक्षत्र सुबह 06 बजकर 27 मिनट तक है, उसके बाद से रेवती नक्षत्र है, जो अगले दिन तड़के 03 बजकर 39 मिनट तक है।

भद्रा और पंचक में अप्रैल शिवरात्रि 2025

इस बार की अप्रैल शिवरात्रि के दिन भद्रा और पंचक रहेंगे। उस दिन भद्रा सुबह में 08 बजकर 27 मिनट से शाम 06 बजकर 40 मिनट तक है। वहीं पंचक सुबह में 05 बजकर 45 मिनट से अगले दिन 27 अप्रैल को तड़के 03 बजकर 39 मिनट तक रहेगा।

जीवन में चाहते हैं सुख, समृद्धि और धन-दौलत, तो काली गाय को खिलाएं ये चीजें

चमक जाएगी किस्मत!

वेदों और पुराणों में गाय को मां का दर्जा दिया गया है और आज के समय में भी गाय की सेवा को सर्वोत्तम धर्म बताया गया है। क्या आपने कभी सोचा है कि जिन गायों को आप रोजाना रोटी या चारा देते हैं, उनके रंग में भी कोई विशेष रहस्य छुपा हो सकता है? जी हां, आज हम बात करने जा रहे हैं काली गाय की। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार काली गाय में शुक्र और शनि दोनों ग्रहों की शक्ति विद्यमान होती है और इन दोनों ग्रहों का सीधा संबंध हमारे वैवाहिक जीवन, सुख-सुविधा, धन और करियर से होता है।

जब शुक्र ग्रह कमजोर हो जाता है, तो जीवन की खुशियां धीरे-धीरे खत्म होने लगती हैं। जीवन न प्रेम बचता है और न ही धन टिकता है। ऐसे में शुक्रवार के दिन काली गाय की सेवा आपके जीवन की दिशा बदल सकती है।

काली गाय का उपाय

काली गाय में शनि और शुक्र दोनों का प्रभाव होता है। काली गाय की सेवा करने से एक साथ तीन ग्रहों शनि, शुक्र और केतु का शुभ प्रभाव प्राप्त होता है। अगर आप शनि, राहु, केतु या शुक्र की पीड़ा झेल रहे हैं,

तो इस उपाय को कर सकते हैं।

हर शुक्रवार को काली गाय को चारा दें। अगर काली गाय आपके घर के पास नहीं आती, तो किसी गौशाला में जाकर यह कार्य करें।

11 रोटियां बनाएं और उन्हें शुक्रवार के दिन काली गाय को अपने हाथों से खिलाएं।

रोटियां गेहूं के आटे की हों और उनमें काले तिल, गुड़ या थोड़ा सा घी मिला सकते हैं।

शनि होगा मजबूत

काली गाय का रंग शनि का प्रतिनिधित्व करता है और जब शनि मजबूत होता है तो व्यक्ति में अनुशासन, स्थिरता और कर्मठता आती है। शनिवार के दिन काली गाय को सरसों का तेल लगी रोटी या गुड़ खिलाना विशेष लाभकारी माना गया है। जिन लोगों को विवाह में देरी, संतान संबंधी समस्या या आर्थिक तंगी हो, उनके लिए यह उपाय लाभकारी हो सकता है।

राजस्थान के जलकुंड का चमत्कार! हजारों गैलन पानी निकालने के बाद भी नहीं होता कम

अजमेर:- राजस्थान के अजमेर में सराधना गांव के पास अरावली की पहाड़ियों पर स्थित मां गौरी का ऐतिहासिक और चमत्कारिक प्राचीन मंदिर है। माता का यह पवित्र धाम मार्कंडेय ऋषि की तपोभूमि रहा है। माना जाता है कि ऋषि मार्कंडेय को यहीं पर माता ने दर्शन दिए थे। यह मंदिर सदियों से धार्मिक आस्था का केंद्र बना हुआ है। यहां मंदिर परिसर में जल का एक कुंड है, जो किसी चमत्कार से कम नहीं है।

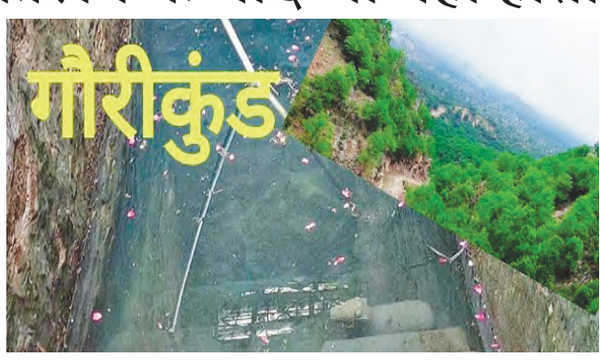

हजारों गैलन पानी निकालने के बाद भी खाली नहीं होता कुंड

वह काफी प्राचीन है। इस कुंड से हजारों गैलन पानी निकाला जाता रहा है, फिर भी यह कभी खाली नहीं होता है। मंदिर में माता का स्नान भी इस कुंड के पानी से होता है। सर्दियों में यह पानी गर्म और गर्मियों में ठंडा रहता है।

इस कुंड के जल को गंगा के समान पवित्र माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस कुंड का जल आध्यात्मिक शुद्धि और रोगों से मुक्ति प्रदान करता है। पुजारी ने आगे बताया कि महिलाओं को किसी प्रकार की मासिक धर्म की समस्या होती है, तो वह इसका सेवन करते हैं, उनकी यह समस्या दूर हो जाती है ।

सिक्के डालकर मांगते हैं मन्नत

यह मंदिर अजमेर ही नहीं, बल्कि राजस्थान के बाहर के लोगों के लिए भी आस्था का प्रमुख केंद्र है। उन्होंने आगे कहा कि वह जब से यहां सेवा कर रहे हैं, तब से कई लोगों की मनोकामना पूरी होते हुए देखा है। लोग गौरी माता मंदिर के दर्शन के साथ-साथ कुंड को भी आस्था केंद्र मानते हुए नमन करते हैं। इसमें सिक्के डालकर मन्नत मांगते हैं। उन्होंने आगे बताया कि जिन लोगों के काम माता की कृपा से बन जाते हैं, वो यहां प्रसाद चढ़ाते हैं। वहीं प्रसाद बनाने के लिए कुंड के जल का इस्तेमाल किया जाता है।

घर के दामाद संग 38 साल बाद फिल्म बना पाए कमल हासन

कमल हासन के बड़े भाई चारू हासन के दामाद हैं मणिरत्नम। मणि के साथ दोबारा काम करने में कमल हासन को 38 साल लगे हैं। दोनों की पिछली फिल्म 'नायकन' में कमल हासन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला। अब दोनों फिर साथ आ रहे हैं फिल्म 'ठग लाइफ'में। अपनी ससुराल की प्रोडक्शन कंपनी राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल के लिए मणि की ये पहली फिल्म है।

क्या होता है अंजू आरा मणिरत्नम?

कमल हासन का जादू उत्तर भारतीय दर्शकों पर पहले पहल फिल्म 'एक दूजे के लिए' में साल 1981 में चला। उसके निर्देशक के बालाचंदर की छवि उन्हें अब निर्देशक मणि रत्नम में दिखती है। के बालाचंदर को कमल हासन सिनेमा में अपना गुरु मानते रहे हैं। चेन्नई में फिल्म 'ठग लाइफ' के पहले गाने की रिलीज के मौके पर जुटे कलाकारों के बीच कमल हासन मुस्कुराते हुए मणि रत्नम की तरफ इशारा करते हुए कहते हैं, "मैं इनको अंजू आरा मणिरत्नम कहता हूं मतलब कि सुबह के साढ़े पांच बजे वाला मणि रत्नम। ब्रह्म मुहूर्त में काम करना इनकी आदत रही है।" बहुत कम लोगों को पता होगा कि मणि रत्नम जो भी फिल्में बनाते हैं उनकी शूटिंग की तैयारी सुबह चार बजे से शुरू हो जाती है। सूरज की पहली किरण धरती पर पड़ते ही कैमरा रोल हो जाता है।

स्कूटरों पर देखे सिनेमा के भव्य सपने

70 साल के हो चुके कमल हासन की 68 वर्षीय मणिरत्नम से खूब पटती है। मणि घर के दामाद भी हैं। कमल याद करते हए बताते हैं, "चेन्नई के अलवरपेट में एल्डमस रोड पर खड़े होने वाले स्कूटरों पर हम घंटों पसरे रहते। सिनेमा की बातें करते हैं। अपनी और अपने घर परिवार की बातें करते और ये बातें करते कि हमारे सपनों का सिनेमा कैसा होगा? तबसे अब तक कुछ भी बदला नहीं है। हमने बहुत बड़े बड़े सपने देखे। उन्हें हमें बाजार और अपने बजट के हिसाब से बाद में छोटा करना पड़ा। लोग हमसे अक्सर पूछते रहते हैं कि हम दोनों ने 'नायकन' के बाद कोई फिल्म फिर से साथ में क्यों नहीं की तो मैं मानता हूं कि इसमें गलती हमारी ही रही। और, जो एक वजह हम दोनों को फिर से साथ लेकर आई है, वह हैं हमारे दर्शक।"

चारू हसन को दिया 'ठग लाइफ' का श्रेय

फिल्म 'नायकन' के बाद मणिरत्नम ने कमल हासन को फिल्म 'ठग लाइफ' में निर्देशित करना स्वीकार किया और कमल हासन इसका पूरा श्रेय अपने बड़े भाई चारू हसन को ही देते हैं। 'नायकन' में संगीत इलैयाराजा का था, इस बार दोनों ए आर रहमान को लाए हैं। कमल हासन कहते हैं, "ये फिल्म 'ठग लाइफ' वैसी ही फिल्म है जैसी फिल्में मैं देखना चाहता हूं। मैं खुद को सौभाग्यशाली मानता हूं कि मुझे इसमें अभिनय करने के साथ साथ इसके निर्माण का भी मौका मिला। मेरे प्रशंसकों ने बरसों से मुझे कंधे पकड़ पकड़कर झिंझोड़ा है कि मैं मणि के साथ अगली फिल्म कब कर रहा हूं। इस देरी के लिए हम माफी मांगते हैं और एक तरह से फिल्म 'ठग लाइफ' को हमारी तरफ से अपने प्रशंसकों के साथ सुलहनामे की पेशकश भी मान सकते हैं।"

सिनेमा सबसे बड़ी लोकतांत्रिक कला

इस बीच कमल हासन ने सिनेमा के भविष्य पर भी खुलकर बात की है। वह कहते हैं, "सिनेमा से बड़ी दूसरी कोई लोकतांत्रिक कला है ही नहीं लेकिन लोग अपनी प्रसिद्धि, समृद्धि और शंकाओं में इतने घिरे हुए हैं कि इस तरफ उनका ध्यान ही नहीं जाता है। मैं ये दावे से कह सकता हूं कि आने वाले दिनों में सिनेमा और अधिक लोकतांत्रिक होने जा रहा है।"

धीमा पर सतर्क चाल चल रहा सिनेमा

कमल हासन कहते हैं, "आलोचनाएं तो होती रहेंगी लेकिन सिनेमा आगे बढ़ता रहेगा। इसकी रफ्तार जरूर धीमी है। इतनी धीमी कि जो बात हमने 35 साल पहले सोची थी, उस पर अब फिल्म रिलीज करने जा रहे हैं। मैंने और मणिरत्नम ने जो भी चर्चाएं की हैं, उन पर अब तक सिर्फ 25 फीसदी अमल ही हो सका है। हमें अभी साथ में और भी न जाने कितना काम करना है। हम सब सीख रहे हैं। मैं तो रोज ही कुछ नया सीखता हूं और कुछ पुराना भूलता भी हूं। मेरा मानना है कि सीखते रहने से ही समय के साथ कदमताल कर सकते हैं।"

कमल हासन जब नाचे तो कमाल नाचे

फिल्म 'ठग लाइफ' के पहले गाने के लॉन्च पर बातों बातों में ही बात कमल हासन के नृत्य की भी चली और फिल्म में उनके साथ काम कर रहे अभिनेता सिलम्बारासन टीआर उर्फ एसटीआर उर्फ सिबू ने इस मौके पर उन लम्हों का जिक्र किया जब दिल्ली की भीषण गर्मी में ये गाना शूट किया जा रहा था। सिबू कार्यक्रम में कमल हासन से थोड़ी दूर बैठे थे, लेकिन कमल हासन ने उनको अपने पास बुलाकर बिठाया। एसटीआर ने कहा, "मुझे लगा कमल हासन अपनी उम्र के हिसाब से आराम आराम से ठुमके लगाएंगे और उन्हें उनके साथ बस हल्की सी कदमताल करनr है लेकिन जैसे ही एक्शन हुआ और जो रफ्तार उन्होंने पकड़ी तो हम सब दंग रंग गए।" कमल हासन प्रशिक्षित भरतनाट्यम और कथक नर्तक हैं और अब भी अपनी प्रस्तुतियों में पूरी ऊर्जा का समावेश करते हैं।

कन्नड़ सिनेमा में डेब्यू करेंगी पूजा हेगड़े, किच्चा सुदीप के साथ 'बीआरबीः फर्स्ट ब्लड' में जमेगी जोड़ी

बॉलीवुड और साउथ फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत चुकीं पूजा हेगड़े अब साउथ फिल्म 'रेट्रो' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनकी जोड़ी साउथ अभिनेता सूर्या के साथ नजर आएगी। वहीं अब पूजा कन्नड़ सिनेमा में अपना लक आजमाने जा रही हैं।

पूजा हेगड़े जल्द ही साउथ फिल्म 'रेट्रो' में अभिनेता सूर्या के साथ नजर आने वाली हैं। यह फिल्म 1 मई 2025 को सिनेमाघरों में कई भाषाओं में रिलीज की जाएगी। इस फिल्म का निर्देशन कार्तिक सुब्बाराज ने किया है। वहीं अब कई फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत चुकीं पूजा अब कन्नड़ फिल्म में डेब्यू करने वाली हैं।

एक खबर के अनुसार, पूजा ने हाल ही में कन्नड़ फिल्म 'बीआरबीः फर्स्ट ब्लड' (बिल्ला रंगा बाशा) साइन की है। इस फिल्म में पूजा कन्नड़ अभिनेता किच्चा सुदीप के साथ काम नजर आएंगी। हालांकि फिल्म निर्माताओं की ओर से इस बात की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन सोशल मीडिया पर यह खबर तेजी से फैल रही है।

अगर पूजा इस फिल्म का वाकई में हिस्सा हैं तो यह फिल्म पूजा हेगड़े की कन्नड़ सिनेमा में उनकी पहली फिल्म होगी। इस फिल्म का निर्देशन अनूप भंडारी करेंगे। फिल्म के निर्माण की जिम्मेदारी हनु-मान के निर्माता निरंजन रेड्डी और चैतन्य रेड्डी करेंगे।

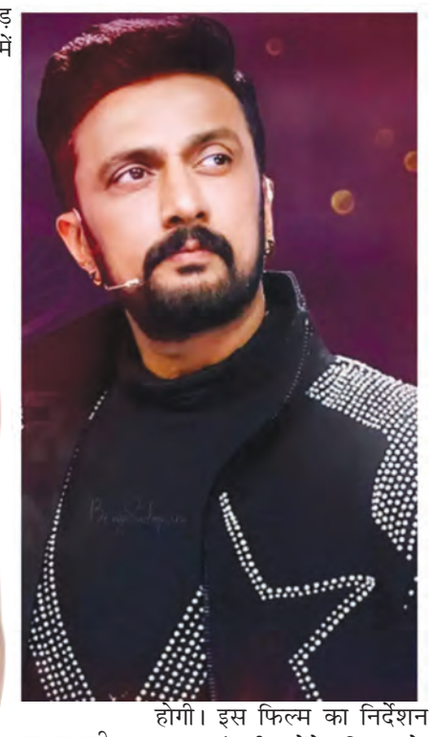

वर्कफ्रंट की बात करें तो पूजा साउथ सुपरस्टार दलपति विजय की फिल्म 'जना नायगन' में नजर आएंगी। इसके अलावा पूजा लोकेश कनगराज निर्देशित फिल्म 'कुली' में नजर आएंगी। इन फिल्मों के अलावा पूजा फिल्म 'रेट्रो' में नजर आएंगी।

रोहित शेट्टी-जॉन अब्राहम की फिल्म में तमन्ना की एंट्री राकेश मारिया बायोपिक में निभाएंगी ये किरदार

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया इन दिनों 'ओडेला 2' को लेकर चर्चा में बनी हुई है। वहीं, अब अभिनेत्री की नई फिल्म को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। ऐसा लगता है कि तमन्ना भाटिया को कुछ रोमांचक प्रोजेक्ट मिल गए हैं। हाल ही में अभिनेत्री अनीस बज्मी की नो एंट्री 2 में अपनी कास्टिंग की अफवाहों को लेकर सुर्खियों में रहीं और आज, 19 अप्रैल को कहा जा रहा है कि वह कथित तौर पर रोहित शेट्टी की आगामी प्रोजेक्ट के लिए तैयार हो गई हैं।

रोहित शेट्टी की फिल्म में हुई तमन्ना की एंट्री

चर्चा है कि तमन्ना को जाहिर तौर पर फिल्म में जॉन अब्राहम के साथ कास्ट गया है, जिसे एक मनोरंजक एक्शन ड्रामा बताया जा रहा है। रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित यह फिल्म मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर राकेश मारिया पर आधारित होने की संभावना है। पीपिंगमून की रिपोर्ट के अनुसार, तमन्ना प्रीति मारिया की भूमिका निभाती नजर आ सकती हैं, जबकि जॉन राकेश मारिया का किरदार निभा सकते हैं।

फिल्म में तमन्ना का किरदार

सूत्र का हवाला देते हुए रिपोर्ट में फिल्म की कहानी के बारे में बताया गया। कहा गया कि तमन्ना का किरदार यानी प्रीति, राकेश (जॉन अब्राहम) के लिए हमेशा ताकत का स्तंभ रही हैं, जिन्होंने उनके करियर के सबसे खतरनाक और चुनौतीपूर्ण पलों में उनका साथ दिया और शहर को आतंकवादियों से बचाने के दौरान उनके परिवार की देखभाल की। उनकी भूमिका उनकी कहानी का अभिन्न अंग है और तमन्ना इस किरदार को जीवंत करने के लिए रोमांचित और सम्मानित महसूस कर रही हैं।

अगर तमन्ना वाकई इस किरदार के लिए चुनी जाती हैं तो रोहित शेट्टी की इस फिल्म में जॉन के साथ उनकी दोबारा ऑनस्क्रीन जोड़ी होगी। पिछले साल उन्होंने निखिल आडवाणी की फिल्म 'वेदा' में जॉन की पत्नी के रूप में कैमियो किया था।

बता दें कि रोहित की आने वाली फिल्म राकेश मारिया की की आत्मकथा लेट मी से इट नाउ पर आधारित है। फिल्म की शूटिंग 18 अप्रैल को मुंबई में शुरू हुई थी। और शहर में 40 स्थानों पर इसकी शूटिंग होने की उम्मीद है।

टॉक्सिक रिलेशनशिप को लेकर क्या बोलीं सोहेल खान की एक्स वाइफ? कहा-'अफेयर कोई डील-ब्रेकर नहीं है'

बॉलीवुड कई तलाक और ब्रेकअप का गवाह रहा है। अलग हुए लोग अक्सर एक-दूसरे पर आरोप लगाते नजर आते हैं। इस लिस्ट में सलमान खान के भाई सोहेल खान का भी नाम शामिल है। वह साल 2022 में 'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' फेम सीमा सजदेह से अलग हो चुके हैं। हाल ही में सीमा सजदेह ने अपने टूटे हुए रिश्ते को खुलकर बात की।

टॉक्सिक रिलेशनशिप पर क्या बोलीं सीमा?

सीमा सजदेह ने अपने तलाक को स्वीकार कर लिया है वह कथित तौर पर आगे बढ़ गई हैं। उन्होंने हाल ही में एक इंटरव्यू में स्वीकार किया कि पहले वह अपनी टूटी शादी के लिए सोहेल को दोषी ठहराती थीं। जेनिस सेक्वेरा के साथ अपनी बातचीत में उन्होंने माना कि अब वह अपने तलाक को लेकर शांत हैं। उन्होंने यह भी साझा किया कि कैसे एक टॉक्सिक रिलेशनशिप पूरे परिवार को प्रभावित करता है।

सीमा ने कहा, 'जब आप एक ऐसे विवाह में होते हैं जहां आप लगातार झगड़ते रहते हैं और एक-दूसरे पर आरोप लगाते हैं, तो आप अपने बच्चों को भी अपना सौ प्रतिशत नहीं दे पाते हैं। घर में चिड़चिड़े माता-पिता को देखकर माहौल तनावपूर्ण हो जाता है।'

'अफेयर कोई डील-ब्रेकर नहीं है'

सीमा सजदेह ने उसी बातचीत में बेवफाई के बारे में बात की और साझा किया कि उनके लिए धोखा देने का मतलब हमेशा रिश्ते का अंत नहीं होता है। उन्होंने कहा, 'मैं ईमानदारी से कह रही हूं, अफेयर कोई डील-ब्रेकर नहीं है। हम इंसान हैं। आप इससे बढ़ते हैं। यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि यह किस तरह का अफेयर था। भले ही आप किसी के बारे में सोच रहे हों, आपने वैसे भी धोखा दिया है।'

'डील-ब्रेकर वास्तव में यह देखना है कि आप दोनों जीवन में कैसे आगे बढ़ रहे हैं। जीवन छोटा है, इसे जिएं और खुश रहें। हंसी सबसे अच्छी दवा है और जिस दिन आप साथ में हंसना बंद कर देते हैं, सब खत्म हो जाता है।'

बेटों पर ध्यान दे रही हैं सीमा सजदेह

सीमा सजदेह और सोहेल खान ने साल 1998 में शादी की थी। उनके दो बेटे हैं निर्वाण और योहान। सीमा के अनुसार अब उनका पूरा ध्यान बस अपने बेटों को ज्यादा से ज्यादा समय देना है।

बॉलीवुड-साउथ के बीच किया फर्क महसूस तो मालविका मोहनन हुई ट्रोलिंग का शिकार

दक्षिण भारतीय फिल्मों में कई नामी एक्टर्स के साथ मालविका मोहनन अभिनय कर चुकी हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में मालविका ने करियर और ट्रोलिंग को लेकर बातचीत की। साथ ही बताया कि साउथ और बॉलीवुड फिल्मों में हीरोइन को लेकर क्या नजरिया रहता है।

जब बुरी तरह हुईं ट्रोल

मालविका ने हालिया बातचीत में बताया कि 21 साल की उम्र में उन्होंने अपनी पहली फिल्म की थी। वह कहती हैं, 'उस समय मैं काफी पतली थी, इस वजह से साउथ में मुझे ट्रोल किया गया। आगे चलकर मेरा वजन बढ़ा और मैं मुंबई आई तो बॉलीवुड के मेकर्स ने कहा कि वजन कम करो। मैं तो कंफ्यूज हो गईं। आखिर में मैंने फैसला किया कि खुद को बस हेल्दी रखने पर जोर दूंगी।'

साउथ में इस बात अधिक जोर

मालविका आगे कहती हैं, 'मैं मुंबई में पली-बढ़ी हूं, लेकिन जब साउथ में काम किया तो पाया कि वहां नेवल (नाभी) को लेकर अलग ही नजरिया है। फिल्मों में एक्ट्रेस के नेवल एरिया को जूम करके दिखाया जाता है।' यह बात मालविका के लिए काफी नई सी थी।

इन फिल्मों में आएंगी नजर

मालविका के करियर फ्रंट की बात करें तो वह प्रभास के साथ फिल्म 'राजा साहब' में नजर आएंगी। इसके अलावा कार्थी के साथ भी एक फिल्म 'सरदार 2' में नजर आएंगी। साथ ही वह मलयालम फिल्म 'हृदयपूर्वम' में मोहनलाल के साथ अभिनय कर रही हैं। मालविका और मोहनलाल के बीच उम्र का बहुत बड़ा अंतर है। मोहनलाल के साथ फिल्म करके

विश्व भाषाओं में पूर्ण श्रीमद्भगवद्गीता बनाने का लक्ष्य

विश्व भाषाओं में पूर्ण श्रीमद्भगवद्गीता ऑडियो बनाने का लक्ष्य है, और अभी तक 25 भाषाओं में रिकॉर्डिंग पूरी हो चुकी है। श्रीमद्भगवद्गीता यूट्यूब और अन्य माध्यमों से निशुल्क सुनी जा सकती है। मेरा उद्देश्य गीता को हर गांव, हर घर, और हर दिल तक पहुंचाना है। उक्त उद्गार डॉ. गजल श्रीनिवास ने श्रीमद्भगवद्गीता तेलुगु ऑडियो लोकार्पण समारोह में व्यक्त किए।

अपने पैतृक स्थान पालकुल्लु लायंस कम्युनिटी हॉल में आयोजित गीता विमोचन समारोह में डॉ. गजल श्रीनिवास के पिता केशिराजु नरसिम्हा राव (93) के हाथों से श्रीमद्भगवद्गीता का विमोचन कराया। इस अवसर पर पूर्व विधान सभा सदस्य डॉ. सीएच सत्य नारायण मूर्ति, पूर्व विधान परिषद सदस्य अंगारा राम मोहन, आंध्र प्रदेश नाटक अकादमी के अध्यक्ष गुम्मडी गोपालकृष्ण, कलारत्न रसराजू, रोटरी इंटरनेशनल डायरेक्टर डॉ. वड्लामणि रवि और कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। उन्होंने डॉ. गजल श्रीनिवास के गीता गायन की प्रशंसा की।

आलिया भट्ट ने की मां की तारीफ, 'योर्स ट्रूली' में सोनी राजदान के अभिनय पर लिखा भावुक नोट

आलिया भट्ट की मां और महेश भट्ट की पत्नी सोनी राजदान की फिल्म 'योर्स ट्रूली' 2018 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में सोनी के अभिनय को लेकर आलिया ने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी मां की फिल्म से एक तस्वीर शेयर की और साथ ही एक भावुक नोट भी लिखा है।

आलिया भट्ट ने कुछ ही देर पहले अपने इंस्टाग्राम की स्टोरी पर अपनी मां सोनी राजदान की की फिल्म 'योर्स ट्रूली' की एक तस्वीर शेयर की है और साथ ही लिखा, सच में क्या परफॉर्मेंस है।

फिल्म 'योर्स ट्रूली'

'योर्स ट्रूली' एक 57 वर्षीय महिला मीठी कुमार के बारे में है, जो रेलवे स्टेशन अनाउंसर की आवाज के प्यार में पड़ जाती है। जैसे ही उसकी जॉब खत्म होती है, वह उस मीठी आवाज वाले अनाउंसर को खोजने में लग जाती है क्योंकि उसकी आवाज में सोनी को अपना सोलमेट नजर आता है। फिल्म की कहानी अकेलेपन, लालसा और जुड़ाव की खोज को दर्शाती है। यह फिल्म एनी जैदी की शॉर्ट स्टोरी 'द वन दैट वाज अनाउंस्ड' पर आधारित है। सोनी राजदान की रोमांस ड्रामा से भरपूर फिल्म 'योर्स ट्रूली' को आप ZEE5 पर देख सकते हैं। इस फिल्म को संजय नाग ने निर्देशित किया है।

आलिया भट्ट संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित रोमांटिक म्यूजिकल ड्रामा फिल्म 'लव एंड वॉर' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसमें आलिया के साथ कथित तौर पर रणबीर कपूर और विक्की कौशल मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसते अलावा फिल्म 'अल्फा' में नजर आएंगी।

बॉलीवुड फिल्मों के फ्लॉप होने पर विक्रम भट्ट ने दिए सुझाव, बोले- 'हम आम जनता को भूल गए हैं'

पिछले कुछ वक्त से बॉलीवुड में कई बड़ी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धराशायी हो रही हैं। जिससे इंडस्ट्री में कहीं न कहीं परेशानी बनी हुई है। हर कोई इसका उपाय निकालने का प्रयास कर रहा है। अब निर्माता-निर्देशक विक्रम भट्ट ने इसको लेकर कुछ सुझाव दिए हैं और इसको कैसे सुधारा जा सकता है, इस पर अपने विचार रखे हैं। निर्देशक का कहना है कि हमें आम जनता की जरूरतों को पूरा करने की जरूरत है। हमें उस पर जोर देना चाहिए।

विक्रम भट्ट ने की साउथ की तारीफ

हाल ही में एएनआई के साथ बातचीत में विक्रम भट्ट में इंडस्ट्री की हालत में सुधार लाने के लिए कुछ सुझाव देते हुए कहा, "हर कोई आम जनता को भूल गया और खास

फिल्मों की ओर चला गया। वहीं कोविड के दौरान से सिनेमाघरों में फिल्में देखने की दर्शकों की आदत गायब हो गई है। हमने बड़े पैमाने पर फिल्में बनाना बंद कर दिया। अगर आप साउथ की इंडस्ट्री को देखें, तो यह फल-फूल रहा है क्योंकि यह हमेशा बड़े पैमाने पर दर्शकों को अहमियत देता है। वे अभी भी सुपरहीरो देखना चाहते हैं, पुष्पा देखना चाहते हैं, कंतारा देखना चाहते हैं। वे अभी भी खलनायक को खलनायक मानते हैं, अभी भी सीटी बजाते हैं और ताली बजाते हैं। हम तो वैसी फिल्में बनाना भूल गए जिसे देखकर दर्शक सीटी और ताली बजाएं।"

ऐसी फिल्में बनानी चाहिए, जो जरूरी हों

विक्रम भट्ट ने आगे फिल्म बनाते समय फिल्ममेकर्स को कुछ जरूरी बातों पर ध्यान देने के लिए सुझाव दिए हैं। उन्होंने कहा, "हमें ऐसी फिल्में बनानी चाहिए जिनकी बहुत जरूरत हो। मैंने इसे हाल ही में सीखा है जब मेरी फिल्म 'तुमको मेरी कसम' नहीं चली। इसे बहुत अच्छी समीक्षाएं मिलीं। लेकिन यह इसलिए नहीं चली क्योंकि यह जरूरत वाली फिल्म नहीं थी। भले ही मेरी फिल्म नहीं चली। इसलिए, हमें ऐसी फिल्में बनानी होंगी जो जरूरी हों, फिल्म के नाम पर कुछ भी नहीं बनाना चाहिए। फिल्में इस तरह से बनाई जानी चाहिए कि लोग पहले दिन के पहले शो का बेसब्री से इंतजार करें।"

कंटेंट पर जोर देना चाहिए

निर्देशक ने आगे स्टारकास्ट की बजाय कंटेंट पर जोर देने का सुझाव देते हुए कहा, "यह पूरी समस्या एक मिनट में हल हो सकती है अगर म्यूजिक कंपनियां, डिजिटल और सैटेलाइट कंपनियां यह संदेश देना शुरू कर दें कि हमें अच्छे गाने चाहिए, हमें अच्छी तस्वीरें चाहिए। अगर आप स्टारकास्ट को नहीं बल्कि अच्छी फिल्म को सपोर्ट करते हैं, तो निर्माता पर बोझ नहीं पड़ेगा। हमें कंटेंट पर जोर देना चाहिए, स्टारकास्ट पर नहीं।"

सेना में डॉक्टर कैसे बनें, कौन सा कोर्स करना होगा और क्या है योग्यता

क्या आपको पता है कि अगर सेना में डॉक्टर बनना हो तो क्या करना होता है. सेना में डॉक्टर की जॉब से देश सेवा का मौका तो मिलता ही है साथ ही अच्छी सैलरी और सुरक्षित भविष्य का फायदा भी मिलता है. सेना में डॉक्टर बनने के लिए आपको 12वीं के बाद मेडिकल की पढ़ाई करनी होती है, और इसके लिए एंट्रेंस टेस्ट पास करना जरूरी है.

भारत में काफी स्टूडेंट डॉक्टर बनने का सपना देखते हैं और उसके लिए जी तोड़ मेहनत भी करते हैं. लेकिन क्या आपको पता है कि अगर सेना में डॉक्टर बनना हो तो क्या करना होता है. सेना में डॉक्टर की जॉब से देश सेवा का मौका तो मिलता ही है साथ ही अच्छी सैलरी और सुरक्षित भविष्य का फायदा भी मिलता है. भारत में सेना के डॉक्टर की रैंक दूसरे आर्मी ऑफिसर्स के समान ही होती है और उन्हें भी रिटायरमेंट बेनिफिट, फैमिली पेंशन, ग्रेच्युटी, मेडिकल ट्रीटमेंट और मुफ्त राशन जैसे अलाउंस मिलते हैं. डॉक्टर बनने के लिए क्या करना होता है, ये तो आमतौर पर सभी को पता है लेकिन आज हम बताएंगे कि सेना में डॉक्टर बनने के लिए आपको क्या करना होगा.

12वीं के बाद मेडिकल की पढ़ाई

डॉक्टर बनने के लिए आपको 12वीं के बाद मेडिकल की पढ़ाई करनी होती है, और इसके लिए एंट्रेंस टेस्ट पास करना जरूरी है. इस एंट्रेंस टेस्ट का नाम है - नीट एक्जाम - एमबीबीएस और बीडीएस जैसे अंडर ग्रेजुएट मेडिकल कोर्स में एडमिशन लेने के लिए नीट क्लियर करना होता है. इस एग्जाम में मिले स्कोर के आधार पर ही मेडिकल में एडमिशन मिलता है. अब यदि आप आर्मी में डॉक्टर बनकर देश सेवा करना चाह रहे हैं, तो आपको किस आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज में एडमिशन लेना होगा.

आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज में एडमिशन

भारतीय सेना में डॉक्टर बनने के लिए उम्मीदवार को आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज , पुणे में एडमिशन लेना होता है. नीट में मिले स्कोर के आधार पर उम्मीदवारों को इस कॉलेज में प्रवेश मिलता है. यानी अच्छे स्कोर वालों को ही यहां पर एडमिशन मिलता है. आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज एक रिप्यूटेड मेडिकल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट है और इसकी देखरेख इंडियन आर्म्ड फोर्स द्वारा की जाती है.

कितना होता है आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज का कटऑफ?

आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज का कटऑफ हमेशा एक जैसा नहीं होता, ये हर साल बदलता रहता है. लेकिन पिछले कटऑफ को देखते हुए जनरल कैटेगरी के स्टूडेंट्स के लिए 600+ का स्कोर सिक्योर माना जा सकता है.

नीट में पास होने के बाद

नीट में अच्छा स्कोर हासिल करने के बाद उम्मीदवारों को इंटरव्यू और मेडिकल टेस्ट भी पास करना होता है. टॉलरेंस टेस्ट में उम्मीदवार का मेंटल और फिजिकल स्टैमिना चेक किया जाता है, इंटरव्यू में कैंडिडेट की कम्युनिकेशन स्किल्स और नॉलेज को सवालों के जरिए परखा जाता है.

आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज में कितनी होती हैं सीटें ?

आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज हर साल एमबीबीएस सिलेबस के लिए 150 स्टूडेंट्स को एडमिशन देता है, जिनमें से 115 सीटें लड़कों और 30 लड़कियों के लिए रिजर्व होती हैं, जबकि 5 सीटें विदेशी स्टूडेंट के लिए होती है.

सेना में डॉक्टर बनने के दो तरीके

सेना में डॉक्टर बनने के दो तरीके हैं शॉर्ट सर्विस कमीशन और परमानेंट कमीशन . जो कैंडिडेट यानी उम्मीदवार पहले से ही एमबीबीएस या बीडीएस ग्रेजुएट हैं, वो भारतीय सेना/नौसेना/वायुसेना द्वारा जारी शॉर्ट कमीशन रिक्रूटमेंट के लिए अप्लाई कर सकते हैं.

दूसरा होता है, परमानेंट कमीशन. यह उन लोगों के लिए है जिन्होंने 12वीं की परीक्षा पास करके नीट एग्जाम दिया है. नीट में मिले स्कोर के आधार पर फिर आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज में एडमिशन होता है. आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज से मेडिकल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उम्मीदवारों को स्थायी आधार पर तीनों सेनाओं में से किसी एक में डॉक्टर के तौर पर नियुक्त किया जाता है.

सेना में डॉक्टर बनने के क्या फायदे हैं?

आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज से पढ़ाई करने पर फ्री मेडिकल एजुकेशन, अच्छी सैलरी, सीधा सेना में अधिकारी बनने का मौका और समाज में खास सम्मान मिलता है।

क्लाउड कंप्यूटिंग में पेशेवरों की बढ़ती मांग

बहुत पुरानी बात नहीं है, जब कंप्यूटर पर कोई साफ्टवेयर डाउनलोड करने के लिए फ्लापी डिस्क, सीडी या डीवीडी या फिर पेन ड्राइव की जरूरत होती थी । साफ्टवेयर को (डाटा) ले जाने वाले उक्त बाहरी उपकरण की जरूरत पड़ती थी। एक कंप्यूटर से दूसरे कंप्यूटर तक डाटा पहुंचाने का माध्यम खर्चीला और ज्यादा समय लेने वाला होता था। इंटरनेट के माध्यम से डाटा को छोटे छोटे भाग में बांटकर भेजा जा सकता था लेकिन यूजर के द्वारा डाटा एक साथ एक से अधिक डिवाइस पर एक्सेस करना संभव नहीं होता था। एक्सटर्नल डिवाइस के खोने या करप्ट होने की स्थिति में डाटा को वापस पाना भी असंभव था। लेकिन क्लाउड कंप्यूटिंग तकनीकी के विकास ने जीवन को काफी आसान बना दिया है। आज भारी से भारी डाटा को क्लाउड स्पेस में सुरक्षित रखना और एक से अधिक डिवाइस पर कहीं भी, कभी भी एक्सेस करना संभव है। इसके अतिरिक्त बगैर बाहरी उपकरण के चाहे कोई साफ्टवेयर डाउनलोड करना हो या मोबाइल पर एप, सबकुछ चुटकियों में संभव है।

विभिन्न क्षेत्र की कंपनियां कार्यभार को प्रबंधित करने के लिए क्लाउड प्रथम योजना अपना रहीं हैं। रिमोट वर्किंग के लोकप्रिय ट्रेंड के कारण विशेषज्ञ क्लाउड पेशवरों की

इन दिनों काफी मांग देखी जा रही है। नैसकाम के सर्वे के मुताबिक वर्ष 2025 में भारत में 20 लाख से अधिक क्लाउड कंप्यूटर विशेषज्ञ की जरूरत होगी।

क्या है क्लाउड कंप्यूटिंग

यह एक ऐसी तकनीक है जिसके द्वारा इंटरनेट का इस्तेमाल कर विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं। चाहे वह साफ्टवेयर प्रदान करना । हो या सर्वर पर स्टोरेज स्पेस देना या कोई और सेवा। इसमें किसी भी प्रकार की कंप्यूटर की सर्विस को इंटरनेट के जरिए उपयोगकर्ता की मांग पर उसे प्रदान किया जाता है। जैसे, इस प्रौद्योगिकी में उपयोगकर्ता को इंटरनेट के एक

सस्थान

आइआइटी रुड़की, गुवाहाटी, हैदराबाद, इंदौर, वाराणसी, कानपुर, बांबे डीटीयू, नई दिल्ली

प्रेसिडेंसी विश्वविद्यालय, बंगलुरु, एलपीयू, जलंधर

एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई एन्वर्टिस विश्वविद्यालय, बरेली

क्लाउड कंप्यूटिंग में करिअर बनाने के

शैक्षिक योग्यता

लिए कंप्यूटर साइंस या बीटेक में स्नातक के अलावा क्लाउड कंप्यूटिंग में स्पेशलाइजेशन एवं परास्नातक डिग्री होनी चाहिए। वे क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन में बीटेक, स्टोरेज एंड क्लाउड कंप्यूटिंग में मास्टर्स या फिर आइटी ढांचागत प्रबंधन जैसे कोर्स कर सकते हैं। हर संस्थान में कोर्स के अनुसार पात्रता निर्धारित होती है। वैसे, जिन छात्रों को इसमें आगे बढ़ने का जुनून है, वे डिप्लोमा या डिग्री कोर्स करके भी आ सकते हैं। इन दिनों आफलाइन एवं आनलाइन कई एडवांस सर्टिफिकेशन कोर्सेज भी आफर किए जा रहे हैं।

सर्वर पर (जिसे क्लाउड भी कहते हैं) डाटा संग्रहण की सुविधा दी जाती है। उपयोगकर्ता क्लाउड पर सेवाएं खरीदकर अपना डाटा उस पर सुरक्षित कर सकता है। यह डाटा वह दुनिया में कहीं से भी हासिल कर सकता है।

संभावनाएं

ई-कामर्स कंपनियां व एसएमईज में क्लाउड कंप्यूटिंग पेशेवरों की मांग है। क्लाउड कंप्यूटिंग करने के उपरांत क्लाउड साफ्टवेयर इंजीनियर, क्लाउड इंजीनियर, क्लाउड ओटोमेशन इंजीनियर, डाटा इंजीनियर, बैकएंड डेवलपर, डेवलपमेंट आपरेशंस इंजीनियर, फ्रंट एंड डेवलपर, फुल स्टैक डेवलपर, क्लाउड सिस्टम्स एडमिनिस्ट्रेटर, क्लाउड सर्विस डेवलपर क्लाउड आर्किटेक्ट, क्लाउड कंसल्टेंट,

क्लाउड प्रोडक्ट मैनेजर, क्लाउड सिक्योरिटी स्पेशलिस्ट के रूप में कार्य कर सकते हैं। टीसीएस, इंफोसिस, एचसीएल, टेक महिंद्रा जैसी कंपनियां इनके विशेषज्ञों को बड़े पैमाने पर नियुक्त करती हैं।

वेतन

इस क्षेत्र में रोजगार और आय के असीमित अवसर हैं। नवप्रवेशी विशेषज्ञ को शुरुआती वर्षों में 7-9 लाख रुपए प्रतिवर्ष की सैलरी आसानी से प्राप्त हो जाती है। अनुभव बढ़ने के साथ साथ आय में भी गुणात्मक रूप से वृद्धि होती है। स्वतंत्र रूप से काम करने और अपने हिसाब से आय अर्जित करने का भी बहुत स्कोप है।

अपशिष्ट प्रबंधन में रोजगार के मौके

जनसंख्या के साथ ही भारत में कूड़े का बोझ भी बढ़ता जा रहा है। अंदाजा इससे लगाइए कि दक्षिण एशिया का 80 फीसद, जबकि विश्व का 13 फीसद कूड़ा भारत में उत्पादित हो रहा है। चिंता की बात यह है कि देश में कुल उत्पादित कूड़े में से सिर्फ 28 फीसद का ही निस्तारण हो पा रहा है। कूड़े-कचरे का सही तरीके से प्रबंधन न हो पाना एक बहुत बड़ी समस्या है। इस दिशा में काम करने वाले लोगों की अभी बहुत कमी है। यही वजह है कि इस क्षेत्र में प्रशिक्षित और अनुभवी लोगों की मांग देश-विदेश में काफी है। अगर आप में अपशिष्ट पदार्थों को फिर से उपयोग करने लायक बनाने की दिलचस्पी है तो कचरा प्रबंधन एक अच्छा करिअर

अपशिष्ट प्रबंधन से स्नातक करने वाले युवाओं के पास विभिन्न करिअर के क्षेत्रों में प्रवेश करने पर कई विकल्प होते हैं। एक अनुमान है कि साल 2030 तक इस क्षेत्र में 10 फीसद तक रोजगार के अवसरों में इजाफा देखने को मिलेगा। अपशिष्ट

विकल्प है।

पात्रता मापदंड

जो लोग अपशिष्ट प्रबंधन में अपना करिअर बनाने पर विचार कर रहे हैं, उन्हें रसायन विज्ञान, गणित, जीव विज्ञान और अंग्रेजी अनिवार्य विषयों के साथ विज्ञान विधा में बाहरवीं पूरी करनी होगी। उसके बाद कोई डिग्री कोर्स या पृथ्वी विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान जैसे संबंधित स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकता है। अगर आप बाकी उम्मीदवारों की तुलना में वरीयता प्राप्त करना चाहते हैं तो आप स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम कर सकते हैं। स्नातक करने के अलावा स्वयंसेवा कार्यक्रमों के माध्यम से आपको कार्य अनुभव प्राप्त होगा, जो बेहतर अवसर प्राप्त करने की संभावनाओं में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

रोजगार के अवसर

प्रबंधन में स्नातक के बाद युवा निम्न रोजगार पर विचार कर सकते हैं। जिनमें अपशिष्ट प्रबंधन अधिकारी, जल उपचार संयंत्र प्रबंधक, सस्टेनेबिलिटी मैनेजर, पर्यावरण संरक्षण तकनिशियन / प्रबंधक आदि शामिल हैं। अपशिष्ट प्रबंधन अधिकारी के कार्यों में अपशिष्ट का उपचार, पुनर्चक्रण सुविधाओं व अपशिष्ट निपटान स्थलों को चलाना और उनकी निगरानी करना । पुनर्चक्रण संग्राहको की टीकों का प्रबंधन और नियंत्रण करना स्थानीय और पुनर्चक्रण सेवाओं का प्रबंधन। स्थानीय क्षेत्र के कचरे और पुनर्चक्रण के आंकड़ों का नियमित विश्लेषण करना और पर्यावरण और अपशिष्ट प्रबंधन के मुद्दों पर सथानीय समुदायों और व्यवसायों में जागरूकता फैलाना शामिल हैं।

सस्थान

आइआइटी, दिल्ली इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

अखिल भारतीय स्वच्छता और जन स्वास्थ्य संस्थान, कोलकाता अंतरराष्ट्रीय अपशिष्ट प्रबंधन संस्थान बंगलुरु हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज, नागपुर विवि दिल्ली कौशल एवं उद्यमिता विश्वविद्यालय दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सूरत

पाठ्यक्रम

बीएससी - अपशिष्ट व संसाधन प्रबंधन, बीएससी- वायु प्रदूषण प्रबंधन व नियंत्रण, बीएससी- पर्यावरण प्रबंधन (अपशिष्ट, विद्युत, पानी, तेल व गैस), बीएससी-पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण, बीएससी - भूविज्ञान । यदि आप अपशिष्ट प्रबंधन में उच्च अध्ययन करना चाहते हैं, तो आपको अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण विज्ञान, पर्यावरण इंजीनियरिंग, रसायन विज्ञान या सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक योग्यता पूरी करनी चाहिए। कई विश्वविद्यालयों द्वारा बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, ई-वेस्ट मैनेजमेंट, रीसाइक्लिंग और वेस्ट मैनेजमेंट में अल्प अवधि के सर्टिफिकेट कोर्स चलाए जाते हैं।

वेतनमान

इस क्षेत्र में शुरुआती वेतन 20,000 से 25,000 रुपए महीने के आसपास हो सकता है। अनुभव बढ़ने के साथ-साथ वेतन भी बढ़ता जाता है। पर्यावरण प्रबंधन में एमटेक कर चुके छात्रों का वेतन 40 हजार रूपए से शुरू होता है। शोध और शिक्षण के क्षेत्र में जाने वाले लोगों को इससे ज्यादा वेतन मिलता है। विदेश में नौकरी हासिल करने वालों का वेतन भी काफी आकर्षक होता है।

शिक्षक बनने की पढ़ाई में बदलाव की तैयारी

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद के एनसीटीई (मान्यता मानदंड और प्रक्रिया) विनियम 2025 को मंजूरी दे दी है। एनसीटीई रेग्यूलेशन 2025 का मसविदा राज्यों और विश्वविद्यालयों को भेज दिया गया है। आठ मार्च तक इस पर अपने आपत्ति दर्ज करवा सकते हैं। करीब 11 सालों के बाद स्कूली शिक्षक बनने की पढ़ाई, पाठयक्रम में बदलाव होने जा रहा है। इसमें पीजी के बाद एक साल की बीएड, स्नातक डिग्री के बाद दो साल की बीएड, बाहरवीं के बाद चार साल की बीएड और एमएड डिग्री की पढ़ाई को भी मंजूरी मिल गई है।

खास बात यह है कि दस वर्षों के बाद अगले साल से एक वर्षीय बीएड डिग्री पाठ्यक्रम फिर से शुरू हो रहा है। हालांकि, एक वर्षीय बीएड और एमएड कार्यक्रमों को फिर से शुरू करने का मतलब यह नहीं है कि दो वर्षीय कार्यक्रमों को खत्म किया जा रहा है। एनसीटीई के अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने कहा कि एक वर्षीय एमएड कार्यक्रम पूर्णकालिक होगा, जबकि दो वर्षीय अंशकालिक पाठ्यक्रम उन लोगों के लिए पेश किया जाएगा जो शिक्षक और शिक्षा प्रशासक जैसे कामकाजी हैं। अरोड़ा ने कहा कि 2015 में शुरू हुए दो वर्षीय एमएड कार्यक्रम में कई संस्थानों में सीटें खाली रह गईं और पाठ्यक्रम में उस तरह से सुधार नहीं किया गया जैसा होना चाहिए था ।

चार हिस्सों के अनुसार ही शिक्षक होंगे तैयार

एनसीटीई ने स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, एनईपी 2020 और 2047 विकसित भारत लक्ष्य के तहत यह एनसीटीई विनियम-2025 तैयार किया है। एनईपी 2020 के तहत स्कूली शिक्षा को चार भागों (फाउंडेशन, प्रीपेटरी, मिडिल और सेकेंडरी स्टेज) में बांटा गया है। इसलिए इन चार अलग-अलग हिस्सों के अनुसार ही शिक्षक तैयार होंगे।

इस तरह से मिलेगी बीएड डिग्री

एक वर्षीय बीएड

इसमें चार वर्षीय स्नातक डिग्री और पीजी की डिग्री पूरी कर चुके छात्र दाखिला ले सकेंगे। वर्ष 2014 में विनियम के तहत इस डिग्री पाठ्यक्रम को बंद कर दिया था। लेकिन अब एनईपी 2020 की सिफारिशों के तहत इसे 10 साल के बाद दोबारा शुरू करने का फैसला लिया गया है।

दो वर्षीय बीएड

तीन वर्षीय स्नातक डिग्री पूरा करने वाले छात्रों को दाखिले का मौका मिलेगा। स्नातक डिग्री लेने के बाद यदि कोई छात्र शिक्षक बनना चाहता होगा तो उसको सीधे फायदा मिलेगा।

एमएड डिग्री पाठ्यक्रम चार वर्षीय एकीकृत बीएड और दो साल की बीएड की पढ़ाई वाले छात्र इस पाठ्यक्रम में दाखिला ले सकेंगे।

उत्तर गलत होने पर भी अगर सही प्रक्रिया अपनाई तो मिलते हैं अंक

सीबीएसई 10वीं 12वीं बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। दोनों कक्षाओं के छात्रों की कोशिश रहती है कि गणित व विज्ञान (भौतिकी, रसायन, बायोलाजी) जैसे स्कोरिंग विषयों में अच्छा प्रदर्शन कर ज्यादा से ज्यादा अंक खींचे जाएं। बहुत से विद्यार्थी इन विषयों की परीक्षा में उत्तर देने की तकनीक, स्कोरिंग प्रक्रिया व अंकन योजना प्रश्नों तो मिलते हैं अंक देने की तकनीकी से उत्तर देने के तरीके को लेकर असमंजस में रहते हैं।

परीक्षा के दौरान गणित का कोई प्रश्न या विज्ञान का संख्यात्मक प्रश्न घुमाकर पूछे जाने से कई छात्र असमंजस में पड़ जाते हैं। ऐसी स्थिति में विद्यार्थी या तो सवाल छोड़ देते हैं या फिर प्रश्न हल करते हैं भले ही उन्हें हल का तरीका और उत्तर न पता हो । हल करने के बाद उनके जेहन में सवाल है कि उन्हें कुछ अंक मिलेंगे या नहीं ?

विद्यार्थियों की परीक्षा से जुड़ी ऐसी ही विभिन्न चिंताओं को दूर करने के लिए सीबीएसई परीक्षा नियंत्रक ने कई अहम नियमों पर रोशनी डाली है।

क्या सूत्र के लिए कुछ अंक मिलते हैं?

सीबीएसई आमतौर पर हर सही चरण के आधार पर अंकन (स्टेप-मार्किंग) का पालन करता है। यदि आपको गणित के किसी प्रश्न का अंतिम उत्तर नहीं मिलता है, तो भी आप सूत्र के सही उपयोग, सही प्रक्रिया लिखकर कुछ अंक हासिल कर सकते हैं, शर्ते कि वे स्पष्ट रूप से बताए गए हों। प्रक्रिया को स्पष्ट रूप से दिखाना महत्त्वपूर्ण है। यदि आप सूत्र लिखते हैं और उसके बाद के हल करने का प्रयास करते हैं (भले ही आप गणना में गलतियां करते हों), तो आप इसके एवज में कुछ अंक प्राप्त कर सकते हैं। ध्यान रखें कि केवल सूत्र लिखना अंक पाने करने के लिए काफी नहीं है। क्या शब्द सीमा पार करने पर अंक काटे जाते हैं ?

आमतौर पर, शब्द सीमा का उल्लेख प्रश्न में किया जाता है। हालांकि करिकुलम या परीक्षा दिशानिर्देशों को चेक करना सबसे अच्छा है। शब्द सीमा पार करने पर अंक नहीं काटे जाते, लेकिन कोई अतिरिक्त अंक भी नहीं दिए जाएंगे। इसलिए अधिक लिखने का कोई लाभ नहीं है। शब्द सीमा पार करने से ये नुकसान हो सकते हैं।

आप मुख्य बिंदु से भटक सकते हैं या अनावश्यक विवरण शामिल कर सकते हैं। । अतिरिक्त सामग्री लिखने में अधिक समय लग सकता है, जो परीक्षा के बाकी हिस्सों में आपके प्रदर्शन को प्रभावित कर सकता है। दिशानिर्देश में बताई गई शब्द सीमा का पालन करेंगे तो बेहतर होगा। यह सुनिश्चित करें कि आपका उत्तर स्पष्ट और सटीक हो।

सही रणनीति अपनाकर दूर किया जा सकता है परीक्षा का डर

कई बार छात्रों में परीक्षा का डर हद से ज्यादा बढ़ जाता है, जिसके कारण वे ठीक से तैयारी नहीं कर पाते हैं। इसे 'एग्जाम फोबिया' कहते हैं। इसकी वजह से कई बार तो सवाल का जवाब आते हुए भी नहीं लिख पाते हैं। लेकिन इससे आसानी से बचा जा सकता है। परीक्षा का डर एक आम समस्या है, लेकिन सही रणनीति अपनाकर इसे दूर किया जा सकता है। सबसे पहले पढ़ाई की योजना बनाएं और अभ्यास के लिए समय निकालें। हर एक घंटे बाद कुछ मिनटों के लिए उठें और शरीर को आराम दें। इससे थकान कम होगी और एकाग्रता बनी रहेगी। 8-9 घंटे की नींद जरूर लें। रोजाना हल्का व्यायाम या योग करने से दिमाग शांत रहेगा और एकाग्रता बढ़ेगी। दूसरों से अपनी तुलना न करें और सकारात्मक रहें। अभिभावक बच्चों को प्रोत्साहित करें और उन्हें यह विश्वास दिलाएं कि वे सफल होंगे। इसके अलावा उन्हें सुबह उठकर टहलने के लिए प्रेरित करें। इससे शरीर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी और पढ़ाई में मन लगेगा।

काउंसलिंग और साइकोथेरेपी की मदद से बच्चों को परीक्षा का डर दूर करने में बहुत मदद मिलती है। इस थेरेपी में बच्चों को तनाव से निपटने के तरीके सिखाए जाते हैं और परीक्षा के समय शांत रहने के उपाय दिए जाते हैं। अगर कोई बच्चा परीक्षा के डर से पढ़ाई नहीं कर पा रहा है या परीक्षा केंद्र में घबराने लगता है तो इससे मदद मिल सकती है।

परीक्षा के दौरान शरीर और मतिष्क को अतिरिक्त पोषण की जरूरत होती है, इसलिए फल, दूध, ड्राई फ्रूट्स, ओट्स, बींस, शकरकंद, ताजा जूस, हरी सब्जियां, नारियल पानी, पनीर, दही, छाछ का सेवन करें। साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं।

जेनसोल के खिलाफ कॉर्पोरेट मंत्रालय की जांच शुरू

वित्तीय रिकॉर्ड और एक्सचेंज फाइलिंग की छानबीन होगी

प्रमोटर्स पर 262 करोड़ की हेराफेरी का आरोप

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स ने जेनसोल इंजीनियरिंग के खिलाफ खुद-ब-खुद जांच (सुओ मोटो) शुरू कर दी है। सेबी के कंपनी के प्रमोटर्स पर बैन लगाने के बाद मंत्रालय ने ये जांच शुरू की है।

कॉर्पोरेट अफेयर्स मिनिस्ट्री जेनसोल के वित्तीय रिकॉर्ड और एक्सचेंज फाइलिंग की जांच कर रही है। दरअसल कंपनी पर 975 करोड़ रुपए के बिजनेस लोन का दुरुपयोग करने के आरोप हैं। इसके चलते कंपनी का शेयर इस साल करीब 85% गिर चुका है।

जेनसोल के शेयर प्राइस में हेरा-फेरी और फंड डायवर्जन की शिकायतों के बाद सेबी ने जून 2024 में जांच शुरू की। जांच में सेबी ने पाया कि कंपनी के प्रमोटर्स ने पर्सनल यूज के लिए फंड का डायवर्जन किया। इसके बाद सेबी ने दोनों भाइयों को डायरेक्टर पोस्ट से हटा दिया। शेयर बाजार में कारोबार करने पर भी रोक लगा दी। सेबी ने अपने ऑर्डर में कहा जेनसोल में कॉर्पोरेट गवर्नेंस पूरी तरह फेल हो गया। प्रमोटर्स ने इस लिस्टेड कंपनी को अपनी प्रॉपर्टी समझ लिया था। कंपनी का पैसा रिलेटेड पार्टीज में घुमाकर निजी जरूरतों पर उड़ाया गया। इसका नुकसान निवेशकों को उठाना पड़ेगा।जेनसोल का शेयर 2025 में अब तक 85% से ज्यादा गिर चुका है। पिछले 5 कारोबारी दिनों में कंपनी के शेयर में 16.54% की गिरावट दर्ज की गई। वहीं पिछले 1 महीने में शेयर 48.17% टूट चुका है। जेनसोल इंजीनियरिंग का मार्केट कैपिटल 471 करोड़ रुपए है।

कंपनी ने इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी (इरेडा) और पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) जैसी संस्थाओं से 977.75 करोड़ रुपए का टर्म लोन लिया। इसमें से 664 करोड़ रुपए से 6,400 इलेक्ट्रिक व्हीकल खरीदना था, जिन्हें ब्लूस्मार्ट को लीज पर देना था। कंपनी को अपनी तरफ से भी 20% मार्जिन (166 करोड़ रुपए) लगाना था। इस तरह, कुल 830 करोड़ रुपए ईवी खरीदने में खर्च होने थे। हालांकि, फरवरी 2025 तक 567.73 करोड़ मूल्य के केवल 4,704 व्हीकल ही खरीदे गए। 262.13 करोड़ का हिसाब नहीं हो पाया।

सेबी ने जांच में पाया कि जब भी ईवी खरीदने के लिए जेनसोल से गो-ऑटो में फंड ट्रांसफर किया गया, तो अधिकांश मामलों में या तो ये फंड कंपनी को वापस ट्रांसफर कर दिया गया या उन संस्थाओं को भेज दिया गया जो डायरेक्टली या इनडायरेक्टली जेनसोल के प्रमोटरों अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी से जुड़ी थी। सेबी ने अनमोल सिंह के बैंक स्टेटमेंट का भी एनालिसिस किया। इसमें पाया गया कि अधिकांश फंड अन्य संबंधित पक्षों, परिवार के सदस्यों को ट्रांसफर कर गया या व्यक्तिगत खर्चों के लिए इस्तेमाल किया। इसमें लक्जरी फ्लैट खरीदना, ट्रेडिंग, गोल्फ सेट खरीदना शामिल है।

जेनसोल ने फंड की हेराफेरी को छिपाने के लिए सेबी, क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों (सीआरए) और लेंडर्स के पास फॉल्स "कंडक्ट लेटर्स" जमा किए। इसमें चूक को छिपाने के लिए अपने कर्ज से जुड़े सर्विस ट्रैक रिकॉर्ड को गलत तरीके से पेश किया गया।

जेनसोल को अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी ने 2012 में बनाया था। सोलर एनर्जी कंसलटेंसी और इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) फर्म के रूप में इसकी शुरुआत हुई थी। इसने अपनी सब्सिडियरी ईवी राइड-हेलिंग प्लेटफॉर्म ब्लूस्मार्ट मोबिलिटी के जरिए ईवी लीजिंग और मैन्युफैक्चरिंग में विस्तार किया।

एक-दो नहीं 10-10 कारणों से उछल रहा है सोना

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। सोने की कीमत में हाल के दिनों में काफी तेजी देखने को मिली है। इस साल अब तक सोने की कीमत में 25 फीसदी तेजी आ चुकी है। पिछले हफ्ते दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 98,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया था। इसी तरह एमसीएक्स पर इसका भाव 95,239 पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सोने की कीमत 3350 डॉलर प्रति औंस के ऊपर पहुंच गई है। पिछले पांच साल में सोने की कीमत में 110 फीसदी तेजी आई है। इसने रिटर्न के मामले में सभी एसेट क्लास को पीछे छोड़ दिया है। सोने में तेजी के एक-दो नहीं बल्कि 10-10 कारण हैं।

सोने में तेजी का पहला कारण है दुनिया भर में तनाव। इतिहास गवाह है कि जब भी दुनिया पर कोई मुसीबत आती है, सोने की कीमत में तेजी आई है। अमेरिका और चीन, रूस और पश्चिमी देशों के बीच झगड़े चल रहे हैं। मध्य पूर्व में भी समस्याएं हैं। जब दुनिया में डर का माहौल होता है, तो लोग सोना खरीदते हैं। सोने को एक सुरक्षित ठिकाना माना जाता है। डिमांड बढ़ने से सोने की कीमत में तेजी आई है। दूसरा कारण है ग्लोबल इकॉनमी की हालत। अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान जैसे बड़े देशों की अर्थव्यवस्था सुस्त पड़ रही है। इससे दुनिया में मंदी की आशंका है। मंदी से बिजनस प्रभावित होगा और इसलिए लोग सोना खरीद रहे हैं ताकि उनका पैसा सुरक्षित रहे।

डॉलर की कमजोरी

सोने में तेजी का तीसरा बड़ा कारण है महंगाई। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कई देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया है। इससे महंगाई बढ़ना तय है। सोना महंगाई से बचाता है। चौथा कारण है दुनिया के कई देशों के केंद्रीय बैंकों द्वारा सोने की खरीद। चीन, भारत, तुर्की और पोलैंड जैसे देशों के सेंट्रल बैंक जमकर सोना खरीद रहे हैं। वे अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं। गोल्ड में उछाल का पांचवां कारण है डॉलर का कमजोर होना। जब डॉलर कमजोर होता है, तो विदेशियों के लिए सोना खरीदना सस्ता हो जाता है। इससे सोने की मांग बढ़ जाती है। छठा कारण है आम लोगों द्वारा सोना खरीदना। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव हो रहा है और बॉन्ड से भी ज्यादा फायदा नहीं हो रहा है। ऐसे में आम लोग सोने के ETF (एक्सचेंज ट्रेडेड फंड) और सोना खरीद रहे हैं। इससे कीमतें बढ़ रही हैं। सोने की कीमत में तेजी का सातवां कारण है ब्याज दरें कम होने की उम्मीद। भारत में आरबीआई लगातार दो बार रेपो रेट में कटौती कर चुका है। अमेरिका में भी फेड रिजर्व के आने वाले दिनों में ब्याज दरों में कटौती करने की उम्मीद है। जब ब्याज दरें कम होती हैं, तो सोना रखने का फायदा बढ़ जाता है।

कहां तक जाएगी कीमत

आठवां कारण है डॉलर पर निर्भरता कम करना। कई देश अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम कर रहे हैं। इसके लिए वे सोने को एक सुरक्षित विकल्प मानते हैं। इसका नौवां कारण है बैंकिंग सेक्टर में तनाव होना। भारत में कई बैंकों ने एफडी और सेविंग अकाउंट्स पर ब्याज दरों में कटौती की है। इसलिए लोग सोने का रुख कर रहे हैं। दसवां कारण है सोने की सप्लाई कम होना। सोने की खदानों से उत्पादन कम हो रहा है लेकिन मांग बढ़ रही है। सप्लाई और मांग में अंतर से कीमतें बढ़ रही हैं।

गोल्डमैन सैश का कहना है कि सोने की कीमत 4,500 डॉलर प्रति औंस तक जा सकती है। जानकारों का कहना है कि सोने की कीमत में यहां से ज्यादा गिरावट की संभावना नहीं है। एमसीएक्स पर इसकी कीमत 99,000 रुपये तक जा सकती है। लेकिन अमेरिका और चीन के बीच तनाव बढ़ता है तो यह 1.25 लाख रुपये तक जा सकता है। यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि आने वाले दिनों में दुनिया में परिस्थितियां कैसी रहती हैं।

बदल गए जज्बात... भारतीय बाजार में कूदे विदेशी निवेशक

तीन दिन में झोंके 15,000 करोड़

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में जोरदार वापसी की है। कुछ हफ्तों तक किनारे रहने के बाद तीन दिन में लगभग 15,000 करोड़ रुपये का निवेश किया। लगातार नौ दिनों तक बिकवाली करने के बाद यह बदलाव बाजार के लिए एक बड़ा सहारा बन गया है। इसकी वजह से सेंसेक्स में सिर्फ तीन दिन में लगभग 3,400 अंकों की तेजी आई है। यह हाल के दिनों में सबसे तेज उछाल है। हालांकि इस की खरीदारी के बावजूद FIIs अब भी अप्रैल में शुद्ध विक्रेता बने हुए हैं। महीने के लिए कुल आउटफ्लो अब भी 18,000 करोड़ रुपये से ऊपर है। लेकिन भारतीय इक्विटी में विदेशी निवेश कई साल के निचले स्तर पर आ गया था। इसलिए अगर बाजार का माहौल ठीक रहता है, तो यह कमी एक और खरीदारी की लहर पैदा कर सकती है।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटजिस्ट डॉ. वीके विजयकुमार के अनुसार ने कहा कि FIIs की गतिविधि में यह बदलाव दो मुख्य कारणों से हुआ है। पहला, डॉलर इंडेक्स गिरकर लगभग 100 के स्तर पर आ गया है। डॉलर के और कमजोर होने की उम्मीद निवेशकों को अमेरिका से दूर भारत जैसे उभरते बाजारों की ओर धकेल रही है। दूसरा, अमेरिका और चीन दोनों की विकास दर इस साल कम रहने की संभावना है। वहीं, भारत की जीडीपी विकास दर वित्त वर्ष 2026 में 6% रहने की उम्मीद है। यह बेहतर प्रदर्शन भारत को वैश्विक पूंजी के लिए एक आकर्षक जगह बना सकता है। निवेशकों का ध्यान घरेलू खपत से जुड़े क्षेत्रों जैसे कि फाइनेंस, टेलीकॉम, एविएशन, सीमेंट, कुछ ऑटो कंपनियों और हेल्थकेयर स्टॉक्स पर रहने की संभावना है।

आगे का रास्ता

कोटक अल्टरनेट एसेट मैनेजर्स के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजिस्ट जितेंद्र गोहिल ने कहा कि अगर डॉलर इंडेक्स गिरता रहता है, तो उभरते बाजारों के लिए FIIs की पसंद बेहतर होगी। उभरते बाजारों में, भारत का दृष्टिकोण अपेक्षाकृत मजबूत और आकर्षक बना हुआ है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि अभी भी अनिश्चितताएं बहुत ज्यादा हैं। इस बीच भारतीय रुपया भी मजबूत हो रहा है। शुक्रवार को यह लगातार चौथे दिन मजबूत हुआ और 31 पैसे बढ़कर 85.37 पर बंद हुआ। यह 4 अप्रैल के बाद सबसे मजबूत क्लोजिंग है। इस तेजी को इक्विटी में निवेश और बाजार में सकारात्मक माहौल से समर्थन मिला।

एएसके इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स के डिप्टी सीआईओ सुमित जैन ने कहा कि ट्रंप की जीत के बाद अक्टूबर 2024 के बाद से उभरते बाजारों से पैसा निकाला जा रहा था, जो लगभग पांच महीने तक जारी रहा। लेकिन अब फ्लो स्थिर हो रहा है, भले ही यह रुझान अभी नया है। उनका मानना है कि भारत अपने मजबूत घरेलू बाजार और विकास की बुनियादी बातों के साथ एक आशाजनक देश के रूप में खड़ा है और FIIs के बाहर जाने का रुझान कम हो सकता है।

हम ह्वाटसअप से भी बड़ा कारनामा कर सकते थे : सबीर भाटिया

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। ह्वाट्सअप आज दुनिया का सबसे बड़ा मैसेजिंग ऐप है। भारत में ही इसके करीब 80 करोड़ यूजर्स हैं। लेकिन हॉटमेल के को-फाउंडर सबीर भाटिया का कहना है कि वह भारत में ह्वाट्सअप से भी बड़ी चीज बना सकते थे लेकिन अधिकारियों के रवैये के कारण उनके प्रोजेक्ट को बंद कर दिया गया। भाटिया ने एक पॉडकास्ट में भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि भारत की नौकरशाही और जोखिम से बचने वाली सोच की वजह से नए आइडिया दब जाते हैं। इससे दुनिया को बदलने वाले विचार आगे नहीं बढ़ पाते।

भाटिया ने कहा, 'हम व्हाट्सएप से भी बड़ी चीज बना सकते थे।' उन्होंने बताया कि कैसे ट्राई ने एक बार उनके एक प्रोजेक्ट को बंद कर दिया था, जो अच्छा चल रहा था। उन्होंने कहा, 'हम कोई नियम नहीं तोड़ रहे थे। लेकिन किसी सरकारी बाबू ने नियम को गलत तरीके से समझा और उसे बंद कर दिया गया। अगर ऐसा अमेरिका में होता, तो वह आइडिया बहुत आगे बढ़ जाता। भारत का इकोसिस्टम नए विचारों को नहीं, बल्कि लीक पर चलने वालों को बढ़ावा देता है।'

इनोवेशन पर जोर नहीं

उन्होंने कहा कि उबर ने दुनिया के हर टैक्सी नियम को तोड़ा। क्या वह कंपनी भारत से आ सकती थी? बिल्कुल नहीं। भारत में ज्यादातर अफसर नियमों को लागू करने में ज्यादा दिलचस्पी रखते हैं, नए आइडिया को बढ़ावा देने में नहीं। भारत की समस्या गहरी है और यह संस्कृति से जुड़ी है। नए बिजनस मॉडल के लिए नई सोच चाहिए। लेकिन यहां, चीजों को बंद करने की सोच हावी रहती है। लोग यह नहीं पूछते कि अगर यह काम कर गया तो क्या होगा? इसके उलट वे कहते हैं कि यह नहीं चलेगा और चले जाते हैं। भाटिया ने कहा कि भारत में नए विचारों को बढ़ावा देना लगभग नामुमकिन है। उन्होंने कहा कि सिलिकॉन वैली में अगर किसी बच्चे के पास कोई आइडिया है, तो हर कोई उसे आगे बढ़ाने में मदद करता है। यहां 20 लोग कहेंगे कि यह मुमकिन नहीं है। और हम पैसे के पीछे भागते हैं, मकसद के पीछे नहीं। जब हमने हॉटमेल बनाया, तो हमें नहीं पता था कि इससे पैसे मिलेंगे या नहीं। हम सिर्फ एक समस्या का समाधान करना चाहते थे।

उन्होंने भारत की शिक्षा व्यवस्था की भी आलोचना की और उसे रद्दी बताया। भाटिया ने कहा, 'हर साल 65,000 बच्चे JEE की तैयारी के लिए कोटा जाते हैं। क्या वे उद्यमी बन रहे हैं या अपने दिमाग को मार रहे हैं? हमारे सबसे अच्छे IIT ग्रेजुएट भी JP Morgan में नौकरी करने चले जाते हैं। उनमें सोचने-समझने की क्षमता कहां है?'

मुकेश अंबानी की कंपनी आरआईएल के रिजल्ट की आ गई तारीख

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आईआईएल) के रिजल्ट की तारीख आ गई है। कंपनी वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के नतीजे अगले हफ्ते जारी करेगी। कंपनी को इस तिमाही में कितना मुनाफा हुआ और कितना नुकसान, इसके बारे में पता चलेगा।

माना जा रहा है कि रिलायंस नतीजों की घोषणा के दौरान डिविडेंड का भी ऐलान कर सकती है। रिलायंस इंडस्ट्रीज भारत की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। इसका मार्केट कैप 17,24,768.59 करोड़ रुपये है। रिलायंस ने बताया कि उनके बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की मीटिंग अगले हफ्ते होगी। इस मीटिंग में कंपनी के वित्तीय नतीजों पर विचार किया जाएगा। ये नतीजे मार्च 31 2025 को खत्म हुए तिमाही और साल के लिए होंगे।

कंपनी ने फाइलिंग में कहा है कि कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की मीटिंग शुक्रवार यानी 25 अप्रैल 2025 को होगी। इस मीटिंग में कंपनी के 31 मार्च 2025 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए स्टैंडअलोन और समेकित ऑडिटेड वित्तीय परिणाम घोषित किए जाएंगे। रिलायंस ने पिछली तिमाही के नतीजे 16 जनवरी को शाम 7.30 बजे के आसपास जारी किए थे। इसलिए उम्मीद है कि इस बार भी कंपनी के नतीजे 25 अप्रैल को शाम 7 बजे से 8 बजे के बीच जारी कर सकती है।

25 अप्रैल को कंपनी शेयरधारकों को डिविडेंड देने का भी फैसला कर सकती है। कंपनी ने इसके बारे में फाइलिंग में भी कहा है। यह डिविडेंड 31 मार्च 2025 को खत्म हुए वित्तीय वर्ष के लिए होगा। रिलायंस का इतिहास रहा है कि उसने नतीजों के दौरान डिविडेंड दिया है। कंपनी ने साल 2024 में 10 रुपये प्रति शेयर का डिविडेंड दिया था। वहीं साल 2023 में 9 रुपये प्रति शेयर, साल 2022 में 8 रुपये प्रति शेयर और साल 2021 में 7 रुपये प्रति शेयर का डिविडेंड दिया था। रिलायंस के शेयरों की स्थिति पिछले कुछ महीनों में बेहद खराब रही है। हालांकि पिछले कुछ दिनों से इसमें तेजी आ रही है। गुरुवार को कंपनी के शेयर 35.90 रुपये की तेजी के साथ 1274.55 रुपये पर बंद हुए थे। शुक्रवार को गुड फ्राइडे की छुट्टी होने के कारण बाजार बंद था। अब मार्केट सोमवार को खुलेगी।

जापान में बच्चों से ज्यादा बिकते हैं बुजुर्गों के डायपर

भारत से बड़ी है इकॉनमी, कभी चीन भी था गुलाम

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। जापान दुनिया की चौथी बड़ी इकॉनमी है। यह एशिया का पहला देश है जो विकसित देशों की लिस्ट में आया था। कभी चीन भी जापान का गुलाम हुआ करता था। लेकिन पिछले कुछ साल से जापान में बुजुर्गों की संख्या तेजी से बढ़ी है। पिछले साल देश में बुजुर्गों यानी 65 साल से अधिक उम्र के लोगों की आबादी 3.625 करोड़ पहुंच गई जो देश की कुल जनसंख्या का करीब 29.3 फीसदी है। इनमें से 2.053 करोड़ महिलाएं और 1.572 करोड़ पुरुष हैं। देश में बुजुर्गों की आबादी किस कदर बढ़ रही है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वहां बच्चों से ज्यादा बुजुर्गों के डायपर बिकते हैं। सरकारी आंकड़ों देश में 91.4 लाख बुजुर्ग नौकरी कर रहे हैं। यानी जापान में हर सात वर्कर्स में से एक बुजुर्ग है।

पिछले साल वहां की आबादी में 595,000 की गिरावट रही। साल 2008 में देश की आबादी 12.80 करोड़ थी जो साल 2024 में घटकर 12.37 करोड़ रह गई। कामकाजी लोगों की घटती आबादी का असर देश की इकॉनमी पर भी पड़ रहा है। बुजुर्गों के लिए हेल्थकेयर और वेलफेयर की लागत बढ़ती जा रही है। माना जा रहा है कि 2040 तक देश में बुजुर्गों की आबादी 34.8 फीसदी पहुंच जाएगी और तब वहां 1.1 करोड़ से ज्यादा वर्कर्स की शॉर्टेज होगी।

जापान में अक्टूबर 2024 तक विदेशी कामगारों की संख्या रेकॉर्ड 23 लाख पहुंच गई। एक साल में इसमें 12.4% की बढ़ोतरी हुई है। देश में वर्कर्स की कमी को दूर करने के लिए जापानी कंपनियां विदेशी कामगारों को काम पर रख रही हैं। जापान में काम करने वाले विदेशी कामगारों में सबसे ज्यादा वियतनाम के हैं। जापान में वियतनामी कामगारों की संख्या करीब 570,000 है जो कुल विदेश कामगारों की संख्या का करीब 24.8% है। इसके बाद चीन (400,000) और फिलीपींस (240,000) का नंबर है। हाल में वहां म्यांमार, इंडोनेशिया और श्रीलंका से जाने वाले कामकारों की संख्या तेजी से बढ़ी है।

नारायण मूर्ति के पोते को 3.3 करोड़ डिविडेंड मिला

17 महीने के एकाग्र इंडिया के यंगेस्ट मिलेनियर; इनके पास इंफोसिस के 15 लाख शेयर

मुंबई, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। इंफोसिस के फाउंडर नारायण मूर्ति के पोते एकाग्र को वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में इंफोसिस के शेयर्स पर 3.3 करोड़ का डिविडेंड मिला है। इस वित्त वर्ष में एकाग्र को कुल 10.65 करोड़ रुपए का डिविडेंड मिल चुका है। इससे पहले उन्हें 7.35 करोड़ रुपए डिविडेंड मिला था।

एकाग्र भारत के सबसे कम उम्र के करोड़पतियों में से एक हैं। उनकी उम्र महज 17 महीने है। एकाग्र को उनके दादा नारायण मूर्ति ने पिछले साल अपनी ही कंपनी इंफोसिस के 15 लाख शेयर्स गिफ्ट किए थे, जिनकी मौजूदा वैल्यू करीब 214 करोड़ है।

इंफोसिस ने वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए थे। कंपनी ने इस तिमाही के लिए शेयरहोल्डर्स को 22 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड देने का ऐलान किया है। एकाग्र को पिछले साल 18 अप्रैल को 4.2 करोड़ रुपए का डिविडेंड मिला था। इंफोसिस ने वित्त वर्ष 2023-24

की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए थे। कंपनी ने इस तिमाही के लिए शेयरहोल्डर्स को 28 रुपए प्रति शेयर डिविडेंड देने का ऐलान किया था।

तिमाही नतीजों से पहले इंफोसिस का शेयर आज गुरुवार (17 अप्रैल) को 1.03% की तेजी के बाद 1,427.70 के स्तर पर बंद हुआ। पिछले एक महीने में कंपनी का शेयर 11.29% गिरा है। जबकि 6 महीने में ये 27.46% और इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 24.16% गिरा है। कंपनी का मार्केट कैप 5.88 लाख करोड़ रुपए है। 16 जनवरी से 17 अप्रैल के बीच कंपनी की मार्केट वैल्यू करीब 2.16 लाख करोड़ रुपए कम हुई है।

क्या होता है डिविडेंड?

कुछ कंपनियां अपने शेयरधारकों को समय-समय पर अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा देती रहती हैं। मुनाफे का यह हिस्सा वे शेयरधारकों को डिविडेंड के रूप में देती हैं। इन कंपनियों के शेयर खरीदते हैं तो इसमें 2 तरह से फायदा होता है। एक तो फायदा यह होगा कि कंपनी होने वाले मुनाफे का कुछ हिस्सा आपको देगी। वहीं दूसरी ओर शेयर में तेजी आने से भी आपको मुनाफा होगा।

10 नवंबर 2023 को नारायण मूर्ति के बेटे रोहन मूर्ति और बहू अपर्णा कृष्णन माता-पिता बने थे। नारायण मूर्ति ने उनके बेटे का नाम एकाग्र रखा। नारायण मूर्ति और सुधा मूर्ति की दो नातिन भी हैं, जिनका नाम कृष्णा सुनक और अनुष्का सुनक है। दोनों बच्चियां उनकी बेटी अक्षता मूर्ति और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की बेटियां हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947**,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- 05-59 सूर्यास्त- 18-30
भोग्य कलि वर्ष-**426874**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल -- पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी **18-58** तक उपरान्त नवमी
मास - वैशाख कृष्ण , सोमवार **21 April**
नक्षत्र - उत्तराषाढ़ा **12-37** तक उपरान्त श्रवण
योग - साध्य **22-59** तक उप शुभ
करण- बालव **07-05** तक उप कौलव
विशेष:- शीतला पूजा
व्रत-त्योंहार - बूढ़ा बासोडा

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष मे	मेष---	05-36 बजे
चंद्र-	मकर मे	वृष---	07-20 बजे
मंगल	कर्क मे	मिथुन..	09-21 बजे
बुध-	मीन मे	कर्क---	11-33 बजे
गुरु-	वृष मे	सिंह---	13-45 बजे
शुक्र-	मीन मे	कन्या--	15-52 बजे
शनि-	मीन मे	तुला----	17-57 बजे
राहु-	मीन मे	वृश्चिक--	20-08 बजे
केतु-	कन्या मे	धनु.....	22-22 बजे
		मकर...	00-27 बजे
		कुंभ....	02-17 बजे
		मीन....	03-56 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:32 से 09:06 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत	05:59 - 07:32 शुभ	चंचल	18:30 - 19:58 शुभ
काल।	07:32 - 09:06 अशुभ	रोग	19:58 - 21:24 अशुभ
शुभ	09:06 - 10:40 शुभ	काल	21:24 - 22:49 अशुभ
रोग	10:40 - 12:15 अशुभ	लाभ	22:49 - 00:15 शुभ
उत्पात	12:15 - 13:49 अशुभ	उत्पात	00:15 - 01:40 अशुभ
चंचल	13:49 - 15:24 शुभ	शुभ.	01:40 - 03:06 शुभ
लाभ.	15:24 - 16:58 शुभ	अमृत	03:06 - 04:31 शुभ
अमृत	16:58 - 18:30 शुभ	चंचल।	04:31 - 05:59 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज बोलने में सावधानी रखें । आप जिसे अपना करीबी समझते हैं,वो आपकी गुप्त बात को उजागर कर सकता है । बोलने से पहले सोच लें,अपनी बातचीत का विषय अपने और सामने वाले तक ही सीमित रखें । किसी तीसरे के बारे में बात करने से बचें । किसी दूसरे शहर की यात्रा और इसके दौरान किसी पुराने दोस्त से मुलाकात की सम्भावना है,पुराने पलों को याद करेंगे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है । अगर आप अपनी नौकरी या करियर में कोई बदलाव लाने या कोई नया सम्बन्ध बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आज से अच्छा कोई भी दिन नही हो सकता । अगर आपको इसमें कोई जोखिम लगता भी है तो भी एक मौका जरुर लें और सब कुछ जैसे आप चाहते हैं,बिलकुल वैसे ही होने की पूरी संभावना है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आप आज आत्मविश्वास से भरे हैं और यह बात आपकी भाव –भंगिमा और नजरिये से साफ़ झलक रही है । आज हर कहीं आप लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे और अपनी छाप छोड़ेंगे । महत्वपूर्ण बिजनेस बैठकों में आपके मुताबिक़ निर्णय होंगे । अगर स्थितियां आपके पक्ष में नही भी दिख रही तब भी आप उन्हें अपने पक्ष में कर लेंगे और अपनी बात मनवाने में कामयाब रहेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपका अत्यधिक भावनात्मक होना और लोगों के लिए तो मददगार है लेकिन इससे आप कई बार मुश्किल में फँस जाते हैं । ऐसी स्थिति से बाहर आने में अपने पार्टनर की मदद लें । यह कुछ निजी और गुप्त बातचीत करने का समय है । वित्तीय लाभ होने की उम्मीद है लेकिन अधिक जोखिम से बचें । बोलने से पहले सोच लें ,कहीं किसी करीबी को नाराज ना कर दें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

अपनी आँखें खुली रखें ,आज आपकी मुलाकात अपने सपनों के साथी से हो सकती है । प्रेम पाने की सम्भावना आज प्रबल है । हालाँकि अलग से अंदाज के कारण उसे पहचानना मुश्किल हो सकता है । आज आपको किसी अप्रत्याशित व्यक्ति से उपहार भी मिल सकता है । कुल मिलकर आज का दिन आपके लिए घटनाओं से भरा रहेगा ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आपको आज कोई अप्रत्याशित अनुभव हो सकता है । ऐसा नही है कि आप इससे परेशान ही होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी । इससे आपके दृष्टिकोण में ख़ासा बदलाव भी आ सकता है । अपनी भावनाओं को व्यक्त करने न घबराएं लेकिन यह समय अपने स्थान पर दूसरों की भावनात्मक मांगों को प्राथमिकता देने के लिए अधिक उपयुक्त है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज कोई अप्रत्याशित और काफी दबाव वाला काम मिलेगा लेकिन आप चिंता ना करें,आप आसानी से ओहसे पूरा कर लेंगे और आपको सबकी प्रशंसा भी मिलेगी । ऐसा हो सकता है कि घर पर अचानक बहुत सारे मेहमान आ जाएँ या बॉस आपको अंतिम समय पर कोई महत्वपूर्ण काम सौंप दें । स्थिति चाहे जो हो,आप बहुत अच्छे से संभल लेंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज आप बहुत सृजनात्मक अनुभव करेंगे । खूबसूरती की प्रशंसा के साथ साथ खुद भी कुछ खूबसरत चीज बनाना चाहेंगे । दिन कलाकारों के लिए विशेष अच्छा है । हालाँकि ,आज शुरू किये हुए कार्यों को आज ही पूरा कर लें । क्योंकि अचानक आप विकर्षित सा अनुभव करने लगेंगे ,यह भावना काफी सामान्य है लेकिन आप इसके कारण बिना बात निराश सा अनुभव करेंगे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आप आज आसानी से सब काम करके जीवन के स्कोप को बड़ा कर सकते हैं । अपनी एकाग्रता बनाएं रखें और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगा दें,ऐसा कुछ भी किसी को न कह बैठें,जो आपको भावनात्मक उलझन में फंसा दें । बिजनेस का विस्तार हो सकता है या पहले से खुले आउटलेट्स को नया रूप दे सकते हैं ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज का दिन मौज मस्ती के नाम रहेगा । आज सगे सम्बन्धियों से मुलाकात हो सकती है ,फोन या मेल के द्वारा भी संपर्क हो सकता है । वर्त्तमान समय अपने सामाजिक कौशलों को निखारने तथा आने वाली पार्टियों के लिए खुद को तैयार करने का बिलकुल सही समय है । दिन के आगे बढ़ने के साथ साथ वित्तीय परेशानियां अपने आप दूर होती जायेंगी ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

दिन की शुरुआत उलझन से होगी । आज कोई आध्यात्मिक प्रवृति वाला व्यक्ति आपके बचाव में आयेगा,आपका मार्गदर्शन करेगा । आप उसकी नेक सलाह मान सकते हैं । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं । दोपहर बाद दिन अच्छा गुजरेगा,दोस्तों के साथ समय बीतेगा ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आपको अपना अधूरा काम समय पर पूरा करने के बहुत से मौके मिलेंगे । आपकी दूसरी परेशानियां भी तुरंत दूर हो जायेंगी ,उनके बारे में चिंता ना करें । आज अधिक से अधिक काम करने की कोशिश करें क्योंकि आपको आज के अपने सब कामों में सफलता मिलेगी । आप अपने किसी करीबी से सलाह ले सकते हैं ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

बंगाल की राजनीति में 'दंगा' और 'सियासत' का 'चिकन नेक' कनेक्शन!

कोलकाता, 20 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। पश्चिम बंगाल की कहानी थोड़ी उलझी हुई है। इसमें सियासत के कुछ रंग भी दिखते हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीएसएफ पर कुछ आरोप लगाए। ये आरोप थोड़े तीखे थे। ममता बनर्जी ने कहा कि अमित शाह और बीएसएफ ने 8 अप्रैल को भारत-बांग्लादेश सीमा पर हुए दंगों को भड़काया। ये दंगे चिकन नेक इलाके में हुए थे। हिंसा चार दिनों तक जारी रही। फिर कलकत्ता हाई कोर्ट ने बीच में दखल दिया और केंद्रीय बलों को तैनात करने का आदेश दिया।

ममता बनर्जी का आरोप है कि केंद्र सरकार ने मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले में दंगे करवाए। लेकिन इस बात का कोई सबूत नहीं है। असल में, ऐसा लगता है कि कुछ मुस्लिम लोग वक्फ संशोधन अधिनियम का विरोध कर रहे थे। ये विरोध प्रदर्शन बेकाबू हो गया। मीडिया और खुफिया रिपोर्टों में भी यही बात सामने आई है। अफवाहें फैलाई गईं कि नए कानून बनने के बाद मुसलमानों को न तो नमाज पढ़ने के लिए मस्जिद मिलेगी और न ही अपने मृतकों को दफनाने के लिए जगह। 2019 में सीएए के खिलाफ भी ऐसे ही अफवाहें फैलाई गई थीं। तब कहा गया था कि मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी।

ममता बनर्जी केंद्र सरकार को विलेन बता रही हैं। इससे वो ये संदेश देना चाहती हैं कि राज्य के

30% से ज्यादा मुस्लिम समुदाय को हमेशा उनकी पार्टी के साथ खड़ा रहना चाहिए। ममता बनर्जी को पता है कि वक्फ कानून को बंगाल में लागू नहीं होने देने का उनका वादा झूठा है। ये सिर्फ एक दिखावा है। जैसे सीएए के समय उन्होंने कहा था कि 'हम कोई कागजात नहीं दिखाएंगे'।

तृणमूल कांग्रेस खुलकर मुस्लिम राजनीति के साथ खड़ी है। कुछ महीने पहले, मुर्शिदाबाद जिले के एक टीएमसी विधायक ने स्थानीय हिंदुओं को धमकी दी थी कि अगर उन्होंने बदतमीजी की तो उन्हें भागीरथी नदी में डुबो दिया जाएगा। इस महीने की शुरुआत में, एक मंत्री ने धमकी दी कि अगर वक्फ कानून पर मुसलमानों की आपत्तियों को नहीं सुना गया तो कोलकाता शहर को ठप कर दिया जाएगा। पूरे राज्य में ऐसा लगता है कि प्रशासन को ये आदेश मिला हुआ है कि मुस्लिम समुदाय के खिलाफ कोई कार्रवाई न की जाए। ये मुस्लिम समुदाय से मिलने वाले वोट का इनाम माना जा रहा है। टीएमसी का गणित ये है कि अगर मुस्लिम समुदाय एक होकर टीएमसी को वोट देता है (जैसा कि उन्होंने पिछले चुनावों में किया था), तो सिर्फ 20% हिंदू वोट मिलने से भी टीएमसी चुनाव जीत जाएगी। इसलिए, बीजेपी को हिंदू वोट का लगभग 62% हिस्सा हासिल करना होगा। अभी तक, बीजेपी को लगभग 55% हिंदू वोट मिले हैं।

पहले, पश्चिम बंगाल में मुस्लिम राजनीति का बांग्लादेश में होने वाली घटनाओं से कोई लेना-देना नहीं था। बांग्लादेश की पार्टी अवामी लीग की विचारधारा का असर बंगाल के मुसलमानों पर नहीं था। न तो पाकिस्तान के शासन के दौरान और न ही 1971 के मुक्ति युद्ध के दौरान। जब शेख हसीना ने बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी के खिलाफ कार्रवाई की, तो कई इस्लामी कार्यकर्ता सीमा पार करके पश्चिम बंगाल में आ गए। उन्होंने राजनीतिक माहौल का फायदा उठाकर बंगाल के मुसलमानों को गुपचुप तरीके से कट्टरपंथी बना दिया।

पिछले साल अगस्त में हसीना सरकार के गिरने के बाद, ये इस्लामी कार्यकर्ता मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के समर्थक बन गए हैं। ऐसा पहली बार हुआ है कि बांग्लादेश में बदलावों के कारण दोनों बंगालों के मुस्लिम कट्टरपंथियों के बीच एक राजनीतिक तालमेल बन गया है। ढाका में सरकार अपनी कमजोरियों के कारण इस तालमेल का फायदा नहीं उठा पा रही है। लेकिन दो बातों पर ध्यान देना जरूरी है। पहली बात, बांग्लादेश के कट्टरपंथी इस्लामवादियों का एजेंडा बांग्लादेश सरकार से अलग है। वे पूरी दुनिया में खिलाफत स्थापित करना चाहते हैं। इसलिए, पश्चिम बंगाल में इसका असर हो सकता है। दूसरी बात, यूनुस सरकार मुक्ति आंदोलन से दूरी बनाना चाहती है। इसलिए, पाकिस्तान ने बांग्लादेश में अपनी पैठ बनानी शुरू कर दी है। 1971 में हारने वाले लोग अब सत्ता में हैं। इससे बांग्लादेश पाकिस्तान से प्रेरित होकर भारत के खिलाफ साजिश रच सकता है। डर है कि बांग्लादेश के शिविरों से रोहिंग्या मुसलमानों का भारत में आना भी एक बड़ी साजिश का हिस्सा हो सकता है।

अभी ऐसा लग सकता है कि बांग्लादेश में कुछ लोग भारत को परेशान करना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि बांग्लादेश चीन और पाकिस्तान की मदद से लालमोनिरहाट में एक सैन्य हवाई अड्डा बनाए। इस हवाई अड्डे को सिलीगुड़ी कॉरिडोर (चिकन नेक) पर कब्जा करने और भारतीय भूभाग को उत्तर-पूर्वी राज्यों से अलग करने की तैयारी के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन, अगर चिकन नेक हमेशा मुस्लिम कट्टरपंथियों के नियंत्रण में रहता है और राज्य सरकार बीएसएफ को दुश्मन मानती है, तो भारत की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। पश्चिम बंगाल में कुछ लोग मानते हैं कि ममता बनर्जी राज्य को एक और बांग्लादेश बनाना चाहती हैं। इससे हिंदुओं को एक बार फिर अपनी जमीन और संपत्ति से हाथ धोना पड़ेगा। ये ममता बनर्जी को साबित करना है कि ये डर गलत हैं। हाल की घटनाओं से चिंता बढ़ गई है।

गोलियों की गूंज से दहला गोड्डा

सच्चिदानंद मिश्रा हत्याकांड के आरोपी पर फायरिंग; इलाके में मचा हड़कंप

महागामा(गोड्डा), 20 अप्रैल (एजेंसियां)। महगामा थाना क्षेत्र के वनरचुआ गांव में बीते गोलियों की गूंज सुनाई दी। चर्चित सच्चिदानंद मिश्रा उर्फ सच्चो मिश्रा हत्याकांड के आरोपी वनरचुआ ग्राम निवासी स्व हरिकिशोर झा पुत्र श्यामा झा(उम्र करीब 18-20वर्ष) पर जानलेवा हमला हुआ।

अज्ञात अपराधियों ने उसे निशाना बनाते हुए जबड़े के नीचे गोली मारी, जो गर्दन के पीछे तक छेद कर दी गई। गंभीर रूप से घायल श्यामा झा को महागामा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर खालिद अंजुम व डॉक्टर की टीम के द्वारा प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए गोड्डा सदर अस्पताल रेफर किया गया।

मौके पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंद्रशेखर आजाद, पुलिस इंस्पेक्टर उपेंद्र कुमार महतो, प्रभारी थानेदार राज गुप्ता सहित पुलिस बल पहुंचकर घटना की छानबीन में जुट गए हैं।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि न सिर्फ घायल श्याम झा ही नहीं, बल्कि उसका बड़ा भाई कन्हैया झा भी सच्चिदानंद मिश्रा हत्याकांड का अभियुक्त है। दोनों भाई इस समय जमानत पर बाहर चल रहे हैं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त है।एमजीआर एनटीपीसी रोड दियाजोरी से लेकर ,मोहानी , दिग्घी तक पुलिस की गश्त बढ़ा दी गई है।

गौरतलब हो कि बीते 24 जुलाई

2023 को महागामा थाना क्षेत्र के वनरचुआ गांव में भूमि विवाद को लेकर सच्चिदानंद मिश्रा की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। मृतक की पत्नी निवेदिता मिश्रा के बयान पर हरकिशोर झा उर्फ मुन्ना झा समेत सात लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज हुआ था।

तत्कालीन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शिव शंकर तिवारी ने प्रेस वार्ता में जानकारी दी थी कि डबिया व धारदार हथियार से हमला कर सच्चिदानंद मिश्रा की हत्या की गई थी। इस मामले में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 24 घंटे के अंदर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

श्यामा झा पर साजिशन हमला, परिवार का आरोप

घायल श्याम झा के भाई कन्हैया झा ने कहा कि यह पूरी तरह से साजिशन हमला है। हमलोग मंडली में बैठे हुए थे। उन्होंने आरोप लगाया कि चर्चित झा, सोनू यादव, चंदन यादव ने उनके भाई श्यामा को बुलाकर पहले हमला किया और फिर सोनू यादव ने पकड़कर जबड़े के नीचे गोली मारी।

कन्हैया झा ने बताया कि चर्चित झा का घर लकड़मारा का हैं। हमलावरों के हाथ में डंडा, खंती और डबिया जैसे घातक हथियार भी थे। भागते-भागते हमलावर एक और गोली चला रहे थे पर फायर नही हो सका, लेकिन हम और हमारे साथ अरुण यादव, सुधीर मंडल रहते पहुंच गए।

पुलिस की सक्रियता तेज, हर एंगल से जांच शुरू

अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंद्रशेखर आजाद ने बताया कि मामले की जांच गंभीरता से की जा रही है। पुलिस सच्चिदानंद मिश्रा हत्याकांड की पुरानी रंजिश को भी इस गोलीकांड से जोड़कर देख रही है। कई बिंदुओं पर छानबीन हो रही है और गांव में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

इलाके में पसरा सन्नाटा, पुलिस की निगरानी

घटना के बाद से पूरा वनरचुआ गांव एमजीआर एनटीपीसी रोड तक भय का माहौल है। ग्रामीण घरों में दुबक गए हैं। पुलिस ने संदिग्ध इलाकों में सघन छापामारी शुरू कर दी है।

बीजेपी सांसद की एससी पर टिप्पणी से भड़के जेएमएम प्रवक्ता

रांची, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट पर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की विवादित टिप्पणी की आलोचना करते हुए झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रवक्ता मनोज पांडे ने कहा कि देश में तानाशाही इस स्तर पर पहुंच गई है कि अब सांसद अदालतों को चुनौती दे रहे हैं। जेएमएम प्रवक्ता ने न्यायपालिका से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की साथ ही अदालत पर उनकी टिप्पणी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। मनोज पांडे ने कहा कि देश में तानाशाही इस स्तर पर पहुंच गई है कि अब सांसद अदालत को चुनौती दे रहे हैं। क्या ये लोग न्यायाधीशों से ज्यादा विद्वान हैं? क्या वे बहुमत मिलने पर कुछ भी करेंगे और क्या अदालतें चुप रहेंगी?

जब अदालतें उनके पक्ष में फैसला देती हैं तो वे कहते हैं कि न्यायपालिका लोकतंत्र का तीसरा स्तंभ है। उन्होंने कहा कि अदालत को उनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

विधायक इन्द्र साव के पीसीओ ने गोली मारकर की आत्महत्या

कुछ महीने पहले हुई थी शादी

भाटापारा, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। भाटापारा विधायक इन्द्र साव के पीसीओ (निजी सुरक्षा अधिकारी) ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। मृतक पीसीओ का नाम दिगेंद्र गागड़ा बताया जा रहा है, जो जशपुर का निवासी था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीसीओ दिगेंद्र ने अपनी जेईपीसी 30 राउंड वाली गन से तीन गोली खुद के सिर पर चलाकर आत्महत्या की। ये घटना विधायक इन्द्र साव के निवास के पास बने क्वार्टर में हुई। वहीं घटना की सूचना मिलते ही भाटापारा पुलिस व जिला पुलिस अधीक्षक मौके पर पहुंचकर जांच शुरु कर दी है। प्राथमिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक कुछ माह पहले ही पीसीओ की शादी हुई थी।

शिक्षक ने छात्रा के साथ किया दुष्कर्म

गर्भवती होने के बाद हुआ खुलासा टीचर समेत दो लोगों पर एफआईआर

गौरेला पेंड्रा मरवाही, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। गौरेला पेंड्रा मरवाही में स्कूल में पढ़ने वाली छात्रा के साथ दुष्कर्म किये जाने का मामला सामने आया है। मामले का खुलासा तब होता है जब पीड़िता गर्भवती हो जाती है। मामले में नाबालिग छात्रा के साथ स्कूल के शिक्षक और पीड़िता के परिचय के व्यक्ति के द्वारा दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया है। फिलहाल पीड़िता और परिजनों की शिकायत पर मरवाही और पेंड्रा थाने में दो अलग-अलग एफआईआर दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जीपीएम जिले में एक शर्मसार करने का मामला सामने आया है जिसमे एक नाबालिग के गर्भवती होने के बाद खुलासा हुआ है कि नाबालिग को दो लोगो ने अपनी हवस का शिकार बनाया है पहला मामला स्वामी मरवाही के स्वामी आत्मानंद स्कूल में पढ़ाने वाले शिक्षक के द्वारा दुष्कर्म आरोपी शिक्षक ने छात्रा के

साथ स्कूल परिषर में दुष्कर्म किया,आरोपी मरवाही के ही बरैहा इलाके में रहने वाले जुगल किशोर दिनकर है, शिक्षक के द्वारा नाबालिग से जनवरी माह से लगातार आरोपी पीड़िता के साथ अनाचार कर रहा था,,तो दूसरे मामले में पीड़िता के परिचय का आरोपी त्रिलोक आर्मो ने भी नाबालिग छात्रा के साथ एक बर्थडे पार्टी में मौका देखकर उसे बहला फुसलकर उसके साथ सुनसान जगह में दुष्कर्म किया।

पीड़िता जब गर्भवती हुई और घर वालो के द्वारा पीड़िता से पूछताछ किये जाने पर मामले का खुलासा फिलहाल पीड़िता और उसके परिजनों की शिकायत पर मरवाही के बरैहा में रहने वाले शिक्षक जुगल किशोर दिनकर और पेंड्रा के जिल्दा गांव में रहने वाले त्रिलोक आर्मो के खिलाफ दुष्कर्म का अपराध दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।।पुलिस फिलहाल मामले में आगे की कार्यवाही में जुट गई है।

फर्जी डॉक्टर और अपोलो प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर दर्ज

बिलासपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद शुक्ल की मौत के मामले अपोलो के फर्जी डॉक्टर और अपोलो प्रबंधन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। फर्जी डॉक्टर नरेंद्र विक्रमादित्य यादव ने स्व. राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल का ऑपरेशन किया था, ऑपरेशन के 20 दिन बाद उनकी मौत हो गई थी। सरकंडा थाना में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। बिलासपुर के अपोलो अस्पताल में 2006 में हुई छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष पं. राजेन्द्र शुक्ल की मौत के मामले में फर्जी कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. नरेंद्र विक्रमादित्य यादव उर्फ नरेंद्र जान केम के खिलाफ FIR दर्ज की गई है।

आरोप है कि आरोपी डॉक्टर ने फर्जी डिग्री के आधार पर नौकरी कर इलाज किया, और लापरवाही से मौत का कारण बना। स्व राजेंद्र प्रसाद शुक्ल के बेटे प्रदीप शुक्ल ने सरकंडा थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया। जांच में आरोपी के नाम, जन्मतिथि और पिता का नाम तक अलग-अलग पाए गए हैं। आरोपी डॉक्टर की गिरफ्तारी पहले ही मध्यप्रदेश के दमोह से हो चुकी है। इस मामले में अपोलो प्रबंधन को भी आरोपी बनाया गया है। आरोप है कि बिना दस्तावेज सत्यापन के अस्पताल प्रबंधन ने फर्जी डॉक्टर को भर्ती कर इलाज का मौका दिया, जिससे गंभीर लापरवाही हुई और मरीज की जान चली गई।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से युवक का शव दो हिस्सों में बंटा

दो की मौके पर मौत, एक घायल

रायपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में आए दिन सड़क हादसा का मामला सामने आ रहा है। जिले के सारंगढ़ थाना क्षेत्र में दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। दो अलग-अलग सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई है। एक की हालत गंभीर है। कार बाइक और स्कूटी सवार युवकों को जोरदार टक्कर मारी, जिससे बाइक सवार युवक का शव दो हिस्सों में बंट गया। वहीं स्कूटी सवार युवक घायल है। घटना सारंगढ़-रायगढ़ मार्ग पर ग्राम टिमरलगा की है।

तेज रफ्तार कार ने स्कूटी और बाइक सवार युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार युवक का शरीर दो हिस्सों में बंट गया और उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं स्कूटी सवार युवक का एक पैर बुरी तरह से टूट गया। घायल को गंभीर हालत में उपचार के लिए रायगढ़ रेफर किया गया है। दूसरी ओर ग्राम दानसरा के पास नेशनल हाईवे पर सड़क हादसा हुई है, जहां एक खड़े ट्रक में तेज रफ्तार बाइक जा टकराई। इस हादसे में बाइक सवार युवक की भी मौके पर ही मौत हो गई।

झारखंड में मौसम की मार से किसान बेहाल

खेतों में सड़ गई सब्जियां,आम की फसल भी बर्बाद

रांची, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। पिछले एक सप्ताह से रांची, खूंटी, सिमडेगा व गुमला जिले के विभिन्न प्रखंडों में ओलावृष्टि के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हो रही है। वहीं, मौसम विभाग के अनुसार, मौसम 21 अप्रैल तक रांची समेत आसपास के क्षेत्रों में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और गरज के साथ वर्षा होने की संभावना है। मौसम में आए इस बदलाव की वजह से किसानों की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई है।

इन इलाकों में बारिश के साथ गिरे ओले

नामकुम, बेड़ो, तोरपा, मुरहू (खूंटी), बुढ़मू, ओरमांझी, अड़की, रनिया, मांडर, सिसई समेत कांके के किसान ओलावृष्टि के साथ हुई वर्षा से परेशान हैं। वर्षा से सब्जी के खेतों

में पानी जमा हो जाने के कारण हरी सब्जियां सड़ गई। खासकर गोभी व पत्ता गोभी की फसल को काफी नुकसान हुआ है, अब किसान चिंतित हैं।

सब्जी की खेती के लिए उन्होंने जमा पूंजी लगा दी थी। कुछ किसानों ने कर्ज लेकर सब्जी की खेती की थी। अब उनके समक्ष यह समस्या है कि सब्जी की खेती से हो चुके नुकसान की भरपाई कैसे करें। वहीं दूसरी ओर, ओलावृष्टि से आम के पेड़ों पर लगे मंजर झड़ चुके हैं, जिसकी वजह से किसान निराश हैं।

बेड़ो प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले दिनों ओलावृष्टि से 17 पंचायत के किसानों की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है। सब्जी की खेती कर यहां के किसान काफी समृद्ध हो रहे थे, लेकिन बेमौसम ओलावृष्टि व वर्षा से खेतों में सब्जियां सड़ रही हैं।

वहीं दूसरी ओर मनरेगा पार्क में लगे आम के पेड़ों पर लगे मंजर ओलावृष्टि से झड़ चुके हैं। इससे किसानों को हजारों रुपये का नुकसान हुआ है।

बेड़ो प्रखंड स्थित ईंटा चिल्ड्री गांव के किसान कालिंद्र सिंह ने बताया कि ओलावृष्टि से फसलों के साथ-साथ आम की फसलों को भी भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि लगभग एक एकड़ भूमि पर लगाए गए आम के पेड़ों के मंजर पूरी तरह झड़ चुके हैं। इससे 35-40 हजार रुपये का नुकसान हुआ है।

बेड़ों प्रखंड स्थित नगड़ी टोली के युवा किसान ने बताया कि किसान अपनी फसल को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास करते हैं, लेकिन प्रकृति के आगे उनका हर प्रयास बेकार हो जाता है। गर्मी के मौसम में सब्जी की खेती किसानों के लिए मुनाफे का सौदा होती है।

किसानों को सब्जी की फसल की अच्छी कीमत मिलती है, लेकिन बेमौसम ओलावृष्टि व वर्षा से किसान कराह रहे हैं। उनकी पीड़ा सुनने वाला कोई नहीं है। पूर्व में भी जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने क्षेत्र में घूम-घूमकर क्षति का आंकलन भी किया, लेकिन अब तक किसानों को मुआवजा राशि नहीं मिली।

छत्तीसगढ़ में बड़े पैमाने पर आईएएस ऑफिसर्स का ट्रांसफर, आदेश जारी

रायपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार ने बड़े पैमाने पर आईएएस ऑफिसर्स का तबादला किया है। कई जिलों के कलेक्टर बदले गए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग के जारी आदेश के मुताबिक, कुल 41 आईएएस अधिकारियों का तबादला किया गया है, जिसमें 11 जिलों के कलेक्टर बदले गये हैं। संजय अग्रवाल को बिलासपुर का कलेक्टर बनाया गया है। दिव्या उमेश मिश्रा को बालोद का कलेक्टर, इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल को खैरागढ़-छुईखदान-गंडई का कलेक्टर, कुंदन कुमार को मुंगेली का कलेक्टर , नूपुर राशि पन्ना को कोंडागांव का कलेक्टर, संजय कन्नौजे को सारंगढ़-बिलाईगढ़ का कलेक्टर नियुक्त किया गया है। वहीं भगवान सिंह ऊईके को गरियाबंद का कलेक्टर, मयंक चतुर्वेदी को रायगढ़ का कलेक्टर, कुणाल दुदावत को दंतेवाड़ा का कलेक्टर, जन्मजेय महोबे को जांजगीर कलेक्टर और सर्वेश्वर नरेंद्र भूरे को राजनांदगांव कलेक्टर की जिम्मेदारी दी गई है।

छत्तीसगढ़ में मौसम में उतार-चढ़ाव जारी, दिन में तेज धूप और शाम में आंधी-बारिश, आईएमडी का अलर्ट

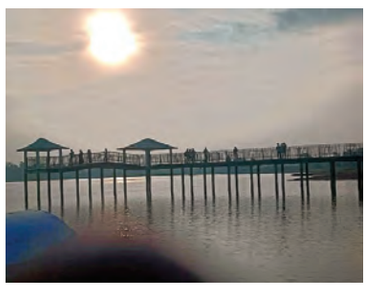

रायपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मौसम में उतार-चढ़ाव जारी है। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश में मौसम का दोहरा रूप देखने को मिल रहा है। प्रदेश के कई जेलों में भीषण गर्मी पड़ रही है, तो कई जिलों में तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही है। आज रविवार को सुबह तेज धूप पड़ सकती है। वहीं शाम होते ही मौसम का मिजाज बदलने की संभावना है और एक-दो जगहों पर हल्की मध्यम बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, छत्तीसगढ़ में अगले तीन दिनों में मेघ-गर्जन साथ बिजली गिरने की गतिविधि जारी रहने की संभावना है। इसके साथ ही प्रदेश के कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी हो सकती है। वहीं दक्षिण छत्तीसगढ़ में बारिश की स्थिति बनी हुई है और इसके साथ ही आज भी प्रदेश के कई स्थानों में बारिश की संभावना जताई गई है।

मौसम एक्सपर्ट ने बताया कि आगामी तीन दिनों में दो से तीन डिग्री दिन के तापमान में वृद्धि होगी। इस बीच प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश की भी संभावना बनी हुई है। प्रदेश में अधिकतम तापमान 41 डिग्री से ऊपर पहुंच चुका है। आने वाले दिनों में तेज धूप के साथ भीषण गर्मी पड़ सकती है। सबसे गर्म इलाका रायपुर रहा है। यहां सर्वाधिक अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री दर्ज किया गया है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार, शादी का झांसा देकर की हैवानियत

सक्ती, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। सक्ती जिले के बाराद्वार थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की से जबरदस्ती दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी की पहचान मोहित रात्रे (18) निवासी रायपुरा भांठापारा के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी मोहित रात्रे ने नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर उसके साथ दो अलग-अलग तारीखों को जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। पहली घटना 21 मार्च की रात गांव के एक खेत में और दूसरी घटना 13 अप्रैल को एक टूटे हुए मकान में हुई। आरोपी ने पीड़िता को किसी को कुछ बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी थी।

चमोली में घर से बाहर निकली महिला पर गुलदार ने किया हमला, अस्पताल में भर्ती

चमोली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। चमोली के दशोली ब्लॉक के नैल-कुड़ाव गांव में रविवार की सुबह गुलदार ने एक महिला पर हमला कर दिया। महिला के चिल्लाने पर गांव के लोग वहां पहुंचे, जिसे देख गुलदार भाग गया। गुलदार के हमले में महिला बुरी तरह से घायल हो गई। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, घटना सुबह करीब साढ़े पांच बजे की है। हीरा देवी(42) पत्नी रघुवीर सिंह रावत शौचालय की ओर जा रही थी। इस दौरान अचानक घात लगाए बैठे गुलदार ने महिला पर हमला कर दिया। गुलदार के हमले के बाद हीरा देवी चिल्लाई, जिस पर आसपास के लोग भी वहां पहुंच गए। ग्रामीणों के चिल्लाने पर गुलदार भाग गया। वन सरपंच विरेंद्र असवाल की सूचना पर केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग की टीम भी गांव में पहुंच गई है। ग्रामीणों ने घायल महिला को जिला अस्पताल गोपेश्वर में भर्ती किया है। महिला के गले में गुलदार के पंजों के निशान हैं। गले में पांच टांके लगे हैं। ग्रामीणों में गुलदार को लेकर दहशत बनीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में दो गुलदार घूम रहे हैं।

'कुलभूषण जाधव को अपील का अधिकार नहीं'

सुप्रीम कोर्ट में खुल गई पाकिस्तान की पोल

इस्लामाबाद, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव के मामले में पाकिस्तान की पोल खुल गई है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दाखिल किया। इसमें रक्षा मंत्रालय के वकील ख्वाजा हारिस अहमद ने बताया कि भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव को अपील दाखिल करने का अधिकार नहीं दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय अदालत ने सिर्फ राजनयिक पहुंच देने की बात कही थी।

वकीलों ने किया जाधव का जिक्र

डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक संवैधानिक पीठ के सामने वकीलों ने दावा किया कि भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव को अपील दाखिल करने का अधिकार दिया गया है। मगर यह सुविधा उन पाकिस्तानी नागरिकों को नहीं दी गई, जिन्हें 9 मई 2023 को हुई हिंसा मामले में सैन्य अदालत ने दोषी ठहराया है। इसके जवाब में पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने हलफनामा दाखिल किया कि कुलभूषण जाधव को सिर्फ कांसुलर पहुंच दी गई है। उन्हें अपील दाखिल करने का अधिकार नहीं दिया गया है।

अपील के अधिकार पर चल रहा विमर्श

पाकिस्तान की शीर्ष अदालत को बताया गया कि अटॉर्नी जनरल मंसूर उस्मान अवान 9 मई की घटना के दोषियों को उच्च न्यायालय में अपील करने के अधिकार के मामले पर विचार-विमर्श कर रहे हैं। उन्हें कुछ दिनों का समय चाहिए।

इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद भड़की थी हिंसा

9 मई 2023 को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के विरोध में पूरे पाकिस्तान में हिंसा भड़की थी। लोगों ने सैन्य ठिकानों पर हमला बोला था। पाकिस्तान की सरकार 9 मई को काला दिवस कहती है। हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सैन्य अदालत में मामला चलाया गया था।

कुलभूषण जाधव को किया गया था अगवा

पाकिस्तान ने साल 2016 में दावा किया कि कुलभूषण जाधव को जासूसी के आरोप में बलूचिस्तान से गिरफ्तार किया गया। मगर भारत ने पाकिस्तान के आरोपों को खारिज किया और कहा कि सेवानिवृत्त भारतीय नौसेना के अधिकारी जाधव को ईरान के चाबहार बंदरगाह से अगवा किया गया था। कुलभूषण वहां व्यवसाय के उद्देश से गए थे।

अंतरराष्ट्रीय न्यायालय से पाकिस्तान को लग चुका झटका

बाद में भारत ने कुलभूषण मामले में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में अपील दाखिल की। 2019 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने भारत के पक्ष में फैसला सुनाया और कुलभूषण जाधव को राजनयिक पहुंच देने और उनकी दोषसिद्ध पर पुरर्विचार करने तक मौत की सजा पर रोक लगा दी। मगर पाकिस्तान ने अदालत के फैसले को लागू नहीं किया। बाद में अदालत ने भी माना कि पाकिस्तान ने कुलभूषण जाधव को राजनयिक पहुंच देने से इनकार करके वियना कन्वेंशन का उल्लंघन किया है।

पाकिस्तान में इस महीने केएफसी के 20 आउटलेट पर हमला, सरकार बोली- हम करेंगे रक्षा

इस्लामाबाद, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान सरकार ने शनिवार को कहा कि इस महीने इजरायल विरोधी प्रदर्शनों के दौरान धार्मिक चरमपंथियों ने देश भर में अमेरिकी फास्ट-फूड चेन केएफसी के 20 आउटलेट पर हमला बोला। इसमें केएफसी (केंटकी फ्राइड चिकन) आउटलेट के एक कर्मचारी की मौत हो गई और 160 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। ज्यादातर हमलों में कट्टरपंथी पार्टी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान के कार्यकर्ता शामिल थे। पाकिस्तान के गृह राज्य मंत्री तलाल चौधरी ने कहा कि सरकार सभी के जान-माल की रक्षा करेगी। चाहे वह पाकिस्तानी व्यवसायी हों या निवेश करने वाले विदेशी। उन्होंने कहा कि जो कोई भी हमला करेगा, उसके साथ सख्ती से निपटा जाएगा। उन्होंने कहा कि हमलावरों ने अपने अपराध स्वीकार कर लिए हैं। मंत्री ने कहा कि केएफसी ने पाकिस्तान में 100 मिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है

अमेरिका के बोस्टन पहुंचे राहुल गांधी

पिछली यात्रा पर हुए सियासी बवाल की क्या थी वजह ?

न्यूयॉर्क, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी अमेरिका के दो दिवसीय दौरे पर हैं। राहुल (स्थानीय समयानुसार) को संयुक्त राष्ट्र अमेरिका के बोस्टन लोगान अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे। यहां उनका बहुत गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। अपनी यात्रा के दौरान राहुल गांधी रोड आइलैंड में ब्राउन विश्वविद्यालय का दौरा करेंगे। यहां वे संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ बातचीत करेंगे। राहुल एनआरआई समुदाय के सदस्यों, पदाधिकारियों और इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) के सदस्यों के साथ बातचीत भी कर सकते हैं।

राहुल का पूरा कार्यक्रम

इससे पहले कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था, 'पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी 21 और 22 अप्रैल को रोड आइलैंड, अमेरिका में ब्राउन विश्वविद्यालय का दौरा करेंगे। राहुल वहां संबोधन भी देंगे। वे विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ बातचीत करेंगे।'

हाल के महीनों में राहुल की अमेरिका की दूसरी यात्रा

हाल के महीनों में यह राहुल गांधी की अमेरिका की दूसरी यात्रा है। इससे पहले सितंबर 2024 में राहुल गांधी अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा की थी। अपनी यात्रा के दौरान वे डलास गए थे, जहां उन्होंने टेक्सास विश्वविद्यालय में छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत की थी और भारतीय प्रवासियों के सदस्यों को संबोधित किया था। डलास से राहुल वाशिंगटन डीसी गए, जहां उन्होंने जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत की थी। लोकसभा में विपक्ष के नेता बनने के बाद राहुल गांधी की यह पहली अमेरिका यात्रा थी।

पिछले दौरे के बयानों ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया था

राहुल गांधी की पिछली यात्रा ने भारत में आरक्षण प्रणाली को खत्म करने के बारे में उनकी टिप्पणी के बाद राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया था। उन्होंने कहा था कि जब देश एक निष्पक्ष स्थान बन जाएगा तो भारत में आरक्षण प्रणाली को समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने जाति जनगणना की आवश्यकता पर भी जोर दिया था। उन्होंने तर्क दिया था कि देश की 90 प्रतिशत आबादी ओबीसी, दलित और आदिवासी है। उसे पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिल रहा है। जब हम संस्थानों, व्यवसायों और मीडिया पर कब्जे की बात करते हैं, तो भारत के 90 प्रतिशत ओबीसी, दलित, आदिवासी खेल का हिस्सा ही नहीं हैं। यह वास्तव में कमरे में हाथी है।

सैम पित्रोदा ने स्वागत किया

इससे पहले राहुल गांधी का अमेरिका में कांग्रेस के ओवरसीज चीफ सैम पित्रोदा ने स्वागत किया। उन्होंने राहुल गांधी को युवाओं, लोकतंत्र और बेहतर भविष्य की आवाज बताया। 'एक्स' पर एक पोस्ट में पित्रोदा ने लिखा, 'राहुल, आपका अमेरिका में स्वागत है! युवाओं, लोकतंत्र और बेहतर भविष्य की आवाज। आइए सुनें, सीखें और साथ मिलकर निर्माण करें।'

प्लेन का पहिया टूटा, भड़की आग और यात्रियों में मचा हड़कंप

जुआन, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका की फ्रंटियर एयरलाइंस की फ्लाइट 5306 की इमरजेंसी लैंडिंग का वीडियो वायरल हो रहा है। फ्लाइट 228 लोगों को लेकर फ्लोरिडा के ऑरलैंडो एयरपोर्ट से एयरलाइंस का 3506 एयरबस जेट विमान उड़ा था और फ्लाइट को प्यूर्टो रिको के सैन जुआन में लुइस मुनोज मारिन एयरपोर्ट पर लैंड होना था, लेकिन लैंडिंग के समय विमान के फ्रंट लैंडिंग गियर में खराबी आ गई। पहिया अचानक टूटकर अलग हो गया और विमान से आग की लपटें उठने लगीं। पहिया टूटने के बाद फ्लाइट लड़खड़ाने लगी। वहीं आग की विकराल लपटें देखकर विमान में सवार 228 यात्रियों और क्रू मेंबर्स में हड़कंप मच गया। पैसेंजर्स ने हादसे का वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। हालांकि फ्लाइट सेफ लैंड हो गई, लेकिन इस भयावह लैंडिंग के कई वीडियो सामने आए हैं। एयरलाइन ने पैसेंजर्स के सुरक्षित होने की पुष्टि की। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन और नेशनल ट्रांसपोर्ट सेफ्टी बोर्ड हादसे की जांच कर रहा है।

इमरजेंसी गेट से रेस्क्यू किए गए पैसेंजर्स

वायरल वीडियो में विमान से आग की लपटें निकलती दिख रह हैं। यात्रियों के चिल्लाने और ईश्वर से प्रार्थना करने की आवाजें सुनाई दे रही हैं। हलांकि विमान की सेफ लैंडिंग हो गई और हादसे में किसी के घायल होने की खबर भी नहीं आई है, लेकिन पैसेंजर्स में दहशत फैल गई थी। वे चीखने चिल्लाने लग गए थे। यात्रियों को इमरजेंसी गेट से रेस्क्यू करके टैक्सीवे पर उतारा गया। हादसाग्रस्त विमान को बस से टर्मिनल तक पहुंचाया गया। फ्रंटियर एयरलाइंस ने हादसे की पुष्टि की और देशवासियों को बताया कि फ्लाइट सेफ लैंड हो गई है। सभी 228 यात्री और क्रू मेंबर्स सुरक्षित हैं। किसी को कई चोट नहीं लगी है।

बयां किया आंखों देखा मंजर

एक पैसेंजर मेलानी गोंजालेज व्हार्टन ने हादसे को लेकर अपना अनुभव बताया। उन्होंने फेसबुक पर एक पोस्ट में लिखा कि फ्लोरिडा से प्यूर्टो रिको के लिए परिवार के साथ उड़ान भरी थी, लेकिन वह उड़ान भयावह अनुभव बन गई, क्योंकि विमान ने लुइस मुनोज मारिन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने की कोशिश की और हादसा हो गया। कुछ मिनटों के लिए तो लगा कि पृथ्वी पर हमारी कहानी का अंत हो गया है। उड़ान के दौरान अपनी खिड़की से दर्दनाक हादसे को देखा तो रूह कांप गई थी।

कलियुगी बहू ने लोहे की चारपाई पर पटका सास का सिर, फिर बरसाए मुक्के, मौत

पांवटा साहिब, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। (सिरमौर) माजरा पुलिस थाना के तहत बंगाला बस्ती सूरजपुर में चारपाई व परात को लेकर सास और बहू में बहस हो गई। आरोपी बहू ने सास का सिर लोहे की चारपाई में मार दिया। मारपीट में घायल सास ने दम तोड़ दिया। इसके बाद आरोपी बहू को माजरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अदालत ने आरोपी को तीन दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस के अनुसार कटा पत्थर सूरजपुर बंगाला बस्ती निवासी गुलनाज व सादिका ने पुलिस थाना माजरा में शिकायत दर्ज करवाई है। इसमें कहा कि उनकी दादी बानो देवी (63) पत्नी स्व. बाबू राम के साथ बड़ी बहू बोकड़ी देवी (40) ने मारपीट की। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने बंगाला बस्ती निवासी मनीषा के बयान दर्ज किए हैं। उन्होंने बताया कि देर शाम बानो देवी अपनी झोपड़ी के बाहर एक लोहे की चारपाई पर बैठी थी। इस बीच बहू बोकड़ी कहने लगी कि उनकी परात क्यों लेकर गई।

शेख हसीना के खिलाफ इंटरपोल से बांग्लादेश ने मांगी मदद, रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने का किया अनुरोध

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। पिछले साल 5 अगस्त को हिंसा के बाद भारत में शरण ले चुकीं शेख हसीना के खिलाफ बांग्लादेश ने इंटरपोल से मदद मांगी है। बांग्लादेश पुलिस के राष्ट्रीय केंद्रीय ब्यूरो (एनसीबी) ने पूर्व पीएम शेख हसीना समेत 12 लोगों के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने का अनुरोध इंटरपोल से किया है। पुलिस मुख्यालय में सहायक महानिरीक्षक इनामुल हक सागर ने कहा कि एनसीबी अदालतों, सरकारी अभियोजकों या जांच एजेंसियों से मिली अपीलों के आधार पर इंटरपोल से ऐसे अनुरोध करती है। ये आवेदन उन आरोपों के संबंध में दायर किए जाते हैं, जो जांच के दौरान या चल रही केस कार्यवाही के माध्यम से सामने आते हैं। उन्होंने यह भी कहा

कि विदेश में रहने वाले भगोड़ों के ठिकानों की पहचान करने में इंटरपोल अहम भूमिका निभाता है।

न्यायाधिकरण ने दिया था आदेश

पिछले साल नवंबर महीने में बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के मुख्य अभियोजक कार्यालय ने पुलिस से कहा था कि वह शेख हसीना और अन्य भगोड़ों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने में इंटरपोल की सहायता ले।

5 अगस्त को छोड़ना पड़ा था देश

पिछले साल जुलाई महीने में बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ छात्रों का आंदोलन भड़का था। लगभग एक महीने तक यह आंदोलन चला। बाद में पांच अगस्त आंदोलन ने सरकार विरोधी रुख अपना लिया। राजधानी ढाका में भारी हिंसा के बाद शेख हसीना को अपना पद और देश दोनों छोड़ना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक तब से शेख हसीना भारत में हैं। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग पिछले 16 साल से बांग्लादेश की सत्ता में थी।

गिरफ्तारी वारंट हो चुका जारी

शेख हसीना के देश छोड़ने के तीन दिन बाद बांग्लादेश में अंतरिम सरकार का गठन हुआ। मोहम्मद यूनुस इस सरकार के प्रमुख बने। यूनुस सरकार ने शेख हसीना और उनके सहयोगियों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में केस चलाया। न्यायाधिकरण ने शेख हसीना, उनके मंत्रियों और सहयोगियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया था।

आईआईटी इंदौर में पेड़ों की कटाई पर बढ़ा विवाद

इंदौर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी), इंदौर में हरे-भरे पेड़ों की कटाई को लेकर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। परिसर में पाथ-वे निर्माण के लिए हो रही पेड़ों की छंटाई का विरोध करते हुए संस्थान के प्रोफेसरों ने 'सेव ट्री कैंपेन' की शुरुआत कर दी है। जब प्रोफेसरों का प्रतिनिधिमंडल डायरेक्टर प्रो. सुहास जोशी से मिला और उन्होंने उनकी बात सुनने से इनकार कर दिया, तो मामला और गंभीर हो गया। इसके बाद नाराज प्रोफेसरों ने आईआईटी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन को थोकबंद ई-मेल भेजकर इस पर शिकायत दर्ज करवाई। विवाद गहराने के कारण फिलहाल पाथ-वे का निर्माण कार्य रोक दिया गया है। आईआईटी इंदौर वह एकमात्र संस्थान है जिसे पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 'कैम्पा' (राष्ट्रीय प्रतिपूरक वनीकरण कोष प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण) के तहत 'नगर वन परियोजना' के लिए चुना है। परिसर में हरियाली सहेजने के उद्देश्य से वन वाटिका की योजना बनाई गई है, जिसके लिए 1.98 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। लेकिन विडंबना यह है कि इसी संस्थान के एक प्रोजेक्ट के कारण अब हरियाली खतरे में पड़ गई है। पाथ-वे निर्माण के लिए बड़ी संख्या में पेड़ों की कटाई की योजना है, जिससे विरोध तेज हो गया है। जैसे ही पेड़ों की छंटाई का काम शुरू हुआ, फैकल्टी फोरम के सदस्य सक्रिय हो गए और उन्होंने इसका कड़ा विरोध दर्ज कराया। उन्होंने सबसे पहले डायरेक्टर से मिलने का प्रयास किया, लेकिन जब उनकी बात नहीं सुनी गई, तो यह नाराजगी और भी बढ़ गई। इसके बाद सभी सदस्यों ने एकजुट होकर बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन को ई-मेल भेजे और पूरे मामले की शिकायत की। यह स्थिति अब पूरे आईआईटी कैंपस में चर्चा का विषय बन गई है और पर्यावरण संरक्षण की भावना के साथ फैकल्टी सदस्य एकजुट हो रहे हैं।

बोगनविले दुनिया के नक्शे पर नया देश ?

लेकिन बनेगा जंग का नया मैदान, अमेरिका और चीन होंगे आमने-सामने !

वॉशिंगटन, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया के नक्शे पर जल्द ही एक नए देश का नाम जुड़ने जा रहा है। ये देश होगा सोलोमन आइलैंड में मौजूद बोगनविले। और इसके पीछे होंगे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। अगर ट्रंप मान गए तो यह छोटा सा खूबसूरत क्षेत्र साल 2027 तक आजाद हो सकता है। हालांकि इस नए देश के जन्म के साथ ही दुनिया में जंग का एक और मोर्चा खुल सकता है। सोलोमन आइसलैंड्स के पास मौजूद ये खूबसूरत द्वीप भविष्य में जंग का नया मैदान बन सकता है। एक ऐसा रणक्षेत्र जहां चीन और अमेरिका आमने-सामने होंगे। बोगनविले द्वीप के राष्ट्रपति इश्माएल तोरोमा के एक बयान ने इसकी आशंकाएं बेहद ज्यादा बढ़ गई है। बोगनविले द्वीप के राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति ट्रंप को एक सौदे की पेशकश की है। इस सौदे के मुताबिक अमेरिका उसे पापुओ न्यू गिनी से आजाद करवाए बदले में द्वीप के खनिजों पर अमेरिका का अधिकार दिया जाएगा। अब अगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बोगनविले की ओर से की गई पेशकश को स्वीकार करते हैं तो जहां वो दुनिया के नक्शे पर एक नया देश बनकर उभरेगा तो वहीं इस क्षेत्र में चीन और अमेरिका के बीच विवाद बढ़ सकता है और दोनों ताकतवर देश आमने सामने आ सकते हैं। लेकिन सवाल है कि भला चीन को इससे परेशानी क्यों होगी तो इसकी वजह जानने के लिए आपको बोगनविले के इतिहास और भौगोलिक स्थिति के बारे में जानना जरूरी है। साल 1975 में बोगनविले ने खुद को उत्तरी सोलोमन रिपब्लिक के रूप में स्वतंत घोषित किया था। फिर 1976 में बोगनविले पर पापुआ न्यू गिनी ने फिर से कब्जा जमा लिया। इसके बाद 1988 में यहां पर जबरदस्त गृह युद्ध छिड़ गया। करीब एक दशक तक चले गृह युद्ध के बाद 1997 में मध्यस्थता के बाद यह संघर्ष खत्म हुआ। साल 2001 में शांति समझौता हुआ, जिसमें आजादी के लिए जनमत संग्रह की बात कही गई थी। फिर 2019 में बोगनविले ने जनमत संग्रह में आजादी के पक्ष में वोट किया, लेकिन अभी तक पापुआ न्यू गिनी की संसद ने बोगनविले की आजादी पर मुहर नहीं लगाई है। बोगनविले के लोग अभी भी आजादी के इंतजार में हैं। आजादी का इंतजार कर रहे इस द्वीप के राष्ट्रपति ने अब ट्रंप के सामने सौदे की पेशकश की है। माना जा रहा है कि ट्रंप इसमें दिलचस्पी दिखा सकते हैं। दरअसल यहां पर तांबे, सोने, चांदी, निकल और कोबाल्ट की कई बड़ी खदानें मौजूद हैं जिसमें डोनाल्ड ट्रंप की बेहद दिलचस्पी मानी जा रही है। सिर्फ इतना ही नहीं इस द्वीप की भौगोलिक स्थिति भी ऐसी है। जिससे अमेरिका को चीन पर कंट्रोल करने में खासी मदद मिलेगी। बोगनविले प्रशांत महासागर में सोलोमन आइलैंड्स के बीच मौजूद है। यहां कई इलाकों में चीन अपना सैन्य विस्तार करने में जुटा हुआ है। ये चीन के महत्वाकांक्षी बीआरआई प्रोजेक्ट के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। वहीं अमेरिका बोगनविले में सैन्य अड्डा बना सकता है ताकि चीन की गतिविधियों पर कंट्रोल कर सके। यही वजह है कि अगर बोगनविले की मदद के लिए डोनाल्ड ट्रंप आगे आए तो इस इलाके में चीन और अमेरिका के बीच विवाद खड़ा हो सकता है

अभी और 'लाल' होगी गाजा की जमीन! नेतन्याहू बोले, 'युद्ध जारी रखने के अलावा इजरायल के पास कोई विकल्प नहीं'

गाजा पट्टी, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के तेवरों से ऐसा लग रहा है कि गाजा में अभी और खून बहेगा। नेतन्याहू फिर कहा कि इजरायल के पास गाजा में लड़ाई जारी रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि इजरायल हमास को पूरी तरह खत्म करने, बंधकों को मुक्त करने और यह सुनिश्चित करने से पहले युद्ध खत्म नहीं करेगा कि यह क्षेत्र इजरायल के लिए खतरा नहीं बने। इसके साथ ही नेतन्याहू ने यह भी दोहराया कि वे यह सुनिश्चित करेंगे कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार न मिले। नेतन्याहू ने दावा किया कि हमास ने युद्ध विराम जारी रखने के लिए आधे बंधकों को रिहा करने के इजरायल के नए प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। नेतन्याहू ने गाजा में किए गए हमलों के बाद यह बात कही। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजरायल की ओर से गाजा में किए गए हमलों में 48 घंटे के दौरान 90 से अधिक लोग मारे गए हैं। इजरायली सैनिक हमास पर बंधकों को रिहा करने और हथियार डालने का दबाव बनाने के लिए अपने हमले तेज कर रहे हैं। अस्पताल के कर्मचारियों के अनुसार, रात भर में मारे गए 15 लोगों में बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। अस्पताल के कर्मचारियों ने बताया कि दक्षिणी शहर खान यूनिस में कम से कम 11 लोग मारे गए, उनमें से कई मुवासी इलाके में एक तंबू में थे, जहां सैकड़ों हज़ारों विस्थापित लोग रहते हैं। इजरायल ने इसे मानवीय क्षेत्र घोषित किया है। शोक मनाने वालों ने मृतकों के चेहरे को गोद में लिया और चूमा। शवों के बैग बंद करने से पहले एक व्यक्ति ने अपनी उंगली से एक बच्चे के माथे को सहलाया। राफा शहर में हमलों में चार अन्य लोग मारे गए, जिनमें एक महिला और उसकी बेटी भी शामिल है। मध्य गाजा में नुसेरात के पश्चिम में नागरिकों के एक समूह पर एक इज़रायली हवाई हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इज़रायल की सेना ने एक बयान में कहा कि उसने सप्ताहांत में 40 से अधिक आतंकवादियों को मार गिराया। सेना ने कहा कि उत्तरी गाजा में एक सैनिक मारा गया और पुष्टि की कि यह 18 मार्च को इज़राइल द्वारा युद्ध फिर से शुरू करने के बाद से पहले सैनिक की मौत थी। हमास की सशस्त्र शाखा, क़स्साम ब्रिगेड ने कहा कि उसने गाजा शहर के अल-तुफ़ाह पड़ोस के पूर्व में काम कर रही इज़रायली सेना पर घात लगाकर हमला किया। इज़रायल ने गाजा में हमलों को तेज करने और 20 लाख से अधिक लोगों की छोटी तटीय पट्टी के अंदर अनिश्चित काल के लिए बड़े 'सुरक्षा क्षेत्रों' पर कब्जा करने की कसम खाई है। हमास चाहता है कि इज़राइली सेनाएं गाजा से हट जाएं। इजरायल ने पिछले छह सप्ताह से गाजा की नाकाबंदी की हुई है, फिर से खाद्य और अन्य वस्तुओं के प्रवेश पर रोक लगा दी है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इस सप्ताह सहायता समूहों ने चिंता जताई है, उन्होंने कहा कि हजारों बच्चे कुपोषित हो गए हैं और अधिकांश लोग स्टॉक कम होने के कारण दिन में मुश्किल से एक बार भोजन कर पा रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के पूर्वी भूमध्यसागरीय कार्यालय की प्रमुख डॉ। हनान बाल्खी ने शुक्रवार को इजरायल में नए अमेरिकी राजदूत माइक हुकाबी से आग्रह किया कि वे देश पर गाजा की नाकाबंदी हटाने के लिए दबाव डालें ताकि दवाइयां और अन्य सहायता पहुंच सके।

धन कुबेर निकला पीएचईडी इंजीनियर

54 जगहों पर प्रॉपर्टी 22 बैंक खाते, बड़ा माइनिंग कारोबार

जयपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे "आपरेशन बेखौफ" के तहत एसीबी ने एक और बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता अशोक कुमार जांगिड के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में राज्य के विभिन्न जिलों में 14 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की गई। इस कार्रवाई में करीब 11.50 करोड़ रुपये की अवैध संपत्तियों का खुलासा हुआ है, जो उनकी आय से 161 प्रतिशत अधिक पाई गई है। कार्रवाई आज रविवार को भी जारी है।

इस बड़ी कार्रवाई को एसीबी के उप अधीक्षक परमेश्वरलाल मीवाड़ी के नेतृत्व में अंजाम दिया गया। एसीबी की करीब 250

अधिकारियों व कर्मचारियों की दो दर्जन टीमों ने जयपुर, कोटपूतली, अजमेर, उदयपुर, बांसवाड़ा, मालपुरा, श्रीमाधोपुर, जैसलमेर सहित कई जिलों में सर्च ऑपरेशन चलाया।

जांच में सामने आया है कि अशोक जांगिड ने अपने नाम पर 19 अचल संपत्तियां, पत्नी के नाम 3 संपत्तियां और बेटे निखिल जांगिड के नाम पर 32 संपत्तियां खरीदी हैं। इन संपत्तियों में जयपुर, पावटा, श्रीमाधोपुर, मौजमाबाद, उदयपुर, अजमेर, मालपुरा, श्री मोहनगढ़ जैसलमेर जैसे शहरों और कस्बों में फार्म हाउस, दुकानें, मकान, खनिज लीज और व्यावसायिक प्लॉट शामिल हैं।

बड़ी बात यह है कि बेटे के नाम दर्ज खनिज लीजों के संचालन में करोड़ों रुपए की भारी-भरकम मशीनरी जैसे डंपर, ब्लास्टिंग मशीन, पोकलेन आदि में निवेश किया गया है। साथ ही, जांगिड परिवार के कुल 22 बैंक खातों में 21 लाख रुपए की राशि भी सामने आई है।

इसके अलावा, बच्चों की स्कूली, कोचिंग व उच्च शिक्षा पर करीब 30 लाख रुपए का खर्च भी स्पष्ट हुआ है। इस कार्रवाई में एसीबी ने पीएचई विभाग बांसवाड़ा, खनिज विभाग, उप-पंजीयक कार्यालय, और अन्य सरकारी संस्थानों से जुड़े कई रिकॉर्ड जब्त किए हैं।

फिलहाल एसीबी की टीम जयपुर के वैशाली नगर, पावटा, उदयपुर, अजमेर, मालपुरा और टोंक में संदिग्ध संपत्तियों पर छापे की कार्रवाई कर रही है।

वहीं अभियंता अशोक जांगिड और उनके परिवार से पूछताछ भी जारी है।

अब ज्यादा ढलान पर नहीं बनेंगे रिजॉर्ट, फार्म हाउस-मकान

जयपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने प्रदेश में नए हिल बायलॉज लागू कर दिए हैं। इसमें पहाड़ी क्षेत्र को बचाने के लिए कई कड़े प्रावधान किए गए हैं। पहाड़ी क्षेत्र को अंधाधुंध तरीके से काटकर रिजॉर्ट, मोटल्स, फार्म हाउस, एम्यूजमेंट पार्क, कैम्पिंग साइट निर्माण अब नहीं हो सकेगा। अभी तक पहाड़ों पर 60 डिग्री स्लोप (ढाल) तक इनके निर्माण की अनुमति थी, लेकिन अब इसका दायरा घटाकर केवल 15 डिग्री तक सीमित कर दिया है। इससे ज्यादा ढलान के पहाड़ी हिस्सा 'नो कंस्ट्रक्शन' जोन होगा।

पहाड़ी क्षेत्र को तीन श्रेणी बांटा गया

पहाड़ी क्षेत्र को तीन श्रेणी (अ, ब, स) में बांटा गया है। आठ से अधिक और पन्द्रह मीटर ढलान वाले इलाके में निर्माण की ऊंचाई अधिकतम 9 मीटर (भूतल प्लस 1) ही कर पाएंगे। मास्टर और जोनल डवलपमेंट प्लान में भी पहाड़ी क्षेत्रों की श्रेणियों का निर्धारण किया जाएगा। खास यह भी है कि जल स्त्रोतों (नहर, नाला,स्टॉर्म वाटर ड्रेन) से दूरी भी तय कर दी है, जिससे उन्हें प्रभावित होने से बचाया जा सके। भूमि के कुल क्षेत्रफल के 40 प्रतिशत भाग में सघन वृक्षारोपण करना होगा।

पर्यटन के नाम पर पहाड़ी क्षेत्र व उसके आस-पास निर्माण होते रहे। इससे उदयपुर, माउंट आबू, राजसमंद, अलवर, चित्तौडगढ़, बांसवाड़ा सहित कई शहरों व आस-पास का पहाड़ी क्षेत्र प्रभावित

हुआ है। सूत्रों के मुताबिक पहाड़ों को काटकर कॉमर्शियल गतिविधि करने से जुड़े मामले में सोमवार को हाईकोर्ट में सुनवाई है। इसीलिए नगरीय विकास विभाग को छुट्टी के दिन पॉलिसी जारी करनी पड़ी।

ग्रामीण और अफसर, बढ़ा नामांकन

निर्माण के लिए ये हैं प्रावधान

फार्म हाउस : भूखण्ड का न्यूनतम क्षेत्रफल 5000 वर्गमीटर रहेगा। यहां अधिकतम 500 वर्गमीटर एरिया में निर्माण कर सकेंगे।

रिसोर्ट : न्यूनतम क्षेत्रफल 2 हेक्टेयर और अधिकतम ऊंचाई 9 मीटर (भूतल 1) अनुज्ञेय होगी। 20 प्रतिशत एरिया में निर्माण कर पाएंगे।

एम्यूजमेन्ट पार्क : न्यूनतम क्षेत्रफल 5 हेक्टेयर एवं निर्माण एरिया 10 प्रतिशत होगा। उपकरणों, झूलों की ऊंचाई 9 मीटर से अधिक भी हो सकेगी।

न्यूनतम 1 हेक्टेयर क्षेत्रफल होने पर धार्मिक स्थल, आध्यात्मिक केन्द्र, योग केन्द्र तथा प्राकृतिक चिकित्सा एवं वेलनेस सेन्टर बना सकेंगे। भवन के टैरेस पर मम्टी, मशीन रूम, वाटर टैंक की अधिकतम ऊंचाई 3 मीटर दी जा सकेगी।

नहीं बना सकेंगे बेसमेंट : भवन में बेसमेंट और स्टील्ट फ्लोर की अनुमति नहीं होगी। वहीं पार्किंग भी परिसर के शुरुआती हिस्से में बनानी होगी।

अब इस तरह मिलेगी अनुमति (पहाड़ी को तीन श्रेणी में बांटा)..

'अ' श्रेणी – 8 डिग्री स्लोप तक आवासीय योजना व कॉमर्शियल गतिविधि (टाउनशिप पॉलिसी के अनुसार) की अनुमति।

'ब' श्रेणी – 9 से 15 डिग्री तक पहाड़ी क्षेत्र में रिजॉर्ट, फार्म हाउस, होटल, , एम्यूजमेंट पार्क, प्राकृतिक चिकित्सा, वेलनेस सेंटर, कैम्पिंग साइट,सौर ऊर्जा संयत्र।

'स' श्रेणी – 15 डिग्री से अधिक स्लोप होने पर नो-कंस्ट्रक्शन जोन।

पॉलिसी लागू होने से पहले यदि आवासीय, वाणिज्यिक, संस्थागत व अन्य उपयोग की योजनाओं के पट्टे जारी किए गए हो, लेकिन भवन निर्माण स्वीकृति जारी नहीं की गई है। ऐसे पट्टों में भी अधिकतम ऊंचाई 9 मीटर (भूतल प्लस 1 तल) ही अनुमति होगी। भवन निर्माण स्वीकृति जारी की जा चुकी हो, ऐसे प्रकरणों में स्वीकृति को संशोधित किया जा सकेगा।

जोगाराम पटेल बोले- कांग्रेस करती है सिर्फ एक परिवार की पूजा, 80-90% घोटालों में पार्टी का नाम

जोधपुर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने नेशनल हेराल्ड मामले को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के पास अब केवल एक परिवार की पूजा करने के अलावा कुछ नहीं बचा है। उन्होंने आरोप लगाया कि नेहरू जी से लेकर मोतीलाल नेहरू तक कांग्रेस केवल एक ही परिवार को पूजती रही है। जबकि देश में जितने भी बड़े घोटाले हुए हैं, उनमें से 80 से 90 प्रतिशत कांग्रेस के शासनकाल में हुए हैं। जोगाराम पटेल ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में कई बार हाई कोर्ट में याचिकाएं दायर की गईं, लेकिन कांग्रेस नेताओं के खिलाफ दर्ज मुकदमा कभी निरस्त नहीं हुआ। एक लंबी जांच प्रक्रिया के बाद जांच एजेंसियों ने यह पाया कि प्रथम दृष्टया अपराध हुआ है। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस वाकई संविधान, लोकतंत्र और न्याय व्यवस्था में विश्वास रखती है, तो उसे देश की न्यायपालिका और जांच एजेंसियों पर भरोसा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो तथ्य एजेंसियों ने इकट्ठे किए हैं, उनके अनुसार कांग्रेस के

बड़े नेता प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए हैं और यह बड़ी संपत्ति से जुड़ा घोटाला है। रॉबर्ट वाड्रा का भी जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि जब उन्हें जांच एजेंसियां बुला रही हैं, तो वह जाकर जवाब दे रहे हैं। देखते जाइए, धीरे-धीरे क्या होता है।

मंत्री जोगाराम पटेल ने कांग्रेस नेता प्रताप सिंह खाचरियावास के हालिया बयानों पर भी कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि एक जनप्रतिनिधि को उचित व्यवहार और मर्यादित भाषा का प्रयोग करना चाहिए। जिस तरह का व्यवहार और शब्दों का प्रयोग प्रताप सिंह जी कर रहे हैं, वह न तो उचित है और न ही स्वीकार्य। उन्होंने कहा कि प्रताप सिंह ने हमारे माननीय मुख्यमंत्री, साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत भैरोंसिंह शेखावत जैसे नेताओं के लिए जिस भाषा का प्रयोग किया है, वह बेहद निंदनीय है। जोगाराम पटेल ने कहा कि वह यह नहीं कह सकते कि प्रताप सिंह को माफी मांगनी चाहिए या नहीं, लेकिन इतना जरूर कहा कि एक पूर्व मंत्री और जनप्रतिनिधि से मर्यादित आचरण की अपेक्षा की जाती है।

8.75 कि.मी लंबी वाटर टनल बनकर तैयार

बनेगा 'बांध'; 637 गांवों को होगा जबरदस्त फायदा

बारां, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। हाड़ौती के तीन जिलों झालावाड़, बारां और कोटा के लिए ईआरपीसी के तहत बहुप्रतीक्षित परवन वृहद बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना के तहत अकावदकलां गांव में परवन नदी पर बन रहा बांध का निर्माण तेज गति से चल रहा है। वहीं, इससे जुड़ी दांई मुख्य नहर के बनाई गई देश की सबसे बड़ी वाटर टनल बनकर तैयार हो चुकी है।

इस टनल से 8.75 किलोमीटर लबी दाईं मुख्य नहर निकलेगी, जिससे बारां जिले के 90 किमी इलाके में सिंचाई की सुविधा मिलेगी। फिलहाल बांध के सभी गेट का कार्य अंतिम चरण में चल रहा है, जबकि अन्य निर्माण कार्य प्रगति पर है। परवन बांध 38 मीटर ऊंचा और 490 मिलियन

घन क्षमता का है।

संभवतः 25 या 26 अप्रेल को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बांध और टनल का निरीक्षण कर सकते है। मुख्यमंत्री के संभावित कार्यक्रम को देखते हुए झालावाड़ और बारां के जिला प्रशासन व सिंचाई महकमे ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। जल संसाधन विभाग के अनुसार परवन सिंचाई परियोजना से 637 गांवों के 2.02 लाख हैक्टेयर क्षेत्र में स्काडा नियंत्रित प्रेशराइज्ड पाइप द्वारा फव्वारा पद्धति से सिंचाई की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा 1821 गांवों में पेयजल, विद्युत उत्पादन और वन्यजीवों के लिए पानी सुनिश्चित किया जाएगा। इसके लिए 61 डिग्गियां बनाई जाएंगी, इसमें 19 बाईं ओर और 33 दाईं ओर रहेंगी। 9 डिग्गियां शेरगढ़ अभयारण्य क्षेत्र में भी सिंचाई और पेयजल उपलब्ध कराएंगी।

डिग्गी से खेत तक पानी

खानपुर क्षेत्र में 38 किमी में 12 डिग्गियां और सांगोद क्षेत्र में 14 किमी में 7 डिग्गियां बनाई जा रही हैं। नहरों से पाइप के जरिए पानी डिग्गी पंप हाउस पहुंचेगा, जहां से 3000 हैक्टेयर क्षेत्र में पाइपलाइन के जरिए सिंचाई की जाएगी। प्रथम फेज में खानपुर तहसील के 81 गांवों और सांगोद के 48 गांवों में 43 हजार 159 हैक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। बाईं मुख्य नहर से सारोला कलां के खाळ से खरंड नदी और द्वितीय फेज में फुंगाहेड़ी गांव में उजाड़ नदी में पानी छोडने का प्रस्ताव है।

इससे देवली, डांडिया, धुलेट, हरिश्चंद्र सागर केनाल सीएडी प्रथम व द्वितीय और भीमसागर नहरों को जोड़कर 45 हजार हैक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई का पानी मिलेगा। परवन बांध में कुल 21 ब्लॉक,15 ओवरफ्लो और 6 नॉन ओवरफ्लो का सीमेंट कंकरीट कार्य पूर्ण हो चुका है। गैलरी निर्माण भी पूरा हो चुका है। इसके पांच 10 गेट तैयार हैं, शेष कार्य प्रगति पर है।

देश की सबसे बड़ी जल सुरंग तैयार हो चुकी है। परवन बांध का निर्माण कार्य 92 फीसदी पूर्ण किया जा चुका है। बांध के 10 गेट लग चुके है। दो गेट के फ्रेम लगा दिए हैं।शेष गेट कार्य दो सप्ताह में पूर्ण कर लिया जाएगा।

फैक्ट्री में जा रहे बिजली तार में हुआ धमाका

आग लगने से युवक झुलसा

बूंदी, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। अचानक नमाना रोड पर सडक़ किनारे लग रहे पोल में धमाके से आवाज हुई। और वहां चिंगारियां से पास में खेत में कटाई करने के बाद में खड़ी नोलाइयों में आग लग गई। आग लगते ही तेज हवाओं के रुख से आग ने कुछ ही मिनट में कई जगह में फेल गई। लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया। कई लोगों की पराली,भूसा व भूसा जलकर राख हो गया। अथडा से नमाना रोड की ओर आ रहा एक ट्रक का आगे का टायर अंधेड वितरिका में उतर गया।

ट्रक सडक़ पर फसने के बाद उक्त मार्ग पर निकलने वाले वाहन चालकों को 2 घंटे तक इंतजार करना पड़ा। करीब चार-पांच घंटे तक आग ने मांगली, नमाना रोड, खोत्या,ठीकरिया सहित अन्य गांवो में रेलवे की पटरियों को पार करते हुए खेतों में फैलती गई। आग बुझाने के लिए मौके पर लगभग 1 घंटे बाद दमकल पहुंची। दमकल ने पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन तेज हवाओं से सैकड़ों बीघा में आग फैलने के बाद दमकल द्वारा आग पर काबू नहीं पाया जा सका।

आग की चपेट में आने के बाद अंथड़ा निवासी अशोक माली आग की चपेट में आने से झुलस गया, जिसे 108 की मदद से उपचार के लिए भेजा गया।

वहीं बिरधी लाल बैरागी के किराने की दुकान में रखा सामान जल गया व भोजराज के कूलर व इन्वर्टर जल गए।वहीं लालपुरा गांव पंचायत भवन के निकट भी आग लग जाने से भूसा पराली जल गए।

अलवर के 21 साल के एमबीबीएस स्टूडेंट को जयपुर में आया हार्ट अटैक

अलवर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में हार्ट अटैक से मौके के मामले लगातार बढ़ते जा रहे है। अब जयपुर निम्स यूनिवर्सिटी में अध्ययनरत एमबीबीएस अंतिम वर्ष के छात्र अलवर के मेहंदी बाग गंगाविहार कॉलोनी निवासी 21 वर्षीय जलद शर्मा की हार्ट अटैक से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सुबह जलद के सीने में हल्का दर्द होने पर पहले उसने दवा ली। इसके बाद साथियों ने उसे हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया। वहां दोपहर में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जिसका शव रात करीब पौने दस बजे अलवर पहुंचा। बेटे का शव देख मां बेसुध हो गई। वहीं, परिवार के अन्य लोगों को भी रो-रोकर बुरा हाल है। जलद शर्मा अलवर के मेहंदी बाग गंगाविहार कॉलोनी का रहने वाला था। वह जयपुर की निम्स यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस कर रहा था। मृतक जलद शर्मा अपने माता-पिता की इकलौती संतान था। उसके पिता मनोज शर्मा सफदरगंज में नर्सिंग अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। जबकि मां शिक्षिका है। उसके चाचा अलवर सीएमएचओ ऑफिस में कार्यरत हैं।

बता दें कि करीब 20 दिन पहले भी काला कुआं विवेकानंद नगर निवासी होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. शैलेंद्र शर्मा के 21 साल के बेटे उत्कर्ष शर्मा की कजाकिस्तान में हार्ट अटैक से मौत हो गई थी।

सीवरेज टैंक में दम घुटने से 2 की मौत, मचा हंगामा

अलवर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। अलवर में दर्दनाक हादसा हुआ। अलवर के खेरली में प्राइवेट बिल्डर्स की सोसायटी नवकार वाटिका में सीवरेज टैंक की सफाई करते समय दम घुटने से दो व्यक्तियों की मौत हो गई। एक अन्य का हाथ झुलस गया। सूचना मिलने पर अस्पताल पहुंचे परिजनों व अन्य ने हंगामा किया। परिजनों ने एक करोड़ रुपए एवं सरकारी नौकरी की मांग को लेकर हिंडौन रोड अग्रसेन सर्किल पर जाम लगा दिया।

मदद की सहमति के बाद जाम खोला गया

हंगामे को खत्म करने के लिए शाम को बिल्डर, समाज के लोग, पुलिस व अधिकारियों की मौजूदगी में वार्ता हुई। जिसमें आर्थिक सहायता व सरकार की ओर से मदद दिलाने पर सहमति के बाद साढ़े सात घंटे बाद जाम खोला।

लच्छी को निकालने आकाश भी पहुंचा, फंस गया

बताया जा रहा है कि लच्छी (55 वर्ष) हरिजन निवासी कजोड़ी मोहल्ला एवं आकाश (16 वर्ष) नवकार वाटिका में 5 दिन से सीवर लाइन की सफाई कर रहे थे। लच्छी मलबे में फंस गया, उसे निकालने के लिए आकाश ने उसे पकड़ना चाहा तो वह भी टैंक में फंस गया। जहरीली गैस एवं मलबे में दबने से दोनों की मौत हो गई। ऊपर खड़े अन्य युवक ने शोर मचाकर सोसाइटी वालों को बुलाया एवं उसने भी जैसे ही टैंक में घुसने का प्रयास किया, लेकिन झुलसने के कारण अंदर नहीं गया।

खेड़ली थाना SHO धीरेन्द्र गुर्जर ने बताया कि लच्छी और आकाश की दम घुटने से मौत हो गई। देर शाम दोनों का पोस्टमॉर्टम करवाया गया। परिजनों ने नौकरी और आर्थिक सहायता की मांग है। साथ ही नवकार वाटिका सोसाइटी के खिलाफ रिपोर्ट दी है। जांच की जा रही है। मृतकों के परिजनों को वाटिका संचालक की ओर से 10-10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की मांग मानी गई।

14 साल पुराने मादक पदार्थ तस्करी केस में सुनाई गई सजा

चारों आरोपियों को 20 साल की जेल; जुर्माना लगा

डीडवाना, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। कुचामन जिले में करीब 14 साल पुराने मादक पदार्थ तस्करी के बहुचर्चित मामले में आखिरकार इंसाफ की घड़ी आ ही गई। अपर सेशन न्यायाधीश कुचामन सिटी ने सुंदरलाल खारोल ने आज एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए चार आरोपियों को 20 साल के कठोर कारावास और 2 लाख रुपये के जुर्माने से दंडित किया। जुर्माना अदा नहीं करने की स्थिति में दो साल की अतिरिक्त सजा भी भुगतनी होगी। कुचामन में अपर लोक अभियोजक मनीष शर्मा ने बताया कि यह मामला 9 जनवरी 2011 का है, जब कुचामन सिटी थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक बिना नंबर की गाड़ी में कुछ लोग अवैध रूप से गांजा लेकर जा रहे हैं और भागने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बाईपास पर एक गाड़ी को रोका, जिसमें चालक सहित कुल चार व्यक्ति सवार थे। गाड़ी की तलाशी लेने पर पीछे की सीट से तीन बैग मिले, जिनमें कुल 50.50 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों में प्रहलाद पुत्र गुलाराम माली (निवासी इटावा भोपजी, सामोद), बलराज पुत्र सीताराम मीणा (निवासी उदयपुरिया, सामोद), छोटन सिंह पुत्र सरदार बुलंद सिंह पंजाबी (निवासी कोलकाता) और गोपाल चंद पुत्र हरदेवराम यादव (निवासी गोविंदगढ़, जिला जयपुर) शामिल थे, जिनको आज न्यायाधीश सुंदर लाल खारोल ने मुकदमा दर्ज होने के 14 साल बाद आए फैसले में 20 साल कैद की सजा सुनाई है। चारों अभियुक्तों के पास न तो गांजा रखने का लाइसेंस था और न ही कोई वैध परमिट। जांच पूरी होने के बाद 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत आरोप पत्र दाखिल किया गया। मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने 19 गवाहों के बयान और 40 दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए। सबूतों और बहसों के आधार पर अदालत ने अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए यह कठोर सजा सुनाई।

पर्यटन स्थल के निकट दो वन्यजीवों की मौत

राजसमंद, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। इन दिनों आग बरसाती भीषण गर्मी में लोगों का जीना मुश्किल हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ यह भीषण गर्मी वन्य जीवों के लिए तो जानलेवा तक साबित होने लगी है। ऐसा ही एक मामला देवगढ़ तहसील की ग्राम पंचायत जीरण के गांव मोयना के पास सांसरियां में सामने आया, जहां एक नर पैंथर की भीषण गर्मी और भूख से मौत हो गई। वहीं, दूसरी तरफ गोरमघाट के जंगलों में पहाड़ी की ऊंचाई से फिसलकर गिरने से एक मादा भालू की मौत हो गई। देवगढ़ वन विभाग के कार्मिकों ने दोनों के शवों को कामलीघाट स्थित रेंज कार्यालय पर लाकर मेडिकल बोर्ड की टीम से पोस्टमार्टम करवाया एवं प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मौजूदगी में दोनों का अंतिम संस्कार करवाया गया। बताया गया कि मोयना के पास सांसरियां गांव की सडक़ के पास पशुओं के पानी पीने की प्याऊ के पास झाड़ियों में एक पैंथर का शव मिलने की खबर से ग्रामीणों में हडक़ंप मच गया और ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। पैंथर का शव मिलने पर ग्राम पंचायत जीरण के प्रशासक चंद्रभान सिंह चुण्डावत ने इसकी सूचना देवगढ़ वन विभाग को दी। सूचना पर रेंजर रणवीर सिंह राजावत, वनपाल मानसिंह मीणा, चित्रा गुर्जर मय टीम मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना कर पैंथर के शव को कब्जे में लिया। वन विभाग की टीम ने शव को कामलीघाट स्थित रेंज कार्यालय पर पहुंचाया। रेंजर ने बताया कि मृत 3 साल के नर पैंथर की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा। हालांकि, अभी तक पैंथर की मौत अत्यधिक गर्मी एवं भूख के चलते होने की संभावना ही जताई जा रही है।

भालू शहद के चक्कर में गिरा ऊंचाई से

इधर, रेंजर रणवीर सिंह ने बताया कि दूसरी तरफ गोरमघाट के जंगलों में विचरण करते समय एक भालू ऊंची पहाड़ी से फिसल गया और नीचे गिरने से उसकी मौत हो गई। भालू के शहद खाने के चक्कर में गिरने की भी बात सामने आई है। इसकी सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया और कामलीघाट स्थित रेंज कार्यालय पर लाए। उन्होंने बताया कि मादा भालू की उम्र लगभग 8 से 10 साल की है। रेंजर ने बताया कि कामलीघाट रेंज कार्यालय पर देवगढ़ के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सतीश शर्मा के निर्देशन में एक मेडिकल बोर्ड गठित किया गया, जिसमें डॉ. संदीप गौतम कालेसरिया, डॉ. मनोज कुमार सैनी ताल एवं डॉ. मोहित जैन कुंआथल को शामिल किया गया। मेडिकल बोर्ड की इस टीम ने पैंथर एवं भालू दोनों के शवों का पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम के बाद दोनों शवों का पुलिस, रेवेन्यू एवं वन विभाग की टीम की मौजूदगी में अंतिम संस्कार कर दिया गया।

बीमारी में भूख-प्यास से मौत

बीमारी के चलते पैंथर के फेफड़ों में पश भर गया था, जिसके चलते वो चल-फिर भी नहीं सकता था और सांस लेने में भी तकलीफ हो रही होगी, जिससे भूख और गर्मी के चलते उसकी मौत हो गई।

ट्रेलर ने बाइक सवार दंपती को मारी टक्कर

मौके पर मौत; भाजपा उपाध्यक्ष ने जताया शोक

नागौर, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। नागौर जिले के सदर थाना क्षेत्र में बीकानेर रोड पर एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में ट्रेलर ने पहले दूध के टैंकर को टक्कर मारी और फिर पीछे से आ रहे बाइक सवार दंपती को रौंद दिया। यह हादसा इतना भयावह था कि मोटरसाइकिल सवार पति-पत्नी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि ट्रेलर और टैंकर दोनों वाहन पलट गए।

घटना गोगेलाव टोल नाके के पास हुई, जहां बीकानेर की ओर जा रहा तेज रफ्तार ट्रेलर असंतुलित होकर सामने चल रहे दूध के टैंकर से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टैंकर सड़क से नीचे जाकर पलट गया। हादसे के वक्त पास ही से गुजर रहे नागौर निवासी दंपती जगदीश विश्नोई और उनकी पत्नी इंदु भी ट्रेलर की चपेट में आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। थानाधिकारी सुरेश जाट ने बताया कि शाम करीब पांच बजे हादसे की सूचना टेलीफोन पर मिली थी। मौके पर पहुंचने पर देखा गया कि ट्रेलर और टैंकर दोनों दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं और मोटरसाइकिल सवार दंपती के शव सड़क पर पड़े हैं। मृतकों की पहचान सथेरण गांव के निवासी 45 वर्षीय जगदीश विश्नोई और 42 वर्षीय उनकी पत्नी इंदु के रूप में हुई। दोनों के शवों को पंडित जवाहरलाल नेहरू राजकीय चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस ने ट्रेलर, टैंकर और बाइक तीनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया। हादसे में घायल ट्रेलर चालक का इलाज जेएलएन अस्पताल में जारी है।

शिक्षक दंपती की असमय मौत पर क्षेत्र में शोक की लहर

दंपती के असामयिक निधन से सथेरण गांव और आस-पास के क्षेत्र में शोक की लहर है। मृतक जगदीश विश्नोई पेशे से शिक्षक थे, जिनकी सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्र में खासी पहचान थी। वहीं, हादसे की खबर मिलते ही भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. ज्योति मिर्धा ने सोशल मीडिया पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि नागौर क्षेत्र में बीकानेर रोड पर गोगेलाव गांव के पास हुए सड़क हादसे में सथेरण गांव निवासी शिक्षक जगदीश विश्नोई और उनकी धर्मपत्नी इन्दु के असामयिक निधन का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने आगे लिखा कि उन्होंने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से बात कर हादसे की जानकारी ली है और पीड़ित परिवार की हरसंभव मदद का आश्वासन दिया है। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति और परिजनों को इस अपार दुःख को सहने की शक्ति देने की कामना की।

तेलंगाना में भीषण गर्मी, उमस और भयंकर तूफान का प्रकोप

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वर्तमान गर्मी का मौसम तीव्र गर्मी का मिश्रण बना हुआ है, जिसमें 42 प्रतिशत से 50 प्रतिशत तक आर्द्रता का स्तर और भी बढ़ गया है, तथा बीच-बीच में तेज हवाओं के साथ अल्पकालिक लेकिन तीव्र तूफान भी आ रहे हैं।

हैदराबाद में पिछले कई दिनों से सुबह के समय तेज गर्मी और उमस का मिश्रण देखने को मिल रहा है, जिससे लोगों को पसीने से तर-बतर होना पड़ रहा है और वे संघर्ष कर रहे हैं। हालांकि, लगभग हर दिन शाम तक आसमान में भयावह बादल छा जाते हैं और गरज के साथ बारिश होने लगती है।

मौसम का वर्तमान रुख कुछ और दिनों तक जारी रहने की उम्मीद है, क्योंकि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)-हैदराबाद ने रविवार को कम से कम दो दिनों के लिए कई स्थानों पर गरज के साथ बारिश और तेज हवाओं का येलो अलर्ट (मध्यम तीव्रता) जारी किया है। जिन जिलों के लिए 48 घंटे के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है उनमें जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोत्तागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबूबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, जनगांव, सिद्दीपेट, यदाद्री भुवनगिरी, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल मलकाजीगिरी, विकाराबाद, संगारेड्डी, मेदक, महबूबनगर, नागरकर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट, जोगुलाम्बा गदवाल शामिल हैं।

आईएमडी-हैदराबाद के पूर्वानुमान में यह भी संकेत दिया गया है कि जिलों में अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस और 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हालांकि, राज्य की राजधानी और आसपास के जिलों मेडचल-मलकाजगिरी, मेदक और रंगारेड्डी जिलों में तापमान 38 डिग्री सेल्सियस से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा।

जिन जिलों में तापमान 41 डिग्री सेल्सियस और 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा उनमें आदिलाबाद, जगतियाल, जोगुलाम्बा गदवाल, कामारेड्डी, करीमनगर, कुमारम भीम आसिफाबाद, महबूबनगर, मंचेरियल, नागरकर्नूल, नारायणपेट, निर्मल, निज़ामाबाद, राजन्ना सिरसिला और वानापर्थी शामिल हैं।

कैंसर के प्रति सभी को जागरूक होना चाहिए : पुरंदेश्वरी

विजयवाड़ा, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राजमहेंद्रवरम सांसद पुरंदेश्वरी ने सभी से कैंसर रोग के खतरों के प्रति जागरूक होने का आह्वान किया है। उन्होंने विजयवाड़ा के पश्चिम में सिटीजन फोर्स कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र के निर्माण की आधारशिला रखी। यह कैंसर अस्पताल पमारू विधानसभा क्षेत्र के मुल्लापुड़ी में बनाया जाएगा। इस अवसर पर सांसद ने याद किया कि उनकी मां बसवतारकम की 1984 में कैंसर से मृत्यु हो गई थी और उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी मां के दर्द को अपनी आंखों से देखा है। उन्होंने कहा कि बसवतारकम कैंसर अस्पताल की स्थापना उनकी मां के दर्द को देखने के बाद की गई थी।

वक्फ की संपत्ति लूटने वालों ने हाथ मिला लिया : बंडी संजय

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय कुमार ने आज इस बात की आलोचना की कि वक्फ बोर्ड की संपत्ति लूटने वाले सभी बड़े नेताओं ने शनिवार की जनसभा में भाग लिया और भाजपा पर जमकर जहर उगला। उन्होंने आरोप लगाया कि मजलिस पार्टी के नेता जहरीले सांपों से भी ज्यादा खतरनाक हैं और कहा कि वे मुस्लिम वोट जीतने के बाद मुसलमानों को लाभ पहुंचाए बिना वक्फ बोर्ड की संपत्ति लूट रहे हैं। बंडी संजय ने आज पेद्दापल्ली में एक निजी कार्यक्रम में भाग लिया और एमआईएम पार्टी प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी द्वारा दारुस्सलाम में आयोजित जनसभा का विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि मजलिस द्वारा आयोजित जनसभा कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम था और कहा कि इस जनसभा के संचालन के लिए रेवंत रेड्डी सरकार जिम्मेदार थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने इस जनसभा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की। उन्होंने दावा किया कि मुसलमानों से प्यार का दिखावा करने वाले मजलिस नेताओं ने वक्फ संपत्तियों को लूटा और मुसलमानों को गंदगी के गर्त में धकेल दिया। उन्होंने आश्चर्य जताया कि क्या हाइड्रा बनाने वाली रेवंत रेड्डी सरकार में वक्फ संपत्तियों के रखरखाव में की गई अनियमितताओं की जांच करने की हिम्मत है? उन्होंने सवाल किया कि क्या यह सच है कि वक्फ की 77,000 एकड़ जमीन में से 80 प्रतिशत पर बीआरएस और एमआईएम पार्टी के नेताओं ने अतिक्रमण किया है? उन्होंने कांग्रेस को चुनौती दी कि क्या उसके पास वक्फ जमीनों की स्थिति पर श्वेत पत्र जारी करने की हिम्मत है।

उम्मीदवारों के मोबाइल नंबर पर भेजे जाएंगे तेलंगाना ईएपीसीईटी के नतीजे

जेएनटीयू-एच ने उठाए कदम

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेएनटीयू) के लिए अब पेज रिफ्रेश करने, सर्वर संबंधी समस्याओं या लॉगिन क्रेडेंशियल भूलने की समस्या नहीं होगी। हैदराबाद तेलंगाना इंजीनियरिंग, कृषि और फार्मेसी कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी ईएपीसीईटी) 2025 के परिणाम सीधे उम्मीदवारों के मोबाइल नंबर पर देने के लिए तैयार है। अभी तक छात्रों को रिजल्ट देखने के लिए अपने क्रेडेंशियल का उपयोग करके विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर लॉग इन करना पड़ता है। हालांकि, सर्वर की समस्याओं और धीमी लोडिंग के कारण छात्रों को कई बार अपने रिजल्ट देखने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इस बार, जेएनटीयू-हैदराबाद अभ्यर्थियों के परिणाम सीधे उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजने की पहल कर रहा है।

विश्वविद्यालय के संदेश में अभ्यर्थी का समग्र प्रदर्शन और रैंक विवरण शामिल होगा, जबकि स्कोरकार्ड पोर्टल से डाउनलोड के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। इस बीच, विश्वविद्यालय ने एएम स्ट्रीम प्रवेश परीक्षा के हॉल टिकट जारी कर दिए हैं, जिन्हें वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। इसी तरह, इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड 22 अप्रैल से डाउनलोड के लिए उपलब्ध होंगे।

इस बार, हॉल टिकट में एक क्विक रिस्पॉन्स कोड होगा जो उम्मीदवारों को उनके संबंधित केंद्रों पर नेविगेट करने में सहायता करेगा। स्मार्टफोन से कोड को स्कैन करने के बाद, गूगल मैप्स एप्लिकेशन में एक लिंक खुलता है जो छात्रों को उनके परीक्षा केंद्रों के लिए अपना रूट मैप देखने में सक्षम बनाता है। वे केंद्र की दूरी और ट्रैफ़िक को ध्यान में रखते हुए वहां पहुंचने का अनुमानित समय भी पता लगा सकते हैं। प्रवेश परीक्षा 29 अप्रैल से आयोजित की जाएगी, जिसमें एएम स्ट्रीम की परीक्षा 29 और 30 अप्रैल को तथा इंजीनियरिंग की परीक्षा 2, 3 और 4 मई को होगी। परीक्षा के लगभग 10 दिन बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे। अब तक प्रवेश परीक्षा के लिए 3.05 लाख लोगों ने पंजीकरण कराया है। 5,000 रुपये की विलंब शुल्क के साथ आवेदन करने की अंतिम तिथि 24 अप्रैल है।

आदिलाबाद में बाइक दुर्घटना

एक की मौत, तीन घायल

आदिलाबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को उत्नूर मंडल के पुलिमद्गु गांव में दो मोटरसाइकिलों की आपस में टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि सलेवाड़ा (के) गांव के लॉरी चालक कोवा प्रकाश (47) को गंभीर चोटें आईं, जबकि पीछे बैठे उसके दोस्त कनक दत्तू और सोयम जलापति तथा दूसरी बाइक पर सवार उसका दोस्त दोनों बाइकों की टक्कर में घायल हो गए। तीनों घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना के समय प्रताप और दत्तू मधुमेह के निदान के लिए इंदरवेल्ली जा रहे थे। प्रकाश के परिजनों से प्राप्त शिकायत के आधार पर जलापति के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बैलगाड़ियों में सवार होकर रैली में जाएंगे किसान

सूर्यापेट, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एकजुटता दिखाने के लिए सूर्यापेट जिले के किसान अपनी पारंपरिक शैली अपनाते हुए बीआरएस रजत जयंती बैठक के लिए वारंगल जाने की तैयारी कर रहे हैं। इस अवसर के लिए गुलाबी रंग से रंगी बैलगाड़ियों के बड़े-बड़े काफिले तैयार हो रहे हैं। कांग्रेस सरकार द्वारा धोखा दिए जाने की भावना से आहत जिले भर के किसान बड़ी संख्या में बैलगाड़ी रैली में शामिल हो रहे हैं, जो बीआरएस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और उनके नेतृत्व के प्रति उनके अटूट समर्थन का प्रतीक है।

अभाव की स्थिति के कारण बड़े पैमाने पर अपनी फसलें खो चुके किसान स्वेच्छा से इस रैली का आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने चंद्रशेखर राव के साथ एक अलग बैठक की मांग की है, ताकि वे कांग्रेस सरकार की विफलताओं के कारण अपनी पीड़ा बता सकें और किसान समुदाय की घटती किस्मत को फिर से संवारने के लिए उनके द्वारा किए गए एक दशक के प्रयासों के लिए अपना आभार व्यक्त कर सकें। सूर्यपेट के विधायक जी जगदीश रेड्डी (जो बैलगाड़ी रैली का नेतृत्व करेंगे) वे किसानों से उनके गांवों और फसल कटाई केन्द्रों में मिल रहे हैं।

क्रोध जीवन का माइनस पॉइंट : डॉ. साध्वीश्री गवेषणा जी

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी सुशिष्या डॉक्टर साध्वी श्री गवेषणा श्रीजी के सामने एंगर लाइफ चेंजर विषय पर रविवार को बोइनपल्ली में विशेष वर्कशॉप का आयोजन किया गया। राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार साध्वी गवेषणा श्री जी ने कहा, क्रोध हमारे विवेक का दुश्मन है, दुःख का अंगार है, कैंसर का आखरी स्टेज है। शान्त का सबसे बड़ा दुश्मन है क्रोध। क्रोध के अनेक कारण है उसमें कुछ कारण है- अहंकार, मन के प्रतिकूल, ईर्ष्या की आग, समझ की कमी। क्रोध मधुर संबंधों में जहर घोलने का कार्य तो करता ही है साथ में हमारे जीवन को खतरनाक भी बना देता है। क्रोध जीवन का माइनस पॉइन्ट है और क्षमा प्लस पॉइन्ट। मंत्र का विशेष जप से कषाय कम किया जा सकता है। साध्वी मयंकप्रभा ने कहा, क्रोध का प्रारंभ नादानी से होता है और उसका अंत पश्चाताप से होता है। शांत वातावरण को अशान्त बनाने वाला तत्व क्रोध, गुस्सा आदि है। जो उपशम का मूल्य नहीं जानता वह जीने की कला भी नहीं जानता। क्रोध को शान्त करने लिए दीर्घश्वास व समवृत्तिका विशेष प्रयोग करवाया। साध्वी मेरुप्रभाजी ने सुमधुर गतिका के साथ वर्तमान की समस्या को रखा। कार्यक्रम की शुरूवात बोइनपल्ली की बहनों के स्वागत गीत से हुई। टीपीएफ के अध्यक्ष वीरेन्द्र घोषल का स्वागत भाषण हुआ। कार्यक्रम में युवापीढ़ी ने दायित्व बोध के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन साध्वी दक्षप्रभा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन संपत नौलखा द्वारा किया गया। मैनेजमेंट मनोज डागा द्वारा किया गया।

एससीसीएल को गोदावरीखानी में सीबीएसई स्कूल खोलने की मिली अनुमति

पेद्दापल्ली, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेनी को इस शैक्षणिक वर्ष से गोदावरीखानी सेक्टर-3 में सीबीएसई पाठ्यक्रम के साथ स्कूल चलाने की अनुमति मिल गई है। इस संबंध में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने शनिवार को सिंगरेनी को सीबीएसई स्कूल स्वीकृत करते हुए आदेश जारी किए। सिंगरेनी स्कूलों में शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए, एससीसीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एन बलराम ने सेक्टर-3 स्कूल, आठ इनक्लाइन कॉलोनी, रामागुडम-II क्षेत्र में सीबीएसई पाठ्यक्रम शुरू करने का फैसला किया है और पिछले साल सीबीएसई से संपर्क किया था।

विद्यालय में उच्च योग्य शिक्षकों के अलावा विशाल कक्षा-कक्ष, प्रयोगशालाएं, खेल का मैदान तथा अन्य सुविधाएं विकसित की गई हैं। सभी सुविधाओं की जांच के बाद सीबीएसई ने अनुमति दे दी है।

सिंगरेनी में कंपनी द्वारा संचालित नौ स्कूलों में से प्रबंधन ने सीबीएसई पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए सेक्टर-3 स्कूल का चयन किया है और 5 करोड़ रुपये खर्च करके स्कूल का विकास किया है। प्रत्येक कक्षा में डिजिटल बोर्ड के अलावा डिजिटल शिक्षण सुविधाएं, आधुनिक विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय, शौचालय, शारीरिक रूप से विकलांग विद्यार्थियों के लिए रोपवे सुविधा विकसित की गई। कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों को सीबीएसई पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाई कराई जाएगी, जबकि कक्षा 9 और 10 के विद्यार्थियों को राज्य पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाई जारी रहेगी। शिक्षकों को सीबीएसई पाठ्यक्रम के अनुसार पाठ पढ़ाने के लिए विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया।

फ्री होम्योपैथी कैंप टाटा केन्वर्थ राजेंद्रनगर में कैंप का उद्घाटन करते हुए भयानगर के प्रमुख समाज सेवक गोपाल बलदावा व डॉ. अनंत रेड्डी व पंडित गणेश जोशी द्वारा किया गया।

कर्नाटक में तीन और ब्राह्मण छात्रों के 'जनेऊ' काटे

सीईटी परीक्षा केंद्रों पर नहीं थम रहा विवाद

बेंगलुरू, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक में इंजीनियरिंग और अन्य फैकल्टी के लिए सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईटी) के दौरान शिवमोगा में एक छात्र का 'जनेऊ' अपवित्र करने की घटना के बीच तीन और नए मामले सामने आए हैं। कर्नाटक के बीदर, गडग और धारवाड़ में तीन और छात्रों को 'जनेऊ' उतारने के लिए मजबूर किया गया है। तीन ब्राह्मण छात्रों ने अब आरोप लगाया है कि या तो उन्हें परीक्षा हॉल में प्रवेश नहीं करने दिया गया या फिर परीक्षा से पहले ही उनके जनेऊ उतारने के लिए उन्हें मजबूर किया गया। एक छात्र ने धारवाड़ में संवाददाताओं से कहा कि इस घटना के बाद मैं इतना परेशान हो गया था कि मैं परीक्षा पर ध्यान केंद्रित नहीं कर सका।

उधर, कर्नाटक के शिवमोगा में सीईटी परीक्षा केंद्र आदिचुंचनगिरि पीयू कॉलेज में छात्रों से परीक्षा कक्ष में प्रवेश करने से पहले उन्हें 'जनिवार' (जनेऊ) उतारने के लिए कहने के आरोप में अधिकारियों के खिलाफ एक मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि परीक्षा केंद्र पर तैनात दो होमगार्ड को इस सिलसिले में निलंबित कर दिया गया है, जिन्होंने छात्रों से जनेऊ उतारने को कहा था। यह मामला 'कर्नाटक ब्राह्मण सभा' के सदस्य नटराज भागवत की शिकायत के बाद शुक्रवार को दर्ज किया गया।

अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त रुशिकोंडा में प्रतिष्ठित स्वर्ण नगरी

इस महीने की 24 तारीख को त्रिदंडी चिन्ना जीयर स्वामी द्वारा आधारशिला रखी जाएगी

पहले चरण में 180 विला : प्रमोटर मुरली कृष्णा, संतोष

विशाखापट्टनम, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रमोटर के.के. मुरली कृष्णा और के. संतोष ने खुलासा किया। रविवार को होटल डॉल्फिन में आयोजित एक मीडिया सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि त्रिदंडी चिन्ना जीयर स्वामी परियोजना की आधारशिला इस महीने की 24 तारीख को रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में 4,500 से 10,000 वर्ग फीट क्षेत्रफल वाले 180 विला का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक परिसर, कन्वेंशन सेंटर, पांच सितारा होटल, आईटी टावर और प्रीमियम अपार्टमेंट जैसी संरचनाएं चरणबद्ध तरीके से बनाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि वे 45,000 वर्ग फीट में एक विशाल क्लब हाउस का निर्माण कर रहे हैं। यह कहा गया कि विशाखापट्टनम और तिरुपति में पांच सितारा होटल उपलब्ध कराये जायेंगे। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने गृह राज्य आंध्र प्रदेश में भारी निवेश करने के इरादे से विशाखापट्टनम में श्री राम प्रॉपर्टीज के पास विला का निर्माण कार्य शुरू किया है और वे एनसीसी की भूमि पर प्रतिष्ठित सिटी ऑफ गोल्ड टाउनशिप का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनके पास रियल एस्टेट क्षेत्र में 25 वर्षों का अनुभव है और उन्होंने गार्डन सिटी रियलटर्स नाम से बेंगलुरू में और साइबर सिटी नाम से हैदराबाद में हजारों अपार्टमेंट और विला बेचे हैं। इस अवसर पर प्रतिष्ठित सिटी ऑफ गोल्ड ब्रोशर प्रस्तुत किया गया, जिसमें कहा गया कि यह पहली बार है कि निर्माण क्षेत्र में हरित भवन अवधारणा पेश की गई है।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पिकेट में स्वच्छ पेयजल व्यवस्था हुई

आरो प्लांट विद्यालय में 1975 बैच के पूर्व विद्यार्थियों का योगदान

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पिकेट में आज एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में नवनिर्मित आरो प्लांट का उद्घाटन समारोह रविवार को संपन्न हुआ। इस गरिमामय कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य, रूपेंदर सिंह ने की। उद्घाटन समारोह में विद्यालय के सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे, जिन्होंने इस महत्वपूर्ण पहल की सराहना की। यह आरो प्लांट विद्यालय के 1975 बैच के पूर्व विद्यार्थियों के स्नेह और समर्पण का प्रतीक है, जिन्होंने इसे विद्यालय को दान स्वरूप भेंट किया है। प्राचार्य श्री रूपेंदर सिंह ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए 1975 बैच के पूर्व छात्रों के इस उदार योगदान की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह रो प्लांट न केवल वर्तमान छात्रों के लिए स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित करेगा, बल्कि यह पूर्व और वर्तमान छात्रों के बीच एक मजबूत बंधन का भी प्रतीक होगा। उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे भी भविष्य में विद्यालय और समाज के विकास में अपना योगदान दें। इस अवसर पर कुछ वरिष्ठ शिक्षकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और पूर्व छात्रों के इस प्रयास को सराहा। उन्होंने कहा कि स्वच्छ पेयजल विद्यालय की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता थी, जो अब इस आरो प्लांट के माध्यम से पूरी हो सकेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

एनडीए गठबंधन...

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी समझते हैं कि बिहार वालों को ज्ञान की कमी है। जबकि सारे ज्ञानी लोग बिहार की भूमि से आते हैं। वसूलों पर चलते हैं।

पीएम मोदी झगड़ा कराते हैं :

खड़गे ने कहा, मोदी जी ने जबरन वक्फ कानून बनाया। जहां सालों से झगड़ा नहीं था, अब वहां झगड़ा करना चाहते हैं। आरएसएस-बीजेपी गरीबों, पिछड़ों, महिलाओं के दोस्त हो नहीं सकते। मनु स्मृति में लिखा है कि महिलाओं को शिक्षित नहीं करना चाहिए। पवित्र काम में शामिल नहीं करना चाहिए, जबकि बाबा साहेब ने इन्हें सम्मान दिया।

नेशनल हेराल्ड केस का जिक्र करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि नेशनल हेराल्ड समेत 3 न्यूज पेपर पंडित जवाहरलाल नेहरू ने भारतीयों की आवाज अंग्रेजों तक पहुंचाने के लिए निकाला। आज उसके चेयरमैन पर केस किया गया है। उस कंपनी की प्रॉपर्टी कोई बेच नहीं सकती है। क्या सोनिया, राहुल या प्रियंका गांधी उसे बेचेंगे। लेकिन आप केस कर रहे हो। उसका पैसा कोई हड़प नहीं सकता, लेकिन मोदी-शाह सोनिया गांधी को डराकर राहुल और प्रियंका जी को डराने की कोशिश कर रहे हैं। ये लोग किसी से डरने वाले नहीं हैं।

तुम्हारा तो एक कुत्ता भी नहीं मरा :

बक्सर में खड़गे ने कहा कि राजीव गांधी देश के लिए कुर्बान हो गए। जिस घर में इंदिरा गांधी देश की एकता की लिए जान कुर्बान हो गईं। राजीव गांधी के शरीर के टुकड़े हो गए। जब उनका शरीर लाया गया तो कोई पहचान नहीं पाया। गांधी फैमिली ये है। तुम्हारा तो एक कुत्ता भी देश के नहीं मरा। नीतीश जी आप उनलोगों से मिल गए, जिन्होंने गांधी को मारा।

राहुल सत्ता के लालची होते तो कश्मीर से कन्याकुमारी तक पैदल नहीं चलते। देश को दिशा दिखाने वाले लोग हमारे पास हैं। नेहरू जी ने अपना घर देश के लिए दान दिया। क्या राहुल-प्रियंका उस संपत्ति के लिए लड़ रहे हैं। किसी ने पिता को खोया, दादी को, नाना को खोया। उनके खिलाफ आज आरएसएस और बीजेपी बहुत बातें करती हैं। इसलिए आपको सतर्क रहना होगा।

खड़गे ने कहा कि मोदी जी हमें दुश्मन की तरह देखते हैं। इसलिए राहुल-सोनिया जी, वाड्रा पर केस किया। नेशनल हेराल्ड केस के जरिए कांग्रेस को खत्म करने की साजिश बीजेपी ने रची है। वो सोचते हैं नेशनल हेराल्ड केस में परेशान करेंगे तो वो चुप बैठेंगे और पार्टी का मनोबल टूटेगा।

ये लोग ईडी, और दूसरी जांच एजेंसी का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कांग्रेस रुकने और झुकने वाली नहीं है। पीएम मोदी ने वादा किया था कि 2 करोड़ नौकरियां हर साल देंगे। 11 साल हो लेकिन 22 करोड़ नौकरियां कहां है। नीतीश कुमार से जनता को पूछना चाहिए कि आप और आपके दोस्त नौकरी देने वाले थे। वो नौकरी कहां है। बिहार के युवा नौकरी के लिए बाहर जाते हैं।

हम डरेंगे नहीं ...

हमें पूरा विश्वास है कि हम यह लड़ाई भी जीतेंगे। भाजपा इस कानून को लेकर भी जनता के बीच भ्रम फैला रही है, जिसे उजागर किया जाना जरूरी है। आम चुनावों से ठीक पहले कांग्रेस के बैंक खाते सील किए गए थे। इसके बावजूद कांग्रेस पार्टी मजबूत होकर उभरी और संसद में अपनी ताकत दोगुनी की।

ईडी का आरोप- 2,000 करोड़ की संपत्तियों पर 50 लाख रुपये में कब्जा किया :

ईडी का आरोप है कि कांग्रेस नेताओं ने साजिश के तहत एसोसिएटेड जर्नल्स लि. (एजेएल) की 2,000 करोड़ की संपत्तियों पर कब्जे के लिए उसका अधिग्रहण निजी स्वामित्व वाली कंपनी 'यंग इंडियन' के जरिए केवल 50 लाख रुपये में कर लिया। इस कंपनी के 76 प्रतिशत शेयर सोनिया व राहुल के पास हैं। इस मामले में 'अपराध से अर्जित आय' 988 करोड़ रुपये की मानी गई। साथ ही संबद्ध संपत्तियों का बाजार मूल्य 5,000 करोड़ रुपये बताया गया है।

सोनिया-राहुल से घंटों हुई थी पूछताछ :

जून 2022 में नेशनल हेराल्ड केस में राहुल गांधी से 5 दिनों में 50 घंटे पूछताछ हुई थी। फिर 21 जुलाई 2022 में नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी से 3 दिन में 12 घंटे सवाल हुए थे। इस दौरान उनसे 100 से ज्यादा सवाल किए गए।

नेशनल हेराल्ड केस क्या है :

भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने 2012 में दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में एक याचिका दाखिल करते हुए सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस के ही मोतीलाल वोरा, ऑस्कर फर्नांडीज, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे पर घाटे में चल रहे नेशनल हेराल्ड अखबार को धोखाधड़ी और पैसों की हेराफेरी के जरिए हड़पने का आरोप लगाया था।

आरोप के मुताबिक, कांग्रेसी नेताओं ने नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों पर कब्जे के लिए यंग इंडियन लिमिटेड ऑर्गेनाइजेशन बनाया और उसके जरिए नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन करने वाली एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड (एजेएल) का अवैध अधिग्रहण कर लिया।

स्वामी का आरोप था कि ऐसा दिल्ली के बहादुर शाह जफर मार्ग स्थित हेराल्ड हाउस की 2000 करोड़ रुपये की बिल्डिंग पर कब्जा करने के लिए किया गया था।

स्वामी ने 2000 करोड़ रुपये की कंपनी को केवल 50 लाख रुपये में खरीदे जाने को लेकर सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत केस से जुड़े कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की मांग की थी।

जून 2014 ने कोर्ट ने सोनिया, राहुल समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ समन जारी किया। अगस्त 2014 में ईडी ने इस मामले में एक्शन लेते हुए मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया। दिसंबर 2015 में दिल्ली के पटियाला कोर्ट ने सोनिया, राहुल समेत सभी आरोपियों को जमानत दे दी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बेंगलुरु ने पंजाब को 7 विकेट से हराया

कोहली 73 रन बनाकर नाबाद रहे

मोहाली, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आईपीएल 2025 के 37वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को उनके घर पर हरा दिया है। टीम ने अब तक अवे मैचों में अपने 100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड बरकरार रखा है। आरसीबी ने जो तीन मैच गंवाए हैं, वह अपने घरेलू मैदान पर गंवाए हैं। घर से बाहर टीम ने अपने पांचों मैच जीते हैं। बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब की टीम 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 157 रन बना सकी। जवाब में बेंगलुरु ने 18.5 ओवर में तीन विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

विराट कोहली 73 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, देवदत्त पडिक्कल ने 61 रन बनाए। इस जीत के साथ बेंगलुरु की टीम 10 अंक लेकर अंक तालिका में तीसरे स्थान पर आ गई है। वहीं, पंजाब की टीम चौथे स्थान पर लुढ़क गई है। उसके भी 10 अंक हैं। पंजाब ने अब तक आठ में से पांच मैच जीते हैं और तीन में हार का सामना करना पड़ा है।

बेंगलुरु का अगला मैच 24 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स से बेंगलुरु में है। वहीं, पंजाब का अगला मैच कोलकाता नाइट राइडर्स से ईडन गार्डेंस में है। इससे पहले क्रुणाल पांड्या और सुयश शर्मा ने अच्छी गेंदबाजी की थी और दो-दो विकेट लिए थे। पंजाब को कम स्कोर पर रोकने में इनका अहम योगदान रहा था। पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह ने सबसे ज्यादा 33 रन बनाए थे।

आईपीएल 2025 के बीच टीम इंडिया के पूर्व कप्तान पर बड़ा झटका

स्टेडियम में बनवाया था खुद के नाम का स्टैंड

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दिग्गज भारतीय क्रिकेटर और टीम इंडिया के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन को बड़ा झटका लगा है. IPL 2025 के बीच हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने बड़ा एक्शन लेते हुए राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में एक स्टैंड से उनके नाम को हटा दिया है. दरअसल, स्टेडियम के नॉर्थ पवेलियन में उनके नाम से बने स्टैंड पर काफी समय से विवाद जारी था. इसके खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी. अजहरुद्दीन पर नियमों के खिलाफ जाकर खुद के नाम से स्टैंड बनवाने का आरोप था. इसी मामले में लोकपाल ने फैसला सुनाया है. पूर्व चीफ जस्टिस वी ईश्वरैया ने अजहरुद्दीन पर आदेश देते कहा है कि उनके नाम से टिकट बिक्री समेत अब कोई भी काम नहीं होगा.

अजहरुद्दीन के खिलाफ क्यों हुई थी शिकायत?

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, एचसीए के सदस्य लॉर्ड्स क्रिकेट क्लब ने फरवरी 2024 में अजहरुद्दीन के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई थी. क्लब ने आरोप लगाया था कि अजहरुद्दीन ने स्टैंड का नाम बदलने के बाद अपने नाम पर रखा, जो मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन और नियमों के खिलाफ है. शिकायत के अनुसार, अजहरुद्दीन एचसीए के अध्यक्ष पद पर रहते हुए स्टैंड का नाम बदलने के पक्ष में मतदान किया था, जो सीधे तौर पर 'हितों के टकराव' का मामला है.

लोकपाल ने शिकायत को सही पाया और अपने फैसले में भी कहा है कि अजरुद्दीन ने एसोसिएशन के सबसे बड़े पद पर रहते हुए खुद को फायदा पहुंचाया है. दरअसल, 2019 में अजहरुद्दीन हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन का अध्यक्ष पद संभाल रहे थे. इसी दौरान उन्होंने एक मीटिंग बुलाई थी, जिसमें स्टेडियम के नॉर्थ स्टैंड का नाम चेंज करके उनके नाम पर रखने का फैसला लिया गया था.

वीवीएस लक्ष्मण का नाम होगा स्टैंड

अजहरुद्दीन से पहले हैदराबाद के स्टेडियम में मौजूद ये स्टैंड पूर्व भारतीय क्रिकेटर और वर्तमान में एनसीए के हेड वीवीएस लक्ष्मण के नाम था. LCC ने अनुरोध किया था कि अजहरुद्दीन का नाम हटाकर इसे वापस लक्ष्मण के नाम पर रख दिया जाए. इसके अलावा टिकट छापने समेत सभी काम उनके नाम से ही हो. लोकपाल ने इस मांग को मान लिया है. अब 6 साल बाद ये स्टैंड वापस वीवीएस लक्ष्मण के नाम पर हो जाएगा.

अजहरुद्दीन ने इस मामले पर दी प्रतिक्रिया

मोहम्मद अजहरुद्दीन ने अपनी प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि वह इस मामले को अदालत में ले जाएंगे. अजहरुद्दीन ने कहा, "इसमें 'हितों का कोई टकराव नहीं है.' मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता, मैं इस स्तर तक नहीं गिरना चाहता. क्रिकेट जगत एसोसिएशन पर हंसेगा. हैदराबाद में क्रिकेटरों के साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है. 17 साल तक क्रिकेट खेला, उसमें लगभग 10 साल टीम की कप्तान की. अब यह ऐसी स्थिति देखने को मिल रही है. हम 100% कोर्ट जाएंगे और कानून अपना काम करेगा."

गुजरात टाइटन्स को लगा बड़ा झटका, कप्तान शुभमन गिल पर लगा भारी जुर्माना

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल पर अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 35वें मैच के दौरान उनकी टीम द्वारा धीमी ओवर-रेट बनाए रखने के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है.

शुभमन गिल पर लगा 12 लाख का जुर्माना

यह गुजरात टाइटन्स का इस सीजन का पहला ओवर-रेट अपराध था, इसलिए आईपीएल की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है, गिल पर न्यूनतम 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया.

आईपीएल 2025 पर इन कप्तानों पर लग चुका का फाइन

आईपीएल के मौजूदा सीजन में इससे पहले, दिल्ली कैपिटल्स के अक्षर पटेल, मुंबई इंडियंस के हार्दिक पांड्या, राजस्थान रॉयल्स के रियान पराग और संजू सैमसन, और लखनऊ सुपर जायंट्स के ऋषभ पंत अन्य कप्तान थे जिन पर ओवर-रेट अपराधों के लिए जुर्माना लगाया गया था.

मैच की बात करें तो, जोस बटलर ने सिर्फ 54 गेंदों पर नाबाद 97 रनों की पारी खेली. जिसकी मदद से गुजरात टाइटन्स ने अहमदाबाद में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 4 गेंद शेष रहते 204 रनों के लक्ष्य को हासिल किया. बटलर ने साई सुदर्शन के साथ 60 और शेरफेन रदरफोर्ड के साथ 119 रनों की साझेदारी की, जिससे जीटी ने आईपीएल में अपने इतिहास में पहली बार 200 से अधिक के स्कोर का सफलतापूर्वक पीछा किया.

इससे पहले गुजरात टाइटन्स को लंबे कद के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने 4 ओवर में 41 रन देकर 4 विकेट चटकाए, जबकि मोहम्मद सिराज, अरशद खान, इशांत शर्मा और आर. साई किशोर ने 1-1 विकेट लिया. दिल्ली कैपिटल्स की ओर से कप्तान अक्षर पटेल (39) टॉप स्कोरर रहे. आशुतोष शर्मा ने आखिरी में 37 रनों की पारी खेलकर स्कोर को 200 के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई.

जीटी प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पर पहुंची

इस हार के साथ दिल्ली कैपिटल्स अब अब प्वाइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर आ गई है, क्योंकि गुजरात टाइटन्स का नेट रन रेट बेहतर है.

आईपीएल 2022 की चैंपियन गुजरात अब 7 मैचों में 10 अंकों के साथ 2025 सीजन की शीर्ष पर पहुंच गई है. गुजरात अपने अगले मुकाबले में सोमवार शाम को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में गत चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स से भिड़ेगी.

विमेंस वर्ल्ड कप के लिए भारत नहीं आएगा पाकिस्तान

पीसीबी चीफ बोले- हाइब्रिड मॉडल के तहत बीसीसीआई और आईसीसी न्यूट्रल वेन्यू करने का ऐलान

इस्लामाबाद, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बहुत बड़ा एलान करके बताया है कि वीमेंस वर्ल्ड कप 2025 के लिए पाक टीम भारत नहीं जाएगी. बता दें कि वीमेंस वर्ल्ड कप 2025 का आयोजन इसी साल भारतीय सरजमीं पर होने वाला है. महिला वर्ल्ड कप में कुल 8 टीम खेलेंगी, जो 29 सितंबर-26 अक्टूबर तक खेला जाएगा. भारत ना जाने का कारण देते हुए पीसीबी का कहना है कि चैंपियंस ट्रॉफी में जिस तरह टीम इंडिया पाकिस्तान नहीं आई थी, उसी तरह पाकिस्तान की महिला टीम विश्व कप के लिए भारत नहीं जाएगी.

PCB चेयरमैन मोहसिन नकवी ने भारत को हेकड़ी दिखाते हुए कहा, ₹जिस तरह भारत चैंपियंस ट्रॉफी के मैच खेलने पाकिस्तान नहीं आया था और उसे न्यूट्रल वेन्यू पर मैच खेलने की अनुमति दी गई थी, उसी तरह पाक टीम के लिए जो भी न्यूट्रल वेन्यू चुना जाता है, टीम वहां खेलने के लिए तैयार रहेगी. जब कोई समझौता हो चुका हो, उसका पालन होना ही चाहिए.

पीसीबी चीफ ने की महिला टीम की तारीफ

पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम ने हाल ही में वीमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के लिए क्वालीफाई किया है. पाकिस्तान ने वीमेंस वर्ल्ड कप क्वालीफायर टूर्नामेंट में अपने सभी 5 मैच जीतकर विश्व कप टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर लिया है. पीसीबी चीफ ने अपनी टीम की तारीफ करके कहा, ₹हमारी टीम ने दिखाया कि होम एडवांटेज कैसे लिया जाता है और हम एक टीम की तरह खेले. महिला क्रिकेट टीम को अच्छा करता देख मैं खुश हूं.

बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने बताया कि इस शानदार प्रदर्शन के लिए पाकिस्तानी की महिला टीम को तोहफा दिया जाएगा. चैंपियंस ट्रॉफी के दौर को याद करें तो भारतीय टीम के मुकाबले दुबई में हुए थे. उस समय पीसीबी इस शर्त पर भारत के मैच दुबई में करवाने के लिए राजी हुआ था कि भारत में आगे जो भी आईसीसी इवेंट होगा, उसमें पाकिस्तान टीम के भी मैच न्यूट्रल वेन्यू पर करवाए जाएंगे.

भारतीय टीम से छुट्टी के बाद दोबारा केकेआर से जुड़े अभिषेक नायर

लगाएंगे एक और खिताब के लिए जोर

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय टीम के पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर एक बार फिर कोलकाता नाइट राइडर्स के ड्रेसिंग रूम में नजर आएंगे। उनकी गत विजेता केकेआर के खेमे में वापसी हो गई है। इसकी जानकारी फ्रेंचाइजी की तरफ से एक्स पर दी गई। हालांकि, इस पोस्ट में यह नहीं बताया गया कि उनकी किस पद पर वापसी हुई है।

यह पहला मौका नहीं है जब अभिषेक नायर केकेआर का हिस्सा बने हैं। इससे पहले वह 2018 से 2024 तक आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे। पिछले साल जुलाई में उन्हें भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के कोचिंग स्टाफ में शामिल किया गया था। हालांकि, आठ महीने बाद उन्हें सहायक कोच के पद से बर्खास्त कर दिया गया।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को एक चौंकाने वाला फैसला लेते हुए फील्डिंग कोच टी दिलीप और असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर को भारतीय टीम के कोचिंग स्टाफ से हटा दिया था। बीसीसीआई ने यह कार्रवाई ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में भारत की शर्मनाक हार के बाद की।

अभिषेक को आठ महीने पहले ही असिस्टेंट कोच नियुक्त किया गया था, जब गौतम गंभीर ने मुख्य कोच का पद संभाला था। हालांकि, अब उन्हें सहायक कोच की उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया है। उनके साथ फील्डिंग कोच टी. दिलीप और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच सोहम देसाई को भी बर्खास्त कर दिया गया है। इसके अलावा टीम में खिलाड़ियों का मसाज करने वाले एक स्टाफ को भी बर्खास्त किया गया है।

द्रविड़ का कार्यकाल टी20 विश्व कप 2024 के बाद समाप्त हो गया था। इसके बाद बीसीसीआई ने गंभीर को मुख्य कोच बनाया था। गंभीर ने अपने सहयोगी के तौर पर कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़े अपने साथियों को टीम से जोड़ा था। गंभीर भारतीय टीम के मुख्य कोच बनने से पहले केकेआर के मेंटर रहे थे और तब उसी टीम में अभिषेक नायर, रेयान टेन डेशकाटे सहयोगी स्टाफ रहे थे। मोर्ने मोर्कल ने गंभीर के साथ लखनऊ सुपर जाएंट्स में काम किया था। दिलीप द्रविड़ के समय से ही फील्डिंग कोच के पद पर बने हुए थे। हालांकि, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में करारी हार के बाद अभिषेक पर सवाल खड़े हो रहे थे। बीसीसीआई ने इसके बाद एनसीए और भारत-ए के कोच सितांशु कोटक को सीमित ओवर के क्रिकेट के लिए बतौर बैटिंग कोच टीम इंडिया से जोड़ा था। भारत ने फिर चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम किया था।

कोच फुल्टन ने की भारतीय हॉकी टीम की तारीफ

कहा- राष्ट्रीय चैंपियनशिप से नई प्रतिभाएं मिलीं

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रीय चैंपियनशिप में युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन से प्रभावित भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि देश की हॉकी में काफी गहराई है और मजबूत 'बेंच स्ट्रेंथ' वाली टीम बनाने के लिए अगले 18 महीने महत्वपूर्ण होंगे। फुल्टन को हाल में समाप्त हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान भारत की क्षेत्रीय प्रतिभा को जानने और समझने का मौका मिला। फुल्टन ने कहा, 'जब हमने अपनी मजबूती पर जोर दिया तो मैच काफी करीबी रहे। भारतीय हॉकी में काफी गहराई है विशेषकर गोलकीपिंग और कुछ अन्य क्षेत्रों में जिसे देखना बहुत अच्छा था। उन खिलाड़ियों को पहचानना भी उत्साहजनक था, जिन्होंने पहले लीग में भाग नहीं लिया था।' मुख्य कोच ने क्षेत्रीय टीमों के प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि जहां विजेता पंजाब का मजबूत पक्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की मौजूदगी था, वहीं शीर्ष चार टीमों ने कुल मिलाकर अच्छे संतुलन और गुणवत्ता का प्रदर्शन किया।

उन्होंने कहा, 'कुछ क्षेत्र निश्चित रूप से दूसरों की तुलना में मजबूत थे। उदाहरण के लिए, पंजाब सबसे अधिक संख्या में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ उतरा था जिसका उसे फायदा मिला। इसके अलावा शीर्ष चार टीमों में प्रतिभा का अच्छा संतुलन था।' फुल्टन ने एशिया कप चक्र के लिए एक नए कोर ग्रुप के गठन के संदर्भ में कहा कि उनका ध्यान खिलाड़ियों की उम्र पर नहीं बल्कि विशिष्ट भूमिकाओं के लिए सही खिलाड़ियों को खोजने पर है। उन्होंने कहा, 'यह अधिक युवा खिलाड़ियों को लाने के बारे में नहीं है। यह उचित भूमिकाओं के लिए सही खिलाड़ियों की पहचान करने से जुड़ा है।' फुल्टन ने कहा, 'हम जल्द ही एक अभ्यास शिविर आयोजित करने जा रहे हैं जिसमें 54 खिलाड़ी भाग लेंगे।

सौरभ चौधरी को उम्मीदें और लक्ष्य की चिंता नहीं

विश्व कप में स्वर्ण जीतकर शानदार वापसी की

नई दिल्ली, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। हाल ही में ब्यूनस आयर्स और लीमा में आईएसएसएफ विश्व कप में कांस्य और स्वर्ण पदक जीतने वाले भारतीय निशानेबाद सौरभ चौधरी को अपने लक्ष्य की चिंता नहीं है। सौरभ ने कहा कि वह पदक जीतने, लक्ष्य निर्धारित करने और उम्मीदों को पूरा करने के लिए अपनी नींद गंवाने की जगह कदम दर कदम आगे बढ़ना चाहेंगे। सौरभ ने शानदार प्रदर्शन के दम पर शीर्ष स्तर की निशानेबाजी में वापसी की है।

दो साल बाद की वापसी

पिस्टल निशानेबाज सौरभ ने दो साल के बाद वापसी की है। सौरभ खराब फॉर्म के कारण कुछ समय से बाहर थे और उन्होंने अपने करियर में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। सौरभ ने हालांकि, सुरुचि सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर मिश्रित टीम एयर पिस्टल प्रतियोगिता में कांस्य और स्वर्ण पदक जीता, जबकि लीमा में 10 मीटर व्यक्तिगत एयर पिस्टल स्पर्धा में तीसरा स्थान भी हासिल किया।

ट्रेनिंग पर ध्यान केंद्रित कर रहे सौरभ

सौरभ ने कहा, मैंने बस कड़ी मेहनत की और कभी-कभी तकनीकी रूप से भी पिस्टल के साथ प्रयोग किया। मैंने भविष्य के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया है

और मुझे इस बात की चिंता नहीं है कि दूसरे मुझसे क्या उम्मीद कर रहे हैं। मैं सिर्फ अपनी ट्रेनिंग पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं और अच्छी निशानेबाजी करना चाहता हूं और लगातार सुधार करना चाहता हूं। जब मैं टीम का हिस्सा नहीं था, तो मुझे समझ नहीं आता था कि मेरे साथ क्या गलत था। लेकिन धीरे-धीरे चीजें बदलने लगी।

उन्होंने कहा, मुझे एनआईएआई के ट्रायल में पहली बार महसूस हुआ कि मैं लय हासिल कर रहा हूं। इसके बाद दूसरे प्रशिक्षण के दौरान मुझे आत्मविश्वास महसूस होने लगा। हमारे पास कुछ बहुत अच्छे युवा निशानेबाज हैं जिन्होंने हाल के दिनों मे अपनी प्रतिभा से प्रभावित किया है।

अर्जुन बाबुता मामूली अंतर से स्वर्ण पदक चूके

भारत पदक तालिका में तीसरे स्थान पर

लीमा (पेरू), 20 अप्रैल (एजेंसियां)। पेरिस ओलंपिक में भाग ले चुके भारतीय निशानेबाज अर्जुन बाबुता यहां आईएसएसएफ विश्व कप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूक गए और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि आर्या बोरसे महिलाओं की स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहीं। पिछले साल पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे बाबुता (252.3) रोमांचक फाइनल में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चीन के शेंग लिहाओ (252.4) से सिर्फ 0.1 अंक से हार गए।

विश्व कप में 40 से अधिक पदक

जीत चुके हंगरी के निशानेबाज इस्तवान पेनी ने 229.8 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। फाइनल में कई स्टार निशानेबाज पहुंचे थे जिनमें मौजूदा विश्व चैंपियन और पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता स्वीडन के विक्टर लिंडग्रेन, नॉर्वे के जॉन-हरमन हेग और भारत के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल शामिल थे। भारत के पास दो पदक जीतने का मौका था, लेकिन दुर्भाग्य से तकनीकी खराबी के कारण पाटिल को जूरी ने अपना 11वां शॉट नहीं लेने दिया। इस तरह से यह भारतीय निशानेबाज पहले एलिमिनेशन चरण में हारकर आठवें स्थान पर रहा। फाइनल में बाबुता और पाटिल दोनों ने समान 10.1 के साथ मजबूत शुरुआत की। पाटिल ने पिछले सप्ताह ब्यूनस आयर्स में विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन इस बार भाग्य उनके साथ नहीं था और उन्हें फाइनल के शुरू बाहर होना पड़ा। पाटिल के बाहर हो जाने के बावजूद बाबुता शांत रहे और उन्होंने 14वें शॉट के बाद पहली बार बढ़त ले ली। शेंग ने इसके बाद अच्छी वापसी की। बाबुता को एक समय 0.3 अंक की मामूली बढ़त हासिल थी लेकिन चीन के निशानेबाज में 10.9 अंक का निशाना साधकर बढ़त बना दी। बाबुता का अंतिम स्कोर 10.5 फिर से बढ़त हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं था।

गूगल के सीईओ भी वैभव सूर्यवंशी के हुए दीवाने

14 साल की उम्र में बड़े-बड़े छक्के लगाते देख हुए हैरान, ऐसे की तारीफ

खेल डेस्क, 20 अप्रैल (एजेंसियां)। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल इतिहास में सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बनकर इतिहास रच दिया है. बिहार के इस लड़के ने 14 साल और 23 दिन की उम्र में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के लिए अपना आईपीएल डेब्यू किया. सबसे बड़ी बात ये रही कि उन्होंने अपनी पहली ही गेंद पर जोरदार छक्का जड़ दिया. उनका ये दबंग अंदाज देखकर हर कोई हैरान रह गया. यहां तक कि गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई भी वैभव के दीवाने हो गए. इतनी कम उम्र में बड़े-बड़े गेंदबाजों के सामने निडर होकर खेलते देख वो काफी प्रभावित हुए और वैभव की जमकर तारीफ की.

वैभव सूर्यवंशी ने सवाई मानसिंह स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर के खिलाफ पहली ही गेंद पर जैसे ही छक्का लगाया, पूरे स्टेडियम में शोर गूंज उठी. इसके बाद भी वो रुके नहीं. वो अपनी बल्लेबाजी जलवा बिखेरते रहे और महज 20 गेंदों में 170 के स्ट्राइक रेट से 34 रन ठोक दिए. इस दौरान उन्होंने 3 छक्के और 2 चौके लगाए. बिहार के समस्तीपुर जिले से आने वाले वैभव की ताबड़तोड़ बैटिंग देख गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने सोशल मीडिया पर तारीफ करते हुए एक पोस्ट लिखा, "8वीं क्लास के बच्चे को आईपीएल में खेलते देखने के लिए उठा!!!! क्या शानदार डेब्यू किया है!' राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा था. तब वो 13 साल के थे और आईपीएल कॉन्ट्रैक्ट पाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे. 19 अप्रैल को राजस्थान ने उन्हें टीम के कप्तान संजू सैमसन के चोटिल होने पर मौका दिया, जिसका उन्होंने भरपूर फायदा. अब उनकी ये विस्फोटक पारी देखकर अगले मैच में भी उनके खेलने की संभावना जताई जा रही है. बता दें इससे पहले वैभव ने साल 2024 में 12 की उम्र में रणजी ट्रॉफी में बिहार के लिए फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था.

आरटीसी जल्द ही 3,038 पदों के लिए अधिसूचना जारी करेगा : पोन्नम

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने घोषणा की है कि तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) जल्द ही 3,038 पदों पर भर्ती करेगा। उन्होंने काफी अंतराल के बाद आरटीसी में भर्ती प्रक्रिया शुरू होने पर संतोष व्यक्त किया। रविवार को यहां एक बयान में, मंत्री ने खुलासा किया कि राज्य सरकार ने इन 3,038 पदों पर भर्ती के लिए आगे बढ़ने की मंजूरी दे दी है। जल्द ही एक अधिसूचना जारी की जाएगी, और भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी। पोन्नम ने कहा, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार आरटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा दे रही है, जिससे महिला यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आज तक 165 करोड़ महिलाओं ने आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा की है, जिससे 5,500 करोड़ रुपये की बचत हुई है। महा लक्ष्मी योजना के कार्यान्वयन का समर्थन करने के लिए निगम ने नई बसें भी खरीदी हैं और आरटीसी अब अपनी रिक्तियों को भरने के लिए तैयार है। कुल 3,038 नौकरियों में से 2,000 ड्राइवर के लिए हैं, इसके बाद 743 मजदूर, 84 डिप्टी सुपरिंटेंडेंट (ट्रैफिक), 114 डिप्टी सुपरिंटेंडेंट (मैकेनिकल), 25 डिपो मैनेजर/असिस्टेंट ट्रैफिक मैनेजर, 18 असिस्टेंट मैकेनिकल इंजीनियर, 23 असिस्टेंट इंजीनियर (सिविल), 11 सेक्शन ऑफिसर (सिविल), 6 अकाउंट ऑफिसर, 7 जनरल मेडिकल ऑफिसर और 7 स्पेशलिस्ट मेडिकल ऑफिसर के लिए हैं। तेलंगाना में सत्ता संभालने के बाद से कांग्रेस सरकार ने विभिन्न विभागों में 60,000 से अधिक पदों पर नियुक्तियां की हैं। अब, जल्द ही 3,038 रिक्तियों वाली एक महत्वपूर्ण नौकरी की घोषणा की जाएगी। मंत्री ने बेरोजगार युवाओं को इस अवसर का लाभ उठाने और तदनुसार तैयारी करने के लिए प्रोत्साहित किया। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने आरटीसी में लंबे समय से प्रतीक्षित नए पदों की भर्ती के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के प्रति आभार व्यक्त किया।

नशे में वाहन चलाने वाले 218 पकड़े गए

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। इस सप्ताहांत साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस द्वारा नशे में वाहन चलाने के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया, जिसके तहत 218 अपराधियों को पकड़ा गया। कुल 176 दोपहिया वाहन, 19 तिपहिया वाहन, 23 चार पहिया वाहन, 00 भारी वाहन। 20 अपराधियों को 200 मिलीग्राम/100 मिली से 300 मिलीग्राम/100 मिली के बीच रक्त अल्कोहल सांद्रता (बीएसी) के साथ पकड़ा गया, 10 अपराधियों को 301 मिलीग्राम/100 मिली से 500 मिलीग्राम/100 मिली के बीच रक्त अल्कोहल सांद्रता (बीएसी) के साथ पकड़ा गया। पकड़े गए सभी लोगों को हाईकोर्ट में पेश किया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति शराब पीकर वाहन चलाता है और दुर्घटना करता है, जिससे लोगों की मृत्यु होती है, तो ऐसे व्यक्तियों को भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या) के तहत गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा, जिसके लिए अधिकतम सजा 10 वर्ष की जेल और जुर्माना है।

तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल ने किताकियुशू शहर का दौरा किया

टोक्यो/हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को जापान के किताकियुशू शहर का दौरा किया। किताकियुशू के मेयर काजुहिसा टेकाउची ने तेलंगाना राइजिंग प्रतिनिधिमंडल का गर्मजोशी से स्वागत किया और पारंपरिक समारोह में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू और अन्य अधिकारियों का अभिवादन किया।

किताकियुशू शहर स्थिरता, रीसाइक्लिंग नवाचार और पर्यावरण देखभाल के लिए प्रसिद्ध है। यह कभी जापान का सबसे प्रदूषित शहर था (पानी, हवा और मिट्टी जहरीली थी) अब यह दुनिया में बदलाव का सबसे अच्छा उदाहरण है।

कांचा गच्चीबावली : पूर्व नौकरशाहों ने की वनों और जैव विविधता के संरक्षण की मांग

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र और राज्य सरकारों के साथ काम कर चुके पूर्व और सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारियों का एक समूह ने कांचा गच्चीबावली में 100 एकड़ से अधिक वन भूमि को बुलडोजर का उपयोग करके साफ करने पर निराशा व्यक्त की है और सभी सरकारों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि देश भर में वन और जैव विविधता की रक्षा की जाए और विकास के नाम पर इसका दुरूपयोग न किया जाए। सीसीजी ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस पार्टी ने 2024 के चुनावों के लिए अपने घोषणापत्र में तीव्र, समावेशी और सतत विकास तथा अपने पारिस्थितिकी तंत्र, स्थानीय समुदायों, वनस्पतियों और जीवों की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की थी, लेकिन अब वह इसके विपरीत काम कर रही है।

इसमें कहा गया है कि जब हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्रों ने वन भूमि की निकासी, पेड़ों की कटाई और बुलडोजर के इस्तेमाल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, तो राज्य सरकार ने मामले को सुलझाने के लिए उनके साथ बातचीत करने के बजाय, बलपूर्वक विरोध को दबाने की कोशिश की, यहां तक कि गिरफ्तारी और लाठीचार्ज का भी सहारा लिया।

समूह ने कहा कि राज्य सरकार जोर देकर कह रही है कि संबंधित भूमि वन भूमि नहीं है। हालांकि, इस दावे को खारिज करने वाले पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। समूह ने बताया कि 1996 के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार, जिसे आमतौर पर गोदावर्मन मामले के रूप में जाना जाता है, सभी राज्यों को स्वामित्व की परवाह किए बिना शब्द के शब्दकोश अर्थ के अनुसार सभी वनों की पहचान करने के लिए राज्य विशेषज्ञ समितियों (एसईसी) का गठन करना था।

सीसीजी ने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार (जिसका 1996 में तेलंगाना भी हिस्सा था) एसईसी का गठन करने में विफल रही और इसलिए उसने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार सभी वनों की पहचान नहीं की। वे वनों के भू-संदर्भन पर सुप्रीम कोर्ट के बाद के आदेशों का पालन करने में भी विफल रहे। इसलिए, यह दावा कि विवादित भूमि वन भूमि नहीं है, उसका कोई कानूनी आधार नहीं है, क्योंकि यह सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन न करने का नतीजा है।

टिकट जारी करने वाली मशीन में खराबी

मंचेरियल, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। टिकट जारी करने के लिए एंड्रॉयड आधारित उपकरण आई-टीआईएमएस (इंटेलिजेंट टिकट इश्यू मशीन) में तकनीकी खराबी आने के कारण रविवार को जिले भर में टीजीआरटीसी की सेवाएं ठप्प हो गईं, जिससे हजारों यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ा। अधिकारियों ने बताया कि कंडक्टरों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली मशीनों में सुबह 3 बजे से 6 बजे तक कुछ तकनीकी खराबी आ गई। नतीजतन, कंडक्टर यात्रियों को टिकट जारी करने में असमर्थ थे, जिसके परिणामस्वरूप बसों में विभिन्न गंतव्यों तक यात्रा करने वाले यात्रियों को असुविधा हुई। कंडक्टरों ने कथित तौर पर इस चुनौती का समाधान करने में असमर्थता व्यक्त की।

मंचेरियल डिपो मैनेजर एस जनार्दन ने बताया कि टीआईएमएस के डेटाबेस और सर्वर में कुछ दिक्कतें थीं। हालांकि, सुबह 6 बजे तक समस्या का पता लगा लिया गया और उसे ठीक कर दिया गया।

केटी रामाराव ने कांग्रेस और भाजपा को बताया 'तेलंगाना का दुश्मन'

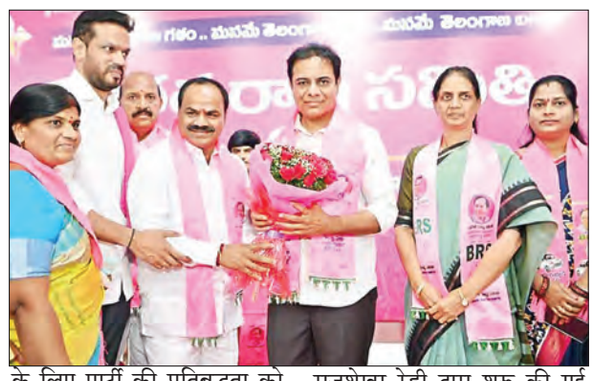

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस और भाजपा दोनों को 'तेलंगाना का दुश्मन' करार देते हुए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने रविवार को कहा कि दोनों ही झूठे वादे कर रहे हैं और ठोस नतीजे देने में विफल रहे हैं। उन्होंने तेलंगाना के लोगों से भ्रामक दावों के प्रति सतर्क रहने और राज्य की प्रगति और समृद्धि को प्राथमिकता देने वाले नेतृत्व का समर्थन करने का आग्रह किया। तेलंगाना भवन में राजेंद्रनगर निर्वाचन क्षेत्र के अत्तापुर डिवीजन के विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं का स्वागत करते हुए, जो बीआरएस में शामिल हुए, उन्होंने पिछली बीआरएस सरकार द्वारा की गई परिवर्तनकारी पहलों पर प्रकाश डाला, जिसमें रैतु बंधु जैसे प्रमुख कार्यक्रम शामिल हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे इन योजनाओं ने किसानों, छात्रों और हाशिए के समुदायों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है, जिससे समावेशी विकास के लिए पार्टी की प्रतिबद्धता को बल मिला।

वाईएस राजशेखर रेड्डी और एन चंद्रबाबू नायुडू जैसे पूर्व मुख्यमंत्रियों के योगदान को स्वीकार करते हुए, रामा राव ने ए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में मौजूदा कांग्रेस नेतृत्व की आलोचना की, जो पिछली बीआरएस सरकार द्वारा शुरू की गई प्रगति को बाधित करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि बीआरएस अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के विपरीत, जिन्होंने राजशेखर रेड्डी द्वारा शुरू की गई आरोग्यश्री और शुल्क प्रतिपूर्ति जैसी लाभकारी योजनाओं को जारी रखा , कांग्रेस सरकार ऐसी पहलों को बनाए रखने या आगे बढ़ाने में विफल रही।

रामा राव ने तेलंगाना से चुने गए 8 भाजपा सांसदों के योगदान पर भी सवाल उठाए और भाजपा नेताओं पर विभाजनकारी बयानबाजी पर भरोसा करने और राज्य के लिए सार्थक विकास करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनके अभियान अक्सर नरेंद्र मोदी की प्रशंसा करने वाले नारों पर केंद्रित होते हैं जबकि लोगों की ज़रूरतों को नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है। कांग्रेस की आलोचना करते हुए रामाराव ने कहा कि पार्टी ने सत्ता में आने के पहले 100 दिनों के भीतर अपने वादों को पूरा करने का वादा किया था। हालांकि, 500 दिनों के बाद भी, मुफ्त बस सेवाओं की शुरूआत के अलावा, बहुत कम प्रगति हुई है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि कांग्रेस के वादों को लागू करने की नई समयसीमा 31 फरवरी हो सकती है।

उन्होंने बीआरएस नेताओं और समर्थकों से 27 अप्रैल को वारंगल में होने वाली पार्टी की रजत जयंती बैठक में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने पदाधिकारियों को कारों का उपयोग करने से बचने और इसके बजाय एकजुटता और एकता दिखाने के लिए पार्टी सदस्यों के साथ बसों में यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पिकेट में अग्निशामक माकड्रिल आयोजित

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पिकेट में रविवार को विद्यालय के क्रीडा क्षेत्र स्थल में अग्निशामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्राचार्य रूपेंदर सिंह , अग्निशामक विभाग के अधिकारीगण एवं विद्यालय के समस्त शिक्षक गण उपस्थित रहे। संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान छात्रों की सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा गया। कार्यक्रम के दौरान अग्निशामक विभाग के अधिकारियों ने छात्रों को आग के खतरों से अवगत कराया एवं उनको आग से बचाव के कई तरीके सिखाए, जैसे कि आग को बुझाने के लिए अग्निशामक उपकरणों का उपयोग करना और आग के समय सुरक्षित स्थान पर पहुंचना आदि। छात्रों ने उत्साहपूर्वक इस कार्यक्रम में भाग लिया और आग से बचाव के तरीके सीखे। इस कार्यक्रम का आयोजन छात्रों के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि इससे उन्हें आग से बचाव के तरीके सीखने का अवसर मिला और उन्होंने आग से होने वाले खतरों को जाना। इस कार्यक्रम के आयोजन से छात्रों को आग से बचाव के तरीके सीखने में मदद मिली और उन्होंने आग के समय सुरक्षित रहने के तरीके सीखें। कार्यक्रम के अंत में, छात्रों ने आग से बचाव के तरीकों को अपनाने का संकल्प लिया। इस प्रकार पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय पिकेट में अग्निशामक कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। ।

क्रिकेट खेलते समय युवक की मौत

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को शहर के बाहरी इलाके कीसरा के रामपल्ली दयारा में क्रिकेट खेलते समय एक 32 वर्षीय व्यक्ति की हृदयाघात से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, ओल्ड बोवेनपल्ली निवासी निजी कर्मचारी एम. प्रणीत कुछ दोस्तों के साथ त्यागी स्पोर्ट्स वेन्यू ग्राउंड में क्रिकेट खेल रहे थे, तभी उन्हें अचानक सीने में दर्द की शिकायत हुई और वे गिर पड़े। पुलिस ने कहा कि उसके दोस्त उसे पास के अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों को संदेह है कि उसकी मौत हृदयाघात से हुई। परिवार ने उनकी मौत पर कोई संदेह नहीं जताया है।

बेज्जामहादेवी की दुर्लभ मूर्ति मिली

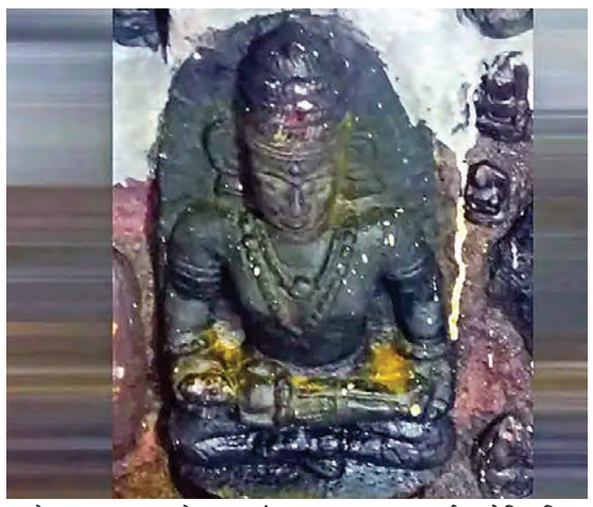

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कोत्ता तेलंगाना चरित्र ब्रुंडम के सदस्य कंकनाला राजेश्वर ने पहचान की है कि निज़ामाबाद के भीमगल मंडल में स्थित बेजजोर गांव के मंदिर में मूर्ति पालकुरिकी सोमना के बसवपुराण से बेज्जामहादेवी की है। कोत्ता तेलंगाना चरित्र ब्रुंडम के संयोजक श्रीरामोजू हरगोपाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि मूर्ति में एक देवी को गोद में एक बच्चे को पकड़े हुए दिखाया गया है, जो मंदिर में देवी के रूप में स्थापित भगवान शिव को एक बच्चे के रूप में पालते हुए बेज्जमाहादेवी को दर्शाती है।

यह एक दुर्लभ ऐतिहासिक घटना है। उन्होंने कहा कि वीरशैव भक्तों की मूर्तियों में, अक्कमहादेवी की मूर्ति विशेष रूप से प्रसिद्ध है।

चालुक्य शैली के मंदिर में एक और देवी की मूर्ति चामुंडी की है, साथ ही एक शैव भक्त की भी मूर्ति है।

मंदिर में दो शैलियों की गणेश मूर्तियां, एक षण्मुख मूर्ति, दो शैलियों के शिव लिंग और एक लिंग है जिसके पीछे एक आकृति है, संभवतः एक पशुपति या कालमुख शैव गुरु एक गदा पकड़े हुए है। ब्रूंडम ने कहा कि मंदिर के साथ एक सीढ़ीदार कुआं भी जुड़ा हुआ है।

साइबर सुरक्षा और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

छात्रों ने प्रश्न पूछे और अपनी चिंताएँ साझा कीं

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सामुदायिक आउटरीच पहल के एक भाग के रूप में आज डीसीपी, नॉर्थ जोन पुलिस उपायुक्त, उत्तर क्षेत्र, हैदराबाद, सुश्री एस. रश्मि पेरुमल ने एमएसबी एजुकेशनल इंस्टिट्यूट, तिरुमलगिरी (जिसे अल मदरसा तुस सैफिया तुल बुरहानिया के नाम से भी जाना जाता है) में एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया, जो बोहरा समुदाय के मुसलमानों द्वारा मूल्यों और परंपराओं में निहित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए संचालित इस्लामिक शैक्षणिक संस्थान है। समुदाय की भागीदारी स्कूल के विकास को बनाए रखने और समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस सत्र में कक्षा 9 से 12 तक के 115 से अधिक छात्रों और स्कूल के कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य साइबर सुरक्षा, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और आपातकालीन प्रतिक्रिया तैयारियों के बारे में जागरूकता पैदा करना था। छात्रों को एक आकर्षक और जानकारीपूर्ण सत्र में संबोधित किया गया, जिसमें साइबर धोखाधड़ी के वास्तविक जीवन के परिदृश्यों और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खतरों पर प्रकाश डालने वाले लघु शैक्षिक वीडियो की स्क्रीनिंग शामिल थी। इसका उद्देश्य छात्रों को संभावित खतरों के प्रति संवेदनशील बनाना और उन्हें खुद को बचाने के लिए ज्ञान से लैस करना था। इस संवाद में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिन्होंने प्रश्न पूछे और अपनी चिंताएँ साझा कीं, तथा उन्हें धैर्यपूर्वक स्पष्ट किया गया और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के दौरान सतर्क रहने, निवारक उपाय अपनाने तथा तैयार रहने के महत्व पर बल दिया गया। छात्रों को आपातकालीन हेल्पलाइन के बारे में शिक्षित करने पर विशेष जोर दिया गया, जिसमें तत्काल पुलिस सहायता के लिए डायल 100 तथा साइबर धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने के लिए 1930 का महत्व और उपयोग शामिल है।

एआई का जिम्मेदारी व नैतिक रूप से उपयोग करें : बलराम

पीआर दिवस समारोह में एमयू डीन प्रोफेसर शशि ने मुख्य भाषण दिया

हैदराबाद, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एन. बलराम ने कहा कि चूंकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से प्रेरित तकनीकी क्रांति हमारे जीवन के हर पहलू को प्रभावित करने जा रही है, इसलिए बेहतर होगा कि लोग इसका जिम्मेदारी और नैतिक रूप से उपयोग करना सीखें। वे पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया के हैदराबाद चैप्टर द्वारा तेलुगु विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय पीआर दिवस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में जनसंपर्क और कॉर्पोरेट संचार पेशेवरों को संबोधित कर रहे थे। इस वर्ष के पीआर दिवस समारोह की थीम ("एआई का जिम्मेदाराना उपयोग: जनसंपर्क की भूमिका") का उल्लेख करते हुए, श्री बलराम ने कहा: "हम एआई के युग में प्रवेश नहीं कर रहे हैं; हम पहले से ही इसमें गहरे डूबे हुए हैं। इंटरनेट के व्यापक प्रभाव ने हमारी दुनिया को और संकुचित कर दिया है, जिससे एक ऐसा परिदृश्य तैयार हो गया है जहाँ अनुकूलन केवल एक विकल्प नहीं है, बल्कि अस्तित्व और सफलता के लिए एक आवश्यकता है। यह वास्तविकता है कि इसे जीवित रहने के लिए इसे सीखना होगा।" श्री बलराम ने श्रमिकों, कर्मचारियों और अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी के साथ किए गए विभिन्न अभिनव उपायों के बारे में भी बात की, जिससे एससीसीएल के लिए लाभ सुनिश्चित हुआ। महिंद्रा विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ डिजिटल मीडिया एंड कम्युनिकेशंस के डीन, प्रोफेसर शशिधर नंजुदैया ने अपने मुख्य भाषण में एआई के आसपास के नैतिक पहलुओं पर बात की। "क्या तकनीक संदेश को नियंत्रित कर रही है या संदेश तकनीक को नियंत्रित कर रहा है? नैतिकता को कौन नियंत्रित कर रहा है? हम लोगों में अपना विश्वास खोए बिना एआई का उपयोग कैसे कर रहे हैं?" उन्होंने पीआर और रणनीतिक संचार क्षेत्रों से केस स्टडी प्रस्तुत करते हुए पूछा। पीआरएसआई के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कृष्णा बाजी ने सत्र की अध्यक्षता की, जबकि पीआरएसआई एनसी सदस्य मोहन राव ने राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक का संदेश पढ़कर सुनाया। इस अवसर पर पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. एस. रामू और सचिव डॉ. के. यादगिरी ने अतिथियों को पौधे भेंट कर सम्मानित किया।

दो अंतर-जिला कृषि पंप सेट चोर गिरफ्तार

पेद्दापल्ली, 20 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पोटकापल्ली पुलिस ने दो अंतरजिला कृषि पंप सेट चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से 39 मोटरें बरामद कीं। शनिवार को पोटकापल्ली पुलिस स्टेशन में मीडियाकर्मियों के सामने आरोपियों को पेश करते हुए पेद्दापल्ली के डीसीपी पुल्ला करुणाकर ने चोरों की कार्यप्रणाली के बारे में बताया। ओडेला के सिरिगिरी प्रसाद और अंगीदी साईकुमार को कृषि मोटर चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। शनिवार की सुबह जम्मीकुंटा के बाहरी इलाके में शानागोंडा के पास वाहन जांच के दौरान पुलिस को दो व्यक्ति संदिग्ध परिस्थितियों में एक ऑटोरिक्शा ट्रॉली में घूमते हुए मिले। वाहन की जांच करने पर पुलिस को उसमें कृषि पंप सेट, बिजली सेवा तार और अन्य सामान मिला। पूछताछ करने पर प्रसाद और साईकुमार ने मोटर चोरी करने का अपराध कबूल कर लिया। आसान तरीके से पैसे कमाने के लिए दोनों ने कुओं, नालों और तालाबों पर लगे कृषि मोटरों को चुराना शुरू कर दिया। पिछले दो महीनों में उन्होंने पेद्दापल्ली और सुल्तानाबाद सर्किल की सीमा में अपराध किए। इनके पास से करीब 39 कृषि मोटर, 750 मीटर सर्विस तार, ऑटोरिक्शा ट्रॉली और मोबाइल फोन बरामद किए गए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.